THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 364 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र शु.13 2083 मंगलवार, 31 मार्च-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

रुपये में ऐतिहासिक गिरावट : पहली बार 95 के पार पहुंचा

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। शेयर बाजार में भारी गिरावट और एफआईआई की लगातार बिकवाली के बीच सोमवार के कारोबार के दौरान रुपया पहली बार डॉलर के मुकाबले 95 का आंकड़ा पार कर गई। भारतीय मुद्रा अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.14 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई। रुपया एशिया की सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली मुद्रा बन गई है। यह 1 जनवरी, 2026 से अब तक अमेरिकी डॉलर (यूएसडी) के मुकाबले 4.1 प्रतिशत गिर चुकी है। इससे पहले भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से सट्टेबाजी की गतिविधियों पर रोक लगाने के कदम के बाद रुपया डॉलर के मुकाबले 130 पैसे की बढ़त के साथ खुला। आरबीआई ने करेंसी को स्थिर करने के लिए डॉलर पर ऑनशोर लॉन्ग पोजीशन को सीमित कर दिया था।

'आदिवासियों को मिला असली न्याय'

लोकसभा में नक्सलवाद पर बोले अमित शाह

जब हम आजाद हुए, हमने कहा सत्यमेव जयते! इनका वाक्य क्या है- सत्ता बंदूक की नली से निकलती है। यह विकास के लिए नहीं, अपनी विचारधारा की विजय के लिए है। यह विचारधारा आदिवासियों में फैलाकर उन्हें बहकाने की है।

अमित शाह, गृह मंत्री

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा में नक्सलवाद पर चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि रेड कॉरिडोर के 12 राज्यों और आदिवासी समाज की ओर से वह इस बहस के लिए धन्यवाद देते हैं।

उन्होंने कहा कि आदिवासी वर्षों से चाहते थे कि उनकी स्थिति संसद में उठे और पूरी दुनिया सच्चाई जाने, लेकिन उन्हें लंबे समय तक यह मौका नहीं मिला। अब उनकी आवाज राष्ट्रीय स्तर पर पहुंची है। अमित शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कई आदिवासी सांसद वोट के लालच में कांग्रेस के साथ खड़े रहे, लेकिन उन्होंने अपने समाज के विकास के लिए क्या किया, यह सवाल आज भी खड़ा है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने खुद माना था कि माओवादी हिंसा देश की सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती है, लेकिन उस समय कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने नक्सलवाद की समस्या को गंभीरता से नहीं लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि आदिवासी क्षेत्रों में विकास नहीं पहुंचाया गया, जिससे वहां असंतोष बढ़ा। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों की कमजोरी के कारण ही नक्सलवाद ने जड़ें मजबूत कीं।

उन्होंने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद कई बड़े फैसले हुए। उन्होंने धारा 370 और 35ए हटाने, राम मंदिर निर्माण, जीएसटी लागू करने और महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने जैसे फैसलों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इन 12 वर्षों में देश की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा मजबूत हुई है।

नक्सलवाद से मुक्त भारत क्या बोले शाह :
अमित शाह ने कहा कि अब नक्सलवाद से मुक्त भारत का सपना साकार हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह सरकार की मजबूत नीतियों और सुरक्षा बलों की कार्रवाई का परिणाम है। उन्होंने इसे देश के लिए एक बड़ा बदलाव बताया।

मिडिल ईस्ट युद्ध में अबतक 8 भारतीयों की मौत

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। ईरान और अमेरिका-इजरायल युद्ध का दूसरी महीना चल रहा है। इस दौरान युद्ध प्रभावित क्षेत्र में जंग की वजह से अबतक 8 भारतीयों की जान जा चुकी हैं। आखिरी भारतीय की जान रविवार को कुवैत में चली गई। कुवैत में एक डीसैलिनैशन प्लांट पर हुए हमले में एक भारतीय कामगार की मौत हो गई। कुवैत में मौजूद भारतीय दूतावास ने मृत भारतीय की ज्यादा जानकारी शेयर किए बिना एक्स पर इसकी जानकारी सोमवार को दी। कुवैत स्थित भारतीय दूतावास ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा है, कल कुवैत में एक डीसैलिनैशन फैसिलिटी पर हुए एक हमले में एक भारतीय नागरिक की दुखद मौत पर कुवैत स्थित भारतीय दूतावास गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता है। दूतावास हर संभव सहायता के लिए कुवैती अधिकारियों के साथ करीबी समन्वय में जुटा है।

लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा शब्बीर अहमद लोन दिल्ली में अरेस्ट

दिल्ली, तमिलनाडु में आतंकी मॉड्यूल तैयार कर रहा था

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली में सुरक्षा एजेंसियों ने सोमवार को लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े आतंकी शब्बीर अहमद लोन को दिल्ली बॉर्डर से गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, शुरूआती जांच में सामने आया है कि वह बांग्लादेश से भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम दे रहा था।

पुलिस के मुताबिक, शब्बीर दिल्ली, कोलकाता और तमिलनाडु में आतंकी गतिविधियों के लिए युवाओं की भर्ती करने की तैयारी में था। यह पूरा नेटवर्क पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर ऑपरेट हो रहा था। साल 2007 में भी दिल्ली पुलिस ने आतंकवाद के आरोपों में लोन को गिरफ्तार किया था। 2019 में जमानत मिलने के बाद वह बांग्लादेश भाग गया था। काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) ने 26 मार्च को शब्बीर के आतंकी मॉड्यूल की जांच के लिए कश्मीर के तीन जिलों, गांदरबल, शोपियां और श्रीनगर के 10 ठिकानों पर रेड मारी थी। सीआईके के मुताबिक, इस मामले के तार एक ट्रांजैक्शनल नेटवर्क से जुड़े पाए गए हैं, जिसमें मॉड्यूल को बांग्लादेश और पाकिस्तान में बैठे लश्कर-ए-तैयबा के हैंडलर्स से निर्देश मिल रहे थे। सुरक्षा एजेंसियां 2 महीनों से शब्बीर की गतिविधियों पर नजर रखे थीं। इस मॉड्यल का खुलासा 7 फरवरी को दिल्ली में लगे देश विरोधी पोस्टर से हुआ। दिल्ली स्पेशल सेल के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रमोद सिंह कुशवाहा ने बताया था कि कुछ लोगों ने कश्मीरी गेट बस अड्डा और मेट्रो स्टेशन के पास 'फ्री कश्मीर' के देशविरोधी पोस्टर लगा दिए। सीआईएसएफ के जवानों ने इनको देखकर मेट्रो पुलिस को खबर दी। मेट्रो पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की। जांच के दौरान पोस्टर लगाने वाले 2 आरोपियों के आने-जाने के रूट का मेट्रो पुलिस ने पता लगा लिया।

एशिया में कम हो रहा तेल भंडार : जेपी मॉर्गन की रिपोर्ट में अमेरिका और यूरोप को लेकर भी चेतावनी जारी

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। ईरान के साथ अमेरिका और इजरायल के हमलों की वजह से होर्मुज स्ट्रेट अभी बंद है। इसकी वजह से मिडिल ईस्ट का तेल बाकी दुनिया में नहीं जा पा रहा है। हालात ऐसे हो गए हैं कि तमाम देशों को घटते तेल स्टॉक का असर महसूस होने लगा है। प्रमुख अमेरिकी वित्तीय संस्था जेपी मॉर्गन ने पिछले हफ्ते जारी एक रिपोर्ट में चेतावनी दी है कि जैसे-जैसे यह झटका पश्चिम की ओर बढ़ेगा, एशिया पर इसका असर सबसे पहले पड़ेगा। रिपोर्ट के अनुसार अगला नंबर अमेरिका और यूरोप का होगा। आमतौर पर, फारस की खाड़ी से तेल का शिपमेंट 10 से 20 दिनों में एशिया पहुंचता है।

लगभग 20 से 35 दिनों में यूरोप और अफ्रीका और फिर आखिर में लगभग 35 से 45 दिनों के बाद अमेरिका पहुंचते हैं। जेपी मॉर्गन की रिपोर्ट में कहा गया है कि पश्चिम की ओर बढ़ रही सप्लाई में रुकावट की वजह से एशिया को सबसे पहले दबाव महसूस होगा। आखिरी तेल टैंकर 28 फरवरी को स्ट्रेट से निकला था और युद्ध से पहले ये आखिरी शिपमेंट ज्यादातर खत्म हो चुके हैं। दक्षिण-पूर्व एशिया पर खास तौर पर बुरा असर पड़ेगा। इस इलाके में तेल एक्सपोर्ट में महीने-दर-महीने 41 प्रतिशत की गिरावट का जिक्र करते हुए रिपोर्ट में कहा गया, तेल से संबंधित मुख्य चुनौती कीमत से फिजिकल कमी में बदल गई है। दक्षिण पूर्व एशिया के बाद स्थिति से अफ्रीका प्रभावित होगा, जिसका असर अप्रैल की शुरूआत तक और बढ़ जाएगा, हालांकि यह लोकल स्टॉक लेवल और देश में आयात किए गए तेल पर कितने आश्रित हैं, इस पर निर्भर करता है।

असम में विकास के लिए शांति पहली शर्त : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को 'मेरा बूथ सबसे मजबूत संवाद' नामक जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत नमो ऐप के माध्यम से असम के पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत की। इस बातचीत में पीएम मोदी ने पार्टी कार्यकर्ताओं के विचार जाने और उन्हें चुनाव में जीत के लिए कड़ी मेहनत का गुरुमंत्र दिया।

इस दौरान पीएम मोदी ने बीते एक दशक में असम में तेज विकास होने की बात भी कही। असम में भाजपा के बूथ कार्यकर्ताओं से संवाद के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राज्य के विकास के लिए सबसे पहली शर्त शांति है। उन्होंने कहा कि राज्य लंबे समय तक अस्थिता से जूझा है, लेकिन पिछले दशक में चीजें बदल गई हैं।

उन्होंने बताया कि सरकार ने पूर्वोत्तर में विभिन्न संगठनों के साथ 12 शांति समझौते किए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को लोगों को यह याद दिलाना चाहिए कि कांग्रेस सरकार सिर्फ सुर्खियां बटोरने और लोगों को गुमराह करने के लिए कागजों पर ही समझौते करती थी। प्रधानमंत्री ने कहा, हमने वह दौर देखा है जब असम हिंसा की आग में जल रहा था। असम में लंबे समय तक अस्थिरता रही, लेकिन पिछले दशक में स्थितियां बदली हैं। आज भाजपा की डबल इंजन सरकार के प्रयासों से राज्य में नया आत्मविश्वास देखने को मिल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासन के दौरान शांति समझौतों को नजरअंदाज किया गया और युवाओं को भटकने के लिए छोड़ दिया गया। उन्होंने कहा, कांग्रेस शासन में उग्रवादी और छात्र संगठनों के साथ कोई भी समझौता सफल नहीं हुआ। कांग्रेस ने बोडो समुदाय के साथ विश्वासघात किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा ने शांति स्थापित करने और युवाओं का भविष्य सुरक्षित करने के लिए काम किया है तथा शांति समझौतों को जमीनी स्तर पर ईमानदारी से लागू किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि उन्होंने पहली बार वोट करने जा रहे मतदाताओं को पूर्व की कांग्रेस सरकारों के कार्यकाल को याद दिलाने की जरूरत है और एक छोटी सी गलती राज्य को पीछे धकेल सकती है। पीएम मोदी ने पार्टी कार्यकर्ताओं से भाजपा-एनडीए की सरकार की जीत की हैट्रिक के लिए कड़ी मेहनत करने की अपील की।

'अगर जल्द समझौता नहीं हुआ तो तबाह कर देंगे खर्ग द्वीप'

> राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान को चेतावनी

अगर किसी भी वजह जल्द कोई समझौता नहीं होता है और होर्मुज जलडमरूमध्य व्यापार के लिए नहीं खुलता है, तो हम ईरान के सभी बिजली उत्पादन संयंत्रों, तेल कुओं और खर्ग द्वीप को पूरी तरह तबाह कर देंगे।

डोनाल्ड ट्रंप, अमेरिकी राष्ट्रपति

वॉशिंगटन, 30 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि उनका देश ईरान में अपने सैन्य अभियानों को समाप्त करने के लिए एक और अधिक समझदार शासन के साथ गंभीरता से बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में काफी प्रगति हुई है। लेकिन अगर किसी भी वजह जल्द ही कोई समझौता नहीं हो पाता है (जिसकी बहुत अधिक संभावना है) और अगर होर्मुजल डमरूमध्य व्यापार के लिए नहीं खुलता है, तो हम उनके सभी बिजली उत्पादन संयंत्रों, तेल कुओं और खर्ग द्वीप को पूरी तरह तबाह कर देंगे, जिन्हें हमने जानबूझकर अभी तक छुआ नहीं है। उन्होंने लिखा, यह उन असंख्य सैनिकों और अन्य लोगों का बदला होगा, जिन्हें ईरान ने पिछले शासन के 47 वर्षों के आतंक के दौरान बेरहमी से मार डाला था। इस मामले पर ध्यान देने के धन्यवाद।

स्पेन ने अमेरिकी विमानों के लिए बंद किया हवाई क्षेत्र :
इससे पहले स्पेन ने अमेरिकी लड़ाकू विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद करने का एलान किया। स्पेनिश रक्षा मंत्री मार्गरीटा रोबल्स ने कहा, हम ईरान के साथ जंग से जुड़ी किसी भी कार्रवाई के लिए न तो सैन्य अड्डों के इस्तेमाल की अनुमति देते हैं और न ही हवाई क्षेत्र के उपयोग की। यह कदम पहली बार स्पेनिश अखबार एल पेस में प्रकाशित हुआ था, जिसमें सैन्य सूत्रों का हवाला दिया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रतिबंध के कारण पश्चिम एशिया में लक्ष्यों की ओर जाने वाले सैन्य विमानों को नाटो सदस्य स्पेन से होकर गुजरने के बजाय वैकल्पिक मार्ग अपनाना पड़ेगा।

धर्म के आधार पर आरक्षण का विरोध

राज्यसभा में हंगामा, विपक्ष का वॉकआउट

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। राज्यसभा में सोमवार को उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब भाजपा सांसद के. लक्ष्मण ने ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) श्रेणी से मुस्लिम समुदाय को बाहर किए जाने का मुद्दा उठाया। शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा कि ओबीसी आरक्षण का लाभ केवल सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों को मिलना चाहिए और इसे धर्म के आधार पर नहीं दिया जाना चाहिए।

इस मुद्दे पर विपक्षी दलों ने कड़ा विरोध जताया। विवाद बढ़ने के बाद विपक्ष ने सरकार के रुख के खिलाफ विरोध स्वरूप सदन से वॉकआउट कर दिया। 'इंडिया' एलायंस सांसदों ने इसे विभाजनकारी मुद्दा बताया। इसे संविधान और सामाजिक न्याय के खिलाफ बताया गया।

भाजपा के राज्यसभा सदस्य के. लक्ष्मण ने सदन में कहा कि सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए बनाए गए आरक्षण का कुछ राज्यों में धर्म के आधार पर दुरूपयोग किया जा रहा है, जो संविधान की भावना के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि आरक्षण का मूल उद्देश्य सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़ेपन को दूर करना है, लेकिन कुछ राज्य सरकारें इसे धार्मिक पहचान से जोड़कर लागू कर रही हैं। उन्होंने विभिन्न राज्यों का उल्लेख किया और कई राज्यों के उदाहरण भी दिए।

उन्होंने कर्नाटक में मुस्लिम समुदाय को ओबीसी सूची में एक श्रेणी के रूप में शामिल कर लगभग 4 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का उल्लेख किया। भाजपा सांसद ने पश्चिम बंगाल का जिक्र करते हुए कहा कि बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय को ओबीसी श्रेणी में शामिल किया गया है, जिससे वास्तविक पिछड़े वर्गों के अधिकार प्रभावित हो सकते हैं।

ऐसे ही तमिलनाडु में भी मुस्लिम समुदाय के लिए अलग से आरक्षण व्यवस्था का जिक्र किया गया। केरल में भी मुस्लिम समुदाय को ओबीसी सूची में शामिल कर आरक्षण प्रतिशत बढ़ाने की बात कही गई।

चुनाव प्रचार में राहुल ने मेड इन इंडिया पर पूछे सवाल

भाजपा को 'छिपी हुई ताकत' बताया

तिरुवनंतपुरम, 30 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी केरल दौरे पर सबरीमाला मुद्दे पर चुप रहे। यह भाजपा और एलडीएफ के मिलकर काम करने का संकेत है। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि कांग्रेस केरल विधानसभा चुनावों में माकपा और भाजपा के संयोजन का सामना कर रही है।

एलडीएफ नेतृत्व भ्रष्ट :
राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा यूडीएफ को नहीं चाहती। उन्हें पता है कि देश में कांग्रेस ही उन्हें चुनौती दे सकती है। भाजपा समझती है कि एलडीएफ उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर चुनौती नहीं दे सकता। दिल्ली में सत्ता में होने पर केरल में कोई भी एलडीएफ सरकार उनके नियंत्रण में रहेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा से लड़ने वालों पर हमला होता है। राहुल ने बताया कि उन पर 36 मामले हैं और 55 घंटे लगातार पूछताछ हुई। केरल के मुख्यमंत्री के खिलाफ ऐसी कोई कार्रवाई नहीं होती। एलडीएफ नेतृत्व भ्रष्ट है, लेकिन भाजपा का उन पर कोई दबाव नहीं है। प्रधानमंत्री जहां भी जाते हैं, मंदिरों और धर्म की बात करते हैं। लेकिन पलक्कड़ दौरे पर वे सबरीमाला की घटना को भूल गए।

एलडीएफ पर कॉर्पोरेट-समर्थन के आरोप :
उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एलडीएफ अब वामपंथी पार्टी जैसा व्यवहार नहीं करता। उनकी नीतियां भाजपा की तरह ही कॉर्पोरेट-समर्थित हैं। यूडीएफ ने अतीत में रबर किसानों का समर्थन किया था। एलडीएफ रबर श्रमिकों को मुआवजा देने से इन्कार करता है। कांग्रेस रबर किसानों और श्रमिकों को मूल्य उतार-चढ़ाव से बचाएगी। बाजार के प्रतिकूल होने पर उन्हें व्यवस्थित रूप से संरक्षित और मुआवजा दिया जाएगा।

मोदी-ट्रंप संबंध और केरल के मुद्दे :
राहुल ने आरोप दोहराया कि मोदी वित्तीय सौदों को लेकर डोनाल्ड ट्रंप से समझौता कर चुके हैं। संसद में यह मुद्दा उठाने पर प्रधानमंत्री ने जवाब देने से परहेज किया। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि जैसे ट्रंप मोदी को नियंत्रित करते हैं, वैसे ही प्रधानमंत्री केरल के मुख्यमंत्री को नियंत्रित करते हैं। केरल के लोग पर्यावरण और सह-अस्तित्व को महत्व देते हैं। उन्होंने युवाओं के लिए उद्योगों और रोजगार के अवसरों की कमी पर चिंता जताई।

सबरीमाला सोना चोरी मामला

भाजपा ने दिया करारा जवाब 'राहुल गांधी का झूठ फिर आया सामने'

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर एक झूठा आरोप लगाया, जिस पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने करारा जवाब दिया और राहुल गांधी के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए एक्स पर एक वीडियो शेयर किया। दरअसल, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि जब भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रैली को संबोधित करते हैं, तो वह मंदिर, ईश्वर और धर्म के बारे में लंबे भाषण देते हैं, लेकिन जब केरल के सबरीमाला मंदिर से माकपा नेता सोने की चोरी करते हैं, तो पीएम मोदी इस पर कुछ नहीं बोलते हैं। इसके बाद, भाजपा ने राहुल गांधी के आरोपों पर जवाब देते हुए, पीएम मोदी का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें पीएम मोदी स्पष्ट रूप से दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की बात करते हुए नज़र आ रहे हैं।

भाजपा द्वारा जारी वीडियो 23 जनवरी 2026 का है, जब पीएम मोदी ने एक सभा को संबोधित करते हुए कहा था कि एलडीएफ की सरकार ने सबरीमाला मंदिर की परंपराओं को नुकसान पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। पीएम मोदी ने कहा था कि अभी मंदिर से सोना चोरी होने की खबरें आ रही हैं। पीएम मोदी ने कहा था, मंदिर में से भगवान के पास से सोने की चोरी... मैं एक बात स्पष्ट कहना चाहता हूं, यहां (केरल) भाजपा की सरकार बनते ही आरोपों की सही जांच होगी और दोषियों की जगह जेल में होगी और ये मोदी की गारंटी है। बता दें कि केरल के प्रसिद्ध सबरीमाला मंदिर से कथित सोना चोरी का एक मामला सामने आया है। आरोप है कि मंदिर के गर्भगृह और मूर्तियों पर चढ़े करीब 4.5 किलो से अधिक सोने की हेराफेरी की गई।

पश्चिम एशिया तनाव के बीच भारत की ऊर्जा सुरक्षा पुख्ता

> सरकार मौजूदा हालात पर बोली

देश की सभी रिफाइनरियां सामान्य रूप से काम कर रही हैं और कच्चे तेल का सुरक्षित भंडार पूरी तरह से पर्याप्त है। दो दिनों के भीतर देश में लगभग 1.04 करोड़ एलपीजी बुकिंग प्राप्त हुई, जिनके मुकाबले 92 लाख सिलेंडरों का सफलतापूर्वक वितरण किया जा चुका है।

सुजाता शर्मा, संयुक्त सचिव, पेट्रोलियम मंत्रालय

मुंबई, 30 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी मौजूदा तनाव के बीच भारत सरकार ने देशवासियों और उद्योग जगत को ईंधन की निर्बाध आपूर्ति का भरोसा दिया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि वैश्विक हालात के बावजूद देश में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और प्राकृतिक गैस का पर्याप्त भंडार मौजूद है। कुछ स्थानों पर ग्राहकों द्वारा घबराहट में की जा रही खरीदारी (पैनिक बाइंग) की खबरों के बीच, सरकार ने देश के ऊर्जा बाजार को स्थिर रखने के लिए कई स्तरों पर त्वरित उपाय किए हैं।

शर्मा ने बताया कि देश में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और प्राकृतिक गैस पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। रिफाइनरियां सामान्य रूप से कार्य कर रही हैं और कच्चे तेल का भंडार भी पर्याप्त है। कुछ स्थानों पर घबराहट में खरीदारी देखी गई है, लेकिन नागरिकों को आश्वस्त किया गया है। घरेलू बाजार में उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु सरकार ने उत्पाद शुल्क में कमी की है। पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क दस रुपये घटाया गया है। सरकार ने डीजल की उपलब्धता बनाए रखने के लिए निर्यात शुल्क भी लगाया है। उन्होंने अफवाहों पर विश्वास न करने और जरूरत के हिसाब से ईंधन इस्तेमाल करने का अनुरोध किया। प्राकृतिक गैस की घरेलू उपयोग के लिए शत प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। एलपीजी वितरकों के पास आपूर्ति की कोई कमी नहीं है। पर्याप्त आपूर्ति उपलब्ध है और इसे सुनिश्चित किया जा रहा है। कल लगभग पचानवे प्रतिशत बुकिंग ऑनलाइन की गई थीं। लगभग बयासी प्रतिशत डिलीवरी को प्रमाणीकरण कोड से प्रमाणित किया गया।

पिछले दो दिनों में 1.04 करोड़ बुकिंग के मुकाबले 92 लाख सिलिंडर वितरित हुए। वाणिज्यिक एलपीजी की उपलब्धता में सरकार ने करीब सत्तर प्रतिशत की वृद्धि की है। ढाबों, रेस्तरां और औद्योगिक कैंटीनों को प्राथमिकता दी जा रही है।

'ममता बनर्जी लोगों को धमकी दे रहीं, टीएमसी ने हाईजैक किया चुनाव'

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी का प्रतिनिधिमंडल सोमवार को चुनाव आयोग पहुंचा। भाजपा नेताओं ने चुनाव आयोग से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ शिकायत की है। सोमवार को केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, सुकांत मजूमदार और पीयूष गोयल ने अन्य नेताओं के साथ दिल्ली में चुनाव आयोग से मुलाकात की और याचिका सौंपी। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने मीडिया से बात करते हुए कहा, हमारी एक-एक बात चुनाव आयोग ने सुनीं। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री खुद घर तक जाकर धमकी दे रही हैं। उनकी पूरी टीम ने किस तरह पूरे चुनाव को हाईजैक किया है, हमने ये चिंता व्यक्त की है। उन्होंने बताया, भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने आयोग से अपील की है कि पश्चिम बंगाल में चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष होना चाहिए।

सीजेआई सूर्यकांत बोले-कानून को सैनिकों तक पहुंचना चाहिए

> पहली बार लद्दाख में लेह मिलिट्री कैंप पहुंचे

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। पहली बार भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत ने लद्दाख में लेह मिलिट्री कैंप में सैन्यकर्मियों को संबंधोधित किया है। सीजेआई सूर्यकांत ने इस बात पर जोर दिया कि निश्चित रूप से दूर-दराज इलाकों और सामरिक तौर पर संवेदनशील क्षेत्रों में तैनात जवानों का न्याय तक आसान पहुंच होनी चाहिए। इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया ने लेह बेस कैंप में सैनिकों को संबोधित किया है। लेह समुद्र स्तर से लगभग 3,500 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है।

भारतीय सेना के सैन्यकर्मियों को संबोधित करते हुए सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि सैनिकों को दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में सेवाएं देते हुए कई बार कानूनी और निजी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे इलाकों में रहते हुए उनके लिए अदालतों तक पहुंचना और कानूनी सहायता लेना मुश्किल हो जाता है। भारत के चीफ जस्टिस ने कहा कि ऊंचाइयों पर तैनात सैनिक ड्यूटी छोड़कर अपने घरों पर कानूनी विवादों से नहीं निपट सकते। सीजेआई सूर्यकांत ने सैन्यकर्मियों और उनके प्रति न्यायपालिका की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा- कानून को सैनिकों तक पहुंचना चाहिए, क्योंकि सैनिक हमेशा कानून तक नहीं पहुंच सकते। सीजेआई ने कहा कि कानूनी सहायता या न्याय चैरिटी नहीं है। न्याय धन, भूगोल या सामाजिक स्थिति पर निर्भर नहीं रह सकता।

भाजपा सांसद के बयान पर भड़के नवीन पटनायक

उन्हें मनोचिकित्सक को दिखाने की जरूरत

"उस समय मैं लगभग 13 वर्ष का था, लेकिन मुझे अच्छी तरह याद है कि चीनी हमले को लेकर बीजू बाबू कितने गुस्से में थे और उसे रोकने के लिए उन्होंने कितने प्रयास किए थे। इस तरह के गैर-जिम्मेदाराना बयान देने के लिए उन सांसद को किसी मनोचिकित्सक को दिखाने की जरूरत है।

नवीन पटनायक, बीजद प्रमुख

भुवनेश्वर, 30 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा बीजू पटनायक को लेकर की गई टिप्पणी पर विवाद बढ़ता जा रहा है। अब बीजू पटनायक के बेटे और ओडिशा के पूर्व सीएम नवीन पटनायक ने भाजपा सांसद के बयान पर कड़ी नाराजगी जाहिर की और बयान की कड़ी निंदा की। बीजद प्रमुख नवीन पटनायक ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि शायद टिप्पणी करने वाले सांसद को यह जानकारी नहीं है कि प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने चीन के साथ संघर्ष के दौरान बीजू पटनायक को रणनीति बनाने में मदद के लिए दिल्ली में अपने कार्यालय के पास ही एक दफ्तर दिया था, जबकि वह ओडिशा के मुख्यमंत्री थे।

भाजपा सांसद के बयान पर क्या बोले नवीन पटनायक

भुवनेश्वर में मीडिया से बात करते हुए नवीन पटनायक ने कहा, 'बीजू बाबू के बारे में जो अपमानजनक बातें की गईं, उन्हें सुनकर मैं हैरान हूं। मुझे नहीं लगता कि उन्हें ये पता है कि चीन के साथ लड़ाई के समय तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने बीजू पटनायक को रणनीति बनाने में मदद करने के लिए दिल्ली में अपने कार्यालय के पास ही एक दफ्तर दिया था, जबकि वे उस समय ओडिशा के मुख्यमंत्री थे।' उन्होंने कहा, 'उस समय मैं लगभग 13 वर्ष का था, लेकिन मुझे अच्छी तरह याद है कि चीनी हमले को लेकर बीजू बाबू कितने गुस्से में थे और उसे रोकने के लिए उन्होंने कितने प्रयास किए थे। इस तरह के गैर-जिम्मेदाराना बयान देने के लिए उन सांसद को किसी मनोचिकित्सक को दिखाने की जरूरत है।'

निशिकांत दुबे ने क्या कहा था?

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने 27 मार्च को एक बयान में दावा किया था कि 1960 के दशक में अमेरिका ने तिब्बत में अपने सैनिक और सीआईए एजेंट भेजे थे क्योंकि उसे डर था कि चीन तिब्बत पर कब्जा कर लेगा। दलाई लामा और उनके भाई लगातार अमेरिकी सरकार के संपर्क में थे। पंडित नेहरू ने पूरा युद्ध अमेरिका के पैसों और सीआईए के सहयोग से लड़ा। उस समय ओडिशा के मुख्यमंत्री बीजू पटनायक अमेरिका, सीआईए और नेहरू के बीच की कड़ी थे।

बीजद सांसद ने दुबे के बयान के विरोध में संसदीय समिति से दिया इस्तीफा

बीजू जनता दल (बीजद) के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद सस्मित पात्रा ने ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक पर अपमानजनक बयान दिए जाने के विरोध में सस्मित पात्रा ने संचार और सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी संसदीय स्थायी समिति से इस्तीफा दे दिया।

राज्यसभा के सभापति को शनिवार को लिखे एक पत्र में पात्रा ने कहा, 'विरोध स्वरूप और सैद्धांतिक तौर पर मैं निशिकांत दुबे की अध्यक्षता वाली संचार और सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी संसदीय स्थायी समिति से इस्तीफा दे रहा हूं। मैं ऐसे व्यक्ति के अधीन सेवा जारी नहीं रख सकता, जो दिवंगत बीजू पटनायक के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करता है, जैसा कि उन्होंने आज एक सार्वजनिक बयान में किया।'

महिला विधायक के आवास पर हमले की घटना पर हुए नाराज

हाल ही में ओडिशा पुलिस की एक टीम कालाहांडी जिले के नरला में बीजद की मौजूदा विधायक मनोरमा मोहंती के आवास पर पहुंची। बीजद विधायक के पति पर तहसीलदार को धमकाने के आरोप में केस दर्ज किया गया है। बीजद विधायक ने आरोप लगाया कि ओडिशा पुलिस ने उनकी बेटी और घरेलू सहायिका से दुर्व्यवहार किया।

उज्बेकिस्तान की दो महिलाएं गिरफ्तार

देहरादून, 30 मार्च (एजेंसियां)। रायपुर थाना पुलिस ने नेपाल के रास्ते बिना वीजा भारत आईं उज्बेकिस्तान की दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। साथ वीजा की अवधि खत्म होने के बाद भी देहरादून में रह रही किर्गिस्तान की एक महिला को भी पकड़ा गया है। इनके पास से फर्जी दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल के मुताबिक ऑपरेशन क्रैकडाउन के तहत पुलिस रविवार को रायपुर क्षेत्र में सत्यापन अभियान चला रही थी। इस दौरान साईं कॉम्प्लेक्स की तीसरी मंजिल पर तीन विदेशी महिलाएं रहती मिलीं। इन महिलाओं से जब दस्तावेज मांगे गए तो वे आनाकानी करने लगीं। सख्ती से पूछताछ करने के पर उन्होंने अपने दस्तावेज दिखाए। इस दौरान पता चला कि एक महिला किर्गिस्तान की रहने वाली है जबकि दो महिलाएं उज्बेकिस्तान हैं।

'पश्चिम एशिया संकट पर राजनीति नहीं, समाधान चाहिए'

प्रियंका गांधी बोलीं-एकजुट रहना जरूरी

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि युद्ध जैसे गंभीर मुद्दों पर राजनीति करना उचित नहीं है और इस विषय पर देश को एकजुट रहना चाहिए। प्रियंका गांधी ने स्पष्ट किया कि इस मुद्दे पर पूरा देश एक साथ खड़ा है, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने सरकार से मौजूदा चुनौतियों पर ठोस समाधान पेश करने की मांग भी की।

उन्होंने कहा कि इसी कारण विपक्ष संसद में इस विषय पर विस्तृत चर्चा चाहता है, ताकि सभी पक्ष मिलकर रास्ता निकाल सकें। अपने बयान में प्रियंका गांधी वाड्रा ने आम जनता से जुड़े मुद्दों को भी उठाया। उन्होंने कहा कि रसोई गैस (एलपीजी) सिलिंडर की कीमतें इतनी बढ़ गई हैं कि आम लोगों के लिए इसे खरीदना मुश्किल हो गया है। उनके अनुसार, महंगाई का सीधा असर गरीब और मध्यम वर्ग पर पड़ रहा है, जिससे उनकी रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो रही है। कांग्रेस सांसद ने जोर देकर कहा कि देश के सामने खड़ी समस्याओं का हल निकालने के लिए संसद में सार्थक चर्चा बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि अगर सभी दल मिलकर विचार-विमर्श करें, तो बेहतर समाधान निकल सकता है।

आंध्र प्रदेश-नेवी कर्मचारी ने प्रेमिका के तीन टुकड़े किए

सिर जलाया, एक हिस्सा बेड के नीचे, दूसरा फ्रिज में रखा; थाने पहुंचकर अपराध कबूला

विशाखापत्तनम, 30 मार्च (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में एक शादीशुदा नेवी कर्मचारी ने अपनी प्रेमिका की हत्या कर दी। आरोपी ने शव के 3 टुकड़े किए। एक हिस्सा फ्रिज में छिपा दिया, दूसरा बोरे में भरकर बेड के नीचे रख दिया और तीसरा यानी सिर को सुनसान इलाके में ले जाकर जला दिया। वारदात के समय पत्नी मायके गई थी।

पुलिस के मुताबिक आरोपी चिंतादा रविंद्र (35) नेवी कर्मचारी हैं। वह आईएनएस डेगा में तैनात है। रविंद्र ने रविवार दोपहर अपनी 29 साल की प्रेमिका मोनिका को घर बुलाया था। शाम के समय दोनों के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद उसने हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने खुद थाने पहुंचकर अपराध कबूल कर लिया। पुलिस के जांच में सामने आया कि रविंद्र ने

मोनिका की चाकू से हत्या की।

दोनों 5 साल से डेट कर रहे थे

रविंद्र और मोनिका की मुलाकात 2021 में एक डेटिंग ऐप के जरिए हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच संबंध बने। वे विशाखापट्टनम में अलग-अलग जगहों पर मिलते थे। पुलिस के मुताबिक रविंद्र का दावा है कि मोनिका ने उससे 3.5 लाख रुपए लिए थे। वह अक्सर रिश्ते का खुलासा करने की धमकी देती थी। वारदात के वक्त रविंद्र की पत्नी कुछ दिन पहले विजयनगरम स्थित अपने मायके गई हुई थी। इसी दौरान उसने मोनिका को घर बुलाया था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। रविंद्र हत्या के इरादे से चाकू खरीदने दुकान में गया था, जब वहां चाकू नहीं मिला तो ऑनलाइन मंगाया।

हत्या के बाद खुद पुलिस स्टेशन पहुंचा

घटना के बाद आरोपी खुद पुलिस स्टेशन पहुंचा और अपराध कबूल कर लिया। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो घर और फ्रिज से शव के टुकड़े बरामद हुए। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और शव के बाकी हिस्सों की तलाश के लिए विशेष टीम बनाई गई है। आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

श्रद्धा वालकर हत्याकांड, आरोपी ने 35 टुकड़े किए

यह हत्या श्रद्धा वालकर हत्याकांड की तरह है। आफताब ने 18 मई 2022 में अपनी लिव इन पार्टनर श्रद्धा वालकर की गला घोंटकर हत्या की। बाद में उसके शरीर के 35 टुकड़े कर फ्रिज में रखे। फिर उन्हें जंगल में फेंक दिया। दिल्ली पुलिस ने 12 नवंबर 2022 को उसे गिरफ्तार किया था। 24 जनवरी को पुलिस ने इस मामले में आफताब के खिलाफ 6,629 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की थी।

एफसीआरए संशोधन विधेयक पर सियासत

कांग्रेस का आरोप-अल्पसंख्यकों को निशाना बना रही सरकार, केंद्र ने क्या कहा?

"अल्पसंख्यकों के सिर पर तलवार की तरह लटका यह कानून विशेष रूप से ईसाई समुदाय को नियंत्रित करने के लिए लाया गया है। प्रस्तावित संशोधन चैरिटेबल संस्थाओं के कामकाज को सीमित करेगा। केंद्र को अधिक हस्तक्षेप की शक्तियां मिलेंगी।

केसी वेणुगोपाल, कांग्रेस नेता

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने संसद में पेश किए गए विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक को लेकर केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि यह विधेयक अल्पसंख्यक समुदायों और सामाजिक-धार्मिक संगठनों को निशाना बनाने की कोशिश है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में वेणुगोपाल ने कहा कि यह कानून अल्पसंख्यकों के सिर पर तलवार की तरह लटका हुआ है और विशेष रूप से ईसाई समुदाय को नियंत्रित करने के उद्देश्य से लाया गया है। उनका आरोप है कि प्रस्तावित संशोधन गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओस) और चैरिटेबल संस्थाओं के कामकाज को सीमित करेगा और केंद्र सरकार को अधिक हस्तक्षेप की शक्ति देगा।

यह विधेयक 25 मार्च को लोकसभा में पेश किया गया था। सरकार का कहना है कि इसका उद्देश्य विदेशी फंडिंग के जरिए जबरन धर्मांतरण जैसी गतिविधियों पर रोक लगाना है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि ऐसी गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। हालांकि कांग्रेस का आरोप है कि विधेयक बिना पर्याप्त सूचना के पेश किया गया, जब कई सांसद चुनावी राज्यों में प्रचार में व्यस्त थे। वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने विधेयक की खामियों की ओर ध्यान दिलाया था।

'पिछली बार बंगाल में खून की नदियां बहीं थी, मासूम लोग वहां खतरे में'

कंगना रनौत का ममता बनर्जी पर हमला

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में एक जनसभा को संबोधित करते हुए टीएमसी प्रमुख और राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ साजिश रची जा रही है और उनकी जान को खतरा है।

जब इसे लेकर सोमवार को संसद परिसर में भाजपा सांसद कंगना रनौत से सवाल किया गया तो उन्होंने ममता बनर्जी पर जमकर निशाना साधा और बंगाल चुनाव में हुई हिंसा की याद दिलाई। कंगना रनौत ने कहा, 'उनसे किन्हें खतरा है, ये सभी जानते हैं। पिछली बार वहां खून की नदियां बहीं थी। पूरे देश ने वहां भाजपा कार्यकर्ताओं की दुर्दशा को देखा। वहां मासूम जनता, मतदाता और सबसे ज्यादा भाजपा कार्यकर्ताओं को खतरा है।'

'पीएम मोदी को खुश करने में जुटे हैं सीएम विजयन'

सचिन पायलट ने आरोपों के पक्ष में दिए अहम तर्क

तिरुवनंतपुरम, 30 मार्च (एजेंसियां)। केरल विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी के पर्यवेक्षक सचिन पायलट ने सोमवार को सीएम विजयन पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री पीएम मोदी को खुश करने के लिए राहुल गांधी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां कर रहे हैं।

तिरुवनंतपुरम में मीडिया से बात करते हुए सचिन पायलट ने कहा कि कांग्रेस और भाजपा के बीच किसी तरह की 'साठगांठ' की बात करना हास्यास्पद है। सचिन पायलट ने कहा, 'जब मुख्यमंत्री ये कहते हैं कि कांग्रेस और भाजपा के बीच कोई अंडरस्टैंडिंग है तो मेरा सवाल है कि आखिर कितनी बार वामपंथी नेताओं को केंद्रीय एजेंसियों ने निशाना बनाया है?

'हर घर में ड्रग्स पहुंचाया, पंजाब के लोगों से माफी मांगें शाह'

> बीजेपी-अकाली दल पर बरसे केजरीवाल

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को मांग करते हुए कहा कि गृह मंत्री अमित शाह को पंजाब के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। 'आप' नेता ने कहा कि बीजेपी और शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) सरकारों ने राज्य के घर-घर में ड्रग्स पहुंचाया। केजरीवाल ने कहा कि पंजाब में ड्रग्स को बढ़ावा देने वाले जिम्मेदार लोगों को सीएम भगवंत मान की सरकार जेल भेज रही है और जनता के समर्थन के साथ नशे के खिलाफ जंग लड़ रही है।

केजरीवाल ने गृह मंत्री अमित शाह की एक वीडियो क्लिप का सन्दर्भ दिया जिसमें वह 'नशा मुक्त पंजाब' के बारे में बोल रहे थे। आप नेता ने एक्स पर लिखा, "अमित शाह जी, आपको राज्य के हर घर में ड्रग्स पहुंचाने के लिए पंजाब के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। लोग बीजेपी और अकाली दल के काला युग भूले नहीं हैं जब अंतरराष्ट्रीय ड्रग स्मगलर्स को मंत्रियों के घरों में पनाह मिली और नशा बेचने वालों को पुलिस की गाड़ियों में हथियारबंद सुरक्षा के साथ पूरे राज्य में ले जाया जाता था ताकि वे घर-घर

जाकर ड्रग्स पहुंचा सकें। आप किस मुंह से 'नशा मुक्त पंजाब' की बात कर रहे हैं?"

जिम्मेदार मंत्रियों को दी जा रही सजा

केजरीवाल ने बीजेपी-एसडीए पर तीखे हमले करते हुए आगे कहा, "अब हम उस वक्त के लिए जिम्मेदार मंत्रियों को जेल भेज रहे हैं और उनके गुनाह के लिए उन्हें सजा दी जा रही है। आज पंजाब में आम लोग आपकी सरकार के आने का इंतजार नहीं कर रहे बल्कि बड़े ड्रग तस्करों को आपका इंतजार है जो हमारी सरकार के कड़े एक्शन के चलते राज्य से भाग गए थे।"

'बीजेपी आई तो नहीं खा पाओगे अंडा-मछली', बंगाल चुनाव पर ममता बनर्जी का बड़ा दावा

बीजेपी की सरकार पर निशाना साधते हुए केजरीवाल ने कहा, "अगर आपको ड्रग्स को लेकर वाकई चिंता है तो पहले गुजरात में 'डबल इंजन' की अपनी सरकार एक्टिवेट क्यों नहीं करते? मुंद्रा एयरपोर्ट पर 20,000 करोड़ रुपये के ड्रग्स जब्त किए गए थे तो आपने पोर्ट के मालिक को जेल क्यों नहीं भेजा?"

कस्टडी से चोरी हुए ड्रग्स ने अनगिनत घरों को किया बर्बाद

सीएजी की रिपोर्ट का हवाला देते हुए केजरीवाल ने कहा कि गुजरात में पुलिस की कस्डी में 2300 किलोग्राम ड्रग्स को चूहे खा गए। क्या यह भरोसा करने लायक बात है? केजरीवाल ने कहा कि इन ड्रग्स को कस्टडी से चुराकर बाजार में बेच दिया गया और अनगिनत घरों को बर्बाद कर दिया गया।

आखिरी में अरविंद केजरीवाल ने कहा, "पहले गुजरात को ठीक कीजिए, फिर पंजाब की बात कीजिए। पंजाब में भगवंत मान की सरकार जनता के समर्थन के साथ नशे के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ रही है। पंजाब ने अकाली दल और बीजेपी के उस काले दौर को न तो भुलाया है, न भूलेगा और न ही माफ करेगा।"

डीएमके के घोषणापत्र में चुनावी वादे?

कनिमोझी बोलीं-मुफ्त देने की योजनाएं नहीं, आर्थिक विकास का जरिया

चेन्नई, 30 मार्च (एजेंसियां)। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम की वरिष्ठ नेता और सांसद कनिमोझी करुणानिधि ने तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में पार्टी की कल्याणकारी योजनाओं का बचाव करते हुए कहा कि यह मुफ्त योजनाएं नहीं बल्कि सामाजिक निवेश और आर्थिक विकास के लिए कदम हैं। कनिमोझी ने कहा 'जो लोग सामाजिक न्याय के सृजन में विश्वास नहीं रखते, वे मुफ्त योजनाओं की आलोचना कर सकते हैं। लेकिन जैसे महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा जैसी योजनाएं हैं, यह सीधे तौर पर सामाजिक न्याय और बराबरी सुनिश्चित करने का निवेश है।' उन्होंने आगे कहा कि जब पैसा लोगों के हाथ में आता है, तो यह केवल उनके जीवन स्तर को बढ़ाता ही नहीं, बल्कि स्थानीय और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को भी प्रोत्साहित करता है। यह आर्थिक विकास और रोजगार सृजन के लिए एक प्रोत्साहक के रूप में काम करता है।

'कल्याणकारी योजनाओं को 'फ्रीबी' कहना गलत'

सांसद कनिमोझी ने इस अवसर पर यह भी स्पष्ट किया कि कल्याणकारी योजनाओं को 'फ्रीबी' कहकर राजनीतिक रूप देना गलत है। उनका कहना था कि इस तरह के बयान केवल योजनाओं को राजनीति का हिस्सा बनाने की कोशिश हैं, जबकि असल में ये योजनाएं जनता के सशक्तिकरण और सामाजिक न्याय को सुनिश्चित करने के लिए हैं।

खबरें जरा हटके

मछुआरों ने पकड़ा अजीबोगरीब केकड़ा, आधा नर-आधी नारी, ट्रांसजेंडर क्रैब की स्टडी में जुटे वैज्ञानिक

केरल के घने जंगलों में छिपे साइलेंट वैली नेशनल पार्क से एक ऐसा चौंकाने वाला खुलासा हुआ है जिसने पूरे वैज्ञानिक जगत को हैरान कर दिया है. मछुआरों और स्थानीय लोगों की मदद से वैज्ञानिकों ने एक दुर्लभ केकड़े की प्रजाति पकड़ी है जो आधा नर और आधी नारी है. एक तरफ इसका शरीर पुरुष के गुण दिखाता है तो दूसरी तरफ महिला के. यह केकड़ा वेला कार्ली नामक मीठे पानी की प्रजाति का है. यह केवल पश्चिमी घाट के जंगलों और झरनों में ही पाया जाता है. वैज्ञानिकों ने जब 120 केकड़ों का अध्ययन किया तो उनमें से तीन में यह अनोखी स्थिति देखी गई. इसे वैज्ञानिक भाषा में बाइलेटरल जाइनैंड्रोमॉर्फी कहते हैं. यानी शरीर के बाएं और दाएं हिस्से में अलग-अलग लिंग के लक्षण मौजूद है.

माम्पाड कॉलेज के सेंटर फॉर कंजर्वेशन इकोलॉजी के हेड प्रोफेसर के.एस. अनूप दास और उनके सहयोगी के.टी. फाहिस समेत अन्य शोधकर्ताओं ने बायोडायवर्सिटी सर्वे के दौरान यह खोज की. केकड़े पेड़ों के पानी भरे खोखलों में रहते पाए गए जो भारत में केकड़ों के लिए एक अनोखा माइक्रोहैबिटेट है. अनूप दास ने बताया, "इन केकड़ों के शरीर के कुछ हिस्सों में नर जनन अंग थे, जबकि अन्य हिस्सों में मादा जनन छिद्र मौजूद थे. एक तरफ क्लॉ (चिमटे) और खोल के आकार में भी अंतर साफ दिख रहा था." अध्ययन के नतीजे अंतरराष्ट्रीय जर्नल क्रस्टासिनिया में 10 मार्च 2026 को प्रकाशित हुए. वैज्ञानिकों का कहना है कि जाइनैंड्रोमॉर्फी प्रकृति में बहुत दुर्लभ है.

समंदर के बीच बना दुनिया का सबसे अजीब बॉर्डर एक लाइटहाउस ने बदल दिया दो देशों का नक्शा!

दुनिया के नक्शे पर खिंची अंतरराष्ट्रीय सरहदें अक्सर युद्ध, संधियों और बड़े विवादों की गवाह रही हैं, लेकिन क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि समुद्र के बीचों-बीच स्थित एक मामूली सी चट्टान दो देशों के बीच 'नक्शा बदलने' की वजह बन सकती है? बाल्टिक सागर के बीच स्थित मार्केट आइलैंड एक ऐसा ही भौगोलिक अजूबा है, जहां एक लाइटहाउस के गलत निर्माण और फिर उसे सुलझाने के लिए किए गए जमीन के सौदे ने यहां का नक्शा ही बदल दिया. 3.3 हेक्टेयर का यह छोटा सा टापू स्वीडन और फिनलैंड के बीच बंटा हुआ है, लेकिन इसकी सरहद किसी सीधी लकीर जैसी नहीं, बल्कि अंग्रेजी के अक्षर 'S' जैसी है. इस टापू की कहानी साल 1809 की फ्रेडरिकशाम की संधि से शुरू होती है, जब स्वीडन और रूसी साम्राज्य (जो उस समय फिनलैंड पर शासन करता था) के बीच सीमा तय की गई थी.

उस समय संधि लिखने वालों ने अनजाने में सीमा रेखा को ठीक इस टापू के बीच से गुजार दिया. असली मोड़ तब आया, जब 1885 में रूसियों ने जहाजों की सुरक्षा के लिए इस टापू पर एक भव्य लाइटहाउस बनाया, लेकिन बाद में पता चला कि यह लाइटहाउस गलती से स्वीडन की सीमा वाली जमीन पर खड़ा कर दिया गया था. दशकों तक यह सीमा उल्लंघन एक तकनीकी उलझन बना रहा, क्योंकि कोई भी देश अपनी जमीन छोड़ने को तैयार नहीं था.

अंततः 1981 में स्वीडन और फिनलैंड के अधिकारियों ने एक ऐतिहासिक समझौता किया. उन्होंने फैसला किया कि जिस जमीन पर लाइटहाउस है, वह हिस्सा फिनलैंड को दे दिया जाएगा और बदले में स्वीडन को उतनी ही जमीन टापू के दूसरे हिस्से से मिल जाएगी. लेकिन एक शर्त यह भी थी कि समुद्र तट की रेखा में कोई बदलाव नहीं होगा, ताकि दोनों देशों के मछली पकड़ने के अधिकार प्रभावित न हों.

दुनिया का वो देश, जहां चाय से सस्ता है मीट, सुबह-शाम सिर्फ मांस खाते हैं लोग

भारत में आज भी ज्यादातर घरों में नॉन-वेज कभी-कभार ही बनता है. छुट्टियों में या किसी त्यौहार में या दोस्तों के आ जाने पर लोग मांस पकाते हैं. लेकिन अगर आपको लगता है कि मांस महंगा खाना है तो एक बार मंगोलिया के बारे में जान लीजिये. इस देश में मटन और बीफ का मांस कई बार चाय या कॉफी के कप से भी सस्ता पड़ता है. मंगोलिया वह देश है जहां इंसानों से कहीं ज्यादा पशु हैं और लोग सदियों से मांस-दूध आधारित आहार पर जी रहे हैं. मंगोलिया की आबादी करीब 35 लाख है, लेकिन यहां पशुओं की संख्या 50-70 मिलियन से ऊपर बताई जाती है. यानी हर व्यक्ति पर औसतन 15-20 पशु आते हैं. इसमें भेड़, बकरी, गाय, घोड़े और ऊंट शामिल है. ये सब घास के मैदानों में घूमते रहते हैं. नॉमेडिक जीवनशैली के कारण यहां मांस की भरपूर उपलब्धता है, जिससे इसके दाम बहुत कम रहते हैं. सोशल मीडिया पर कई वीडियो वायरल हैं जिनमें दावा किया गया है कि मंगोलिया में मांस कॉफी से भी सस्ता है.

मांस ही है मुख्य भोजन

मंगोलिया की पारंपरिक डाइट में रोटी या चावल बहुत कम जगह रखते हैं. यहां के लोग मुख्य रूप से "रेड फूड" (मांस) और "व्हाइट फूड" (दूध के उत्पाद) पर निर्भर रहते हैं. सर्दियों में तो पूरा आहार मांस पर आधारित होता है क्योंकि ठंड से बचने के लिए कैलोरी की जरूरत ज्यादा होती है. एक अध्ययन के अनुसार मंगोलिया में प्रति व्यक्ति मांस की खपत दुनिया में सबसे ऊंचे स्तर पर है. लाल मांस (मटन, बीफ, घोड़े का मांस) का रोजाना सेवन बहुत अधिक होता है. ग्रामीण इलाकों में लोग सुबह मांस का सूप या उबला हुआ मटन, दोपहर में मांस से बने व्यंजन और शाम को फिर मांस-दूध का कुछ ना कुछ जरूर खाते हैं. सब्जियां और फल बहुत कम इस्तेमाल होते हैं. मंगोलियाई व्यंजनों में प्रसिद्ध हैं– खोरखोग (पत्थरों पर पकाया गया मटन), उबला हुआ मांस (चानासन माख), सूखा मांस (बोट्र्स) और विभिन्न प्रकार के दूध से बने उत्पाद जैसे एयराग (फर्मेंटेड घोड़े का दूध).

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 31 मार्च, 2026 3

सुविचार: किसी की सलाह से रास्ते जरुर मिलते है पर मंजिल तो खुद की मेहनत से ही मिलती है!

डीजीपी की माओवादियों से हिंसा छोड़कर लोकतांत्रिक मुख्यधारा में लौटने की अपील

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने सीपीआई (माओवादी) के भूमिगत नेताओं और कैडरों से हिंसा छोड़कर अपने हथियार डालने और लोकतांत्रिक मुख्यधारा में लौटकर सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन जीने की हार्दिक अपील की। डीजीपी ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा पहले की गई अपील का स्मरण कराते हुए माओवादी कैडरों से आग्रह किया कि वे भूमिगत जीवन छोड़कर अपने परिवारों के पास लौटें और समाज में शांतिपूर्ण जीवन अपनाएँ। पिछले दो वर्षों में तेलंगाना पुलिस के सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप अब तक 721 माओवादी, जो तेलंगाना और छत्तीसगढ़ के विभिन्न रैंकों से संबंधित हैं, ने आत्मसमर्पण किया और मुख्यधारा में लौटे। इसमें 4 केंद्रीय समिति सदस्य, 19 राज्य समिति सदस्य और 36 डिविजनल समिति सदस्य शामिल हैं। डीजीपी ने बताया कि सभी आत्मसमर्पण करने वालों को राज्य सरकार की व्यापक पुनर्वास नीति के तहत वित्तीय सहायता और अन्य लाभ दिए गए हैं, जिससे वे अपने पैतृक गाँवों में सम्मानजनक जीवन जी सकें। विशेष रूप से, डीजीपी ने तेलंगाना के उन नागरिकों से अपील की जो अन्य राज्यों में माओवादी समूहों में सक्रिय हैं, जैसे मुप्पल्ला लक्ष्मण राव (गणपति), पुसुनुरी नरहरी (संतोष), वार्ता शेखर (मंग्थू), जोडे रत्नाबाई (सुधा), नक्का सुशीला (रेला) और रंगबोयिना भाग्य (रूपी), कि वे लौटकर पुनर्वास योजना का लाभ उठाएँ। डीजीपी ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार गणपति, जो स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे हैं, के लिए हैदराबाद में उन्नत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराएगी। उन्होंने मुख्यमंत्री की व्यक्तिगत अपील का स्मरण कराया जो उन्होंने 7 मार्च को प्रेस कॉन्फ्रेंस में की थी, जब 130 माओवादी आत्मसमर्पण कर चुके थे। डीजीपी ने कहा कि राज्य की पुनर्वास नीति में विश्वास बढ़ रहा है और अन्य राज्यों के कैडर भी आत्मसमर्पण करने के लिए इच्छुक हो रहे हैं। उन्होंने भूमिगत व्यक्तियों के परिवार और रिश्तेदारों से आग्रह किया कि वे उन्हें शांतिपूर्ण मार्ग अपनाने के लिए मार्गदर्शन दें। डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी ने दोहराया कि वर्तमान संदर्भ में स्थायी समाधान केवल लोकतांत्रिक माध्यमों के माध्यम से ही संभव है और माओवादी कैडरों से अपील की कि वे हिंसा छोड़कर विकास के साझीदार बनें।

तेलंगाना ने पास किया गिग वर्कर्स वेलफेयर बिल

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। गिग वर्कर्स के अधिकार और सुरक्षा के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए विधानसभा ने सोमवार को तेलंगाना प्लेटफॉर्म-आधारित गिग वर्कर्स रजिस्ट्रेशन, सोशल सेक्योरिटी और वेलफेयर बिल 2026 पास किया। श्रम, रोजगार और खनन मंत्री डॉ. जी. विवेक वेणकटस्वामी ने बिल पेश करते हुए कहा कि सरकार ने यह कानून डिजिटल अर्थव्यवस्था में गिग वर्कर्स को कानूनी मान्यता देने और उनके अधिकार, सम्मान और आजीविका की सुरक्षा के लिए लाया है। बिल के अनुसार, प्लेटफॉर्म कंपनियों को नियमित रूप से विवरण जमा करना होगा और हर तीन महीने में इलेक्ट्रॉनिक रिटर्न फाइल करनी होगी। नियमों का पालन न करने पर सख्त जुर्माने निर्धारित हैं। पहली बार 50,000, दूसरी बार 1 लाख, तीसरी बार 1.5 लाख रुपए और इसके बाद बकाया राशि के पांच गुना तक। गिग वर्कर्स के लिए एक विशेष वेलफेयर बोर्ड का गठन किया जाएगा। हर पंजीकृत गिग वर्कर को एक यूनिक आईडी दी जाएगी। लेन-देन पर 1-2% की कटौती से वेलफेयर फंड बनाया जाएगा, जिससे बीमा, पेंशन और मातृत्व लाभ प्रदान किए जाएंगे। बोर्ड के संचालन पर अधिकतम 5% फंड का उपयोग किया जा सकता है। बिल में पारदर्शी नीतियों का भी प्रावधान है। प्लेटफॉर्म को वेतन और कटौती का विवरण स्पष्ट रूप से बताना होगा और कर्मचारियों को प्रभावित करने वाले एल्गोरिदम का मनमाना उपयोग नहीं किया जा सकता। मंत्री ने बताया कि सरकार ने पहले गिग वर्कर्स की समस्याओं पर यूनियनों के साथ चर्चा की और फिर 30 दिन के लिए ड्राफ्ट बिल को सार्वजनिक किया। कुल 65 सुझाव प्राप्त हुए, जिन्हें शामिल किया गया। उन्होंने कहा कि उन्होंने मंत्री बनने के बाद व्यक्तिगत रूप से पांच बैठकें कीं ताकि यूनियनों की चिंताओं को सुलझाया जा सके। वेलफेयर बोर्ड में 20 सदस्य होंगे, जिनमें गिग वर्कर एग्रीगेटर्स के प्रतिनिधि शामिल होंगे और बोर्ड वार्षिक रूप से बैठक करेगा। प्लेटफॉर्म-स्तरीय समितियाँ विशेष अधिकारियों के साथ शिकायतों का शीघ्र समाधान करेंगी। मंत्री ने कहा, ''इस बिल के माध्यम से हम डिजिटल अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण हिस्से गिग वर्कर्स के अधिकार और सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं।'' बिल से राज्य में लाखों डिलीवरी राइडर, कैब ड्राइवर और अन्य प्लेटफॉर्म कर्मचारियों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

राज्यपाल से मिले बीआरएस नेता मंत्री की बर्खास्तगी की मांग

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार के खिलाफ बीआरएस ने सोमवार को लोक भवन में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला से मुलाकात कर राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

पार्टी ने मंत्री की तत्काल बर्खास्तगी और उनके परिवार से जुड़े कथित अवैध खनन व भूमि अतिक्रमण की स्वतंत्र न्यायिक जांच की मांग की। बीआरएस प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल के साथ करीब एक घंटे तक बैठक कर राघवा कंस्ट्रक्शंस से जुड़े कथित अनियमितताओं के दस्तावेज भी सौंपे। पार्टी ने आरोप लगाया कि कंपनी ने आवश्यक अनुमतियों के बिना प्रतिबंधित क्षेत्रों में खनन कर राज्य को भारी नुकसान पहुंचाया है।

बैठक के बाद बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामाराव ने कहा कि निष्पक्ष जांच के लिए मंत्री को पद से हटाना जरूरी है। उन्होंने सुझाव दिया कि या तो सभी दलों की सदन समिति बनाई जाए या उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश से जांच कराई जाए।

उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर मंत्री को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार जांच के अपने वादे से पीछे हट रही है। साथ ही उन्होंने राज्य की जांच एजेंसियों की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाए। रामाराव ने कहा कि यदि इस मामले में कार्रवाई नहीं हुई तो पार्टी अपना आंदोलन और तेज करेगी।

भूमि अतिक्रमण को लेकर बीआरएस का आरोप

मंत्री पर 1400 करोड़ की जमीन हड़पने का दावा

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार के खिलाफ बीआरएस ने वट्टिनागुलापल्ली में मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी और उनके बेटे हर्षा रेड्डी से जुड़े कथित भूमि अतिक्रमण का मामला उठाया है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामाराव ने आरोप लगाया कि राज्य मशीनरी का दुरुपयोग कर करीब 1400 करोड़ रुपये की जमीन हड़पी गई है। बीआरएस विधायकों के साथ रामा राव ने वट्टिनागुलापल्ली का दौरा कर पीड़ित शाह परिवार से मुलाकात की।

उन्होंने दावा किया कि यह परिवार वर्ष 1960 से जमीन का मालिक है और सभी दस्तावेज मौजूद हैं। आरोप है कि मंत्री और उनके बेटे ने परिवार पर जमीन छोड़ने का दबाव बनाया और इनकार करने पर राजस्व अधिकारियों के जरिए उत्पीड़न कराया गया।

रामा राव के अनुसार, फर्जी सर्वेक्षण के जरिए 27 एकड़ जमीन कब्जाने की कोशिश की गई, जिसे लेकर शाह परिवार ने उच्च न्यायालय का रुख किया। अदालत ने सर्वेक्षण नोटिस और संबंधित कार्रवाई पर रोक लगा दी। इस मामले में एक राजस्व अधिकारी की गिरफ्तारी का भी जिक्र किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने जबरन जेसीबी मशीनों के साथ पहुंचकर संपत्ति को नुकसान पहुंचाया, मजदूरों के साथ मारपीट की और परिवार को धमकाया। साथ ही इस मामले में एफआईआर दर्ज करने वाले पुलिस अधिकारी के तबादले को भी उन्होंने राजनीतिक हस्तक्षेप बताया।

अक्षम युवती से दुष्कर्म का आरोपी हिरासत में

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके अत्तापुर के हसन नगर में एक बौद्धिक रूप से अक्षम युवती के साथ दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार आरोपी निखिल कथित तौर पर उस समय पीड़िता के घर में घुस गया, जब उसके परिवार के सदस्य बाहर थे और उसने वारदात को अंजाम दिया। यह मामला रविवार को तब सामने आया, जब पीड़ित परिवार ने अत्तापुर थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। वहीं पीड़िता को मेडिकल जांच और इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

इंटर कॉलेजों का नया शैक्षणिक कैलेंडर जारी

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन (टीजी बीआईई) ने शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए नया कैलेंडर जारी कर दिया है। इसके तहत प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए जूनियर कॉलेज 1 जून से खुलेंगे। कैलेंडर के अनुसार 10 से 21 अक्टूबर तक दशहरा अवकाश रहेगा और 22 अक्टूबर को कॉलेज दोबारा खुलेंगे। इससे पहले 3 से 9 अक्टूबर के बीच अर्धवार्षिक परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी।

संक्रांति के अवसर पर 13 जनवरी 2027 से 17 जनवरी 2027 तक पांच दिन की छुट्टी दी गई है। इसके बाद 18 से 23 जनवरी 2027 तक प्री-फाइनल परीक्षाएं होंगी।

वहीं प्रैक्टिकल परीक्षाएं जनवरी 2027 के अंतिम सप्ताह में और थ्योरी परीक्षाएं फरवरी 2027 के अंतिम सप्ताह में कराई जाएंगी। शैक्षणिक वर्ष में कुल 224 कार्य दिवस निर्धारित किए गए हैं और 27 मार्च 2027 अंतिम कार्य दिवस होगा। छात्रों को 28 मार्च से 30 मई 2027 तक ग्रीष्मकालीन अवकाश मिलेगा। बोर्ड मई 2027 के तीसरे सप्ताह में एडवांस्ड सप्लीमेंट्री परीक्षाएं आयोजित करेगा, जबकि नया शैक्षणिक सत्र 31 मई 2027 से शुरू होगा। टीजी बीआईई के सचिव एस. कृष्णा आदित्य ने निर्देश दिया है कि प्रवेश प्रक्रिया बोर्ड द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही की जाए और सभी सार्वजनिक अवकाशों का सख्ती से पालन किया जाए।

शादी का झांसा देकर संबंध बनाने का आरोप, मामला दर्ज

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके मेडिपल्ली में एक व्यक्ति के खिलाफ शादी का वादा कर बाद में मुकर जाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार मेडचल-मल्काजगिरि जिले के कचावनी सिंगाराम की रहने वाली 29 वर्षीय महिला की पहचान सिद्दिपेट जिले के राजा रविंद्र नामक युवक से एक मित्र-आधारित मोबाइल ऐप के जरिए हुई थी।

समय के साथ आरोपी ने प्यार का इजहार कर शादी का भरोसा दिलाकर महिला का विश्वास जीत लिया। उसके झांसे में आकर महिला ने उससे कई बार मुलाकात की, जिसके दौरान दोनों के बीच शारीरिक संबंध बने। बाद में आरोपी ने शादी से इनकार कर दिया। धोखे का एहसास होने पर महिला ने रविवार को मेडिपल्ली थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

सरपंच संघ ने जारी निधियों को तुरंत ग्राम पंचायतों को जारी करने की मांग की

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सरपंचों के संघ की जॉइंट एक्शन कमेटी द्वारा 'चलो विधानसभा' कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें केंद्र सरकार द्वारा 15वें वित्त आयोग के तहत जारी निधियों को तुरंत ग्राम पंचायतों को जारी करने की मांग की गई। प्रदर्शन के दौरान सरपंचों ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार इन निधियों को डायवर्ट कर रही है, जिससे गांवों के विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। साथ ही, पूर्व सरपंचों के लंबित बिलों का तत्काल भुगतान करने की भी मांग उठाई गई। इस संबंध में प्रतिनिधिमंडल ने एन. रामचंदर राव से मुलाकात कर अपनी समस्याएं और मांगें रखीं। इस मौके पर मीडिया से बात करते हुए एन. रामचंदर राव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी पहले से ही यह आरोप लगाती रही है कि केंद्र द्वारा जारी 15वें वित्त आयोग की निधियों को राज्य सरकार द्वारा सही तरीके से ग्राम पंचायतों तक नहीं पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पहले भारत राष्ट्र समिति सरकार के दौरान भी सरपंचों की स्थिति बेहद खराब थी, जहां फंड की कमी के कारण कई सरपंचों पर आर्थिक दबाव बढ़ा और कुछ मामलों में आत्महत्या जैसी घटनाएं भी सामने आईं। रामचंदर राव ने आरोप लगाया कि उस समय विपक्ष में रही भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और विशेष रूप से रेवंत रेड्डी ने सरपंचों को न्याय दिलाने और लंबित बिलों के भुगतान का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आने के बाद भी ये वादे पूरे नहीं किए गए। उन्होंने बताया कि करीब 640 करोड़ रुपये की राशि, जो केंद्र सरकार ने 15वें वित्त आयोग के तहत जारी की है, अब तक ग्राम पंचायतों को नहीं मिली है।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग, 16 परिवार सुरक्षित निकले

संगारेड्डी, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार तड़के आईडीए बोलाराम के वेंकटरेड्डी नगर स्थित एक आवासीय परिसर में आग लग गई। आशंका है कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी। इस हादसे में करीब 16 परिवार बाल-बाल बच गए। घटना सुबह करीब 3 बजे की है, जब इमारत में रहने वाले करीब 60 लोग सो रहे थे। अचानक धुआं फैलने लगा, जिससे एक निवासी की नींद खुल गई। उसने तुरंत बाकी लोगों को जगाकर सतर्क किया। भूतल पर रहने वाले समदराम डोरा ने सभी निवासियों को फोन करके पीछे के दरवाजे से बाहर निकलने को कहा। उनकी सूझबूझ से सभी लोग सुरक्षित बाहर निकल गए और एक बड़ा हादसा टल गया। हालांकि आग में चार मोटरसाइकिल और अन्य सामान जलकर नष्ट हो गए। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया, जिससे आग आसपास की इमारतों तक नहीं फैल सकी।

अवैध ग्रेनाइट निर्यात का मामला फिर सुर्खियों में

करीमनगर, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा कथित ग्रेनाइट रैकेट की सीआईडी जांच की घोषणा के बाद अवैध निर्यात का मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। जिले से ग्रेनाइट ब्लॉक आंध्र प्रदेश के बंदरगाहों के जरिए चीन सहित अन्य देशों को भेजे जाने के आरोप हैं। वर्ष 2019 में शिकायत मिलने पर सतर्कता एवं प्रवर्तन विभाग ने जांच की थी, जिसमें पाया गया कि नौ ग्रेनाइट एजेंसियों ने करीब 124 करोड़ रुपये का कर चोरी कर निर्यात किया। विभाग ने अपनी रिपोर्ट में इन एजेंसियों पर पांच गुना यानी करीब 749 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने की सिफारिश की थी। इस मामले को लेकर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने भी 2019 में केंद्र सरकार से शिकायत की थी। इसके बाद वर्ष 2021 में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के तहत जांच शुरू की।

ईडी ने चेन्नई स्थित एक शिपिंग कंपनी सहित कई एजेंसियों से ग्रेनाइट निर्यात से जुड़े विवरण मांगे थे। जांच में कई ग्रेनाइट कंपनियों और लॉजिस्टिक्स एजेंसियों की भूमिका की भी पड़ताल की गई। वहीं संबंधित एजेंसियों ने इतनी बड़ी राशि चुकाने में असमर्थता जताते हुए सरकार से राहत की मांग की थी। सरकार ने इस पर सकारात्मक रुख दिखाते हुए कुछ छूट दी, लेकिन अब तक पूरी राशि वसूल नहीं हो सकी है।

कार्यस्थलों पर सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करें : संजय श्रीवास्तव

जीएम ने 'माह का कर्मचारी' सुरक्षा पुरस्कार वितरित किया

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने ट्रेन संचालन में सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए सोमवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में एक विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की। इस अवसर पर संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने 'माह का कर्मचारी' सुरक्षा पुरस्कार दस कर्मचारियों को उनके समर्पण और असुरक्षित परिस्थितियों को रोकने में सतर्कता के लिए प्रदान किए।

सत्य प्रकाश, अतिरिक्त महाप्रबंधक और सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष बैठक में उपस्थित रहे। सेकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुतंकल, गुनटूर और नांदेड़ डिविजनों के डिविजनल रेलवे मैनेजर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। पुरस्कार फ्रंटलाइन स्टाफ को प्रदान किए गए, जिनमें ट्रैक मेंटेनर, पॉइंट्स मैन, तकनीशियन, ट्रेन मैनेजर, स्टेशन मास्टर और लोको पायलट शामिल हैं, जिन्होंने अपने कर्तव्य में सतर्कता, समयपालन, परिपूर्णता और समर्पण का प्रदर्शन किया। डिवीजनवार पुरस्कार पाने वालों में सिकंदराबाद डिवीजन 1, विजयवाड़ा डिवीजन 3, नांदेड़ डिवीजन 1 और गुंतकल डिवीजन 5 है। पुरस्कारियों को बधाई देते हुए महाप्रबंधक ने उनके समर्पण और ईमानदारी की प्रशंसा की और कहा कि ऐसी मान्यता अन्य कर्मचारियों को प्रेरित करेगी और उन्हें ट्रेन संचालन में सुरक्षा मानकों को बनाए रखने के लिए सतर्क रहने के लिए प्रेरित करेगी। बैठक के दौरान श्री श्रीवास्तव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यस्थलों पर सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करें और शॉर्टकट से बचें। उन्होंने अधिकारियों और पर्यवेक्षकों को नियमित सुरक्षा अभियान चलाने, कर्मचारियों की सतर्कता और निर्धारित प्रक्रियाओं के पालन पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया। कार्यस्थलों और निर्माण स्थलों पर अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए आकस्मिक निरीक्षण भी अनिवार्य किए गए। महाप्रबंधक ने जोर दिया कि सुरक्षा आवश्यकताओं से कभी समझौता नहीं करना चाहिए। उन्होंने सभी कर्मचारियों को सुरक्षा के सभी पहलुओं पर संवेदनशील बनाने, अग्नि सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, पॉइंट्स और क्रॉसिंग का निरीक्षण करने, और कार्य पूरा होने के बाद ट्रैक के पास निर्माण सामग्री हटाने का महत्व बताया।

जीएचएमसी की अंतिम अपील, आज तक भरें बकाया संपत्ति कर

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने करदाताओं से 31 मार्च की समय सीमा से पहले एकमुश्त निपटान (ओटीएस) योजना का लाभ उठाने की अंतिम अपील की है। बकाया संपत्ति कर पर ब्याज में 90 प्रतिशत की छूट पाने के लिए अब केवल एक दिन शेष है। जीएचएमसी आयुक्त आरवी कर्णन ने सोमवार को नागरिकों से अपने बकाया का जल्द से जल्द भुगतान करने की अपील की। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025-26 की ओटीएस योजना के तहत राज्य सरकार बकाया कर पर ब्याज में 90 प्रतिशत की छूट दे रही है, बशर्ते भुगतान इसी महीने के अंत तक कर दिया जाए। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि इस योजना के तहत भुगतान केवल ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। नागरिक आधिकारिक पोर्टल, मायजीएचएमसी ऐप, मी सेवा केंद्रों या अन्य नागरिक सेवा केंद्रों के माध्यम से भुगतान कर सकते हैं।

माननीय वाणिज्यिक अपीलीय न्यायालय
चिरान्ग काजलगांव में
तिथि निर्धारितः 06-04-2026
कारण बताओ नोटिस
विविध (जे) मामला सं. 06/2026

(विविध अपील द्वारा उत्पन्न सं...... /2026)
(विविध मध्यस्थता से संबंधित सं. 02/2020)
याचिकाकर्ता-अपीलकर्ताः- इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, (बोन्गाइगांव रिफाइनरी)

-- विरुध्द --

विपक्षी प्रतिवादीः- मेसर्स इसीआय इंजीनियरींग एण्ड कंस्ट्रक्शन कंपनी लि.

सेवामें,

मेसर्स इसीआय इंजीनियरींग एण्ड कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड, पंजीकृत कार्यालयः प्लाट नं. ए-12 & 13, पंचवटी टाउनशिप, मणिकोण्डा, राजेन्द्रनगर, मण्डल (आर.आर. जिला), हैदराबाद, तेलंगाना, पिन-500089
मेसर्स इसीआय इंजीनियरींग & कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड, पंजीकृत कार्यालयः प्लाट नं. 70, **तीसरी मंजिल, अन्शु कलर्स, रोड नं.1, जुबिलि हिल्स, हैदराबाद, तेलंगाना, पिन-500033**

जबकि, याचिकाकर्ता-अपीलकर्ता ने निर्णय तथा आदेश दि.04-06-2025 पर अपील दायर किया गया, जिसे विविध मध्यस्थता सं.02/2020 में वाणिज्यिक न्यायालय के सिविल न्यायाधीश (सीनि.डिवीजन) एलडी न्यायाधीश कु. सय्येदा सबिना अफजल झिन्नत चिरान्ग काजलगांव पर, तत्संबंधित याचिका के तहत आदेश सं.41 नियम 3-ए पढें नुसार परिसीमा अधिनियम धारा 5 सहित एवं और पढें, अपील दाखिल करने में हुई देरी के लिए माफ़ी (डिले इन कोन्डोनेशन) हेतु सीपीसी धारा 151 के तहत पारित किया गया था।

आप, विपक्षी प्रतिवादी को, इस न्यायालय में व्यक्तिगत रुप में एवम् या/ आप द्वारा नियुक्त अधिवक्ता / प्लीडर को, दि. 06 अप्रैल,2026 के 10.00 बजे पूर्व मध्याह्न में उपस्थित होने का निर्देश दिया जाता है तथा आपद्वारा लिखित आपत्ति यदि कोई हो तो, माफी हेतु विलंब याचिका की अपील को न दायर करने से संबंधित कारण विवरित कर, प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया जाता है।

अतः सूचना दी जाती है कि, आप व्यक्तिगत रुप में/आपके प्लीडर/ आपके अधिवक्ता द्वारा उपरोक्त दिन व समय पर उपस्थित न होने पर तथा आपद्वारा लिखित आपत्ति को न प्रस्तुत करनेपर, यदि कोई हो तो, इस मामले की एकपक्षीय सुनवाई होगी तथा आपकी अनुपस्थिति में निर्णय लिया जायेगा।

इस न्यायालय में, दि. 17 मार्च, 2026 को, मेरे हस्ताक्षर एवम् मुहर के अधीन दिया गया।

न्यायाधीश,
वाणिज्यिक अपीलीय न्यायालय -सह-
जिला न्यायाधीश, चिरांग
आदेश से
मुख्य प्रशासकीय अधिकारी
जिला व सेशन्स न्यायाधीश का कार्यालय,
चिरांग, काजलगांव

माननीय वाणिज्यिक अपीलीय न्यायालय
चिरान्ग काजलगांव में
तिथि निर्धारितः 06-04-2026
कारण बताओ नोटिस
विविध (जे) मामला सं. 05/2026

(विविध अपील द्वारा उत्पन्न सं...... /2026)
(विविध मध्यस्थता से संबंधित सं. 01/2020)
याचिकाकर्ता-अपीलकर्ताः- इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, (बोन्गाइगांव रिफाइनरी)

-- विरुध्द --

विपक्षी प्रतिवादीः- मेसर्स इसीआय इंजीनियरींग एण्ड कंस्ट्रक्शन कंपनी लि.

सेवामें,

मेसर्स इसीआय इंजीनियरींग एण्ड कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड, पंजीकृत कार्यालयः प्लाट नं. ए-12 & 13, पंचवटी टाउनशिप, मणिकोण्डा, राजेन्द्रनगर, मण्डल (आर.आर. जिला), हैदराबाद, तेलंगाना, पिन-500089
मेसर्स इसीआय इंजीनियरींग & कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड, पंजीकृत कार्यालयः प्लाट नं. 70, **तीसरी मंजिल, अन्शु कलर्स, रोड नं.1, जुबिलि हिल्स, हैदराबाद, तेलंगाना, पिन-500033**

जबकि, याचिकाकर्ता-अपीलकर्ता ने निर्णय तथा आदेश दि.04-06-2025 (संशोधित व सही करने पर दि. 02-07-2025 को अंततः सुनाया गया) पर अपील दायर किया गया, जिसे विविध मध्यस्थता सं.01/2020 में वाणिज्यिक न्यायालय के सिविल न्यायाधीश (सीनि.डिवीजन) एलडी न्यायाधीश कु. सय्येदा सबिना अफजल झिन्नत चिरान्ग काजलगांव पर, तत्संबंधित याचिका के तहत आदेश सं.41 नियम 3-ए पढें नुसार परिसीमा अधिनियम धारा 5 सहित एवं और पढें अपील दाखिल करने में हुई देरी के लिए माफ़ी (डिले इन कोन्डोनेशन) हेतु सीपीसी धारा 151 के तहत पारित किया गया था।

आप, विपक्षी प्रतिवादी को, इस न्यायालय में व्यक्तिगत रुप में एवम् या/ आप द्वारा नियुक्त अधिवक्ता / प्लीडर को, दि. 06 अप्रैल,2026 के 10.00 बजे पूर्व मध्याह्न को उपस्थित होने का निर्देश दिया जाता है तथा आपद्वारा लिखित आपत्ति यदि कोई हो तो, माफी हेतु विलंब याचिका की अपील को न दायर करने से संबंधित कारण विवरित कर, प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया जाता है।

अतः सूचना दी जाती है कि, आप व्यक्तिगत रुप में/आपके प्लीडर/ आपके अधिवक्ता द्वारा उपरोक्त दिन व समय पर उपस्थित न होने पर तथा आपद्वारा लिखित आपत्ति को न प्रस्तुत करनेपर, यदि कोई हो तो, इस मामले की एकपक्षीय सुनवाई होगी तथा आपकी अनुपस्थिति में निर्णय लिया जायेगा।

इस न्यायालय में, दि. 17 मार्च, 2026 को, मेरे हस्ताक्षर एवम् मुहर के अधीन दिया गया।

न्यायाधीश,
वाणिज्यिक अपीलीय न्यायालय -सह-
जिला न्यायाधीश, चिरांग
आदेश से
मुख्य प्रशासकीय अधिकारी
जिला व सेशन्स का कार्यालय,
चिरांग, काजलगांव

यूपी पीसीएस 2024 रिजल्ट

पिता ने मजदूरी कर पढ़ाया, तीन बीघा जमीन बेची पीसीएस परीक्षा पास कर बेटा बना अफसर

लखीमपुर खीरी, 30 मार्च (एजेंसियां)। दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत सफलता की कुंजी होती है। अगर किसी लक्ष्य को हासिल करने का दृढ़ संकल्प लिया है और उसे हासिल करने के लिए पूरी शिद्दत से मेहनत करते हैं तो कोई भी बाधा सफलता प्राप्त करने से नहीं रोक सकती है। लखीमपुर खीरी में मजदूर के बेटे ने यह कर दिखाया है। अमीरनगर क्षेत्र के गंगापुर ग्रंट निवासी संतराम के पुत्र वरुण कुमार का डीएसपी पद पर चयन हुआ है। इस सफलता के पीछे वरुण का दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत और परिवार का संघर्ष रहा है।

वरुण कुमार ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (पीसीएस) परीक्षा में सफलता हासिल की है। उनका चयन डीएसपी पद पर चयन हुआ है। रविवार रात जब पीसीएस परीक्षा परिणाम आया तो वरुण के परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। उनके

माता-पिता और भाई-बहन की आंखों से खुश छलक पड़े। घर में बधाई देने वालों का तांता लग गया।

प्राइमरी स्कूल से शुरू की थी पढ़ाई

भाई नीरज कुमार ने बताया कि वरुण की प्रारंभिक शिक्षा गांव के प्राइमरी स्कूल में हुई। इसके बाद उन्होंने अमीरनगर कस्बे के जहीर हसन अल्पसंख्यक इंटर कॉलेज से हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की पढ़ाई मोहम्मदी के पीडी इंटर कॉलेज से पूरी की। इंटरमीडिएट करने के बाद बीएससी जीएफ कॉलेज शाहजहांपुर से की। इसके बाद वरुण कुमार प्रयागराज चले गए। वहां छह वर्ष तक तैयारी की। नीरज कुमार ने बताया कि उनके पिता संतराम मेहनत मजदूरी करते हैं, लेकिन भाई को पढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

कच्चे मकान में रहता है परिवार

नीरज कुमार ने बताया कि भाई वरुण कुमार की पढ़ाई पूरी कराने के लिए पिता ने तीन बीघा जमीन बेच दी। मेहनत मजदूरी की। वहीं वरुण ने दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत से पीसीएस में सफलता हासिल की है। वरुण फिलहाल इलाहाबाद में ही हैं। वहां से घर आने पर खुशियां मनाएंगे। वरुण के परिवार में पिता संतराम, माता रामदेवी, भाई नीरज कुमार, बहन पूनम देवी हैं। उनका परिवार गांव में आज भी कच्चे मकान में रहता है।

पिता सोसाइटी में सचिव, बेटी बनी समाज कल्याण अधिकारी

मितौली क्षेत्र के चटौरा गांव की बेटी निधि वर्मा ने यूपीपीसीएस परीक्षा में सफलता हासिल कर परिवार और इलाके का नाम रोशन किया है। घोषित परिणाम में उनका चयन समाज कल्याण अधिकारी के पद पर हुआ है। निधि के पिता पुत्तू लाल वर्मा मुरासा गांव स्थित साधन सहकारी समिति में सचिव के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि उनके दो बेटे और तीन बेटियां हैं, जिनमें निधि चौथे नंबर की संतान हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया, जिसका परिणाम आज सामने है।

खुद को नाबालिग बताते रहे मैनाठेर कांड के तीन गुनहगार, जांच हुई तो बालिग निकले

मुरादाबाद, 30 मार्च (एजेंसियां)। मैनाठेर बवाल के बीच डीआईजी पर हमले और अन्य मामलों में 16 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। इसमें दो सगे भाई समेत तीन दोषियों ने पुलिस और कोर्ट को भी गुमराह करने की कोशिश की थी। जब जांच हुई तो तीनों की बात गलत साबित हुई। मैनाठेर बवाल में आजीवन कारावास की सजा पाए दो सगे भाई समेत तीन दोषियों ने पुलिस और कोर्ट को भी गुमराह करने की हरसंभव कोशिश की थी। तीनों के परिवार के लोगों ने पुलिस को इनकी उम्र से संबंधित दस्तावेज सौंप कर नाबालिग होने का दावा किया। जिस कारण तीन की फाइल किशोर न्यायालय में भेजी गई। कोर्ट के आदेश पर दस्तावेजों की जांच की गई तो तीनों के दस्तावेज फर्जी पाए गए और मेडिकल जांच में भी सभी के बालिग होने की पुष्टि हुई। इसके बाद तीनों की फाइल वापस एडीजे की कोर्ट में पेश की गई और अन्य दोषियों के साथ इन्हें भी शनिवार को आजीवन कारावास की सजा मिली।

'नीतीश कुमार को हम बनाएंगे सीएम, वह भी बगैर शर्त'

महागठबंधन के चर्चित एमएलए ने दिया ऑफर

पटना, 30 मार्च (एजेंसियां)। नीतीश कुमार महागठबंधन के लिए जनादेश लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और एनडीए को मिले जनादेश पर महागठबंधन के सीएम रह चुके हैं। अब जब वह बिहार में भारतीय जनता पार्टी के मुख्यमंत्री बनाने की तैयारी के बीच राज्यसभा जाने को तैयार हो गए हैं तो महागठबंधन से बड़ा ऑफर सामने आया है। 2025 के बिहार चुनाव में 202 के मुकाबले 35 पर आए महागठबंधन के एक चर्चित विधायक ने नीतीश कुमार को उनके गठबंधन में वापसी का ऑफर दिया है, वह भी बगैर शर्त। कहा है कि सीएम बनाएंगे, इधर आ जाएं।

आईपी गुप्ता ने कहा कि नरेंद्र मोदी की सरकार नीतीश कुमार की वजह से चल रही है। एनडीए वाले नीतीश कुमार के बिना प्रधानमंत्री ही नहीं बना सकते हैं। बिहार में नीतीश कुमार सरकार चला रहे हैं। भाजपा वालो साजिश कर रहे हैं लेकिन नीतीश कुमार बड़े राजनीतिज्ञ हैं। वह किसी साजिश के शिकार

नहीं होने वाले हैं। नीतीश कुमार अपने मन से काम कर रहे हैं। कुछ बड़ा गेम होने वाला है। यह बड़ी रणनीति का हिस्सा है। नीतीश कुमार को फंसाना इतना आसान नहीं है। निशांत कुमार पर प्रतिक्रिया देते हुए आईपी गुप्ता ने कहा कि भाजपा वाले कभी निशांत को आगे बढ़ाना नहीं चाहेंगे। नीतीश कुमार को निपटाने में 20 साल लग गया। ऐसे में भाजपा कभी नहीं चाहेगी कि निशांत कुमार आगे बढ़े और मुख्यमंत्री बनें। भाजपा वाले बड़े बड़े नेताओं की जासूसी करवा रहे हैं। वह देश नहीं चला रहे हैं केवल नेताओं की फाइल बना रहे हैं। आईपी गुप्ता ने कहा कि हमलोग चाहते हैं कि नीतीश कुमार प्रधानमंत्री बने। प्रधानमंत्री बनते ही उनका दिमाग ठीक हो जाएगा।

रोहिणी आचार्य ने क्या कहा जानिए

रोहिणी आचार्य ने कहा कि चाचा जी बिहार से तड़ीपार कर दिए गए हैं। बिहार में भाजपा का 'ऑपरेशन फिनिश नीतीश' पूरा हो चुका है। अंततः चाचा जी के न चाहते हुए भी बीजेपी ने उनसे इस्तीफा ले ही लिया। उन्होंने जैसा बोया, वैसा ही काटना पड़ा। कुर्सी से चिपके रहने के मोह में न केवल मुख्यमंत्री की कुर्सी गई, बल्कि बिहार भी उनके हाथ से निकल गया।

पूर्व मंत्री संग्राम सिंह वर्मा का निधन

तीन बार बने थे विधायक, कुर्मी समाज के प्रभावशाली नेता थे

बाराबंकी, 30 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री संग्राम सिंह वर्मा का सोमवार को निधन हो गया। वह लगभग 92 वर्ष के थे। लखनऊ के निजी अस्पताल में पिछले एक हफ्ते से उनका उपचार चल रहा था। वहीं पर उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर मिलते ही पूरे जनपद में शोक की लहर दौड़ गई और राजनीतिक, सामाजिक एवं प्रशासनिक क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने गहरा दुःख व्यक्त किया। संग्राम सिंह वर्मा प्रदेश सरकार में कृषि राज्य मंत्री तथा रेशम उद्योग मंत्री के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके थे। वह बाराबंकी से तीन बार विधायक निर्वाचित हुए और लंबे समय तक क्षेत्र की

राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाते रहे। जिले में कुर्मी समाज के प्रभावशाली नेताओं में उनकी गिनती होती थी। दिग्गज नेता बेनी प्रसाद वर्मा के बाद उन्होंने कुर्मी समाज में अपनी अलग पहचान बनाई और संगठनात्मक स्तर पर भी मजबूत पकड़ रखी। राजनीतिक जीवन में उन्होंने समय-समय पर दल परिवर्तन भी किया। वर्ष 2017 में उन्होंने समर्थकों के साथ भाजपा का दामन थामा, जबकि वर्ष 2022 में वह समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए थे। उनके इस फैसले ने जिले की राजनीति में खासा प्रभाव डाला था। उनका परिवार भी राजनीति में सक्रिय रहा है।

कार ने बाइक को मारी टक्कर, हादसे में मां-बेटे की मौत

अलीगढ़, 30 मार्च (एजेंसियां)। इगलास कोतवाली अंतर्गत अलीगढ़ मार्ग पर 29 मार्च रात्रि बाइक सवार मां-बेटे को कार ने टक्कर मार दी। हादसे में बेटे की मौके पर मृत्यु हो गई, जबकि मां गंभीर रूप से घायल होने पर उपचार के लिए भर्ती कराया गया, जहां देर रात उनकी भी मौत हो गई। हादसा गांव जारोठ के पास हुआ। अलीगढ़ के गांधीपार्क थाना अंतर्गत भदेशी रोड निवासी गुलशन पुत्र जौहरी सिंह अपनी मां भगवती के साथ बाइक से इगलास से अलीगढ़ की ओर जा रहे थे।

'देश में नीतीश जैसा कोई नहीं'

और फूट-फूट कर रो पड़े नीतीश कुमार के करीबी मंत्री अशोक चौधरी

पटना, 30 मार्च (एजेंसियां)। नीतीश कुमार ने आखिरकार राज्यसभा चुनाव में निर्विरोध निर्वाचन के बाद विधानपार्षद पद से इस्तीफा दे दिया। विधानपरिषद सभापति ने उनका इस्तीफा स्वीकार भी कर लिया है। अब जल्द ही नीतीश कुमार राज्यसभा की सदस्यता ले लेंगे। वहीं ये भी तय हो गया है कि बिहार की कमान अब दूसरे सीएम के हाथ में जाएगी। लेकिन इसके बाद नीतीश समर्थकों में उदासी का माहौल है।

फूट-फूट कर रो पड़े अशोक चौधरी

बिहार विधानपरिषद सदस्य और नीतीश सरकार में मंत्री अशोक चौधरी उनके इस्तीफे के बाद फूट-फूट कर रो पड़े। अशोक चौधरी के रोने का वीडियो पत्रकारों ने कैमरे में रिकॉर्ड भी कर लिया। अशोक चौधरी इतने दुखी थे कि नीतीश के इस्तीफे का सवाल पूछे जाने पर उनकी आंखों से झर-झर आंसू बहने लगे। इस दौरान पत्रकारों ने भी सवालों की बौछार रोक दी।

अशोक चौधरी क्यों रोए

अशोक चौधरी जब थोड़े शांत हुए तो उन्होंने कहा कि 'देश में अब कोई दूसरा नीतीश कुमार नहीं हो सकता। ये तो बाध्यता थी कि राज्यसभा चुनाव में निर्वाचन के बाद उन्हें इस्तीफा देना ही था। 12 साल से हम सदन में हैं। 12 साल से उनका स्नेह हमें मिला।

सदन में नीतीश सबको मुश्किल से निकालते थे-अशोक चौधरी

सदन में डांटना-पुचकारना, समझना, कोई सवाल में फंस जाए तो उसे बाहर निकालना। नीतीश जी कोई नॉर्मल आदमी नहीं हैं। वो बहुत दूरदर्शी इंसान हैं। हम 2015 में एक बार मिलने के लिए गए थे तो हमलोगों ने मैट्रिक परीक्षा में चोरी की चोरी पर नकेल कसी थी पहली बार। अमेरिका की मैगजीन में चोरी करते बच्चों की फोटो छप गई थी। हमलोगों ने चोरी रोकी थी। नीतीश जी ने हमको शाम में बुला कर कहा था कि अशोक जी 4-5 दिन और है मैट्रिक की परीक्षा, किसी भी तरह से मैट्रिक की चोरी रुकनी चाहिए। विजिलेंट रहिए। तो बिहार की इमेज और बच्चों के भविष्य के लिए वो हमेशा चिंतित रहते थे।'

सीएम नीतीश के साथ सम्राट को देखते लगे 'गो बैक' के नारे

> पटना विश्वविद्यालय के छात्रों ने किया हंगामा

पटना, 30 मार्च (एजेंसियां)। विधान परिषद की सदस्यता से नीतीश कुमार के इस्तीफे के कुछ घंटे के बाद पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत सोमवार दोपहर मुख्यमंत्री को उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ पटना विश्वविद्यालय पहुंचना था।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ सम्राट चौधरी जैसे ही पहुंचे, जबरदस्त हंगामा शुरू हो गया। सम्राट चौधरी गो बैक के नारे से पटना विश्वविद्यालय परिसर गूंजने लगा। स्थिति इस तरह बेकाबू होती नजर आई कि सुरक्षाकर्मियों को मोर्चा संभालना पड़ा और मुख्यमंत्री समेत पूरे अमले को कुछ ही मिनट के अंदर वापस लौटना पड़ा।

बताया जा रहा कि सीएम नीतीश कुमार और दोनों डिप्टी सीएम की गाड़ी देखते ही कुछ छात्र पहले नीतीश कुमार जिंदाबाद के नारे लगाने लगे। इसी बीच कुछ छात्र सम्राट चौधरी के विरोध में नारेबाजी करने लगे। हालांकि पटना के डीएम और एसएसपी ने छात्रों को प्रदर्शन करने से रोक दिया और कार्यक्रम स्थल से दूर भेज दिया।

लेकिन, इसके बावजूद छात्रों का हंगामा जारी रहा। छात्र संगठन आईसा के कार्यकर्ताओं ने तो सरकार के विरोध में नारेबाजी की। इनका कहना है पटना विश्वविद्यालय पर सरकार कोई ध्यान नहीं दे रही। भवन जर्जर हो चुके हैं। शिक्षक नहीं हैं। पढ़ाई नहीं हो रही है। इस पर सरकार ध्यान नहीं दे रही है।

इधर, छात्रों के प्रदर्शन के बीच ही सीएम नीतीश कुमार ने पटना विश्वविद्यालय के प्रशासनिक एवं शैक्षणिक भवन का उद्घाटन किया। 147.29 करोड़ रुपये की लागत से बने इस आधुनिक भवन के उद्घाटन अवसर पर बिहार के दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री सुनील कुमार भी मौजूद रहे।

इंस्पेक्टर के सीने में गोली लगी

सुलतानपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। सुल्तानपुर के अखंड नगर थाने में तैनात इंस्पेक्टर अरुण द्विवेदी (50) को रविवार शाम 6 बजे सरकारी आवास में गोली लग गई। गोली उनके सीने को चीरते हुए कंधे में फंस गई। उन्हें लखनऊ पीजीआई में लाया गया। जहां उनकी हालत स्थिर बनी हुई है। आज यानी सोमवार को उनकी सर्जरी की जाएगी। इंस्पेक्टर (क्राइम) अरुण द्विवेदी थाना परिसर में ही सरकारी क्वार्टर में रहते थे। एसपी चारू निगम ने बताया कि यह एक हादसा है। वो अपने कमरे में सामान रख रहे थे, तभी ये घटना हुई। खुद ही अपने घाव को हाथ से दबाकर बाहर आए।

100 रुपये की घूस और 49 साल चला मुकदमा

4 आरोपियों की मौत, रिकॉर्ड ही फट गए तो 5वां आरोपी बरी

मुजफ्फरपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में गलत बिजली बिल सुधारने के लिए 100 रुपये रिश्वत मांगी गई। इसके बाद पीड़ित ने केस दर्ज कराया, ये मुकदमा एक दो नहीं बल्कि 49 साल लगे। ये कोई किस्सा नहीं बल्कि हकीकत है। बरी भी इसलिए कि कोर्ट में जो रिकॉर्ड थे वो इतनी खराब हालत में आ गए थे कि उन्हें पढ़ना तक मुश्किल था।

100 रुपये की घूस का केस

ये मामला है 24 अगस्त 1977 का। वैशाली जिले के हाजीपुर में रहने वाले धर्मनाथ राय ने टाउन थाने में एक केस दर्ज कराया। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें 55,432 रुपये का बिजली बिल थमा दिया गया। बिल की इतनी बड़ी रकम देखते ही वो चौंक गए, क्योंकि 1977 में इतना बड़ी रकम का बिल आना असंभव के बराबर था। धर्मनाथ राय इसके बाद हाजीपुर के बिजली विभाग पहुंचे।

49 साल पहले मांगी गई थी घूस

यहां धर्मनाथ राय ने कर्मचारियों के सामने 55 हजार वाला बिल रख दिया। आवेदन भी दिया कि इसमें सुधार की जरूरत है, ये बिजली बिल पूरी तरह से गड़बड़ है और ऐसा संभव ही नहीं है। धर्मनाथ राय का आरोप है कि इस दौरान बिजली बिल को सुधारने के लिए उनसे 100 रुपये घूस की मांग की गई। आरोप है कि बिजली विभाग के 5 कर्मचारी जगरनाथ मिश्र, देवनाथ तिवारी, राजमंगल सिंह, विभूतिशरण सिंह और किशुन सिंह ने उनसे घूस मांगी।

हाजीपुर के थाने में दर्ज कराया गया था मुकदमा

इसके बाद धर्मनाथ राय हाजीपुर टाउन थाने पहुंचे और जगरनाथ मिश्र, देवनाथ तिवारी, राजमंगल सिंह, विभूतिशरण सिंह और किशुन सिंह के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कराई। उन्होंने आरोप लगाया कि घूस नहीं देने पर गलत बिजली बिल के आधार पर उनकी लाइन ही काट दी गई।

प्राइवेसी से खिलवाड़ !

पटना एयरपोर्ट के बेबी केयर रूम में सीसीटीवी, सेना के मेजर ने पकड़ा

पटना, 30 मार्च (एजेंसियां)। एयरपोर्ट के 'बेबी केयर रूम' में दो-दो सीसीटीवी कैमरा देखते ही महिला उल्टे पांव लौट गई। पटना के जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से निजता के उल्लंघन का एक गंभीर मामला सामने आया है। हवाई अड्डे के अराइवल एरिया में स्थित 'बेबी केयर रूम' में दो सीसीटीवी कैमरे लगे पाए गए, जिससे महिला यात्रियों की सुरक्षा और गरिमा पर बड़े सवाल खड़े हो गए।

मामले का खुलासा तब हुआ जब मोतिहारी के रहने वाले भारतीय सेना के एक मेजर अपनी पत्नी और बच्चे के साथ इंडिगो की फ्लाइट से पटना पहुंचे थे। उनकी पत्नी जब शिशु को स्तनपान कराने बेबी केयर रूम में गईं, तो छत पर लगे कैमरों को देखकर दंग रह गईं। उन्होंने इसकी शिकायत अपने पति से की। फिर मामले का खुलासा हुआ।

पुणे से परिवार के साथ लौटे मेजर की पत्नी जैसे ही पटना एयरपोर्ट के फीडिंग रूम के अंदर पहुंचीं, उनकी नजर एक के बाद एक दो कैमरों पर पड़ी। स्तनपान के दौरान सीसीटीवी की मौजूदगी से वे असहज हो गईं और तुरंत बाहर आकर अपने पति को बताया। आक्रोशित मेजर ने मौके पर सीआईएसएफ के जवानों और हाउसकीपिंग स्टाफ को बुलाकर सबूत के तौर पर वीडियो बनाया और अपनी लिखित शिकायत दर्ज कराई।

पटना एयरपोर्ट के बेबी केयर रूम में किस तरह का था इंतजाम?

जांच में ये भी पाया गया कि बेबी केयर रूम में गोपनीयता बनाए रखने के लिए बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। कमरे में केवल तीन कुर्सियां, एक टेबल और वॉशरूम है, लेकिन फीडिंग एरिया को अलग करने के लिए कोई पर्दा या केबिन तक मौजूद नहीं है। खुले कमरे में कैमरों की मौजूदगी ने तो लापरवाही की हद ही कर दी।

पटना एयरपोर्ट पर कई तरह की सुविधाएं शुरू की गई हैं। बेबी केयर रूम के अलावा यहां उड़ान कैफे के साथ मुफ्त वाई-फाई की सुविधा भी शुरू की गई है। जब इस गंभीर चूक के बारे में प्रभारी निदेशक उमाशंकर से पूछा गया तो उन्होंने जानकारी नहीं होने की बात कही। उन्होंने कहा कि वे अभी प्रभार में हैं।

अंतिम वोटर लिस्ट में शामिल होंगे 3.23 लाख नए मतदाता, सभी आवेदन निस्तारित

प्रयागराज, 30 मार्च (एजेंसियां)। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत अंतिम वोटर लिस्ट 10 अप्रैल को जारी की जाएगी। इसमें 3,23,235 नए मतदाताओं के नाम शामिल किए जाएंगे। नए मतदाता बनने के लिए आवेदनों का निस्तारण पूरा किया जा चुका है और अब अंतिम वोटर लिस्ट तैयार की जा रही है। एसआईआर के तहत अनुपस्थित, शिफ्टेड, डुप्लीकेट व मृतक (एएसडी) श्रेणी में 11.56 लाख मतदाताओं को चिह्नित किया गया था जिनके नाम छह जनवरी 2026 को जारी ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से हटा दिए गए थे। इसके बाद नए मतदाता बनाने के लिए अभियान चलाया गया और अधिक से अधिक लोगों से इसके लिए फॉर्म-6 भरकर जमा करने की अपील की गई। इस दौरान 3,23,236 लोगों ने मतदाता बनने के लिए फॉर्म-6 भरे। इनमें से केवल एक फॉर्म का निस्तारण अवशेष रह गया। बाकी आवेदनों को निस्तारण कर दिया गया।

'चाचा जी किए गए बिहार से तड़ी पार'

> नीतीश कुमार के इस्तीफे पर रोहिणी आचार्य का तीखा तंज

पटना, 30 मार्च (एजेंसियां)। लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने नीतीश कुमार को एमएलसी पद से इस्तीफा देने पर निशाना बनाया है। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा है कि, 'चाचा जी किए गए बिहार से तड़ी पार।' रोहिणी आचार्य ने कहा है कि बीजेपी ने नीतीश कुमार से जबरन इस्तीफा ले लिया है। उन्होंने नीतीश पर तंज किया है कि उन्होंने जैसा बोया, वैसा ही पाया। रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिय साइट एक्स पर एक पोस्ट में लिखा है- ''चाचा जी किए गए बिहार से तड़ीपार .. बिहार में बीजेपी का ₹ऑपरेशन फिनिश नीतीश ₹ संपन्न हुआ। अंततः चाचा जी के न चाहते हुए भी बीजेपी के द्वारा उनका इस्तीफ़ा ले ही लिया गया .. चाचा जी ने जैसा बोया, वैसा पाया.. कुर्सी से चिपके रहने की सुविधा के मोह में मुख्यमंत्री की कुर्सी भी गई

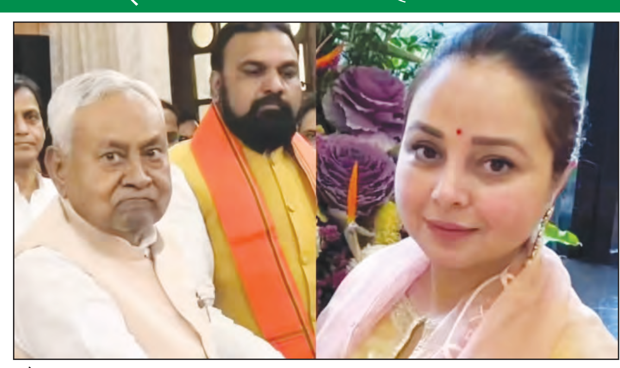

और चला गया हाथ से बिहार .. समझी जा सकती है चाचा जी के अंतर्मन की चीत्कार ..।''

नीतीश कुमार ने एमएलसी पद छोड़ा

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को बिहार विधान परिषद की सदस्यता, यानी एमएलसी पद से इस्तीफा दे दिया। नीतीश कुमार 16 मार्च को राज्यसभा चुनाव में निर्विरोध निर्वाचित हुए थे। राज्यसभा सांसद बनने के बाद संवैधानिक व्यवस्था के मुताबिक उनको एमएलसी पद से 14 दिनों में त्याग पत्र देना जरूरी था। यह 14 दिन की अवधि आज, 30 मार्च को समाप्त होने से पहले उन्होंने एमएलसी का पद त्याग दिया। हालांकि वे अभी मुख्यमंत्री बने रह सकते हैं।

बिहार के बीजेपी विधायक और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने भी एमएलए पद छोड़ दिया है। उन्होंने भी सोमवार को इस्तीफा दिया। नवीन भी राज्यसभा चुनाव में निर्विरोध जीते हैं। राज्यसभा सांसद बनने के बाद वे भी एमएलसी पद छोड़ने के लिए बाध्य थे। नीतीश कुमार और नितिन नवीन सहित बिहार से चुने गए पांच राज्यसभा सांसदों के अप्रैल के दूसरे सप्ताह में राज्यसभा में शपथ लेने की संभावना है।

चुनाव से पहले भी रोहिणी ने नीतीश पर किया था तंज

मार्च के पहले सप्ताह में जब नीतीश कुमार ने नामांकन दाखिल करने से पहले एक्स पर एक पोस्ट में अपनी राज्यसभा में जाने की मंशा जाहिर की थी तो रोहिणी आचार्य ने कई पोस्टों के जरिए तंज कसते हुए आगाह किया था। नीतीश कुमार ने पोस्ट में लिखा था कि, 'संसदीय जीवन शुरू करने के समय से ही मेरे मन में एक इच्छा थी कि मैं बिहार विधान मंडल के दोनों सदनों के साथ संसद के भी दोनों सदनों का सदस्य बनूं।

जनगणना 2026, पहले चरण के लिए 33 सवाल तय

> ऑनलाइन पोर्टल पर भी जानकारी दे सकेंगे > लिव-इन कपल को शादीशुदा का दर्जा मिलेगा

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने 2026 की जनगणना के पहले चरण के लिए 33 सवाल जारी किए हैं, जो 1 अप्रैल 2026 से शुरू हो रहा है। इसमें कहा गया है कि स्थिर रिश्ते में रहने वाले लाइव-इन कपल्स को भी शादीशुदा माना जाएगा। ऐसा तब ही होगा जब कपल मानेगा की उनका रिश्ता लंबा चलने वाला है। पहले चरण के लिए ऑनलाइन पोर्टल भी शुरू किया गया है, जहां लोग खुद अपनी जानकारी भर सकेंगे। उनकी मदद के लिए इस पोर्टल पर एफएक्यू (अक्सर पूछे जाने वाले सवाल) भी दिए गए हैं। यह चरण 'हाउस लिस्टिंग और हाउसिंग जनगणना' कहलाता है। इसका मकसद देश में घरों और बुनियादी सुविधाओं की जानकारी जुटाना है, ताकि सरकार बेहतर योजनाएं बना सके। दूसरे चरण में आबादी से जुड़ी डिटेल जानकारी ली जाएगी।

पहला फेज 1 अप्रैल 2026 से

केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने 8 जनवरी को बताया था कि देश में होने वाली जनगणना 2027 का पहला फेज 1 अप्रैल से 30 सितंबर के बीच किया जाएगा। हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपने यहां 30 दिनों में यह काम पूरा करेंगे। सरकार ने यह भी कहा कि घरों की लिस्टिंग शुरू होने से 15 दिन पहले लोगों को खुद से जानकारी भरने (सेल्फ एन्यूमरेशन) का विकल्प भी दिया जाएगा। दरअसल जनगणना 2021 में होनी थी, लेकिन कोरोना महामारी की वजह से इसे टाल दिया गया था, जो अब 2027 में पूरी होगी।

मैप पर हर घर 'डिजी डॉट' बनेगा, इसके 5 फायदे होंगे

1. आपदा में सटीक राहत- जियो टैगिंग से बना डिजिटल लेआउट मैप बादल फटने, बाढ़ या भूकंप जैसी आपदा के समय उपयोगी साबित होगा। सुदूर हिमालयी क्षेत्र में बसे किसी गांव में बादल फटने जैसी घटना के समय इस मैप से तुरंत पता चल जाएगा कि किस घर में कितने लोग रहते हैं। होटलों में क्षमता के हिसाब से कितने लोग रहे होंगे। इस ब्योरे से बचाव के लिए जरूरी तमाम नौका, हेलिकॉप्टर, फूड पैकेट आदि की व्यवस्था करने में मदद मिलेगी।

2. परिसीमन में मदद मिलेगी- राजनीतिक सीमाएं जैसे संसदीय या विधानसभा क्षेत्रों का युक्तिसंगत तरीके से निर्धारण करने में भी इससे मदद मिलेगी। जियो टैगिंग से तैयार मैप से यह तस्वीर साफ हो जाएगी कि क्षेत्र में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र का संतुलित बंटवारा कैसे हो। समुदायों को ऐसे न बांट दिया जाए कि एक मोहल्ला एक क्षेत्र में और दूसरा मोहल्ला किसी अन्य क्षेत्र में शामिल हो जए। घरों के डिजी डॉट से डिलिमिटेशन की प्रक्रिया में आसानी होगी।

3. शहरी प्लानिंग में आसानी- शहरों में सड़कों, स्कूलों, अस्पतालों या पार्कों की प्लानिंग करने में भी यह मैप उपयोगी साबित होगा। अगर किसी जगह के घरों के डिजिटल लेआउट में बच्चों की अधिकता होगी तो पार्क और स्कूल प्राथमिकता से बनाने की योजना तैयार की जा सकेंगी। यदि किसी बस्ती में कच्चे मकानों या खराब घरों की अधिकता दिखेगी तो वहां किसी मेडिकल इमरजेंसी के समय तत्काल मोबाइल राहत वैन भेजी जा सकेंगी।

4. शहरीकरण और पलायन दर का डेटा मिलेगा- इस जनगणना के दस साल बाद होनी वाली जनगणना में डिजिटल मैप के परिवर्तन आसानी से दर्ज किए जा सकेंगे।

जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी

सरकार ने बताया कि इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी। करीब 30 लाख कर्मचारी मोबाइल एप के जरिए जानकारी जुटाएंगे। मोबाइल एप, पोर्टल और रियल टाइम डेटा ट्रांसफर से जनगणना बहुत हद तक पेपरलेस होगी। जाति से जुड़ा डेटा भी डिजिटल तरीके से इकट्ठा किया जाएगा। आजादी के बाद पहली बार जनगणना में जाति की गिनती शामिल होगी।

इससे पहले अंग्रेजों के समय 1931 तक जाति आधारित जनगणना हुई थी। यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ने अप्रैल में लिया था। 2011 की पिछली जनगणना के अनुसार, भारत की आबादी करीब 121 करोड़ थी, जिसमें लगभग 51.5% पुरुष और 48.5% महिलाएं थीं।

'केरल के चुनाव में भाजपा अप्रासंगिक'

कांग्रेस नेता ने केंद्र पर साधा निशाना; लगाए गंभीर आरोप

तिरुवनंतपुरम, 30 मार्च (एजेंसियां)। तिरुवनंतपुरम की वट्टियूरकावु सीट से कांग्रेस उम्मीदवार के मुरलीधरन ने भाजपा पर तीखा हमला किया है। उन्होंने कहा कि केरल में भाजपा पूरी तरह अप्रासंगिक हो गई है। मुरलीधरन के अनुसार, भाजपा ने राज्य की जनता से किए गए अपने वादे पूरे नहीं किए हैं, इसलिए लोग अब उन पर भरोसा नहीं करते।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पलक्कड़ रैली पर प्रतिक्रिया देते हुए मुरलीधरन ने कहा कि भाजपा बदलाव का दावा तो करती है, लेकिन जमीन पर कुछ नहीं दिखता। उन्होंने सवाल उठाया कि भाजपा के सांसद और केंद्रीय मंत्री होने के बावजूद त्रिशूर में मेट्रो रेल क्यों नहीं आई? उन्होंने एम्स की मांग का मुद्दा भी उठाया। मुरलीधरन ने बताया कि उन्होंने सांसद रहते हुए दो बार संसद में केरल के लिए एम्स की मांग की थी। तब केंद्र सरकार ने जवाब दिया था कि यह प्रस्ताव वित्त विभाग के पास है, लेकिन आज तक इस पर कोई काम नहीं हुआ। मुरलीधरन ने आरोप लगाया कि भाजपा ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम चुनाव के समय वादा किया था कि जीत मिलने पर प्रधानमंत्री विशेष पैकेज की घोषणा करेंगे। प्रधानमंत्री शहर आए भी, लेकिन किसी पैकेज का ऐलान नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि कुछ सीटों को छोड़कर केरल में मुख्य मुकाबला केवल यूडीएफ और एलडीएफ के बीच ही है। इस चुनाव में भाजपा की कोई भूमिका नहीं बची है। उन्होंने माकपा (सीपीआई-एम) पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप भी लगाया। मुरलीधरन ने कहा कि जब पिछले लोकसभा चुनाव में एसडीपीआई ने यूडीएफ का समर्थन किया था, तब मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने इसकी कड़ी आलोचना की थी।

डीएमके महिलाओं को 8000 के कूपन देगी

एआईएडीएमके राशन कार्ड धारकों को मुफ्त रेफ्रिजरेटर देगी

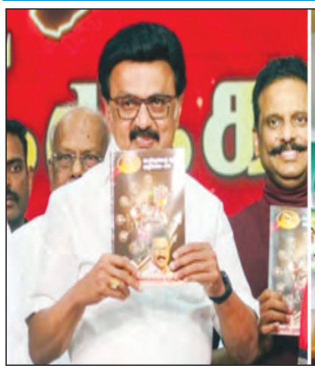

चेन्नई, 30 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही सत्ताधारी डीएमके और विपक्षी एआईएडीएमके ने अपने चुनावी घोषणा पत्र जारी कर दिए हैं। घोषणा पत्र में प्रमुख मतदाता समूहों, खासकर महिलाओं, किसानों के लिए कई कल्याणकारी वादे किए गए हैं। डीएमके ने 2021 के चुनावों में 505 वादे किए थे लेकिन इस बार उसने अपने वादों की संख्या बढ़ाकर 525 कर दी है। वहीं दूसरी ओर, सत्ता में वापसी की कोशिश कर रही एआईएडीएमके ने कल्याणकारी योजनाओं और लक्षित सब्सिडी पर केंद्रित 297 वादे किए हैं।

डीएमके और एआईएडीएमके के घोषणा पत्र की प्रमुख बातें

दोनों पार्टियों के घोषणापत्रों का एक प्रमुख पहलू महिला केंद्रित योजनाओं पर जोर देना है। मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने घोषणा की कि आयकर न देने वाले परिवारों की गृहिणियों को आवश्यक घरेलू उपकरण खरीदने या बदलने के लिए 8,000 रुपए के कूपन मिलेंगे। डीएमके ने महिलाओं के लिए मासिक वित्तीय सहायता को 1,000 रुपए से बढ़ाकर 2,000 रुपए करने का भी वादा किया है। एआईएडीएमके के महासचिव के. पलानीस्वामी ने वादा किया है कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो राशन कार्ड धारकों को मुफ्त रेफ्रिजरेटर दिए जाएंगे। इसके अलावा, 'कुला विलाक्कू' योजना के तहत, एआईएडीएमके ने सभी परिवार कार्ड धारकों के लिए 2,000 रुपए की सब्सिडी का प्रस्ताव रखा है, जिसे पार्टी राज्यभर के परिवारों के लिए प्रत्यक्ष लाभ के रूप में पेश कर रही है। दोनों पार्टियों ने सामाजिक कल्याण क्षेत्र में मिलते-जुलते वादे किए हैं। उन्होंने वृद्धावस्था पेंशन को 1,200 रुपए से बढ़ाकर 2,000 रुपए करने और मछली पकड़ने पर प्रतिबंध से संबंधित राहत सहायता को 8,000 रुपए से बढ़ाकर 12,000 रुपए करने का भी आश्वासन दिया है। दिव्यांगजनों के लिए स्टालिन ने भत्ते को बढ़ाकर 2,500 रुपए करने का प्रस्ताव दिया है, जबकि पलानीस्वामी ने इसे बढ़ाकर 2,000 रुपए करने की प्रतिबद्धता जताई है। शिक्षा क्षेत्र में, डीएमके ने अगले पांच वर्षों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे 35 लाख छात्रों को मुफ्त लैपटॉप वितरित करने का संकल्प लिया है। एआईएडीएमके ने भी इसी तरह का प्रस्ताव रखा है, जिसमें सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्रों को लैपटॉप देने का वादा किया गया है। दोनों ही पार्टियों के घोषणापत्रों में आवास और ग्रामीण विकास को प्रमुखता दी गई है। डीएमके ने पांच साल के भीतर 10 लाख घर बनाने का संकल्प लिया है जबकि एआईएडीएमके ने अपनी 'अम्मा इल्लम' योजना के तहत बेघर परिवारों को मुफ्त आवास देने का वादा किया है।

कांग्रेस ने असम में घुसपैठियों की मदद की : नितिन नवीन

गुवाहाटी, 30 मार्च (एजेंसियां)। असम में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब उसने अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को असम में प्रवेश करने की अनुमति दी।

लेकिन भाजपा सरकार बनने के बाद इनकी एंट्री को रोका गया और अवैध घुसपैठियों को बाहर निकालने का काम किया गया। एक चुनावी रैली में नवीन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में राहुल गांधी ने जब पारंपरिक असमिया 'गमोचा' पहनने का प्रस्ताव रखा गया, तो उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया, जिससे असमवासियों की भावनाओं को ठेस पहुंची।

केंद्र ने समुद्री दक्षता बढ़ाने के लिए न्यू मैंगलोर पोर्ट पर बर्थ के पुनर्विकास को दी मंजूरी

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने न्यू मैंगलोर पोर्ट अथॉरिटी (एनएमपीए) के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत न्यू मैंगलोर पोर्ट पर बर्थ नंबर 9 का पुनर्विकास किया जाएगा। यह काम पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत डीबीएफओटी आधार पर किया जाएगा। सोमवार को इसकी जानकारी दी गई। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अनुसार, इस परियोजना को 25 मार्च 2026 को मंजूरी दी गई। यह कदम भारत के पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और समुद्री लॉजिस्टिक्स को बेहतर बनाने की दिशा में एक बड़ा प्रयास माना जा रहा है। करीब 438.29 करोड़ रुपए की लागत वाली इस परियोजना को एक निजी कंपनी द्वारा विकसित किया जाएगा, जिसे ओपन टेंडर प्रक्रिया के जरिए चुना जाएगा।

इस प्रोजेक्ट की कुल क्षमता 10.90 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) होगी। साथ ही, प्रोजेक्ट को संभालने वाली कंपनी पांचवें साल तक कम से कम 7.63 एमटीपीए कार्गो हैंडल करने की गारंटी देगी। निर्माण कार्य को पूरा होने में करीब 2 साल लगेंगे, जबकि पूरे प्रोजेक्ट की अवधि 30 साल की होगी। इस योजना के तहत पुराने ढांचे को हटाकर बर्थ नंबर 9 को पूरी तरह से आधुनिक बनाया जाएगा। यहां पर कच्चा तेल, पेट्रोलियम उत्पाद (पीओएल) और एलपीजी जैसे लिक्विड बल्क कार्गो को संभाला जाएगा। मंत्रालय के अनुसार, इस आधुनिकीकरण के तहत बर्थ की गहराई (ड्राफ्ट) को मौजूदा 10.5 मीटर से बढ़ाकर 14 मीटर किया जाएगा और भविष्य में इसे 19.8 मीटर तक बढ़ाने की व्यवस्था भी रखी जाएगी। इससे पोर्ट पर 2 लाख डीडब्ल्यूटी तक के बड़े जहाज आसानी से आ-जा सकेंगे, जिसमें वेरी लार्ज गैस कैरियर्स (वीएलजीसी) भी शामिल हैं। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोणोवाल ने कहा कि यह प्रोजेक्ट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के समुद्री इंफ्रास्ट्रक्चर को तेजी से आधुनिक बनाने का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट के जरिए पुराने इंफ्रास्ट्रक्चर को हटाकर आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

युवकों में विवाद के दौरान हुई गोलीबारी

सैर कर रहे रिटायर्ड ब्रिगेडियर को लगी, इलाज के दौरान मौत

देहरादून, 30 मार्च (एजेंसियां)। देहरादून राजपुर थाना क्षेत्र के जोहड़ी गांव में मॉर्निंग वॉक कर रहे रिटायर्ड ब्रिगेडियर को गोली लग गई। आनन फानन उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह ओवरटेक करने को लेकर कार सवार दो युवकों में विवाद हो गया। इस दौरान हुई फायरिंग में मॉर्निंग वॉक कर रहे रिटायर्ड ब्रिगेडियर को गोली लग गई। घटनास्थल पर अफरा तफरी मच गई। उन्होंने तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। दून एसपी सिटी प्रमोद कुमार ने बताया कि सुबह करीब सात बजे हमें कंट्रोल रूम से जौहरी गांव में दो गाड़ियों के बीच ओवरटेक करने को लेकर हुए विवाद की जानकारी मिली। इस दौरान दौरान गोलीबारी हुई। घटना में एक व्यक्ति घायल हो गया, जिसे अस्पताल ले जाया गया। अब हमें सूचना मिली है कि इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई है। बताया कि इलाके को सील कर दिया गया है और इसमें शामिल गाड़ी, साथ ही उसमें मौजूद लोगों की जांच की जा रही है।

मामले में जल्द ही गिरफ्तारियां की जाएंगी। पुलिस अधिकारियों ने एक व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया है और ग्रामीण इलाकों सहित कई पुलिस थानों के अधिकार क्षेत्र में नाकेबंदी कर दी है, ताकि इसमें शामिल लोगों का पता लगाया जा सके। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने मसूरी रोड स्थित मालसी क्षेत्र में हुई फायरिंग की घटना में रिटायर्ड ब्रिगेडियर मुकेश जोशी की मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

पाकिस्तानी आतंकवाद पर आंखें मूंद रहा अमेरिका, इससे भारत में नाराजगी

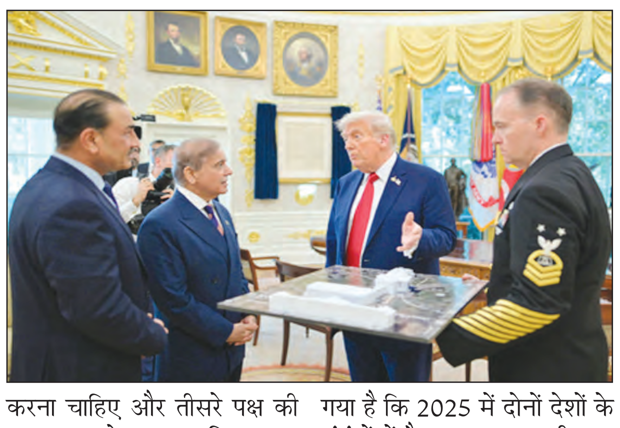

वॉशिंगटन, 30 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान से उत्पन्न हो रहा आतंकवाद, भारत के लिए लंबे समय से चिंता का विषय रहा है। अब एक अमेरिकी थिंक टैंक की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिका द्वारा पाकिस्तानी आतंकवाद को लेकर भारत की चिंताओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है और इसे लेकर भारत में निराशा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका को कश्मीर पर नई दिल्ली की रेड लाइंस का सम्मान करना चाहिए और तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से बचना चाहिए।

अमेरिकी थिंक टैंक की रिपोर्ट में अहम दावा

इस सप्ताह थिंक टैंक 'सेंटर फॉर ए न्यू अमेरिकन सिक्योरिटी' द्वारा जारी एक पॉलिसी पेपर में चेतावनी दी गई है कि प्रमुख क्षेत्रों में जारी सहयोग के बावजूद वॉशिंगटन और नई दिल्ली के बीच गहरा रणनीतिक अविश्वास अब भी संबंधों पर असर डाल रहा है। 'रिपेयरिंग द ब्रीचः गेटिंग यूएस-इंडिया टाइज बैक ऑन ट्रैक' शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 में दोनों देशों के संबंधों में पैदा हुआ तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और संबंधों को सुधारने में समय लगेगा। लिसा कर्टिस, कीर्ति मार्टिन और सितारा गुप्ता द्वारा लिखित इस रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में भारत-अमेरिका संबंध गंभीर रूप से डगमगा गए थे। इसके पीछे भारत-पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष विराम को लेकर मतभेद और भारतीय सामान पर अमेरिका द्वारा लगाया गया भारी-भरकम टैरिफ जैसे मुद्दे शामिल थे।

व्यापार समझौते के ढांचे पर सहमति से फिर से पटरी पर लौटे संबंध

रिपोर्ट के मुताबिक, फरवरी 2026 में अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे पर सहमति बनने से दोनों देशों के संबंध फिर से पटरी पर लाने की कोशिश की गई है, लेकिन विश्वास बहाली के लिए लगातार प्रयास करने जरूरी होंगे। रिपोर्ट में जोर देकर कहा गया है कि भारत और अमेरिका के आर्थिक, रक्षा और प्रौद्योगिकी संबंध भले ही मजबूत बने हुए हैं, लेकिन पाकिस्तान और आतंकवाद को लेकर मतभेद अभी भी मूलभूत बने हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, नई दिल्ली, पाकिस्तान से संचालित होने वाले आतंकवाद पर अमेरिका द्वारा ध्यान न दिए जाने से निराश है। रिपोर्ट में कश्मीर मुद्दे पर किसी भी बाहरी हस्तक्षेप के प्रति भारत के लंबे समय से चले आ रहे विरोध को भी फोकस किया गया है। इसमें चेतावनी दी गई है कि अमेरिका की ओर से मध्यस्थता के संकेत देने वाले बयान आपसी विश्वास को और नुकसान पहुंचा सकते हैं। संबंधों को सुधारने के लिए रिपोर्ट में सिफारिश की गई है कि अमेरिका को भारत-पाकिस्तान के बीच कश्मीर विवाद में मध्यस्थता की बात करने से बचना चाहिए।

नए कानून से बेहतर होगी सुरक्षा

सीएपीएफ विधेयक को हार या जीत के रूप में पेश करना गलत

समझें यह क्यों है जरूरी

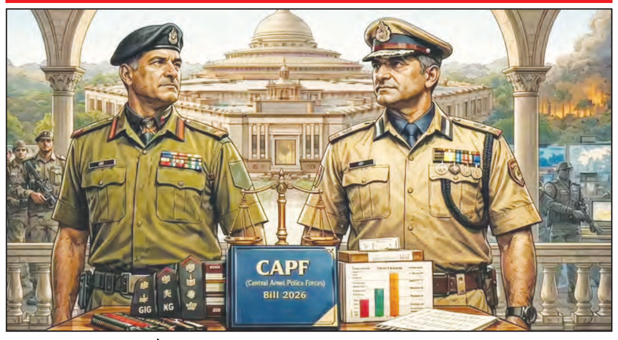

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। भारत आज अंदरूनी और सीमा सुरक्षा की बढ़ती मुश्किलों का सामना कर रहा है। ऐसे समय में देश ऐसी बहस का जोखिम नहीं उठा सकता, जिसमें नौकरी से जुड़ी छोटी-छोटी समस्याओं को बड़ा अन्याय बताया जाए और सुधार की कोशिशों को संस्था को कमजोर करने के रूप में दिखाया जाए।

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक 2026 को लेकर जो चर्चाएं चल रही हैं, उसे कुछ लोग ऐसे पेश कर रहे हैं जैसे देश को सीएपीएफ अधिकारियों और आईपीएस नेतृत्व में से किसी एक को चुनना पड़ेगा। असल में ऐसा कोई चुनाव है ही नहीं। यह गलत और खतरनाक सोच है।

एकता के लिएः 34 बरसों के अपने करियर में मैंने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में सेवा दी है। इस दौरान मैंने कई नक्सल प्रभावित इलाकों और सीमा पर काम किया। अपने अनुभव से कह सकता हूं कि यह विधेयक अधिकारियों की जायज चिंताओं को हल करता है। यह केवल पदोन्नति का सवाल नहीं, देश की विविधता और केंद्रीय ढांचे में सुरक्षा बरकरार रखने का कदम है। सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश में केंद्रीय समन्वय और एकता के वास्ते अखिल भारतीय सेवाओं को स्टील फ्रेम माना था। आईपीएस हमेशा केंद्र-राज्य, इंटेलिजेंस-ऑपरेशन और राज्य पुलिस-सीएपीएफ के बीच सेतु का काम करता रहा है। इस बहस को कैडर तक सीमित करने वाले लोग एक जरूरी बात भूल जाते हैं कि भारत की आंतरिक सुरक्षा अलग-अलग बलों के टुकड़ों से नहीं चल सकती। एक जिले का खतरा पूरे देश को प्रभावित कर सकता है। खुफिया सूचना पर तुरंत कार्रवाई की दरकार होती है। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनका करियर उन्हें राज्य की पुलिस, सीएपीएफ, सीआरपीएफ, बीएसएफ, इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) जैसे संगठनों के बीच काम का अनुभव देता है।

कानून क्यों जरूरी

- > विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय मजबूत होगा
- > बेहतर होगा प्रशासन, अफसरों की चिंताओं का हल
- > करियर को ध्यान में रखते हुए नए पद बनाए गए है

ममता बनर्जी की 'हत्या की आशंका' पर विपक्ष सांसद बोले

> बिना इनपुट कोई इतनी बड़ी बात नहीं बोलता

कोलकाता, 30 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा खुद की हत्या होने की आशंका का विपक्ष के सांसदों ने समर्थन किया है। विपक्ष के सांसदों ने कहा कि कुछ इनपुट होगा तभी ममता बनर्जी बोल रही है, ऐसे इतनी बड़ी बात कोई नहीं बोल सकता है।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद कीर्ति आजाद ने इस मुद्दे पर चिंता जताते हुए कहा कि यह स्थिति बेहद खतरनाक है। उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि ममता बनर्जी पहले भी कई बार राजनीतिक हिंसा का सामना कर चुकी हैं, यहां तक कि वामपंथियों के खिलाफ संघर्ष के दौरान उन्हें गंभीर चोटें भी लगी थीं। कीर्ति आजाद ने सवाल उठाया कि आखिर विपक्ष उनसे क्या चाहता है और क्या इस तरह के माहौल में उनकी सुरक्षा को खतरा नहीं है। ऐसे बयान किसी गंभीर साजिश की ओर इशारा कर सकते हैं।

'अगर कोई वरिष्ठ नेता चेतावनी दे रहा है, तो उसे हल्के में नहीं लेना चाहिए'

वहीं समाजवादी पार्टी के सांसद राजीव कुमार राय ने ममता बनर्जी के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि उन्होंने तो बहुत कम कहा है। देश में ऐसा माहौल बनाया जा रहा है, जहां लोगों को यह तक तय करने की आजादी नहीं है कि वे क्या खाएं, क्या पहनें, क्या बोलें या क्या लिखें। इस तरह के बयान खुद ही मौजूदा हालात की सच्चाई बयां करते हैं। उन्होंने कहा कि देश की वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए ममता बनर्जी के बयान को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि महाराष्ट्र में एक पूर्व उपमुख्यमंत्री के निधन पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसे में अगर कोई वरिष्ठ नेता चेतावनी दे रहा है, तो उसे हल्के में नहीं लेना चाहिए।

पत्रकारों से बदसलूकी पर पूरी बटालियन सस्पेंड

सैनिकों ने हिरासत में लिया था, ऑपरेशन से हटाकर ट्रेनिंग में भेजा

तेल अवीव, 30 मार्च (एजेंसियां)। वेस्ट बैंक में सीएनएन पत्रकारों से बदसलूकी और हिरासत मामले में इजराइली सेना ने पूरी बटालियन को सस्पेंड किया और रिजर्व बटालियन की ऑपरेशनल गतिविधियां भी रोक दीं।

यह बटालियन नेत्जाह यूनिट का हिस्सा है। सेना के मुताबिक बटालियन को तुरंत वेस्ट बैंक से हटाकर ट्रेनिंग पर भेजा गया है और जांच पूरी होने तक यह किसी ऑपरेशन में शामिल नहीं होगी।

यह घटना पिछले हफ्ते फिलिस्तीनी गांव तायासिर में हुई, जहां सीएनएन टीम रिपोर्टिंग कर रही थी। आरोप है कि सैनिकों ने टीम को हिरासत में लिया और एक फोटो जर्नलिस्ट से मारपीट की, जिससे उसका कैमरा टूट गया।

इजराइली सेना ने कहा कि बटालियन को प्रोफेशनल और एथिकल ट्रेनिंग दी जाएगी और मामले में शामिल सैनिकों पर अलग से कार्रवाई होगी।

26 मार्च को वेस्ट बैंक के फिलिस्तीनी गांव तयासिर में सीएनएन की टीम रिपोर्टिंग कर रही थी। कुछ समय पहले ही वहां इजराइली सेटलर्स ने हमला किया था। उसी के बाद की स्थिति दिखाने के लिए सीएनएन के पत्रकार जेरेमी डायमंड अपनी टीम के साथ गांव पहुंचे थे।

सीएनएन की टीम तयासिर के हालात कैमरे पर रिकॉर्ड कर रही थी और चश्मदीदों से बात कर रही थी। तभी अचानक वहां इजरायली सैनिकों की टीम पहुंची। शुरुआत में सैनिकों ने टीम से सवाल-जवाब किए, लेकिन माहौल जल्दी ही तनावपूर्ण हो गया।

कुछ ही देर में सैनिकों ने टीम को आगे बढ़ने से रोक दिया और उन्हें वहीं रोककर हिरासत में ले लिया। इसी दौरान हालात और बिगड़ गए। आरोप है कि एक सैनिक ने फोटो जर्नलिस्ट सिरिल थियोफिलॉस को पकड़कर उनका गला जकड़ लिया। अचानक हुए इस हमले से वह संतुलन खो बैठे और जमीन पर गिर गए। इस धक्का-मुक्की में उनका कैमरा भी टूट गया।

अंतरराष्ट्रीय मीडिया संगठन ने हमले की निंदा की

वेस्ट बैंक में सीएनएन की टीम के साथ हुई बदसलूकी को लेकर अंतरराष्ट्रीय मीडिया संगठन फॉरेन प्रेस एसोसिएशन ने निंदा की। संगठन ने इस घटना को हिंसक हमला बताते हुए प्रेस की

आजादी पर सीधा हमला करार दिया।

संगठन ने आरोप लगाया कि सैनिकों ने पत्रकारों और वहां मौजूद लोगों पर बंदूक तान दी, जबकि पत्रकार अपनी पहचान बता चुके थे। इतना ही नहीं, टीम को शूटिंग बंद करने के लिए मजबूर किया गया और कैमरा छीनने की धमकी भी दी गई।

संगठन ने इस मामले की जांच की मांग करते हुए कहा कि यह घटना दिखाती है कि मीडिया के प्रति दुश्मनी बढ़ रही है, जो बेहद चिंताजनक है।

इजराइल में हर किसी के लिए जरूरी रूप से सेना में शामिल होने का नियम है। पुरुषों को लगभग तीन साल और महिलाओं को दो साल सेना में सेवा देनी होती है। यह यूनिट इजराइली सेना की कफिर ब्रिगेड का हिस्सा है।

1948 में जब इस देश का गठन हुआ था। तब हरेदी समुदाय से आने वाले 400 अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स पुरुषों को सेना में सेवा से छूट दी थी। इसका मकसद था कि ये लोग धार्मिक शिक्षा और यहूदी परंपराओं को बचाने का काम जारी रख सकें।

धीरे-धीरे हरेदी समुदाय के लोगों का आंकड़ा बढ़ता गया जो सेना में शामिल होने से बचते रहे। इससे बाकी समुदाय नाराज रहने लगे। इसके बाद सरकार ने 1999 में नेत्जाह येहूदा यूनिट बनाई जहां वे अपनी धार्मिक पहचान बनाए रखते हुए सेना में सेवा दे सकें।

यह यूनिट बाकी सैन्य यूनिट्स से थोड़ी अलग है। इसमें महिलाएं शामिल नहीं होतीं। माहौल पूरी तरह से धार्मिक वाला रखा जाता है और कोषेर (धार्मिक नियमों वाला) खाना दिया जाता है। ज्यादातर वेस्ट बैंक (पश्चिमी तट) इलाके में तैनाती रहती है। सुरक्षा और गश्त जैसे काम करती है।

हालांकि इस यूनिट में हरेदी के अलावा भी दूसरे समुदाय के लोग शामिल होते हैं। हालांकि आबादी सबसे ज्यादा हरेदी समुदाय के लोगों की होती है।

छत्तीसगढ़ में टोल प्लाजा दरों में 5 रुपये की बढ़ोतरी

बिलासपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। नेशनल हाईवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने छत्तीसगढ़ से अलग-अलग शहरों के लिए जाने वाले नेशनल हाईवे की टोल दरों में बढ़ोतरी की है। इसमें बिलासपुर से रायपुर, कोरबा, अंबिकापुर, रायगढ़ समेत सभी टोल प्लाजा में 5 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। अब 1 अप्रैल से हर टोल प्लाजा से गुजरने पर 5 रुपए एक्स्ट्रा टैक्स देना होगा। इसी तरह एनुअल (वार्षिक) पासधारकों को 75 रुपए अतिरिक्त शुल्क देना पड़ेगा। राहत की बात है कि, स्थानीय पासधारकों को पुराने दर पर ही सफर करने की छूट है। एनएचएआई ने फाइनेंशियल ईयर 2026-27 के लिए टोल की नई दरें जारी कर दी हैं। बिलासपुर जिले के 4 प्रमुख टोल प्लाजा भोजपुरी, मुढ़ीपार, पाराघाट और बगदेवा से रोजाना गुजरने वाले करीब एक लाख से ज्यादा वाहनों पर इसका सीधा असर पड़ेगा। विशेष रूप से बिलासपुर से रायपुर और पड़ोसी जिलों के बीच आने-जाने वाले लोगों पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा। एनएचएआई की तरफ से जारी नोटिफिकेशन में 5 से 10% शुल्क में बढ़ोतरी की गई है।

होर्मुज में फंसी दुनिया तो 'यूरोप की स्वेज नहर' बना रहे तुर्की के खलीफा एर्दोगन

लंदन, 30 मार्च (एजेंसियां)। तुर्की एक नया विशाल समुद्री गलियारा बना रहा है। इसे 1869 में मिस्र में बनी स्वेज नहर की तर्ज पर बनाया जाएगा। इस कदम के पीछे तुर्की और यूरोप का मकसद एक वैश्विक व्यापार केंद्र स्थापित करना है। तुर्की अपने महत्वाकांक्षी इस्तांबुल नहर प्रोजेक्ट पर तेजी से आगे बढ़ रहा है, जिसे यूरोप अपनी स्वेज नहर की तरह देख रहा है। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने 2021 में इस्तांबुल नहर प्रोजेक्ट शुरू किया था। यह ऐसे समय सामने आया है, जब ईरान युद्ध के चलते होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री यातायात ठप है।

इस्तांबुल नहर पहल 20 अरब पाउंड की लागत से शहर को एक अहम वैश्विक व्यापार केंद्र बनाने का वादा करती है। यह नहर इस्तांबुल के यूरोपीय हिस्से को दो भागों में बांटेगी, जिससे एशिया और यूरोप के बीच एक द्वीप बन जाएगा। इस योजना से प्राकृतिक पर्यावरण को नुकसान को लेकर सवाल उठे लेकिन लेकिन तुर्की के अधिकारियों ने आगे बढ़ना जारी रखा है।

तुर्की सरकार ने अपने आर्थिक लक्ष्यों को हासिल करने पर ध्यान

केंद्रित किया है। उनका दावा है कि यह जलमार्ग देश के लिए बहुत फायदेमंद साबित होगा। इस्तांबुल के पश्चिमी क्षेत्र में स्थित यह गलियारा, ब्लैक सी और मरमारा सागर के बीच एक नौकायन का मार्ग बनाएगा। 45 किलोमीटर की प्रभावशाली लंबाई वाली इस नहर की चौड़ाई 400 मीटर से लेकर 1000 मीटर तक है। इस नहर की गहराई 25 मीटर तक है। इस पर छह पुल बनाए जाएंगे, जो इसे इस्तांबुल के यूरोपीय हिस्से से आसानी से जोड़ देंगे। हर साल 160 जहाजों या तेल टैंकरों के गुजेरने की उम्मीद के साथ यह नहर भीड़भाड़ वाली बोस्फोरस जलसंधि पर से समुद्री यातायात का बोझ कम करने के लिए तैयार है। तुर्की राष्ट्रपति एर्दोगन ने इस प्रोजेक्ट से काफी ज्यादा उम्मीद जताई है। उन्होंने कहा है कि वह इस्तांबुल नहर प्रोजेक्ट को इस्तांबुल के भविष्य को बचाने वाली योजना के रूप में देखते हैं। इससे इस्तांबुल की बोस्फोरस जलसंधि और उसके आसपास रहने वाले नागरिकों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी।

इस्तांबुल नहर के 2027 में पूरा होने की उम्मीद है। यह प्रसिद्ध बोस्फोरस जलसंधि के समानांतर चलने वाला एक महत्वपूर्ण जलमार्ग प्रदान करते हुए वैश्विक व्यापार केंद्र के रूप में इस्तांबुल की स्थिति को और ऊंचा उठाएगी। इस प्रोजेक्ट से शहर की आर्थिक संभावनाओं को काफी ज्यादा बढ़ावा मिलेगा।

अमृतसर से दुर्ग तक नशे का नेटवर्क

दुर्ग-भिलाई, 30 मार्च (एजेंसियां)। दुर्ग पुलिस ने पंजाब से भिलाई-दुर्ग में ड्रग्स सप्लाई करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ कर 3 तस्करों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों के पास से 43 ग्राम से ज्यादा हेरोइन जब्त की गई है, जिसकी बाजार में कीमत करीब 8 लाख 65 हजार रुपए आंकी गई है।

पकड़े गए आरोपियों में मुख्य सप्लायर पंजाब के अमृतसर का रहने वाला है, जो दुर्ग में रहकर नशे का नेटवर्क चला रहा था। जब पुलिस ने पकड़े गए तीनों आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ की तो नशे की इस पूरी चेन का खुलासा हुआ।

इस गैंग का मुख्य सरगना 26 साल का विजय सिंह निकला। विजय सिंह मूल रूप से पंजाब के अमृतसर जिले के कलसिया थाने के कलेर गुमान इलाके का रहने वाला है। वह पिछले कुछ समय से खुर्सीपार के एचसीएल कॉलोनी इलाके में रह रहा था। विजय ही वह कड़ी था, जो पंजाब से ड्रग्स लाकर दुर्ग-भिलाई के लोकल युवाओं को सप्लाई करता था।

विजय के साथ पकड़े गए बाकी दो आरोपी दुर्ग जिले के ही हैं। इनमें से एक 26 साल का मीर नौशाद अली है, जो वैशाली नगर के जवाहर नगर का रहने वाला है। वहीं तीसरा आरोपी 23 साल का सुरेंद्र क्षत्रिय है, जो वह भी जवाहर नगर इलाके के मुंबई आवास में रहता है। ये दोनों विजय से माल लेकर आगे पुड़िया बनाकर बेचते थे। दुर्ग पुलिस ने बताया कि रविवार 29 मार्च को मुखबिर से सूचना मिली थी कि खुर्सीपार इलाके के मिनी स्टेडियम के पास बने सुलभ शौचालय के करीब कुछ लोग संदिग्ध हालत में खड़े हैं और उनके पास ड्रग्स है। वे किसी ग्राहक का इंतजार कर रहे हैं ताकि ड्रग्स की पुड़िया बेच सकें।

सूचना मिलते ही खुर्सीपार पुलिस की टीम मौके के लिए रवाना हुई। पुलिस ने चारों तरफ से घेराबंदी कर मिनी स्टेडियम के पास से तीन युवकों को धर दबोचा। जब पुलिस ने उनकी तलाशी ली तो उनके पास से सफेद रंग का पाउडर मिला, जो जांच करने पर हेरोइन निकला। पुलिस ने तुरंत तीनों को गिरफ्तार कर लिया और थाने ले आई।

दुनिया के 'यूरेनियम किंग': परमाणु शक्ति के विशाल भंडार वाले शीर्ष 10 देश

केनबरा, 30 मार्च (एजेंसियां)।यूरेनियम के वैश्विक दिग्गज दुनिया का सबसे बड़ा यूरेनियम भंडार ऑस्ट्रेलिया के पास है, जहाँ लगभग 1.67 मिलियन टन (वैश्विक भंडार का 28%) यूरेनियम मौजूद है। आश्चर्यजनक तथ्य यह है कि इतना बड़ा भंडार होने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया का अपना कोई परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम नहीं है। वहीं, कजाकिस्तान दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा भंडार (14%) रखने के साथ-साथ पिछले एक दशक से दुनिया का सबसे बड़ा यूरेनियम उत्पादक देश बना हुआ है।

उत्तरी अमेरिका और अफ्रीका का योगदान कनाडा दुनिया के तीसरे सबसे बड़े भंडार का मालिक है। यहाँ के 'अथाबास्का बेसिन' में दुनिया का सबसे उच्च गुणवत्ता वाला यूरेनियम पाया जाता है।

अफ्रीका में नामीबिया और नाइजर प्रमुख खिलाड़ी हैं। नामीबिया का यूरेनियम उसकी

जीडीपी में बड़ा योगदान देता है, जबकि नाइजर लंबे समय से फ्रांस का मुख्य सप्लायर रहा है। हालांकि, 2025 के तख्तापलट के बाद नाइजर के समीकरण बदल गए हैं और फ्रांसीसी कंपनियों को वहां से बाहर कर दिया गया है।

रूस, चीन और उभरते हुए अन्य देश रूस और चीन

पांचवें और आठवें स्थान पर हैं। रूस अपने विशाल भंडार का उपयोग घरेलू ऊर्जा और परमाणु निर्यात के लिए करता है। चीन, जो तेजी से अपने परमाणु रिएक्टर बढ़ा रहा है, घरेलू भंडार के साथ-साथ विदेशों से भी बड़े पैमाने पर यूरेनियम आयात करता है।

सूची में दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील और मंगोलिया भी शामिल हैं, जो बुनियादी ढांचे और नियामक चुनौतियों के बावजूद भविष्य के महत्वपूर्ण ऊर्जा केंद्र माने जा रहे हैं।

अमेरिका का हमला ईरान को परमाणु बम बनाने के करीब धकेल रहा?

1 महीने के युद्ध ने बदली तेहरान की सोच

तेहरान, 30 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका, इजरायल और पश्चिम ने लगातार ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम पर सवाल उठाए हैं। बीते साल जून में 12 दिन तक अमेरिका और इजरायल ने ईरान में हमले किए।

इसके बाद 28 फरवरी से एक बार फिर अमेरिका-इजरायल ने ईरान के खिलाफ जंग छेड़ रखी है। अमेरिका बार-बार कहता रहा है कि उसके हमलों का मकसद ईरान को परमाणु बम हासिल करने से रोकना है। वहीं एक्सपर्ट का मानना है कि एक महीने से चल रहे इस युद्ध में काफी कुछ ऐसा हुआ है, जो ईरान को परमाणु बम हासिल करने की तरफ तेजी से बढ़ा सकता है।

ईरान ने वर्षों से बार-बार कहा है कि वह परमाणु बम नहीं बनाना चाहता है। देश के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने परमाणु हथियारों के खिलाफ फतवा देते हुए कहा था कि इस्लाम में मानवता को तबाह करने वाले हथियार बनाना हराम यानी वर्जित है। अब अली खामेनेई अमेरिकी हमलों में मारे जा चुके हैं और ईरान में भारी तबाही हुई है तो तेहरान का परमाणु बम को लेकर समीकरण बदल सकता है।

परमाणु ठिकानों पर हो रहे अमेरिका-इजरायल के हमलों और कट्टरपंथियों की बढ़ती मुखरता के बीच तेहरान ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां उसे एक अहम फैसला लेना है।

यह फैसला क्षेत्र का सुरक्षा परिदृश्य पूरी तरह बदल सकता है और उस सिद्धांत को भी पलट सकता है, जो लंबे समय से उसके परमाणु संयम की नींव था।

एक महीने के इस युद्ध के बीच दुनिया का ध्यान इस सवाल पर सबसे ज्यादा टिका है कि क्या ईरान अब बम बनाने के पहले से कहीं ज्यादा करीब है। या फिर उसे अमेरिका और इजरायल के बार-बार हो रहे हमले परमाणु बम हासिल करने के लिए लिए मजबूर कर रहे हैं। हाल की घटनाएं जरूर ऐसे संकेत देती हैं।

ईरान की ऐसी तकनीक और संवर्धित यूरेनियम तक पहुंच है, जिससे परमाणु हथियार बनाया जा सकता है। अब तक उसने टकराव से बचने के लिए ऐसा नहीं करने का फैसला लिया था। युद्ध ने उस समीकरण को बदलकर तेहरान को परमाणु बम बनाने की तरफ धकेला है।

फरवरी में संघर्ष शुरू होने से पहले ईरान को पश्चिम एक थ्रेशोल्ड न्यूक्लियर स्टेट (परमाणु क्षमता की दहलीज पर खड़ा देश) के रूप में देख रहा था। इसका अर्थ है उसकी ऐसी तकनीक और संवर्धित यूरेनियम तक पहुंच थी, जिसका उपयोग परमाणु हथियार बनाने में किया जा सकता है। हालांकि उसने ऐसा करने का फैसला नहीं लिया था।

9 नक्सलियों ने आंध्र प्रदेश में किया सरेंडर

48 लाख के इनामी थे, 36 साल से एक्टिव सेंट्रल-कमेटी मेंबर सुरेश भी शामिल

बस्तर, 30 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश में नक्सलियों के सरेंडर का सिलसिला जारी है। रविवार को आंध्र प्रदेश पुलिस के सामने रविवार को 48 लाख के 9 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। इनमें एक सीनियर माओवादी नेता भी शामिल है, जो करीब 36 साल से संगठन में सक्रिय था। सरेंडर करने वाले 8 नक्सली छत्तीसगढ़ के सुकमा और बीजापुर जिलों के रहने वाले हैं। ये सभी पीएलजीए बटालियन, एरिया कमेटी और अलग-अलग नक्सली यूनिट में एक्टिव थे।

आंध्र पुलिस के मुताबिक, सेंट्रल कमेटी मेंबर और आंध्र-ओडिशा बॉर्डर स्पेशल जोनल कमेटी के सचिव चेल्लुरी नारायण राव उर्फ सुरेश ने अपने 8 साथियों के साथ डीजीपी के सामने सरेंडर किया है।

सुरेश ने अपने 8 साथियों के साथ डीजीपी के सामने सरेंडर किया है।

संगठन में लंबे समय तक सक्रिय रहने वाले सुरेश पर 25 लाख रुपए का इनाम घोषित था। इसके अलावा कार्तम लच्छू (5 लाख), कार्तम आदमे उर्फ नंगी, मुचाकी मासा उर्फ अजित, पोडियम राजे और मडवी जोगी पर 4-4 लाख रुपए का इनाम था। वहीं मुचाकी लक्ष्मण, मडिवी आदमा और कदिथि हुर्रे पर 1-1 लाख रुपए का इनाम घोषित था।

वहीं, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले को सोमवार को पुलिस, डीआरजी और आईटीबीपी के संयुक्त दल ने नक्सलियों के छिपाए मॉडर्न हथियार बरामद किया है। पुलिस ने दावा किया है कि इस बरामदगी से माओवादियों का ईको-सिस्टम पूरी तरह ध्वस्त हो गया है। पुलिस के मुताबिक चेल्लुरी नारायण राव, उर्फ सुरेश कई बड़े हमलों में शामिल रहा है। 2018 में आंध्र प्रदेश के विधायक किदारी सर्वेश्वर राव और पूर्व विधायक सिवेरी सोमेश्वर राव की हत्या में भी उसका नाम सामने आया था। इसके अलावा कई एंबुश और पुलिस पर हमलों में उसकी भूमिका रही है।

सरेंडर करने वाले नक्सलियों ने बताया कि संगठन के कई बड़े नेताओं की मौत, गिरफ्तारी, जनता का समर्थन कम होना और सरकार की पुनर्वास नीति के कारण उन्होंने आत्मसमर्पण करने का फैसला लिया।

ट्रंप के यमंत्री ने पेश की 'ग्रेटर नॉर्थ अमेरिका' रणनीति, यूरोप की बढ़ेगी टेंशन

वॉशिंगटन, 30 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी वॉर सेक्रेटरी पीट हेगसेथ ने एक नए भू-राजनीतिक दृष्टिकोण की रूपरेखा पेश की। उन्होंने इसे ' ग्रेटर नॉर्थ अमेरिका स्ट्रेटजी ' कहा है। पीट ने इसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में क्षेत्रीय सुरक्षा की नई परिभाषा करार दिया है। ट्रंप प्रशासन का यह रणनीतिक दृष्टिकोण ग्रीनलैंड से लेकर अमेरिका की खाड़ी और पनामा नहर तक फैला है। इसमें भूमध्य रेखा के उत्तर में स्थित सभी संप्रभु देश और क्षेत्र तत्काल सुरक्षा घेरे के भीतर आते हैं।

फ्लोरिडा के डोराल फ्लोरिडा में यूएस दक्षिणी कमान मुख्यालय में बोलते हुए रविवार को हेगसेथ ने यह ग्रेटर नॉर्थ अमेरिका स्ट्रेटजी पेश की है। उन्होंने कहा कि भूमध्य रेखा के उत्तर में स्थित हर संप्रभु देश और क्षेत्र यानी ग्रीनलैंड से इक्वाडोर तक और अलास्का से गुयाना तक 'ग्लोबल साउथ' का हिस्सा नहीं है।

पाकिस्तानी विदेश मंत्री का कंधा फ्रैक्चर

ईरान और अमेरिका युद्ध में करा रहे थे मध्यस्थता, रेड कार्पेट पर लड़खड़ाकर गिरे

इस्लामाबाद, 30 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री इशाक डार के कंधे में हेयरलाइन फ्रैक्चर हो गया है। इशाक डार रविवार को इस्लामाबाद में मिस्र के विदेश मंत्री का स्वागत करते समय फिसलकर गिर पड़े थे। इसके बाद उनकी मेडिकल जांच की गई। उनके बेटे अली डार ने रविवार देर रात बताया कि जांच में कंधे में फ्रैक्चर की बात सामने आई है। अली ने कहा कि चोट लगने के बावजूद उन्होंने मेहमानों का स्वागत किया लेकिन दर्द के बाद जांच कराई गई तो चोट की स्थिति साफ हुई।

अली डार ने बताया है कि इशाक डार के एक्स-रे कुल मिलाकर ठीक हैं। सिर्फ कंधे में

एक हेयरलाइन फ्रैक्चर आया है। डॉक्टरों ने कहा है कि आने वाले कुछ दिनों में, दवाओं और एहतियाती उपायों से उनकी चोट को सही किया जाएगा। डॉक्टरों ने कहा है कि चोट गंभीर नहीं है और इसमें फिक्र करने की बात नहीं है।

इशाक डार ने मिस्र के विदेश मंत्री के स्वागत के दौरान चोट लगने के बावजूद दवाएं लेकर बैठकें कीं। काम खत्म होने के बाद उनका मेडिकल चेकअप किया गया। एक्स-रे कुल मिलाकर ठीक हैं। सिर्फ कंधे में एक हेयरलाइन फ्रैक्चर आया है।

अली ने कहा कि उनके पिता ने मिस्र के विदेश मंत्री के स्वागत के दौरान चोट लगने के बावजूद पूरे दिन दर्द निवारक दवाएं लेकर जरूरी बैठकें पूरी कीं। रात करीब 9 बजे सरकारी काम खत्म होने के बाद परिवार के जोर देने पर उनका मेडिकल चेकअप किया गया। इसके बाद वह दवाएं ले रहे हैं। इशाक डार के गिरने की यह घटना रविवार को हुई, जब चार देशों की एक बैठक चल रही थी। इस बैठक का मुख्य मकसद खाड़ी क्षेत्र में दुश्मनी खत्म करने के लिए बातचीत और कूटनीति को बढ़ावा देना था। इस बैठक में पाकिस्तान, सऊदी अरब, तुर्की और मिस्र के विदेश मंत्री शामिल हुए हैं।

इस्लामाबाद में हुई यह बैठक एक समन्वित क्षेत्रीय प्रयास का हिस्सा थी, जिसका मकसद ईरान में चल रहे संघर्ष को शांत करना है। ईरान में युद्ध को एक महीना पूरा हो चुका है।

साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश

जंगल से व्हाट्सएप लिंक भेजकर करते थे ठगी, दो गिरफ्तार, मोबाइल-सिम जब्त

गिरिडीह, 30 मार्च (एजेंसियां)। गिरिडीह जिले में पुलिस को साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। गांडेय थाना क्षेत्र के धोबिया मोड़ के पास खम्हाटांड़ गांव के पास जंगल में संचालित एक साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान अमजद अंसारी (लगभग 29 वर्ष) और रजाउल अंसारी (लगभग 40 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों देवघर जिले के मारगोमुंडा थाना अंतर्गत बन्नसिम्मी के निवासी हैं। पुलिस ने इनके पास से 6 मोबाइल फोन, 4 सिम कार्ड और एक बाइक जब्त की है।

साइबर डीएसपी आबिद खान ने बताया कि एसपी डॉ. बिमल कुमार को मिली गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। साइबर थाना प्रभारी दिनेश कुमार के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया था।

टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर छापा मारा और जंगल में सक्रिय दोनों साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे व्हाट्सएप के माध्यम से लोगों को ठगी का शिकार बनाते थे। वे फर्जी APK फाइल भेजकर लोगों को फंसाते थे।

साइबर डीएसपी के अनुसार, इस मामले में साइबर थाना में कांड संख्या 10/2026, दिनांक 29 मार्च 2026 को दर्ज कर लिया गया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

ज्वेलरी दुकान से लाखों के गहने चोरी

धनबाद, 30 मार्च (एजेंसियां)। गोविंदपुर थाना क्षेत्र के ऊपर बाजार स्थित अशोक ज्वेलर्स में बीती रात लाखों रुपए के आभूषणों की चोरी हो गई। दुकान मालिक सोनू बर्मन ने बताया कि वे प्रतिदिन की तरह रात में दुकान बंद कर घर चले गए थे।

सुबह उन्हें पड़ोस की दुकान से फोन पर शटर टूटने की सूचना मिली। मौके पर पहुंचने पर उन्होंने देखा कि दुकान से सोने और चांदी के लाखों रुपए के आभूषण गायब थे। चोरी की यह पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। फुटेज में साफ दिख रहा है कि देर रात चोरों ने शटर तोड़कर दुकान में प्रवेश किया।

हजारीबाग में बच्ची से दरिंदगी हत्या पर जमशेदपुर में प्रदर्शन

जमशेदपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। जमशेदपुर में हजारीबाग जिले के विष्णुगढ़ में 12 वर्षीय बच्ची के साथ हुई दरिंदगी और हत्या के विरोध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने धरना-प्रदर्शन किया। जमशेदपुर महानगर महिला मोर्चा ने जिला उपायुक्त कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना दिया। धरनास्थल पर जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा दास साहू मीडिया से बात करते वक्त भावुक हो गईं और उनकी आंखें भर आईं।

पूर्णिमा साहू ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि झारखंड में बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यह घटना पूरे समाज को झकझोरने वाली है और सरकार की विफलता को उजागर करती है।

उन्होंने पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपए मुआवजा, निष्पक्ष जांच और दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की। धरना के दौरान भाजपा नेताओं ने उपायुक्त के माध्यम से राज्य सरकार को एक ज्ञापन सौंपा। धरना-प्रदर्शन की शुरुआत साकची स्थित भाजपा जिला कार्यालय से पैदल मार्च के साथ हुई। प्रदर्शनकारी हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर बेटी को न्याय दो और दोषियों को फांसी दो जैसे नारे लगाते हुए उपायुक्त कार्यालय पहुंचे।

महावीर जयंतीः पूजा एवं दान का दिन

हर साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर महावीर जयंती मनाई जाती है। यह आस्था, संयम और आत्मशुद्धि का पर्व है, जिसे जैन धर्म के 24वें और अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। इस साल 31 मार्च 2026 को महावीर जयंती है। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, भगवान महावीर से जुड़ी कई सीख हम सभी के जीवन में विशेष महत्व रखती हैं।

महावीर जयंती 2026 में 31 मार्च, मंगलवार को मनाई जाएगी। यह जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर के जन्म दिवस के रूप में मनाई जाती है। इस दिन जैन समुदाय पूजा, रथ यात्रा और दान-पुण्य करते हैं।

हर साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को महावीर जयंती मनाई जाती है। इस वर्ष चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि 30 मार्च 2026 को सुबह 7.09 बजे शुरू हो रही है जो कि 31 मार्च 2026 को सुबह लगभग 7 बजे समाप्त होगी। उदया तिथि के मुताबिक, महावीर जयंती 31 मार्च को मनाई जाएगी। हालांकि जो लोग त्रियोदशी को पर्व मनाना चाहते हैं, वे 30 मार्च को भी जयंती मना सकते हैं। लेकिन जैन परंपरा और पंचांगों के आधार पर अधिकतर जगहों पर 31 मार्च को ही महावीर जयंती मनाई जा रही है यानी साल 2026 में महावीर जयंती 31 मार्च 2026 को है।

कौन हैं भगवान महावीर?

यह दिन जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर के जन्मोत्सव के रूप में पूरे देश में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाता है। यह पर्व हमें शांति, संयम और आत्म-नियंत्रण का संदेश देता है। आज के समय में जब तनाव और हिंसा बढ़ रही है, भगवान महावीर की शिक्षाएं और भी प्रासंगिक हो जाती हैं।

महावीर जयंती क्यों मनाई जाती है?

महावीर जयंती भगवान महावीर के जन्म की स्मृति में मनाई जाती है। उन्होंने मानवता को अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह और तप का मार्ग दिखाया। उनकी शिक्षाएं आज भी समाज को शांति और सद्भाव का संदेश देती हैं।

भगवान महावीर का जीवन परिचय

महावीर का जन्म 599 ईसा पूर्व में वैशाली (बिहार) में हुआ था। उनके पिता का नाम राजा सिद्धार्थ था और माता त्रिशाला थीं। भगवान महावीर का मूल नाम वर्धमान था। उन्होंने 30 वर्ष की आयु में राज-पाट त्याग दिया और 12 वर्षों की कठोर तपस्या के बाद उन्हें ज्ञान प्राप्त हुआ।

महावीर जयंती कैसे मनाई जाती है?

रथ यात्रा और शोभायात्रा

इस दिन जैन मंदिरों में भव्य रथ यात्रा निकाली जाती है, जिसमें भगवान महावीर की प्रतिमा को सजाया जाता है।

मंदिरों में पूजा-अर्चना

भक्त मंदिर जाकर भगवान महावीर की पूजा करते हैं और उनके उपदेशों को याद करते हैं।

दान और सेवा

गरीबों को भोजन, कपड़े और जरूरत की चीजें दान की जाती हैं।

धार्मिक प्रवचन

जैन संत और विद्वान उनके जीवन और शिक्षाओं पर प्रवचन देते हैं।

महावीर स्वामी की प्रमुख शिक्षाएं

अहिंसा सबसे बड़ा धर्म है

सत्य बोलना और ईमानदारी से जीवन जीना

जरूरत से ज्यादा संग्रह न करना। सभी जीवों के प्रति करुणा रखना।

बुरी आदतों में फंसे लड़के को संत की सीख

बुरी आदत को समय रहते छोड़ दें, अगर देर हो गई, तो ये इतनी मजबूत हो जाएगी कि छोड़ना मुश्किल हो जाएगा

पुराने समय में एक सेठ का बेटा दिन-ब-दिन बुरी आदतों में फंसने लगा। वह लड़कियों के पीछे पड़ता, नशा करता और दिन-रात व्यर्थ समय गंवाता रहता था। सेठ को डर था कि अगर उसने अभी ध्यान नहीं दिया, तो उसका बेटा सबकुछ बर्बाद कर देगा।

एक दिन परेशान सेठ ने विद्वान संत के पास जाने का निश्चय किया। उसने संत से कहा, महाराज, मेरा बेटा सबकुछ बिगाड़ देगा। कृपया उसे सुधार दीजिए।

संत ने शांति से कहा, उसे मेरे पास भेज दो। अगले दिन सेठ ने अपने बेटे को संत के पास भेज दिया।

संत ने लड़के को एक बाग में ले जाकर कहा, यह छोटा पौधा है, इसे उखाड़ दो। लड़के ने बिना किसी हिचकिचाहट के पौधे को उखाड़ दिया। इसके बाद संत ने दूसरे पौधे की ओर इशारा करते हुए कहा, अब यह थोड़ा बड़ा पौधा उखाड़ो। लड़के ने थोड़ा अधिक ताकत लगाई और पौधे को उखाड़ दिया।

फिर संत ने एक और बड़े पेड़ की ओर इशारा किया और कहा, इसे भी उखाड़ दो। लड़के ने पूरी कोशिश की, लेकिन पेड़ जड़ से बहुत मजबूत था। लड़के ने हार मानते हुए कहा, महाराज, यह तो संभव नहीं है।

संत ने उसे समझाया, देखो बेटा, बुरी आदतें भी इसी तरह होती हैं। भी तुम छोटे हो, इसलिए बुरी आदतों की जड़ कमजोर है। अगर तुम उन्हें अभी छोड़ दोगे, तो जीवन सफल बनेगा, लेकिन यदि इन्हें समय पर नहीं रोका गया, तो ये धीरे-धीरे मजबूत होकर जीवन को बर्बाद कर देंगी।

लड़के को संत की बातें समझ में आ गईं। उसने तय किया कि वह अपनी बुरी आदतों को तुरंत छोड़ देगा। धीरे-धीरे वह लड़का अच्छा और जिम्मेदार बन गया।

प्रसंग की सीख

जल्दी से जल्दी छोड़ दें बुरी आदतः किसी भी बुरी आदत को समय रहते छोड़ देना चाहिए। अगर देर कर दी, तो ये इतनी मजबूत हो जाती है कि इसे छोड़ना मुश्किल हो जाता है।

समय का सही इस्तेमालः समय को व्यर्थ न गंवाएं। काम और पढ़ाई का समय तय करें और उसका पालन करें।

छोटी बुरी आदतों पर ध्यान दें: छोटी-छोटी बुरी आदतें जल्दी पकड़ में आ जाएं तो उन्हें रोका जा सकता है। समय गुजरने के बाद छोटी आदतें बड़ा रूप ले लेती हैं और फिर इन्हें छोड़ना मुश्किल हो जाता है।

सकारात्मक आदतें अपनाएंः रोजाना अच्छे कार्य करने की आदत डालें, जैसे सुबह जल्दी उठना, पढ़ाई करना या व्यायाम करना।

परिवार और गुरु की सलाह मानें: अपने अनुभवहीन समय में सलाहकार या माता-पिता की बात मानना फायदेमंद होता है।

आत्म-निरीक्षण करें: रोज अपने दिन का मूल्यांकन करें और देखें कौन सी आदतें सुधारने की जरूरत है।

बुरी संगत से दूर रहें: ऐसे लोग जो गलत आदतें बढ़ाते हैं उनसे दूरी बनाएं।

सकारात्मक लक्ष्य तय करें: जीवन में लक्ष्य तय करें और उन्हें पाने के लिए योजना बनाएं।

छोटी-छोटी सफलता का आनंद लें: जब भी कोई बुरी आदत छोड़ें या अच्छा काम करें, खुद को प्रोत्साहित करें। हर सफलता का आनंद लें।

सकारात्मक विचार अपनाएं: हमेशा अच्छे विचार सोचें और खुद को प्रेरित रखें। आदतें तुरंत नहीं बदलतीं। धीरे-धीरे बदलाव लाएं और कभी हार न मानें।

अर्हत संस्कृति के उज्जवल नक्षत्र भगवान महावीर

मुनि चैतन्य कुमार

भारतीय संस्कृति सुविचार को, सुचिन्तकों और आत्मज्ञानियों की विराट संस्कृति है। वसुधैव कुटुम्बकम का सिंहनाद करने वाली भारतीय संस्कृति को मानव संस्कृति अथवा सनातन संस्कृति कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं लगती। यह संस्कृति संकिर्णताओं परे हटकर विशाल क्षितिज पर आरोहण कर समग्र विश्व के लिए मार्ग दर्शन है। श्री राम कृष्ण बुद्ध महावीर जैसे अवतारी पुरुषों ने जन्म लेकर जन मानस को धर्म और अध्यात्म का पथ दर्शन दिया है। भारतीय संस्कृति अनादि अनंत है। सार्वभौम और सार्वजनीन ह। सम्यम् ज्ञान-दर्शन-चारित्र की पावन त्रिवेणी है। भारतीय संस्कृति के मूलतत्त्व है- साधना, समन्वय, सहृदयता, सहिष्णुता, श्रमशीलता, सेवाभावना। इसीलिए इस संस्कृति को कल्पवृक्ष, चिन्तामणि रत्न और कामधेनु जैसी उपमाओं से उपमित किया गया है। विश्व की तमाम संस्कृतियों को अपनी प्राणदायी ऊर्जा से सदैव नव जीवन प्रदान किया है।

अर्हत संस्कृति के उज्ज्वल नक्षत्र भगवान महावीर ने चैत्र शुक्ला त्रयोदशी के दिन महाराजा सिद्धार्थ की महारानी त्रिशला की कुक्षि से शुभ नक्षत्र व शुभअध्यवसाय के साथ जन्म लिया। न केवल मानवों ने बल्कि देवताओं ने उनके जन्मोत्सव पर अभिषेक किया। क्योंकि जन्म तो उन्होंने एक साधारण मानव के रूप में लिया किन्तु तीर्थंकर जैसी महान् आत्मा के रूप में उनका अवतरण था। समय के साथ बाल्यावस्था को पार कर युवावस्था में प्रवेश किया। आत्मकल्याण की भावनाओं से प्रेरित होकर इन्द्र आदि देवों से प्रतिबोध प्राप्त कर सामान्य गृहस्थ जीवन को त्याग कर सन्यास मार्ग पर प्रस्थान कर दिया।

साढ़े बारह वर्ष की घोर तपश्चर्या व ध्यान साधना से कैवल्य सूर्य का प्रकटीकरण हुआ। केवलज्ञान प्राप्त होने के बाद चार तीर्थ साधु-साध्वी श्रावक-श्राविका की स्थापना करके तीर्थंकर बने। जनता जनार्दन के लिए धर्मोपदेश किया। अहिंसा-अनेकान्त अपरिग्रह जैसे महान् सिद्धान्त दिए। इनकी उस आत्म कल्याणी वाणी को सुनकर कितने-कितने भव्य प्राणियों ने आत्म कल्याण के मार्ग का अनुसरण किया। किन्तु आज विश्व मानव जिस दौर से गुजर रहा है। वह नितान्त महाविनाश की ओर ले जाने वाला है। आज जरूरत है महावीर के महावचनों को आत्मसात करके सही दिशा में गतिमान होने की। आध्यात्मिक और वैज्ञानिक इन दो पहियों पर गतिशील भारतीय संस्कृति को उन्नति के पथ पर गतिशील होने के लिए महावीर के महावचनों का अनुसरण करना होगा। पाश्चात्य संस्कृति का अन्धानुकरण के चलते भारतीय तथा विश्व मानव ने इस अक्षुण्ण संस्कृति का विनाश किया है, कर रहा है जिसका खामियाजा भी भुगत रहा है। समय रहते अब भी यदि बदलाव नहीं होगा तो वह दिन दूर नहीं होगा जब पूरा विश्व हिंसा की ज्वाला में जलकर भस्मीभूत हो जाएगा। वर्तमान समय महावीर के महान् प्रतिनिधि आचार्य महाश्रमण आदि अनेक धर्माचार्य धर्म और आध्यात्मिक प्रवचनों के द्वारा अपनी वाणी को मुखरित कर जन जीवन का सम्यग मार्गदर्शन कर रहे है। उनकी वाणी का अनुसरण कर विश्व को महाविनाश से बचाया जा सकेगा। भगवान महावीर के जन्म कल्याणक तथा आचार्य महाश्रमण द्वारा आयोजित योगक्षेम वर्ष पर उनकी पावन सन्निधि में सैकड़ों साधु-साध्वियां तथा हजारों की तादाद में श्रावक और श्राविकाएं तेरापंथ की राजधानी लाडनूं (नागौर) में योगक्षेम वर्ष में ज्ञान ध्यान साधना का अनुसरण कर महावीर के महापथ पर अग्रसर है। महावीर जन्म कल्याणक मानव-मानव के कल्याण का हेतु भूत बनेगा। ऐसी भावना है।

महावीर स्वामी द्वारा प्रतिपादित जैन धर्म के सिध्दांत

महावीर स्वामी द्वारा प्रतिपादित जैन धर्म के सिद्धांतों और नीति शास्त्र को संक्षेप में निम्नानुसार बताया जा सकता हैः-

1 निवृत्तिमार्ग

बौद्ध धर्म की भांति जैन धर्म निवृत्तिमार्गी है। जैन धर्म के अनुसार संसार के समस्त सुख दुख मूलक है मनुष्यों के दुखों का मूल कारण उसकी तृष्णा है वह जीवन तृष्णा से घिरा रहता है।

जैन धर्म के अनुसार मनुष्य का वास्तविक सुख संसार त्याग में ही निहित है। महावीर स्वामी का कहना था कि मनुष्य को सब कुछ त्याग कर संसार से कोई भी संबंध ना रख कर भिक्षु बन कर जीवन व्यतीत करना चाहिए।

2 जीव और अजीव

जैन धर्म के अनुसार जीव और अजीव शाश्वत अनादि और अनंत है। इनसे मिलकर ही है जगत बनता है। जीव स्वभावतः का नित्य चेतन पूर्ण व अनंत ज्ञानमय है। जीव चैतन्य द्रव्य और अजीव चैतन्य रहित है। जीव एवं अजीव के संयोग से सृष्टि का क्रम चलता रहता है।

3 आस्त्रव

जैन दर्शन के अनुसार पुदगल- कणों का जीवन में आस्त्रव(या बहाव)होने से ही व्यक्ति बंधन ग्रस्त होता है। पूर्वजन्म के संस्कार के कारण शरीर बनते हैं, संस्कार के कारण ही पुदगलों का आस्त्रव होता है।पुदगलों का आस्त्रव नष्ट करके ही बंधन से छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है। पुराने संस्कारों को नष्ट करना और यह प्रेरित करना की पुनः नए संस्कार उत्पन्न ना हो।

4 संवर और निर्जरा

जैन धर्म के अनुसार किए हुए कर्मों का फल भोगे बिना मनुष्य को मोक्ष प्राप्त नहीं हो सकता। अतः मोक्ष प्राप्ति के लिए आवश्यक है कि मनुष्य अपने पूर्व जन्म के कर्म फल का नाश करें और इस जन्म में किसी भी प्रकार का कर्म फल संग्रहित ना करें।

नए कर्मों के आगमन की प्रक्रिया को रोकना ही संवर कहलाता है। इस संवर के परिणाम स्वरूप धीरे धीरे संचित कर्म नष्ट हो जाते हैं। पूर्व संचित कर्मों के विनाश की प्रक्रिया को निर्जरा कहते हैं।

5 कर्मवाद – जैन धर्म के अनुसार मनुष्य के सारे सुख दुख कर्म के कारण ही हैं। कर्म ही मनुष्य के जन्म मरण का कारण है। प्रत्येक को अपने कर्मों का फल भोगना पड़ता है और अपने कर्मों के कारण ही उसे इस संसार में बार-बार जन्म लेना पड़ता है। किए हुए कर्मों का फल भोगे बिना जीव का छुटकारा नहीं हो सकता इस प्रकार कर्म ही पुनर्जन्म का कारण है।

6 पुनर्जन्म- जैन धर्म के अनुसार पाप कर्मों के फलस्वरूप मनुष्य को बार-बार जन्म लेना पड़ता है। कर्म और पुनर्जन्म का सिद्धांत साथ साथ चलता है जैन धर्म के अनुसार कर्मों के प्रभाव से बचने का कोई उपाय नहीं है। हर कर्म का फल भोगना ही पड़ता है सब प्राणियों को अपने संचित कर्मों के कारण विभिन्न योनियों में जन्म लेना पड़ता है

7 निर्वाण- निर्वाण जैन धर्म का परम लक्ष्य है इसके लिए कर्म फल से मुक्ति आवश्यक है। जैन धर्म के अनुसार निर्वाण प्राप्ति के लिए आवश्यक है कि मनुष्य अपने पूर्व जन्म के कर्म फल का नाश करें। आवागमन के बंधन से मुक्त होना और निर्वाण प्राप्त करना ही जीवन का उद्देश्य है। निर्वाण ऐसी स्थिति है जिसमें पहुंचकर आत्मा निष्क्रिय होकर अनंत काल तक परमानंद का उपभोग करती रहती है। महावीर में कर्म से मुक्ति तथा निर्वाण के साधन बताएं।

8 त्रिरत्न

त्रिरत्न मनुष्य को निर्वाण की अवस्था तक पहुंचने में मदद दे सकते हैं। कर्म बंधनों का अंत करने के लिए या केवल ज्ञान प्राप्त करने के लिए महावीर स्वामी ने तीन साधन का अनुकरण करने का उपदेश दिया जैन धर्म में उनको त्रिरत्न कहा जाता है जिसका विवरण इस प्रकार है-

1 सम्यक ज्ञान

सम्यक ज्ञान से तात्पर्य सच्चा और पूर्ण ज्ञान प्राप्त करना है। यह तीर्थंकरों के उपदेशों के अध्ययन से प्राप्त होता है। सम्यक ज्ञान से सत्य और असत्य का भेद स्पष्ट हो जाता है।

2 सम्यक दर्शन- सम्यक दर्शन से तात्पर्य है जैन तीर्थंकरों में विश्वास रखना और सत्य के प्रति श्रद्धा रखना जो ज्ञान यथार्थ होता है वही सत्य होता है,और यथार्थ ज्ञान तीर्थंकरों के उपदेशों से ही प्राप्त होता है, इसलिए उनके उपदेशों का अक्षरशः पालन करना चाहिए।

3 सम्यक चरित्र- सम्यक चरित्र का अर्थ है, इंद्रियों और कर्मों पर पूर्ण नियंत्रण। सब प्रकार के इंद्रिय विषयों में अनासक्त होना उदासीन होना, जीवन में सुख दुख में समभाव रखना सम्यक आचरण है।

सम्यक चरित्र से अभिप्राय है अनासक्त की भावना से नैतिक सदाचार में जीवन व्यतीत करना। सम्यक चरित्र के द्वारा जीव अपने कर्मों से मुक्त हो सकता है, क्योंकि कर्म बंधन दुख का कारण होते हैं।

दरिद्रता का कारण बनती हैं, वैशाख माह में की गई ये गलतियां

हिंदू पंचांग के अनुसार, चैत्र पूर्णिमा के अगले दिन से वैशाख मास की शुरुआत होती है। वर्ष 2026 में वैशाख माह 3 अप्रैल से शुरू होकर 1 मई तक रहेगा। धार्मिक दृष्टि से यह महीना अत्यंत पवित्र और फलदायी माना जाता है।

मान्यता है कि इस दौरान किए गए स्नान, दान और पूजा-पाठ से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। इसी माह में अक्षय तृतीया जैसे शुभ पर्व भी आते हैं, जो हर प्रकार के मांगलिक कार्यों के लिए श्रेष्ठ माने जाते हैं। हालांकि, इस पवित्र माह में कुछ गलतियां करने से व्यक्ति को आर्थिक हानि और मानसिक कष्ट का सामना भी करना पड़ सकता है।

वैशाख माह का धार्मिक महत्व

शास्त्रों के अनुसार, वैशाख मास में गंगा स्नान, दान-पुण्य, और जीव-जंतुओं की सेवा का विशेष महत्व होता है। इस महीने में किया गया हर शुभ कार्य कई गुना फल देता है, इसलिए इसे पुण्य अर्जित करने का श्रेष्ठ समय माना गया है।

वैशाख माह में न करें ये 5 गलतियां

देर तक सोना

वैशाख माह में सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करना शुभ माना गया है। जो व्यक्ति इस दौरान देर तक सोता है, उस पर मां लक्ष्मी की कृपा नहीं होती। ब्रह्म मुहूर्त में उठना अत्यंत लाभकारी है।

तामसिक भोजन का सेवन

इस महीने सात्विक जीवन अपनाने की सलाह दी जाती है। मांसाहार, शराब, प्याज और लहसुन जैसे तामसिक खाद्य पदार्थों से परहेज करना चाहिए, अन्यथा पुण्य फलों में कमी आ सकती है।

दिन में सोना

शास्त्रों में दिन के समय सोने से बचने की सलाह दी गई है। ऐसा करने से रोग और दोष बढ़ने की संभावना रहती है।

जल की बर्बादी करना

वैशाख माह गर्मी का समय होता है, इसलिए जल का विशेष महत्व है। पानी की बर्बादी करना या जरूरतमंद को पानी न देना अशुभ माना जाता है। पशु-पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करना पुण्यदायी होता है।

दान-पुण्य की अनदेखी

इस महीने दान-पुण्य न करना भी एक बड़ी गलती मानी जाती है। जरूरतमंदों की सहायता करना और सेवा भाव रखना अत्यंत आवश्यक है।

पुण्य प्राप्ति के लिए करें ये उपाय

अक्षय तृतीया का महत्व

वैशाख माह में आने वाला अक्षय तृतीया का पर्व खरीदारी और शुभ कार्यों के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है।

जल दान

प्याऊ लगवाना, मटके दान करना या राहगीरों को पानी पिलाना इस माह का सबसे बड़ा पुण्य कार्य माना गया है।

पंखा और छाता दान

गर्मी से राहत देने वाली वस्तुएं जैसे पंखा, छाता या सत्तू दान करने से पितृ दोष शांत होते हैं और पुण्य की प्राप्ति होती है।

वैशाख माह पुण्य कमाने का श्रेष्ठ अवसर है, लेकिन इस दौरान अनुचित कार्यों से बचना भी उतना ही जरूरी है। सही आचरण, संयम और सेवा भाव से इस पवित्र महीने का लाभ कई गुना बढ़ाया जा सकता है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार,31 मार्च - 2026

शांति की पहल या रणनीतिक छल

पश्चिम एशिया में एक बार फिर हालात ऐसे मोड़ पर आ खड़े हुए हैं, जहां उम्मीद और आशंका साथ-साथ चल रही हैं। अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान में शुरू हुई बातचीत को शांति की दिशा में एक कदम माना जा सकता है, लेकिन जमीन पर दिख रहे संकेत बताते हैं कि रास्ता अभी लंबा और मुश्किल है। यही कारण है कि बातचीत शुरू होने के बावजूद युद्ध की आशंका खत्म नहीं हुई है। दरअसल, बातचीत तभी असरदार होती है जब दोनों पक्ष सीधे संवाद के लिए तैयार हों। लेकिन ईरान का सीधे अमेरिका से बात करने से इनकार इस प्रक्रिया को जटिल बना रहा है। अब मध्यस्थ के तौर पर सऊदी अरब, तुर्किये और मिस्र जैसे देशों की भूमिका बढ़ गई है। यह स्थिति बताती है कि क्षेत्रीय राजनीति अब केवल दो देशों तक सीमित नहीं रह गई, बल्कि पूरे पश्चिम एशिया की स्थिरता इससे जुड़ गई है। इस संकट का सबसे बड़ा दबाव इजराइल पर दिख रहा है। एक तरफ वह गाजा में पहले से सक्रिय है तो दूसरी तरफ लेबनान में हिजबुल्लाह के साथ तनाव जारी है। अब यदि ईरान समर्थित समूह खुलकर युद्ध में उतरते हैं, तो इजराइल को कई मोर्चों पर लड़ना पड़ सकता है। ऐसे हालात किसी भी देश के लिए चुनौतीपूर्ण होते हैं। यही वजह है कि इस संघर्ष की आग केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रह सकती। उधर अमेरिका की स्थिति भी आसान नहीं है। घरेलू स्तर पर महंगाई और ऊर्जा कीमतों का दबाव बढ़ रहा है। गैस और तेल के बढ़ते दाम आम लोगों की नाराजगी को बढ़ा रहे हैं। ऐसे समय में युद्ध का विस्तार अमेरिकी नेतृत्व के लिए राजनीतिक चुनौती बन सकता है। यही कारण है कि अमेरिका बातचीत की पहल भी कर रहा है और सैन्य तैयारी भी जारी रखे हुए है यानी रणनीति दोहरी है। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। तेल की कीमतों में उछाल का असर सीधे विकासशील देशों पर पड़ रहा है। भारत जैसे देशों के लिए यह स्थिति चिंताजनक है, क्योंकि महंगा तेल महंगाई को पंख लगा देता है। इससे विकास की रफ्तार को धीमी हो जाती है। अगर संघर्ष लंबा खिंचता है तो खाद्य संकट और उर्वरकों की कमी जैसी समस्याएं भी सामने आ सकती हैं। चिंता की बात यह भी है कि महाशक्तियां शांति की बात जरूर कर रही हैं, लेकिन उनके कदम युद्ध की तैयारी की ओर भी इशारा कर रहे हैं। इतिहास गवाह है कि जब बातचीत और हथियार साथ-साथ चलते हैं, तब भरोसा कमजोर होता है और संकट गहराता है। इसलिए जरूरी है कि संवाद केवल औपचारिकता न बनकर ठोस समाधान की दिशा में आगे बढ़े। आज जरूरत इस बात की है कि क्षेत्रीय और वैश्विक शक्तियां अपनी रणनीतिक जिद छोड़कर स्थिरता को प्राथमिकता दें। क्योंकि इस युद्ध की कीमत केवल सैनिक नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की आम जनता चुका रही है। तेल से लेकर खाद्य सुरक्षा तक हर मोर्चे पर इसका असर साफ दिख रहा है। स्पष्ट है कि बातचीत की शुरुआत उम्मीद जगाती है, लेकिन स्थायी शांति तभी संभव है जब सभी पक्ष वास्तविक राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाएं। पश्चिम एशिया को युद्ध नहीं, संतुलन और संवाद की जरूरत है क्योंकि यही रास्ता दुनिया को एक और बड़े संकट से बचा सकता है।

युगों-युगों तक मार्गदर्शन करती रहेगी भगवान महावीर की अमृतवाणी

योगेश कुमार गोयल

'अहिंसा परमो धर्मः' का अमर संदेश देने वाले भगवान महावीर का जीवन और दर्शन आज के अशांत, तनावग्रस्त और संघर्षपूर्ण समय में पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठा है।

आधुनिक युग में मनुष्य प्रगति की अंधी दौड़ में नैतिक मूल्यों से दूर होता जा रहा है। स्वार्थ, लोभ और प्रतिस्पर्धा ने उसे इस हद तक प्रभावित कर दिया है कि वह अपने हित के लिए हिंसा और अनैतिकता को भी उचित ठहराने लगा है। ऐसे समय में महावीर स्वामी का अहिंसा, संयम और करुणा पर आधारित दर्शन मानवता को एक नई दिशा देता है और उसे आत्ममंथन के लिए प्रेरित करता है।

भगवान महावीर ने अपने जीवन के माध्यम से यह स्पष्ट किया कि प्रत्येक जीव समान है और हर प्राणी में आत्मा का वास है। उन्होंने 'जीओ और जीने दो' का जो सिद्धांत दिया, वह केवल एक नैतिक उपदेश नहीं बल्कि संपूर्ण जीवन दर्शन है। यह हमें सिखाता है कि हम अपने व्यवहार और आचरण में ऐसी संवेदनशीलता विकसित करें, जिससे किसी भी प्राणी को कष्ट न पहुंचे। उनका यह विचार कि पेड़-पौधे, जल, वायु और अग्नि तक में जीवन है, आज के पर्यावरणीय संकट के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है।

जब पृथ्वी प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता के संकट से जूझ रही है, तब महावीर का यह संदेश हमें प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने का आह्वान करता है।महावीर स्वामी ने कर्म के सिद्धांत को भी अत्यंत स्पष्टता से समझाया। उनका मानना था कि मनुष्य स्वयं अपने कर्मों के लिए जिम्मेदार है और वही उसके भविष्य का निर्धारण करते हैं।

कोई भी व्यक्ति अपने कर्मों से बच नहीं सकता। जो जैसा करता है, वैसा ही फल प्राप्त करता है। यह सिद्धांत न केवल आध्यात्मिक दृष्टि से बल्कि सामाजिक और नैतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मनुष्य को उत्तरदायित्व और सजगता का बोध कराता है।

उन्होंने यह भी सिखाया कि धर्म बाहरी आडंबरों में नहीं बल्कि आत्मा की पवित्रता में निहित है।

अहिंसा, सत्य, संयम और तप ही धर्म के वास्तविक लक्षण हैं। क्रोध, मान, माया और लोभ जैसे दोष मनुष्य के सभी गुणों का नाश कर देते हैं। इसलिए जो व्यक्ति अपने जीवन में शांति और संतुलन चाहता है, उसे इन विकारों का त्याग करना चाहिए। महावीर का यह संदेश आज के तनावपूर्ण जीवन में अत्यंत उपयोगी है, जहां मानसिक अशांति और असंतुलन तेजी से बढ़ रहा है।

महावीर स्वामी ने समानता और मानवता का भी अद्वितीय संदेश दिया। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि जन्म से नहीं बल्कि कर्म से व्यक्ति महान बनता है। यदि कोई उच्च कुल में जन्म लेकर भी बुरे कर्म करता है तो वह श्रेष्ठ नहीं हो सकता जबकि निम्न कुल में जन्म लेने वाला व्यक्ति यदि सदाचार और सद्विचार अपनाता है तो वह सम्मान का अधिकारी है। यह विचार सामाजिक समरसता और समानता की नींव को मजबूत करता है।

उनकी दृष्टि में सेवा भी सर्वोच्च धर्म है। रोगियों और जरूरतमंदों की सेवा को उन्होंने ईश्वर की सेवा से भी बढ़कर बताया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि स्त्री और पुरुष दोनों समान रूप से मुक्ति के अधिकारी हैं, जो उनके प्रगतिशील और समतामूलक विचारों को दर्शाता है।

आज जब समाज हिंसा, असहिष्णुता और नैतिक पतन की चुनौतियों से जूझ रहा है, तब भगवान महावीर की अमृतवाणी हमें आत्मशुद्धि, सह-अस्तित्व और शांति का मार्ग दिखाती है। यदि हम उनके सिद्धांतों को अपने जीवन में आत्मसात कर लें तो न केवल व्यक्तिगत जीवन में संतुलन और शांति स्थापित हो सकती है बल्कि समाज में भी सद्भाव, करुणा और अहिंसा की स्थापना संभव है। यही महावीर स्वामी के संदेश की वास्तविक सार्थकता है, जो युगों-युगों तक मानवता का मार्गदर्शन करती रहेगी।

अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की विफलता का प्रमाण है निरंतर हो रहे युद्ध

डॉ. शैलेश शुक्ला

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जब वैश्विक समुदाय ने संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों की स्थापना की, तब उसका मूल उद्देश्य स्पष्ट था-भविष्य में युद्धों को रोकना, राष्ट्रों के बीच संवाद और सहयोग को बढ़ावा देना तथा वैश्विक शांति और सुरक्षा को स्थायी आधार प्रदान करना किंतु इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में जब विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में एक साथ अनेक युद्ध और सशस्त्र संघर्ष चल रहे हैं, तब यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ अपने मूल उद्देश्य में सफल रही हैं। यूक्रेन, गाजा, सूडान, यमन और कई अन्य क्षेत्रों में लगातार जारी हिंसा इस बात का संकेत देती है कि वैश्विक शांति व्यवस्था का ढांचा गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की सामूहिक प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न लग रहा है।

उप्साला कॉन्फ्लिक्ट डेटा प्रोग्राम के अनुसार वर्ष 2023 में विश्व में 59 राज्य-आधारित सशस्त्र संघर्ष दर्ज किए गए जो 1946 के बाद सबसे अधिक संख्या है। यह आंकड़ा केवल संघर्षों की वृद्धि ही नहीं बल्कि इस तथ्य का भी प्रमाण है कि शीत युद्ध की समाप्ति के बाद जिस शांति काल की आशा की जा रही थी, वह अपेक्षा के अनुरूप स्थायी नहीं हो सका। उसी वर्ष वैश्विक स्तर पर संगठित हिंसा से लगभग 154000 लोगों की मृत्यु दर्ज की गई जबकि 2022 में यह संख्या 310000 थी। यद्यपि मृत्यु दर में उतार-चढ़ाव देखा गया किंतु सक्रिय संघर्षों की बढ़ती संख्या यह दर्शाती है कि विश्व व्यवस्था में अस्थिरता गहराती जा रही है और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ इन संघर्षों को रोकने या नियंत्रित करने में सीमित सफलता ही प्राप्त कर पा रही हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को वैश्विक शांति और सुरक्षा का मुख्य संरक्षक माना जाता है किंतु व्यवहार में उसकी संरचना और निर्णय प्रक्रिया कई बार उसकी प्रभावशीलता को सीमित कर देती है। स्थायी सदस्यों को प्राप्त वीटो अधिकार के कारण कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव केवल इसलिए पारित नहीं हो पाते क्योंकि महाशक्तियों के भू-राजनीतिक हित उनसे टकराते हैं। यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में रूस ने अनेक प्रस्तावों पर वीटो का प्रयोग किया, जबकि गाजा संघर्ष के दौरान भी विभिन्न प्रस्ताव स्थायी सदस्यों के मतभेदों के कारण लंबित या विफल रहे। इस स्थिति ने संयुक्त राष्ट्र की निष्पक्षता और क्षमता दोनों पर प्रश्न खड़े किए हैं, क्योंकि जब वही राष्ट्र, जिन पर शांति बनाए रखने की जिम्मेदारी है, स्वयं संघर्षों में पक्षकार बन जाते हैं या अपने सहयोगियों के पक्ष में निर्णय प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं, तब संस्था की विश्वसनीयता कमजोर पड़ती है।

अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की सीमित प्रभावशीलता का एक अन्य संकेत वैश्विक सैन्य व्यय में लगातार हो रही वृद्धि है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के अनुसार वर्ष 2024 में विश्व का कुल सैन्य व्यय 2.718 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो अब तक का सबसे अधिक स्तर है और पिछले 10 वर्षों से लगातार बढ़ रहा है। वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 2.5 प्रतिशत भाग सैन्य खर्च पर व्यय किया जा रहा है, जो यह दर्शाता है कि राष्ट्र सुरक्षा के लिए सामूहिक संस्थाओं पर भरोसा करने के बजाय अपनी सैन्य शक्ति बढ़ाने को प्राथमिकता दे रहे हैं। यह प्रवृत्ति न केवल हथियारों की दौड़ को बढ़ावा देती है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की उस भूमिका को भी कमजोर करती है, जिसमें वे सामूहिक सुरक्षा और संघर्ष-निवारण के माध्यम से युद्ध की आवश्यकता को कम करने का प्रयास करती हैं।

हाल के वर्षों में विश्व के कई प्रमुख संघर्षों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की मध्यस्थता और शांति स्थापना प्रयासों की प्रभावशीलता सीमित होती जा रही है। यूक्रेन युद्ध के दो वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बावजूद स्थायी और सर्वमान्य समाधान नहीं निकल सका। इसी प्रकार पश्चिम एशिया में इजराइल और हमास के बीच हिंसा बार-बार युद्धविराम के बावजूद पुनः भड़क उठती है। सूडान में आंतरिक संघर्ष ने मानवीय संकट को जन्म दिया, किंतु अंतरराष्ट्रीय समुदाय समय रहते निर्णायक हस्तक्षेप नहीं कर सका। इन सभी उदाहरणों में यह देखा गया कि संस्थाएँ बयान जारी करने, मानवीय सहायता प्रदान करने और कूटनीतिक प्रयास करने तक तो सक्रिय रहीं, किंतु संघर्षों को शीघ्र समाप्त कराने या दीर्घकालिक शांति स्थापित करने में अपेक्षित सफलता नहीं मिली। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की इस विफलता के पीछे कई संरचनात्मक और राजनीतिक कारण हैं। संयुक्त राष्ट्र की संरचना द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की शक्ति संतुलन पर आधारित है, जबकि आज का विश्व बहुध्रुवीय हो चुका है। नए उभरते राष्ट्र और क्षेत्रीय शक्तियाँ वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में अधिक प्रतिनिधित्व की मांग कर रही हैं, किंतु सुरक्षा परिषद की संरचना में अब तक व्यापक सुधार नहीं हो सका है। परिणामस्वरूप, अनेक राष्ट्र स्वयं को निर्णय प्रक्रिया से बाहर या हाशिये पर महसूस करते हैं, जिससे संस्थाओं की वैधता और प्रभावशीलता दोनों प्रभावित होती हैं। इसके अतिरिक्त, अंतरराष्ट्रीय कानून और संस्थाओं की शक्ति मुख्यतः सदस्य राष्ट्रों की सहमति और सहयोग पर निर्भर करती है। यदि कोई शक्तिशाली राष्ट्र किसी निर्णय को मानने से इनकार कर देता है या प्रतिबंधों को नजरअंदाज करता है, तो संस्थाओं के पास उसे बाध्य करने के सीमित साधन ही होते हैं। यही कारण है कि कई बार अंतरराष्ट्रीय न्यायालयों या परिषदों के निर्णय नैतिक और कानूनी दृष्टि से महत्वपूर्ण होते हुए भी व्यवहार में लागू नहीं हो पाते। इससे यह संदेश जाता है कि वैश्विक व्यवस्था में नियमों से अधिक शक्ति और प्रभाव का महत्व है, जो संस्थागत व्यवस्था के मूल सिद्धांतों को कमजोर करता है। निरंतर हो रहे युद्धों का मानवीय और आर्थिक प्रभाव भी इस विफलता को और अधिक स्पष्ट करता है। युद्धों के कारण लाखों लोग विस्थापित हो रहे हैं, शरणार्थी संकट बढ़ रहा है और अनेक देशों की अर्थव्यवस्थाएँ अस्थिर हो रही हैं। जब अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ इन संकटों को समय रहते रोक नहीं पातीं, तो उनका ध्यान संघर्ष के बाद राहत और पुनर्वास पर केंद्रित हो जाता है जबकि मूल उद्देश्य युद्ध को रोकना और शांति बनाए रखना था। इस प्रकार संस्थाएँ प्रतिक्रियात्मक भूमिका में सिमट जाती हैं, जबकि उनसे अपेक्षा सक्रिय और निवारक भूमिका की थी।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि आधुनिक युद्धों का स्वरूप पारंपरिक युद्धों से भिन्न हो गया है।

अब केवल दो राष्ट्रों के बीच सीधी लड़ाई ही नहीं, बल्कि प्रॉक्सी युद्ध, साइबर आक्रमण, आतंकवाद और गैर-राज्यीय सशस्त्र समूहों की भूमिका भी बढ़ गई है। इन जटिल और बहुस्तरीय संघर्षों से निपटने के लिए पारंपरिक अंतरराष्ट्रीय संस्थागत ढांचे पर्याप्त रूप से तैयार नहीं हैं।

भविष्य में एआई मुख्य भूमिका में और इंसान सहायक बन जाएगा!

स्नेहा सिंह

एक समय था, जब हमने मशीनों का उपयोग इंसानों के विकल्प के रूप में शुरू किया था, लेकिन धीरे-धीरे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब इंसानों को ही विकल्प बना देगा।

इंसानों ने मशीनों का विकास अपने काम को आसान बनाने और कम समय में अधिक काम पूरा करने के लिए किया था। मशीनों का विकास इसलिए किया गया था कि उनसे अधिक सटीकता से काम किया जा सके। इंसानों ने अपनी जिंदगी को आसान और सुखद बनाने के लिए मशीनें विकसित कीं, लेकिन शायद कभी नहीं सोचा था कि यही मशीनें इंसानों का स्थान लेकर उनकी जिंदगी को कठिन बना सकती हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंसानों के अस्तित्व पर ही सवाल खड़ा कर देगा और उसे चुनौती देगा। जब तक इंसान प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर काम करता था, तब तक जीवन खुशहाल था। जैसे-जैसे तकनीक का विकास हुआ, वह प्रकृति के नियमों को तोड़ता गया और अब एक आभासी दुनिया में उलझ गया है। इसके कारण समाज के सामने नैतिक, सामाजिक और आर्थिक जोखिम खड़े हो गए हैं।

हाल ही में एक नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक ने तर्क दिया था कि जैसे-जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग बढ़ रहा है और उसके विकास की संभावनाएं बढ़ रही हैं, वैसे-वैसे उसके खतरे भी बढ़ रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विकास में कई देशों और कंपनियों द्वारा सुरक्षा के नियमों और मानकों की अनदेखी की जा रही है। जानकारों का मानना है कि इसके कारण स्थिति ऐसी हो गई है कि अब यह तकनीक मानवता के विनाश की दिशा में आगे बढ़ रही है या उसका कारण बन सकती है। जब तक एआई सिस्टम में नैतिकता और मानवता शामिल नहीं होगी, तब तक एआई कृत्रिम रूप से ही सोचेगा। वास्तव में वर्तमान में ऐसे एआई की आवश्यकता है, जो विकसित हो, बुद्धिमान हो, तर्क कर सके और संवेदनशीलता के साथ जिम्मेदारी निभा सके।

शोधकर्ताओं का मानना है कि इस दशक के अंत तक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित मशीनें और तकनीकें ऐसी आ जाएंगी, जिनमें इंसानों से कहीं अधिक बुद्धि, तर्कशक्ति और कार्यक्षमता होगी। यह तकनीक ऐसी होगी, जो हमारे आसपास की दुनिया को देखेगी, जानेगी और समझेगी। यह हमारे रोजमर्रा के जीवन का हिस्सा बन जाएगी। आने वाले एक दशक में यह इंसानों को होने वाली जानलेवा बीमारियों के इलाज भी खोज लेगी। सबसे पहले विचार यह आता है कि अतीत में जब इंसान के पास तकनीक नहीं थी और वह प्रकृति के करीब था, तब इतनी बीमारियां नहीं थीं। मशीनों और तकनीक के विकास और अत्यधिक उपयोग के बाद बीमारियां बढ़ी हैं। ऐसे में हमें बीमारियों का कारण कम करना चाहिए या उनके इलाज को और उन्नत बनाना चाहिए, यह सोचने वाली बात है। दूसरी बात यह है कि अब मशीनों का प्रभुत्व बढ़ रहा है। एक समय था जब इंसान मुख्य भूमिका में था और मशीनें उसकी सहायता के लिए बनाई गई थीं। इंसान मशीनों का उपयोग करता था। अब स्थिति यह हो गई है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित मशीनें मुख्य भूमिका में आ रही हैं और इंसान केवल सहायक बनता जा रहा है। इसका प्रभाव यह हो रहा है कि इंसानों का शरीर और मस्तिष्क दोनों कमजोर होते जा रहे हैं। इसके कारण लोग विभिन्न जीवनशैली संबंधी बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते प्रभुत्व के कारण 2030 तक 1 करोड़ नौकरियां समाप्त हो सकती हैं। एआई वर्तमान में इंसानों से अधिक कुशलता से काम करता है, इसलिए भविष्य में इसका व्यापक उपयोग होगा। इससे समाज में नई संरचना विकसित होगी। रोजगार पाने के लिए लोगों को अपनी बौद्धिक क्षमता को बहुत अधिक विकसित करना होगा। भविष्य में समाज दो भागों में बंट सकता है, एक अत्यधिक बौद्धिक क्षमता वाले लोग और दूसरे कम बौद्धिक क्षमता वाले लोग। मशीनें अधिक सटीकता से काम करती हैं, इसलिए विशेषज्ञ इंसानों की बजाय मशीनों पर अधिक भरोसा करने लगे हैं। इसके कारण भविष्य में उन्हीं लोगों के पास अवसर होंगे जो मशीनों को अधिक कुशलता से संचालित कर सकेंगे।

इसके अलावा मेडिकल क्षेत्र में भी एआई अपना प्रभुत्व स्थापित कर रहा है। यह इंसानों से अधिक सटीकता से मेडिकल जांच करता है, रिपोर्ट तैयार करता है और उनका विश्लेषण करता है। इसके आधार पर बीमारी का कारण और उपचार की जानकारी देता है। इसी तरह शिक्षा के क्षेत्र में भी एआई द्वारा दी जाने वाली जानकारी से छात्रों की रुचि बढ़ रही है। इसके अलावा फिटनेस, स्पोर्ट्स ट्रेनिंग, फैशन, काउंसलिंग और अन्य कई क्षेत्रों में भी एआई का प्रभुत्व बढ़ रहा है। युवाओं को ऐसा लगने लगा है कि उन्हें इंसानों की आवश्यकता ही नहीं है, क्योंकि एआई उनकी सभी जरूरतें पूरी कर रहा है। चिंताजनक बात यह है कि युवा पीढ़ी की स्वतंत्र सोच और रचनात्मकता पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। युवा अपने काम खुद सोचकर करने के बजाय एआई की मदद लेना अधिक पसंद कर रहे हैं। इससे लिखने, पढ़ने और सृजन करने के लिए आवश्यक सोच विकसित नहीं हो रही है। छात्र भी अपने अध्ययन, प्रोजेक्ट और अन्य कार्यों के लिए सीधे एआई का उपयोग कर रहे हैं, जिससे वे स्वयं सोचने का प्रयास नहीं करते।

ये टूल्स जवाब पसंद न आने पर अन्य विकल्प भी देते हैं। सवाल यह है कि क्या एआई द्वारा दिए गए सभी जवाब और सुझाव पूरी तरह सही और विश्वसनीय होते हैं? आखिर यह भी एक मशीन है, जिसे इंसानों ने ही बनाया है। ऐसे में मशीनों पर कितना भरोसा किया जाए, यह विचार करने की बात है। एआई की कार्यक्षमता नहीं, बल्कि इंसान की बुद्धिक्षमता का विकास आवश्यक है। विशेषज्ञों का मानना है कि एआई का व्यापक उपयोग एक ओर लाभ देता है, लेकिन मानव विकास के दृष्टिकोण से यह अधिक नुकसान भी पहुंचा रहा है। विज्ञान और चिकित्सा क्षेत्र में इसका उपयोग प्रभावी है, लेकिन शिक्षा और कौशल विकास में इसके नकारात्मक प्रभाव अधिक दिखाई दे रहे हैं। अध्ययन में इसका लगातार उपयोग बच्चों के दिमाग को निर्भर बना रहा है। किशोरों और युवाओं की रचनात्मक क्षमता धीरे-धीरे कम हो रही है। बच्चे, किशोर और युवा अपने अध्ययन, प्रोजेक्ट, परीक्षा की तैयारी और लेखन कार्यों के लिए सीधे एआई का उपयोग कर रहे हैं, जिससे वे कम समय में काम पूरा कर लेते हैं। एक ओर समय की बचत होती है, लेकिन दूसरी ओर उनकी विश्लेषण और तर्क क्षमता घट रही है। बचा हुआ समय वे नई चीजें सीखने के बजाय सोशल मीडिया, रील्स और ऑनलाइन गेम्स में बिताते हैं। इसके कारण कई बार वे अपराध की ओर भी बढ़ जाते हैं। इसके अलावा स्मार्टफोन और सोशल मीडिया की लत के कारण वे शारीरिक और मानसिक बीमारियों का शिकार भी हो रहे हैं।

घर के अदृश्य संविधान में स्त्री का संशोधन

कृति जैन

सुबह की रसोई में उबलती चाय की भाप के साथ एक और चीज़ उठ रही है- खामोश विद्रोह। यह विद्रोह दरवाज़े पटककर नहीं, बल्कि दरवाज़े धीरे से बंद करके होता है। महिलाएँ अब घर छोड़ नहीं रहीं, नौकरी छोड़ नहीं रहीं, पर "सब कुछ संभालने" की अदृश्य जिम्मेदारी से पीछे हट रही हैं। इसे ही घर से 'क्वाइट क्विटिंग' कहा जा रहा है। यह लापरवाही नहीं, आत्मरक्षा है; असंवेदनशीलता नहीं, संतुलन की माँग है। दशकों से घर की दीवारों में कैद वह मानसिक बोझ, जिसे कर्तव्य कहकर सामान्य बना दिया गया था, अब प्रश्नों के कटघरे में है। यह नई लहर बिना नारों के, बिना मंचों के, सीधे रसोई और बैठक के बीच जन्म ले रही है। 'क्वाइट क्विटिंग' शब्द कार्यस्थल से आया, पर घर के भीतर इसका अर्थ कहीं अधिक गहरा है। दफ्तर में कर्मचारी अतिरिक्त काम छोड़ता है, यहाँ महिला अतिरिक्त भावनात्मक और संज्ञानात्मक श्रम छोड़ रही है। मेंटल लोड वह अदृश्य सूची है जो उसके दिमाग में हर समय चलती रहती है-बच्चों की परियोजना, सास की दवा, पति की मीटिंग, त्योहार की तैयारी, रिश्तों की मरम्मत। समय उपयोग सर्वेक्षण 2024 के आँकड़े बताते हैं कि भारतीय महिलाएँ प्रतिदिन पुरुषों से कई घंटे अधिक अवैतनिक श्रम करती हैं। महिलाएँ रोजाना 289 मिनट अनपेड घरेलू कामों पर और 137 मिनट देखभाल पर खर्च करती हैं जबकि पुरुष केवल 88 और 75 मिनट। यह सिर्फ समय नहीं, ऊर्जा और पहचान की कीमत भी है। यही असमानता अब प्रतिरोध को जन्म दे रही है।

महामारी ने इस असंतुलन को निर्वस्त्र कर दिया। घर ही दफ्तर बना, दफ्तर ही घर, और महिला दोनों की प्रबंधक। लैपटॉप की स्क्रीन के पीछे वह मीटिंग में थी, और कैमरे के बाहर रसोई में। इसी दौर में सोशल मीडिया ने वैश्विक संवाद खोला। हजारों भारतीय महिलाएँ लिखने लगीं कि वे 'परफेक्ट' होने की दौड़ से बाहर निकलना चाहती हैं। नई पीढ़ी की मिलेनियल और जेन-ज़ेड महिलाएँ अपनी माताओं की थकान को विरासत नहीं बनाना चाहतीं। वे समझ चुकी हैं कि त्याग का अनंत महिमामंडन असल में असमानता को स्थायी बनाता है। इसलिए यह बदलाव भावनात्मक जागरण से उपजा है।

व्यवहार में यह विद्रोह बेहद सूक्ष्म है। महिला चाय बनाएगी, पर सबके दिमाग का अलार्म नहीं बनेगी। वह याद दिलाना बंद कर देगी, आयोजन का बोझ साझा कर देगी, हर निर्णय की धुरी बनने से इंकार कर देगी। शुरुआत में परिवार चौंकता है, कभी नाराज़ भी होता है। "तुम बदल गई हो" जैसे वाक्य तीर की तरह आते हैं। पर धीरे-धीरे घर के अन्य सदस्य भी जिम्मेदारी का स्वाद चखते हैं। बच्चे खुद अपना बैग तैयार करने लगते हैं, पति दवाइयों की सूची संभालने लगता है। यह बदलाव टकराव से नहीं, अभ्यास से आता है, और यहीं इसकी शक्ति छिपी है।इस खामोश क्रांति के सामाजिक प्रभाव दूरगामी हैं। परिवार की शक्ति-संरचना बदल रही है। पुरुष पहली बार समझ रहे हैं कि घर चलाना केवल शारीरिक श्रम नहीं, निरंतर मानसिक योजना भी है। बच्चों में आत्मनिर्भरता बढ़ रही है क्योंकि माँ हर समस्या का तत्काल समाधान नहीं दे रही। महिलाओं का मानसिक स्वास्थ्य सुधर रहा है; चिंता और थकान में कमी दिख रही है। जब वे हर समय 'ऑन' नहीं रहतीं, तब उनकी रचनात्मकता और पेशेवर दक्षता भी बढ़ती है। यह विद्रोह रिश्तों को तोड़ने नहीं, उन्हें अधिक न्यायपूर्ण बनाने की दिशा में है।

फिर भी यह राह बिल्कुल सरल नहीं। समाज अब भी आदर्श पत्नी और त्यागमयी माँ के पुराने साँचे से बाहर सोचने को सहज नहीं है। अपराधबोध सबसे बड़ी दीवार बनकर खड़ा हो जाता है-क्या मैं स्वार्थी बन रही हूँ? रिश्तेदारों के सवाल, पड़ोस की फुसफुसाहट और परिवार की अनकही अपेक्षाएँ मिलकर भारी दबाव रचती हैं। अनेक महिलाएँ खुली घोषणा नहीं करतीं, बल्कि चुपचाप अपनी भूमिका की सीमाएँ तय करने लगती हैं। यह अनकहा विद्रोह है, जिसे इतिहास शायद सुर्खियों में दर्ज न करे, पर घरों की फिज़ा बदलने की क्षमता रखता है। मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ भी चेताते हैं कि समय पर संतुलन न साधा जाए तो थकान और टूटन अवश्यंभावी है।

आने वाले वर्षों में यह लहर और स्पष्ट होगी। नीतिगत स्तर पर पितृत्व अवकाश, घरेलू श्रम की स्वीकृति और कार्य-जीवन संतुलन पर बहसें गंभीर होंगी। पर असली बदलाव तब आएगा, जब हर घर में काम और भावनात्मक श्रम बराबरी से बाँटे जाएँगे। पुरुषों को भी संवेदनशीलता और जिम्मेदार योजना की आदत विकसित करनी होगी। घर साझेदारी का जीवंत स्थान बनेगा, एकतरफा सेवा का मंच नहीं। जब जिम्मेदारियाँ न्यायपूर्ण ढंग से साझा होंगी, तब प्रेम भी संतुलित और सम्मानपूर्ण होगा। यह क्रांति नकारात्मक नहीं, रिश्तों को स्वस्थ बनाने की सतत प्रक्रिया है, जो धीरे-धीरे संस्कृति की दिशा बदल देगी। घर से 'क्वाइट क्विटिंग' प्रतिशोध की पुकार नहीं, आत्मसम्मान की सशक्त व्याकरण है। महिलाएँ स्पष्ट कर रही हैं कि वे घर की केंद्रबिंदु तो रहेंगी, पर अकेली आधारशिला नहीं। वे रिश्ते निभाएँगी, मगर अपनी अस्मिता की कीमत पर नहीं। जब मेंटल लोड बराबरी से बाँटा जाएगा, तभी घर का सुकून भी समान रूप से खिलेगा। यह मौन परिवर्तन आने वाले दशक में भारतीय परिवार की परिभाषा पुनर्लिख सकता है।

कहीं तस्वीरें न बोल पड़ें....

डॉ टी महादेव राव

एक समय था जब कि सी फिल्म में फिल्मों के तथाकथित महानायक के संवाद काफी लोकप्रिय हुए 'अपुन बड़ा फेमस आदमी। बड़ा बड़ा अखबार में अपुन का छोटा छोटा फोटू छपता है। यह इसलिए क्योंकि नायक स्वयं को मशहूर शख़्स बताकर सामने वाले पर रोब डालना चाहता है।

अब तथाकथित विश्व गुरु बनाम सो कॉल्ड विश्वनायक का स्वगत संवाद सुनें या कहूं मन की बात या दिल के जज़्बात गुनें - एक ही मंशा है कि बड़े बड़े अखबारों में तो छपे ही छपे।

साथ साथ छोटे छोटे अखबारों में भी अपना बड़ा बड़ा फोटो छपता है तभी हम को अच्छा लगता है। भले ही उसमें हमारा किया कराया कुछ भी न हो। सिर्फ विपक्ष को गाली देते दो चार फोटो, रेलमंत्री को साइड करके नई नई रेलगाड़ियों को हरी झंडी दिखाते पांच फोटो, किसी विदेशी प्रतिनिधि के साथ दूर आसमान में भविष्य देखते दो तीन फोटो और इन सबसे बढ़कर संसद में कभी गए तो विपक्ष के सशक्त सदस्यों के बातों के बाण झेलते स्तब्ध रहने वाले हमारे फोटो। यानी कि जिस दिन हर अखबार में बीस पच्चीस फोटो नहीं छपते हमें अच्छा नहीं लगता।

विश्व के जीवित लगभग संभी नेताओं के साथ मेरी मुस्कुराती और हंसती तस्वीरें है। विश्व को वसुधैव कुटुंबकम्‍ माना है मैने। हंसी खुशी उन्हीं के साथ। जब मैं देश में होता हूं तो पता नहीं क्यों फोटो खिंचाते वक्त मेरे चेहरे पर हंसी नहीं आती, गायब हो जाती है। धीर, गंभीर और मेडिटेशन करते, ध्यानमग्न होती तस्वीरें ही आती हैं। यह और बात है कि अगर करीब विपरीत लिंग के जीव हों तो दिल उत्साह और उमंग से भर जाता है। चेहरा मुस्कुराहट से तर जाता है। तब तस्वीरें कुछ तरोताजा और अच्छी आती हैं।

आखिर प्रकृति का अपना नियम भी तो है। अगर कहूं जिस दिन फोटो नहीं छपता या अच्छी फोटो खींची नहीं जाती, तब बड़ी खुन्नस होती है, बड़ा गुस्सा आता है।

मुझे लगता कि द्वादश वर्षों में जितने फोटो खिंचवाए गए हैं उनके प्रिंटों से तो एक गोदाम भर जायेगा या फिर कंप्यूटर के दस पंद्रह हार्ड डिस्क भर जाएंगे। इन तस्वीरों को लेकर हमारे शासन का इतिहास बिल्कुल वैसा ही लिखा जायेगा जिस तरह गांधीजी और नेहरू पर लिखा गया। वे तो ब्लैक एंड व्हाइट इतिहासी फोटो थे जो आजकल ए आई की मदद से रंगों में आ रहे हैं। हमारे तो पहले से रंगीन हैं और इन दिनों और भी रंगीन तस्वीरें सामने आ रही हैं जो कि हमारे चरित्र को तो रंगीन बनाएंगीं ही साथ ही अन्य आयामों से भरी हमारी हसीन, रंगीन और शौकीन तबीयत के पताका लहराएंगी।

लेकिन अब इन तस्वीरों की अत्यधिकता के बाद जो हमारे अपनों ने गड़े हुए, छिपाए हुए और अतीत में दफनाए गए छायाचित्रों के साक्ष्यों सहित जब हमारी नकली चरित्र प्रमाण पत्र की धज्जियां उड़ाई तब से दिन की चैन और रातों की नींद हराम हो गई है।

चाक चौबस्त होकर मेरे अपने सिपाही मेरे अपने साथी ही ऐसा करेंगे तो क्या होगा। एक अजीब सी भयावह स्थिति बन रही है। तस्वीरें कहीं जी न उठे, बोल न पड़ें और सब पर उंगली उठाने वाले मुझ पर कसा हुआ पंजा न मार दे।

अधिक पसीना आना भी आपको बना सकता है बीमार इससे बचना है तो याद रखें ये टिप्स

गर्मी में पसीना हर किसी को आता है लेकिन कुछ लोग ऐसे होते हैं, जिन्हें कुछ ज्यादा ही पसीना निकलता है. इससे बदबू की समस्या भी होने लगती है. इससे बचने के लिए आप कुछ देसी उपाय की मदद ले सकते हैं.

पसीना आना एक नेचुरल प्रॉसेस है. गर्मी के दिनों में उमस के चलते यह काफी निकलता है. शरीर के टेंपरेचर को कंट्रोल करने के लिए रोमछिद्रों से पसीना बाहर आता है. इससे शरीर ठंडा बना रहता है और गंदगी आसानी से बाहर आ जाती है. इसलिए पसीना निकलना सेहत के लिए अच्छा माना जाता है. लेकिन अगर यही पसीना जरूरत से ज्यादा निकले तो परेशानी का कारण बन सकती है. बॉडी से अधिक पसीना निकलने से बदबू आने लगती है.

योगा

अगर किसी को अधिक पसीना निकलता है तो योग सबसे अच्छा ऑप्शन हो सकता है. रोजाना योग करने से पसीने की समस्या से छुटकारा मिल सकता है. पसीना कंट्रोल करने का यह नेचुरल तरीका है. हर दिन योगा करने से सेहत से जुड़ी कई समस्याएं भी कम हो सकती हैं.

कॉटन के कपड़े ही पहनें

गर्मी के मौसम में पसीना आना आम बात है लेकिन ज्यादा पसीना न आए, इसके लिए सूती के कपड़े ही ज्यादा पहनें. कॉटन के कपड़े टी-शर्ट्स, कुर्ते, पैंट्स पसीने को सोख लेते हैं और इसे परेशानी का कारण नहीं बनने देते हैं. इसलिए हल्के और सूती के कपड़े ही यूज करें.

कैफीन से दूरी

ज्यादा पसीना आ रहा है और उसे कंट्रोल करना चाहते हैं तो आप कैफीन से परहेज करें. ऐसी चीजों का सेवन बिल्कुल भी न करें, जिससे पसीना ज्यादा निकलता है. चाय-कॉफी काफी कम मात्रा में पिएं. अगर ज्यादा चाय पीते हैं तो उसे कम करने की कोशिश करें.

जूस का सेवन करें

गर्मी में जूस पीना काफी फायदेमंद होता है. इससे शरीर ठंडा रहता है. जूस पसीना निकलने की समस्या से भी छुटकारा दिला सकते हैं. अधिक पसीने से परेशान हैं तो रोज जूस पिएं. यह शरीर के टेंपरेचर को कंट्रोल कर उसे ठंडा रखता है. इन उपायों से आप गर्मी में शरीर को सेफ रख सकते हैं और इससे पसीना भी काफी कम निकलता है.

पीरियड्स बंद होने के बाद महिलाओं को करना चाहिए ये काम, वरना ओवेरियन कैंसर की हो जाएंगी शिकार

पीरियड्स बंद होता है तब शरीर के अंदर कई हार्मोनल उतार-चढ़ाव आते हैं उस दौरान ऐसा क्या करें या किस तरह से अपना ख्याल रखें कि आपकी सेहत पर इसका बुरा असर न दिखें.

मेनोपॉज में महिलाओं को समस्याएं

महिलाएं अपने 45 से 50 उम्र के बीच मेनोपॉज से गुजरती हैं. मेनोपॉज का मतलब है महिलाओं के पीरियड्स का बंद होना. जैसे पीरियड्स आना हर महिला या लड़की के हेल्दी लाइफस्टाइल का सूचक है ठीक उसी तरह एक सही टाइम पर पीरियड्स बंद होना भी यह दर्शाता है कि आप शारीरिक रूप से हेल्दी हैं. लेकिन इन सभी बातों के बीच सबसे जरूरी बात यह है कि हर महिला को पीरियड्स बंद होने के बाद अपने शरीर का खास ख्याल रखना. जब पीरियड्स बंद होता है तब शरीर के अंदर कई हार्मोनल उतार-चढ़ाव आते हैं उस दौरान ऐसा क्या करें या किस तरह से अपना ख्याल रखें कि आपकी सेहत पर इसका बुरा असर न दिखें.

मेडिकल चेकअप

पीरियड्स बंद होने के बाद आपको हमेशा हॉस्पिटल भागने या बार-बार दवाई लेने के बजाय आपको अपनी लाइफस्टाइल में कुछ सुधार करने की जरूरत है. आप अपने बॉडी पर ध्यान दें साथ ही खुद से भी ध्यान दें कि आपके शरीर में कुछ बदलाव तो नहीं हो रहे हैं.जिससे आपको आगे जाकर तकलीफ का सामना न करना पड़े.

डाइट का खास ध्यान रखें

पीरियड्स बंद होने के बाद यानि मेनोपॉज के बाद महिलाओं को अपने डाइट का खास ध्यान रखना चाहिए. ज्यादा से ज्यादा हेल्दी चीजों को अपने डाइट में शामिल करें. वैसी चीजें ज्यादा खाएं जिसमें फाइबर, कैल्शियम ज्यादा हो क्यों 30 के बाद महिलाओं की हड्डी कमजोर होने लगती है. पत्तेदार सब्जियां, फ्रूट्स जरूर से जरूर खाएं. साथ ही कोशिश करें कि नमकीन और सोडियम कम खाएं. पीरियड्स बंदे होने के बाद शरीर में कई तरह की परेशानियां बढ़ने लगती है.

कैल्शियम जरूर लें

मेनोपॉज के बाद डाइट में ज्यादा से ज्यादा कैल्शियम को शामिल करें. मेनोपॉज के वक्त कैल्शियम काफी ज्यादा जरूरी होता है. जिससे हड्डियां कमजोर न हो. इसलिए ज्यादा से ज्यादा दूध, दही, अंडा और मछली खाएं.

एक्सरसाइज और योग वक्त निकालकर जरूर करें

बहुत सारी हाउसवाइफ खुद के हेल्थ के लिए एकदम वक्त नहीं निकाल पाती हैं. लेकिन आपको मेनोपॉज के बाद किसी भी तरह वक्त निकालकर एक्सरसाइज करना चाहिए. यह आपको काफी राहत देगी. पीरियड्स बंद होने के बाद मेडिटेशन और योग अच्छी हेल्थ की कुंजी है. इससे आपका तनाव और स्ट्रेस दूर रहता है. और आपका ब्रेन पॉवर बढ़ता है.

मेनोपॉज के बाद ओवेरियन कैंसर का खतरा

ओवेरियन कैंसर महिलाओं के ओवरी में शुरू होता है और बाद में शरीर के दूसरों भागों में फैल जाता है. हालांकि ओवेरियन कैंसर किसी भी उम्र में हो सकता है. वैसे तो 50 साल की महिलाओं में यह बीमारी बेहद आम है. 'अमेरिकन कैंसर सोसायटी' के मुताबिक ओवेरियन कैंसर के आधे मामले 63 या उससे अधिक उम्र की महिलाओं में पाए जाते हैं. मेनोपॉज के उम्र में ही ओवेरियन कैंसर का खतरा बढ़ जाता है.

आपकी 'हेल्दी आदत' ही तो नहीं बढ़ा रही है किडनी स्टोन का खतरा?

दुनियाभर में क्रॉनिक बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। लाइफस्टाइल और खान-पान की गड़बड़ी ने जिन अंगों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है, किडनी उनमें से एक हैं। किडनी से संबंधित बीमारियां पहले उम्र बढ़ने के साथ होने वाली समस्याएं मानी जाती थीं, हालांकि अब कम उम्र वाले, यहां तक कि बच्चों में भी किडनी की बीमारी के मामले बढ़ते जा रहे हैं। किडनी स्टोन यानी किडनी में पथरी की समस्या सबसे ज्यादा देखी जा रही है। किडनी हमारे शरीर का प्राकृतिक फिल्टर है जो खून को साफ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अगर किसी बीमारी के कारण किडनी सही से काम न करे तो इससे विषैले तत्व जमा होने लगते हैं। जिन लोगों का खानपान ठीक नहीं रहता है उनमें किडनी स्टोन होने का खतरा अधिक देखा जाता है।

किडनी में स्टोन बनने का खतरा

किडनी में किसी समस्या के कारण जब कैल्शियम ऑक्सलेट, यूरिक एसिड जैसे पदार्थ ठीक तरीक से फिल्टर होकर शरीर से बाहर नहीं निकल पाते हैं तो इनके छोटे-छोटे क्रिस्टल मिलकर पथरी बनाने लगते हैं। पथरी के कारण अत्यधिक दर्द और असहजता हो सकती है। इसके अलावा कुछ और स्थितियां हैं जिनके कारण भी किडनी में पथरी होने का जोखिम बढ़ जाता है। कम पानी से पेशाब गाढ़ा हो जाता है जिससे पथरी होने की आशंका बढ़ जाती है। मोटापा और खानपान की गड़बड़ी जैसे जंक फ़ूड, नमक-चीनी ज्यादा खाना, फाइबर की कमी से भी पथरी होने का खतरा बढ़ता है। आइए उस हेल्दी आदत के बारे में जान लेते हैं जिसके चलते भी लोगों में जाने-अनजाने किडनी स्टोन का जोखिम बढ़ता जा रहा है।

विटामिन-डी और कैल्शियम के सप्लीमेंट्स बढ़ा रहे हैं खतरा

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कई रिपोर्ट्स में अलर्ट किया जाता रहा है कि भारतीयों में विटामिन-डी और कैल्शियम की कमी का खतरा बढ़ता जा रहा है। इसका हड्डियों पर सीधा असर होता है।

इन पोषक तत्वों की कमी के लिए लोग लंबे समय तक या बिना डॉक्टरी सलाह के लिए सप्लीमेंट्स लेते रहते हैं। खुद को स्वस्थ बनाने के चक्कर में की जाने वाली ये गलती आप पर भारी पड़ सकती है।

60 की उम्र में भी बने रहना चाहते हैं हेल्दी और जवान, तो डॉक्टर ने बताए तीन कारगर तरीके

बुढ़ापा आना एक शारीरिक अवस्था है, आमतौर पर 50 की उम्र के बाद शरीर की मांसपेशियां, हड्डियां कमजोर होने लगती हैं, शारीरिक शक्ति और यादादाश्त क्षीण होने लग जाती है इसे बुढ़ापे का लक्षण माना जाता है।

हालांकि जिस तरह से लोगों की लाइफस्टाइल और डाइट में गड़बड़ी बढ़ती जा रही है, बुढ़ापे के लक्षण भी अब पहले ही दिखने लग गए हैं। 30 की उम्र में बाल झड़ने, हड्डियों की दिक्कत बढ़ने लग गई हैं, कहीं आप भी तो इन समस्याओं का शिकार नहीं हैं?

हम अक्सर मान लेते हैं कि बढ़ती उम्र के साथ शरीर का कमजोर होना तय है, लेकिन वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि सही दिनचर्या और संतुलित आहार अपनाकर बुढ़ापे में भी शरीर को लंबे समय तक स्वस्थ और फिट रखा जा सकता है। नियमित शारीरिक गतिविधि, संतुलित भोजन और अच्छी नींद आपको क्रॉनिक बीमारियों से न सिर्फ बचाए रखने में मदद कर सकती है, साथ ही बुढ़ापे के लक्षणों को भी देर कर सकती है।

अगर आप भी 60 की उम्र तक शरीर को स्वस्थ और जवां बनाए रखना चाहते हैं तो इसके लिए डॉक्टरों ने कुछ आसान से उपाए बताए हैं।

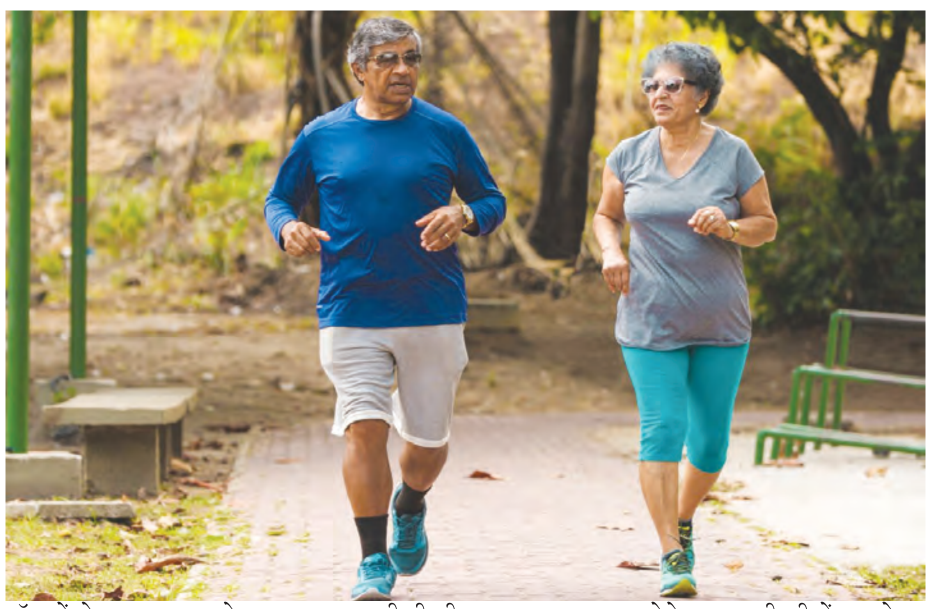

नियमित व्यायाम से दूर होती है सार्कोपेनिया की समस्या

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, उम्र बढ़ने के साथ मसल मास कम होता है, जिसे सार्कोपेनिया कहा जाता है, लेकिन रिसर्च बताती है कि प्रोटीन युक्त आहार और स्ट्रेंथ एक्सरसाइज से इस प्रक्रिया को धीमा किया जा सकता है। अमर उजाला में हाल ही में प्रकाशित एक रिपोर्ट में सार्कोपेनिया और इसके बढ़ते खतरे को लेकर जानकारी दी थी।

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के अनुसार,हफ्ते कम से कम 150 मिनट की एक्सरसाइज मांसपेशियों को मजबूत बनाए रखने और क्रॉनिक बीमारियों से बचाए रखने में मददगार हो सकती है।

अच्छी डाइट भी जरूरी

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, बुढ़ापे में शरीर को स्वस्थ और फिट रखने के लिए पहले से ही नियमित रूप से प्रोटीन, कैल्शियम, विटामिन डी और ओमेगा-3 वाली चीजों का सेवन करें। दालें, पनीर, अंडे, मछली, अलसी और चिया सीड्स मांसपेशियों और दिल के लिए फायदेमंद हैं। हरी सब्जियां और फल एंटीऑक्सीडेंट देते हैं, जो कोशिकाओं को नुकसान से बचाते हैं।

साबुत अनाज और फाइबर पाचन ठीक रखते हैं और शुगर कंट्रोल में मदद करते हैं।

इन लक्षणों से पहचानिए बुढ़ापे को

बुढ़ापे के साथ शारीरिक बनावट और स्थितियों में कुछ बदलाव नजर आने लगते हैं।

उम्र बढ़ने से चेहरे पर बारीक रेखाएं दिखने लगती हैं।

उम्र के साथ चलने-फिरने में दिक्कत होने लगती है। जोड़ों में कमजोरी और दर्द बढ़ जाता है।

याददाश्त और नजर कमजोर होने लग जाती है। बढ़ती उम्र के साथ दिमाग के काम करने की क्षमता कमजोर हो जाती है।

डाइट में तीन चीजें कम करेंगी बुढ़ापे की दिक्कतें

आहार विशेषज्ञों ने बुढ़ापे में भी शरीर को हेल्दी रखने के लिए कुछ चीजों को नियमित रूप से खाने की सलाह दी है। ये दिल और दिमाग दोनों को हेल्दी रखने के लिए जरूरी है।

डाइट में फैटी फिश जरूर होनी चाहिए, इनमें ओमेगा-3 फैटी एसिड भरपूर मात्रा में होती है। ये दिल और दिमाग दोनों को हेल्दी रखने के लिए जरूरी है।

चिया सीड्स शाकाहारियों के लिए अच्छा विकल्प है। यह मछली की तरह ही शरीर को ओमेगा-3 देता है। पाचन को ठीक रखने में इससे मदद मिलती है।

फ्लैक्स सीड्स सूजन कम करती है और आंखों-दिल के लिए अच्छा है। इसके नियमित सेवन से हार्ट हेल्थ की दिक्कतों से बच सकते हैं।

हर साल लाखों लोगों की स्ट्रोक से हो जाती है मौत

क्या केले खाने से दूर होगा खतरा?

ब्रेन स्ट्रोक हर साल लाखों लोगों की मौत का कारण बन रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के मुताबिक स्ट्रोक दुनियाभर में मृत्यु और विकलांगता का तीसरा सबसे बड़ा कारण है, साल 2021 में इससे अनुमानित 9.38 करोड़ मामले सामने आए थे। युवाओं में इस समस्या का खतरा तेजी से बढ़ता हुआ देखा जा रहा है।

स्ट्रोक तब होता है जब मस्तिष्क तक खून पहुंचाने वाली नसें या तो ब्लॉक हो जाती हैं या फट जाती हैं। इन दोनों ही स्थितियों में दिमाग की कोशिकाएं ऑक्सीजन की कमी के कारण डेड होने लग जाती हैं। अध्ययनों में पाया गया है कि जिन लोगों को हाई ब्लड प्रेशर की दिक्कत होती है उनमें स्ट्रोक होने और इससे जान जाने का खतरा अधिक होता है।

हाई ब्लड प्रेशर रक्त वाहिकाओं की दीवारों को नुकसान पहुंचाता है, जिससे उनमें ब्लॉकेज का खतरा बढ़ जाता है। लाइफस्टाइल और खान-पान में गड़बड़ी ब्लड प्रेशर और स्ट्रोक दोनों का जोखिम कारक हो सकती है। क्या आप जानते हैं कि अगर रोजाना के आहार में केले को शामिल कर लिया जाए तो इस खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है?

केले खाने से कम होता है स्ट्रोक का खतरा

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, स्ट्रोक से बचाव के लिए खानपान में सुधार के साथ, नियमित व्यायाम की आदत मददगार हो सकती है। कई शोध बताते हैं कि पोटेशियम से भरपूर आहार जैसे केले ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने और स्ट्रोक के जोखिमों को कम करने में लाभकारी हैं।

केला पोटेशियम का अच्छा स्रोत है। पोटेशियम शरीर में सोडियम के प्रभाव को संतुलित करता है, जिससे ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है।

अध्ययनों में पाया गया है कि पर्याप्त पोटेशियम लेने वाले लोगों में स्ट्रोक का जोखिम कम देखा गया।

एक मध्यम आकार के केले में लगभग 350-400 मि.ग्रा. पोटेशियम होता है।

पोटेशियम से कम होता है स्ट्रोक का खतरा

विशेषज्ञों के अनुसार, दुनियाभर में करोड़ों लोगों में इस जरूरी मिनरल की कमी देखी जा रही है जो दिल के दौरे और स्ट्रोक के खतरे को बढ़ाने वाली हो सकती है।

लंदन की टीसाइड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता प्रोफेसर जॉन यंग कहते हैं, पोटेशियम की कमी वास्तव में बहुत आम है और ये काफी खतरनाक भी हो सकती है। पोटेशियम नसों के संकेतों, मांसपेशियों के सिकुड़ने और दिल की धड़कन को नियमित बनाए रखने में भी अहम भूमिका निभाता है। जिन लोगों में पोटेशियम की गंभीर कमी होती है उनमें भ्रम, उदासी जैसे लक्षण अधिक होते हैं। इसका असर दिल पर भी पड़ सकता है, जिससे दिल की धड़कन के तेज होने, ब्लड प्रेशर बढ़ने और स्ट्रोक का खतरा रहता है। इन लक्षणों से बचने के लिए, वयस्कों को हर दिन 3,500 मिलीग्राम तक पोटेशियम का सेवन करना चाहिए। रोजाना केले खाना इसमें काफी लाभकारी हो सकता है।

अध्ययनों में क्या पता चला?

साल 2024 के एक अध्ययन में पाया गया कि भोजन के जरिए पोटेशियम का लेवल बढ़ाने से दिल की बीमारियों, स्ट्रोक या इनकी वजह से मौत का खतरा 24 प्रतिशत तक कम हो जाता है। वहीं 2016 में हुई स्टडी में पाया गया कि पोटेशियम आपमें स्ट्रोक होने का खतरा 20 प्रतिशत तक कम कर सकती है।

पोटेशियम की रोजाना की जरूरी मात्रा को पूरा करने के लिए आमतौर पर 10 मध्यम आकार के केले खाने होंगे। हालांकि आप केले के साथ पोटेशियम वाली कुछ अन्य चीजों को खाकर इसकी मात्रा को पूरी कर सकते हैं। दो केले से आप लगभग 800-900 मिलीग्राम पोटेशियम प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा पालक, बीन्स, आलू, दही और मछलियों को भी आहार में शामिल किया जा सकता है। हालांकि केवल केला ही समाधान नहीं है, संतुलित आहार पर ध्यान रखकर आप स्ट्रोक से बच सकते हैं।

स्ट्रोस से बचाव के लिए और क्या करें?

डॉक्टर कहते हैं, स्ट्रोक से बचाव के लिए सबसे जरूरी है ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखना। इसके लिए नमक का सेवन कम करें, रोज कम से कम 30 मिनट तेज चाल से चलें। धूम्रपान और शराब से बचें, वजन संतुलित रखें और नियमित हेल्थ चेकअप कराएं। डैश डाइट को ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में लाभकारी पाया गया है, स्ट्रोक से बचाव में इससे भी मदद मिल सकती है।

गर्मियों में आपके माथे पर पडी टैनिंग को इन उपायों से दूर करें

गर्मियों में खूबसूरत और बेदाग स्किन पाना कठिन होता है. क्योंकि गर्मी के मौसम में सूरज की तेज किरणे हमारे स्किन को कई तरह से नुकसान पहुंचती है. इसके अलावा धूल और मिट्टी के सीधे संपर्क में आने से भी स्किन की समस्या होती है. कुछ लोगों के माथे पर जबरदस्त टैनिंग हो जाती है. तमाम स्किन केयर प्रोडक्ट उसे करने के बाद भी माथा काला नजर आता है. ऐसे में हम आपको कुछ आसान तरीका बता रहे हैं, इसके इस्तेमाल से आप माथे की डार्कनेस रिमूव करके त्वचा पर निखार ला सकते हैं. आईए जानते हैं वो कौन से तरीके हैं.

माथे की टैनिंग दूर करने के उपाय

हल्दी-हल्दी अपने एंटीसेप्टिक के एंटीबैक्टीरियल और रंगत निखारने वाले गुण के लिए जाना जाता है. ऐसे में अगर आपके माथे पर जबरदस्त टैनिंग हो गई है तो आप इसका इस्तेमाल करके कालेपन को दूर कर सकते हैं. इसके लिए कच्चे दूध में हल्दी मिलाकर माथे पर लगाकर 20 मिनट तक सूखने दें. फिर हल्के हाथों से रगड़ कर साफ कर लें. ऐसा नियमित रूप से करने से आपके माथे की टैनिंग दूर हो जाएगी.

शहद और नींबू-माथे की टैनिंग दूर करने के लिए आप शहद और नींबू का मिश्रण भी लगा सकते हैं. एक चम्मच नींबू के रस को एक चम्मच शहद में मिला लें और उंगलियों की मदद से इसे सिर पर लगाकर एक घंटा छोड़ दें. यह टैनिंग को हल्का कर देता है. दरअसल नींबू में ब्लीचिंग गुण पाए जाते हैं जो मैल को हटाकर स्किन के टोन को सही करता है.

बेसन और हल्दी-बेसन और हल्दी न सिर्फ त्वचा की रंगत सुधारने में मदद करता है, बल्कि टैनिंग को भी दूर करता है, इसके लिए आप एक कटोरी में दो चम्मच बेसन ले लें और उसमें आधा चम्मच हल्दी मिला लें. इसे आप पानी या दूध के साथ मिक्स करके पैक बना लें. अब माथे पर इसे लगाकर 20 मिनट तक के लिए छोड़ दें. ये स्किन को एक्स्पोलिएट करेगा. डेड स्किन सेल्स निकल जाएंगे और टैनिंग की समस्या दूर हो जाएगी.

बादाम का तेल- बादाम का तेल भी टैनिंग हटाने में मदद कर सकता है. इसके लिए आप एक कटोरी में बादाम का एक चम्मच तेल, शहद और दूध का पाउडर मिलाएं. इस पेस्ट को अपने माथे पर लगा लें और सूखने के लिए छोड़ दें. फिर रगड़कर माथे को साफ कर लें. नियमित रूप से ऐसा करने पर माथे का कालापन कुछ ही दिनों में दूर हो जाएगा.

कच्चा दूध - आप कच्चे दूध में गुलाब जल को मिलकर भी माथे पर लगा सकते हैं. यह टैनिंग दूर करने में मददगार साबित हो सकता है. क्योंकि दूध में लैक्टिक एसिड मौजूद होता है लैक्टिक एसिड त्वचा की रंगत में सुधार करने और कालेपन को दूर करने में मदद कर सकता है.

खीरा-खीरे का रस भी टैनिंग की समस्या को दूर कर सकता है. खीरे में विटामिन सी की मात्रा होती है, जो त्वचा के ग्लो को बढ़ावा देता है. ऐसे में खीरे का रस नियमित रूप से माथे पर लगाने से टैनिंग की

यश की ‘टॉक्सिक’ में अपने किरदार को लेकर कियारा आडवाणी ने दी जानकारी

‘केजीएफ’ स्टार यश की आगामी फिल्म ‘टॉक्सिकः ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स’ अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। फिल्म को लेकर दर्शक काफी उत्साहित हैं। हालांकि, अभी फिल्म की रिलीज में वक्त है। फिल्म यश के नए लुक के साथ-साथ अपनी स्टारकास्ट, खासकर महिला किरदारों को लेकर भी लगातार सुर्खियां बटोर रही है। अब फिल्म में नादिया का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने फिल्म में अपने किरदार को लेकर बात की है।

किरदार को लेकर उत्साहित हैं कियारा

कियारा ने अपने किरदार को लेकर कहा कि नादिया का किरदार अब तक पढ़े गए किरदारों में सबसे अनोखा है। मेरी निर्देशक गीतु मोहनदास ने जिस तरह से इस किरदार को लिखा और उसकी यात्रा को आकार दिया है, उससे मैं बेहद उत्साहित हूं। मुझे लगा कि मैं इस चुनौती को स्वीकार करने और उनकी नजर में इस भूमिका को पर्दे पर उतारने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं।

रिलीज हो चुका है फिल्म का पहला गाना

फिल्म से कियारा का पहला लुक सामने आ चुका है। इसमें एक्ट्रेस ब्लैक ड्रेस में एक स्टेज पर खड़ी नजर आई थीं। इसके बाद इसी महीने की शुरुआत में फिल्म का पहला गाना ‘तबाही’ रिलीज किया गया है।

हालांकि, अभी तक गाने का सिर्फ ऑडियो वर्जन ही सामने आया है। लेकिन गाने के पोस्टर में कियारा यश के साथ रोमांटिक पोज में दिखी थीं। इस गाने को विशाल मिश्रा ने गाया है और उन्हींने संगीत भी दिया है। गाने को हिंदी के अलावा कन्नड़, तेलुगु, तमिल और मलयालम भाषा में भी रिलीज किया गया है।

इस वजह से आगे बढ़ी रिलीज डेट

‘टॉक्सिक’ का टीजर भी सामने आ चुका है, जिसमें यश के नए लुक को देखकर फैंस फिल्म को लेकर और भी उत्साहित हो गए थे। पहले ‘टॉक्सिक’ 19 मार्च को ‘धुरंधरः द रिवेंज’ के साथ ही रिलीज होने वाली थी। लेकिन गल्फ देशों में चल रहे तनाव के चलते फिल्म को आगे बढ़ा दिया गया। अब ‘टॉक्सिक’ 4 जून को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है।

अक्षय कुमार का बड़ा बयान, बोले- ‘वीएफएक्स नहीं, असली एक्शन फिल्म बनाना चाहता हूं’

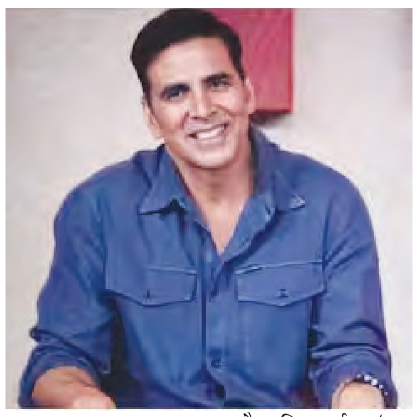

एक्टर अक्षय कुमार और प्रियदर्शन ‘भूत बंगला’ से एक बार फिर हॉरर-कॉमेडी जॉनर में वापसी कर रहे हैं। इस फिल्म के जरिए उनकी और अक्षय कुमार की हिट जोड़ी 14 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी को तैयार है। फिल्म को लेकर काफी बज बना हुआ है और दर्शक बेसब्री से इसका इंतजार कर रहे हैं, लेकिन इस बीच अक्षय कुमार ने अपने एक्शन फिल्मों में सीन के शूटिंग को लेकर बड़ा बयान दिया है।

पूरी तरह रियल फिल्में बनाना चाहता हूं

एक इंटर्व्यू में एक्टर अक्षय कुमार ने कहा कि आजकल एक्शन फिल्मों को बनाने का तरीका पूरी तरह बदल गया है। पहले जहां एक्शन सीन असली होते थे, वहीं अब ज्यादातर काम वीएफएक्स के जरिए किया जाता है। उनके मुताबिक, इसमें मजा नहीं आता क्योंकि यह नकली लगता है। अक्षय ने कहा, ‘मैं ऐसी फिल्म बनाना चाहता हूं जो पूरी तरह रियल हो।’

अक्षय, जो कराटे, ताइक्वांडो और कूडो जैसी मार्शल आर्ट्स में ट्रेंड हैं, उन्होंने कहा, ‘अगर मैं कूद रहा हूं तो सच में कूद रहा हूं, वीएफएक्स का इस्तेमाल नहीं कर रहा। अगर मैं किक मार रहा हूं तो खुद मार रहा हूं, ऐसा नहीं कि 15 लोग मिलकर किसी को किक मारने में मदद कर रहे हों।’

बिना वीएफएक्स के एक्शन फिल्म बनाना चाहता हूं

उन्होंने आगे कहा, ‘मैं बिना वीएफएक्स के एक एक्शन फिल्म बनाना चाहता हूं। मैं ये बात एआई के दौर में कह रहा हूं, लोग जो सोचें सोचें, लेकिन मैं ऐसी फिल्म बनाना चाहता हूं जिसमें असली एक्शन हो। दर्शक खुद महसूस कर सकें कि इसमें कितनी मेहनत लगी है, ना कि एआई या कंप्यूटर की मदद से किया गया काम।’

प्रकाश राज की मां का 86 साल की उम्र में निधन अनाथ आश्रम में थीं पली-बढ़ीं

एक्टर प्रकाश राज की मां सुवर्णलता का निधन हो गया है, जिससे वह बुरी तरह टूट गए हैं। प्रकाश राज की मां 86 साल की थीं, और बढ़ती उम्र संबंधी समस्याओं से जूझ रही थीं। उन्होंने बेंगलुरु में रविवार, 29 मार्च की सुबह अपने घर पर आखिरी सांस ली। रविवार शाम को ही उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। प्रकाश राज की मां उनकी जिंदगी का एक सबसे मजबूत स्तंभ रहीं, जिन्होंने अकेले ही पूरे परिवार को संभाला था।

प्रकाश राज ने मां के बारे में था बताया, शराब में डूबे रहते पिता

प्रकाश राज ने एक इंटरव्यू में बताया था कि कैसे उनके पिता शराब में डूबे रहते थे और मां ने ही अकेले उनका और पूरे घर का भार उठाया था। प्रकाश राज का बचपन बहुत ही मुश्किलों भरा रहा था। प्रकाश राज मां को अपनी सबसे बड़ी प्रेरणा मानते थे और उनकी जिंदगी पर मां का बहुत ही गहरा असर रहा है। अब जब उनका निधन हुआ, तो प्रकाश राज का जैसे वह स्तंभ उखड़ गया।

पवन कल्याण ने जताया शोक, प्रकाश राज को दी सांत्वना

पूरी साउथ फिल्म इंडस्ट्री के साथ-साथ आंध्र प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री और एक्टर पवन कल्याण ने भी प्रकाश राज की मां के निधन पर शोक जताया।पवन कल्याण के ऑफिस ने X पर लिखा, 'मशहूर एक्टर प्रकाशराज की मां सुवर्णलता के निधन की खबर सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ है। मैं ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना करता हूं। मैं प्रकाश राज गारू, जो अपनी माता के निधन के शोक में डूबे हुए हैं, और उनके परिवार के सभी सदस्यों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।।'

कारोबारी हर्ष मेहता के साथ आदिनाथ जैन मंदिर पहुंचीं मलाइका अरोड़ा, फोटो-वीडियोज हुए वायरल

अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा एक बार फिर इन दिनों अपनी डेटिंग लाइफ को लेकर चर्चाओं में हैं। उनका नाम कारोबारी हर्ष मेहता के साथ जोड़ा जा रहा है। अफेयर की चर्चाओं के बीच अब एक्ट्रेस अपने कथित बॉयफ्रेंड के साथ राजस्थान के आदिनाथ जैन मंदिर पहुंचीं। मलाइका और हर्ष की तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। इन तस्वीरों के सामने आने के बाद दोनों की अफेयर की खबरों को और भी हवा मिल रही है।

फैंस के साथ खिंचाईं तस्वीरें

पाली जिले के नरलाई गांव में स्थित इस ऐतिहासिक मंदिर में मलाइका अरोड़ा के अपने कथित बॉयफ्रेंड के साथ पहुंचते ही उन्हें देखने वालों की भी भीड़ वहां मौजूद हो गई। इस दौरान मलाइका अरोड़ा सफेद रंग के सलवार-सूट में नजर आईं। जबकि हर्ष ब्लैक शर्ट और मेहंदी कलर की पैंट में दिखाई दिए। दोनों ने फैंस के साथ से बातचीत भी की और तस्वीरें भी खिंचाईं। अब उनकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हैं। इस दौरान दोनों मंदिर में पूजा-पाठ में भी शामिल हुए।

पिछले कुछ दिनों से मलाइका अरोड़ा का नाम मुंबई के हीरा व्यापारी हर्ष मेहता के साथ जोड़ा जा रहा है। ऐसी भी अफवाहें हैं कि दोनों ने वैलेंटाइन वीक इटली में साथ बिताया। यह पहली बार नहीं है जब उनके कथित रिश्ते को लेकर ऑनलाइन चर्चा हो रही है। यह चर्चा तब और तेज हो गई, जब मलाइका मुंबई में एनरिक इग्लेसियस के कॉन्सर्ट में एक मिस्ट्री मैन के साथ पहुंचीं थीं, जिसकी पहचान बाद में हर्ष के रूप में हुई। हालांकि, वे अलग-अलग निकले, लेकिन उनकी साफ दिख रही दोस्ती ने अटकलों को और हवा दी।

मलाइका को परेशान करती हैं डेटिंग की खबरें

हाल ही में कर्ली टेल्स के साथ मलाइका ने डेटिंग को लेकर लगातार होने वाली चर्चाओं पर प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा था, ‘अब यह परेशान करने वाला हो गया है। मैं इसे बस एक मजाक समझती हूं।

अरहान और मैं इन सब बातों पर बहुत हंसते हैं।’ फिलहाल अभी तक सिर्फ चर्चाएं हैं। न तो मलाइका और न ही हर्ष ने इस रिश्ते की पुष्टि की है, लेकिन अफवाहें लगातार बढ़ती जा रही हैं।

अभिनेत्री से प्रोड्यूसर की कुर्सी पर बैठीं सयानी गुप्ता लॉन्च किया प्रोडक्शन हाउस पहली फिल्म का किया एलान

अभिनेत्री सयानी गुप्ता ने 'आर्टिकल 15', 'जॉली एलएलबी 2', 'फैन' और 'पाच्र्ड' जैसी फिल्मों में काम किया है। अब वे बतौर निर्माता अपने करियर की शुरुआत कर रही हैं। सयानी ने अपना प्रोडक्शन हाउस, 'सयानी गुप्ता मूवीज' लॉन्च किया है। इस प्रोडक्शन हाउस की शुरुआत उनकी पहली शॉर्ट फिल्म 'आसमानी' से हो रही है, जो इस बैनर के तहत बनने वाला पहला प्रोजेक्ट है।

सयानी बोलीं- 'स्टोरीटेलिंग में शामिल होना चाहती हूं'

फिल्मों और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर एक दशक से ज्यादा समय तक काम करने के बाद अभिनत्री सयानी गुप्ता का कहना है कि प्रोडक्शन की तरफ उनका यह कदम इसलिए है, क्योंकि अब वे स्टोरीटेलिंग में ज्यादा शामिल होना चाहती हैं।

'धीरे-धीरे, लेकिन लगातार आगे बढ़ेंगे'

सयानी ने कहा, 'यह मेरा एक पुराना सपना रहा है। मैं हमेशा से कुछ खास तरह की कहानियां कहना चाहता थी और इसका मकसद सहयोग के लिए एक ऐसा माहौल बनाना है, जो काम को सरल और सहज बनाए। हम धीरे-धीरे, लेकिन लगातार आगे बढ़ेंगे। एक समय में सिर्फ एक फिल्म पर ध्यान देंगे। हमारे लिए लेखन की गुणवत्ता, कला और कहानी कहने का तरीका हमेशा पहले रहेगा। ऐसा करने के लिए, हर प्रोजेक्ट को सही समय, देखभाल और पूरा ध्यान देना जरूरी है'।

इन फिल्मों के प्रोडक्शन में भूमिका निभा चुकी हैं सयानी

शॉर्ट फिल्म 'आसमानी' SGM का पहला प्रोजेक्ट है। इसमें रेवती के साथ-साथ दरिया बेदी और अभय कौल मुख्य भूमिका में हैं। इसे सयानी ने लिखा है। निर्देशन का जिम्मा भी उन्होंने ही संभाला है और वे ही इसे प्रोड्यूस कर रही हैं।

हालांकि, इससे पहले उन्होंने 'व्हेयर द विंड्स ब्लो' और 'ऊपर नीचे' जैसे प्रोजेक्ट्स के साथ-साथ 'डियर मेन' और ऑस्कर के लिए क्वालिफाई करने वाली फिल्म 'शेमलेस' जैसी कई शॉर्ट फिल्में को-प्रोड्यूस की थीं, लेकिन 'आसमानी' उनका पहला पूरी तरह से अपना प्रोडक्शन है।

इस फिल्म के लिए सयानी ने पूरे महाराष्ट्र में लोकेशन ढूंढने में एक साल से ज्यादा समय बिताया। आखिरकार पुणे को उन्होंने अपना बेस बनाया, क्योंकि उनके पुराने संस्थान FTII से उनका गहरा जुड़ाव था।

बॉलीवुड में काम करने पर क्या बोले नागा चैतन्य?

साउथ के अभिनेता नागा चैतन्य अपनी अपकमिंग फिल्म 'वृषकर्मा' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने साउथ के अलावा आमिर खान की फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' (2022) में भी काम किया है। हाल ही में उन्होंने बताया कि अपनी पहली हिंदी फिल्म के बाद उन्होंने कोई दूसरी हिंदी फिल्म क्यों साइन नहीं की। एक्टर का यह बेबाक जवाब तब आया है जब फैंस लगातार उनसे बॉलीवुड से उनकी गैरमौजूदगी के बारे में सवाल कर रहे हैं।

क्या हिंदी में काम करना चाहते हैं अभिनेता?

हिंदी सिनेमा में काम करने को लेकर उन्होंने कहा 'इसका कोई खास कारण नहीं है। यकीनन, मैं नए मौकों के लिए तैयार हूं। बस उस फिल्म के बाद, मैं यहां (साउथ) के प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहा था। उनमें मेरा काफी समय और मेहनत लगी। इसलिए, मैं हिंदी फिल्मों में काम करने के मौके का इंतजार कर रहा हूं। अपनी पूरी ऊर्जा के साथ वहां फिर से कुछ खास करने की उम्मीद कर रहा हूं।'

प्रेरित करने वाली हो फिल्म

नागा चैतन्य ने आगे कहा 'अब भाषा कोई रुकावट नहीं रही, दर्शक अलग-अलग भाषाओं की हर तरह की फिल्में देखते हैं। मैं हिंदी फिल्म करने के लिए तैयार हूं, लेकिन वह कुछ ऐसी होनी चाहिए जो मुझे प्रेरित करे। वह कुछ नई होनी चाहिए, जिसमें मुझे उन फिल्ममेकर्स के साथ काम करने का मौका मिले, जिन्हें मैं सच में पसंद करता हूं।'

बॉलीवुड के बारे में क्या बोले अभिनेता?

लाल सिंह चड्ढा के बारे में बात करते हुए नागा चैतन्य ने कहा 'मुझे उस फिल्म की शूटिंग में बहुत मजा आया। मैंने बहुत कुछ सीखा। वहां के लोग बहुत ही मिलनसार थे। उन्होंने मेरा बहुत अच्छे से ख्याल रखा। इसलिए, मेरा यह अनुभव शानदार था। बॉक्स ऑफिस पर कुछ फिल्मों में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। इस फिल्म के नतीजों ने मेरी सोच में किसी भी तरह का कोई बदलाव नहीं किया है।' नागा चैतन्य आखिरी बार फिल्म 'तंडेल' में नजर आए थे। अगली बार अभिनेता फिल्म 'वृषकर्मा' में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म इसी साल रिलीज होगी।

संयुक्ता ने बताया किस एक्टर के साथ दोबारा काम करना चाहेंगी? कहा -धनुष अपने काम में मस्त रहते हैं

धनुष के साथ फिल्म ‘वाथी’ में अपने अभिनय से सुर्खियां बटोरने वाली अभिनेत्री संयुक्ता इस साल कई फिल्मों में नजर आने वाली हैं। हालांकि, एक्ट्रेस ने फिर से धनुष के साथ काम करने की संभावनाओं के बारे में बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि क्यों धनुष के साथ वो काफी कंफर्टेबल महसूस करती हैं।

धनुष को बताया शानदार एक्टर

जब संयुक्ता से पूछा गया कि वह किस अभिनेता के साथ दोबारा काम करना चाहेंगी? इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि मैं उन सभी मलयालम अभिनेताओं के साथ काम करना चाहूंगी, जिनके साथ मैंने काम किया है। साथ ही धनुष के साथ भी मैं दोबारा काम करना चाहूंगी। वह शानदार अभिनेता हैं। जब वो कोई स्क्रिप्ट चुनते हैं, तो आप समझ जाते हैं कि वो अच्छी कहानी है।

अपने काम में मस्त रहते हैं धनुष

‘वाथी’ में धनुष के साथ काम करने के अनुभव को याद करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि उनके साथ काम करना बहुत बढ़िया था। मेरा मतलब है मुझे यकीन है कि आपने इसे देखा होगा। उनके साथ एनर्जी लेवल अलग ही होता है। वो कम बोलने वाले, बेहद पढ़ने वाले व्यक्ति हैं। वो अपने काम में मग्न रहते हैं। कैमरे के सामने उनका शांत स्वभाव, पर्दे पर उनकी ताकत को दिखाता है।

ऐसा लगता है जैसे वो अपना सारा जोश कैमरे के सामने वाले उस एक पल के लिए बचाकर रखते हैं।

जब निर्देशक एक्शन कहते हैं, तो वो अपना पूरा जोर लगा देते हैं। वेंकी अट्लुरी द्वारा निर्देशित पीरियड एक्शन ड्रामा 'वाथी' 2023 में रिलीज हुई थी। यह उस साल की सबसे अधिक कमाई करने वाली तमिल फिल्मों में से एक है।

ऐसा रहा संयुक्ता का करियर

संयुक्ता के करियर की बात करें तो उन्होंने मलयालम फिल्म ‘पॉपकॉर्न’ से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने कल्कि (2019), एडक्कड़ बटालियन 06 (2019), भीमला नायक (2022), कडुवा (2022), बिम्बिसारा (2022), गालीपाटा 2 (2022), वाथी (2023) और विरुपाक्षा (2023) जैसी कमर्शियल रूप से सफल फिल्मों में काम किया। संयुक्ता आखिरी बार 2025 में रिलीज हुई ‘अखंडा 2ः थांडवम’ और ‘नारी नारी नादुमा मुरारी’ में नजर आई थीं।

‘कांतारा’ फेम एक्ट्रेस सप्तमी गौड़ा पीरियड एक्शन ड्रामा में आएंगी नजर!

सप्तमी गौड़ा ने अपने करियर की शुरुआत डायरेक्टर सूरी की फिल्म ‘पॉपकॉर्न मंकी टाइगर’ से की थी। इसके बाद उन्हें ऋषभ शेट्टी की फिल्म ‘कांतारा’ से बड़ी पहचान मिली। इस फिल्म के बाद उन्होंने हिंदी और तेलुगु फिल्मों में भी काम करना शुरू कर दिया है। अब उनकी अगली फिल्म को लेकर बड़ी अपडेट सामने आ रही है।

500 साल पहले की कहानी पर होगी फिल्म

एक्ट्रेस सप्तमी गौड़ा जल्द ही एक्टर श्रीमुरली के साथ आने वाली पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म ‘उग्रयुद्धम’ में नजर आ सकती हैं। फिलहाल इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इंडस्ट्री सूत्रों के मुताबिक सप्तमी को इस फिल्म में फीमेल लीड के तौर पर कास्ट किया गया है।इस फिल्म को डेब्यू डायरेक्टर पुनीत रुद्रनाग डायरेक्ट कर रहे हैं, वहीं इसे जयाराम देवसमुद्रा सुरम मूवीज के बैनर तले प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म बड़े स्तर पर बनाई जा रही है और इसमें इतिहास और फिक्शन देखने को मिलेगा। कहानी लगभग 500 साल पहले के समय पर आधारित बताई जा रही है।

श्रीमुरली ने ‘उग्रयुद्धम’ को बताया ड्रीम प्रोजेक्ट

यह पहली बार होगा जब सप्तमी गौड़ा और श्रीमुरली एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। श्रीमुरली ने ‘उग्रयुद्धम’ को अपना ड्रीम प्रोजेक्ट बताया है और अपने किरदार के लिए वह खास तैयारी भी कर रहे हैं।

खबर है कि वह इस फिल्म में एक नए लुक में नजर आएंगे, जो फिल्म के ऐतिहासिक माहौल के मुताबिक होगा। फिलहाल सप्तमी के रोल को लेकर ज्यादा जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

हाल ही में ‘द राइज ऑफ अशोका’ में नजर आने के बाद ‘उग्रयुद्धम’ उनकी फिल्मों की लिस्ट में एक बड़ा प्रोजेक्ट मानी जा रही है।

फिल्म की टेक्निकल टीम में सिनेमैटोग्राफर संकेथ (मैसूर), आर्ट डायरेक्टर अमर और वीएफएक्स का काम निर्मल कुमार संभाल रहे हैं, जो ‘सलार’ में अपने काम के लिए जाने जाते हैं।

‘हलागली’ में भी नजर आएंगी सप्तमी

‘उग्रयुद्धम’ के अलावा सप्तमी गौड़ा एक और पीरियड फिल्म ‘हलागली’ में भी नजर आएंगी, जिसे सुकेश नायक डायरेक्ट कर रहे हैं और इसमें धनंजय भी उनके साथ हैं। इस फिल्म की शूटिंग फिलहाल जारी है।

पूरे देश में 1100 हॉक्स मेल भेजकर फैलाई दहशत

बेरोजगारी से था फस्ट्रेट, दिल्ली पुलिस ने मैसूर से पकड़ा

बेंगलुरु, 30 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक में मैसूर के रहने वाले 47 साल के एक शख्स को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उस पर आरोप है कि उसने पूरे भारत में स्कूलों, हाईकोर्ट और सरकारी दफ्तरों को निशाना बनाते हुए 1100 से ज्यादा झूठे धमकी भरे मैसेज भेजे थे।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी श्रीनिवास लुइस मानसिक तनाव से जूझ रहा है और उसने ईमेल भेजने की बात कबूल कर ली है। हालांकि पुलिस ने कहा कि इन मैसेज को भेजने के पीछे की असली वजह का पता तब चलेगा, जब आरोपी को दिल्ली लाया जाएगा और उससे विस्तार से पूछताछ की जाएगी।

दिल्ली पुलिस ने चलाया ऑपरेशन

दरअसल यह गिरफ्तारी तब हुई, जब दिल्ली पुलिस ने लोकल पुलिस टीमों के साथ मिलकर एक साझा ऑपरेशन चलाया। हाल के दिनों में दिल्ली हाईकोर्ट,

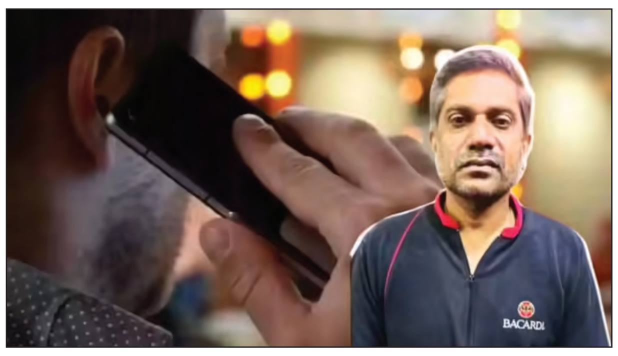

विधानसभा और कई शिक्षा और सरकारी संस्थानों को बम से उड़ाने की धमकियां मिली थीं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इन धमकियों की वजह से सुरक्षा बढ़ा दी गई थी और संस्थानों के कामकाज में रुकावट आई थी।

बेरोजगारी के फस्ट्रेशन में की हरकत

गुरुवार को पुलिस ने श्रीनिवास लुइस को मैसूर के वृंदावन लेआउट में किराए के घर से गिरफ्तार किया। लुइस पोस्टग्रेजुएट है और मूल रूप से बेंगलुरु का रहने वाला है। फिलहाल वह बेरोजगार है और अपनी मां के साथ रहता है, जो एक रिटायर्ड सरकारी कर्मचारी हैं। पुलिस की माने तो बेरोजगारी के फस्ट्रेशन में उसने ये हरकत की।

अधिकारियों के मुताबिक, शुरुआती जांच से पता चलता है कि आरोपी शायद मानसिक तनाव से जूझ रहा है। अधिकारियों ने यह भी कहा कि उसने जान-बूझकर पूरे देश के जाने-माने संस्थानों को निशाना बनाया, ताकि ज्यादा से ज्यादा दहशत फैलाई जा सके। शुरुआती जांच के दौरान आरोपी ने कथित तौर पर 1100 से ज्यादा धमकी भरे मैसेज भेजने की बात कबूल की। पुलिस ने बताया कि ये मैसेज ईमेल और दूसरे कम्युनिकेशन चैनलों के जरिए भेजे गए थे।

अलग-अलग राज्यों में एफआईआर दर्ज

इन मैसेज की वजह से अलग-अलग राज्यों में एफआईआर दर्ज की गईं।

जांच के बाद संदिग्ध की पहचान हुई, जिसके बाद पुलिस टीम उसे गिरफ्तार करने के लिए मैसूर गई।

एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपी के पास से एक लैपटॉप और कई सिम कार्ड भी बरामद किए। अधिकारी उन सभी मैसेज की पूरी जानकारी जुटा रहे हैं, जो भेजे गए थे।

मोबाइल पासवर्ड बदलने पर दोस्त को मार-डाला

सक्ती, 30 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में 1800 रुपए के लिए दो युवकों ने अपने ही दोस्त की जान ले ली। आरोप है कि राहुल कुर्मी (25) ने युवक के मोबाइल का फेस पासवर्ड बदल दिया था और जेब से पैसे निकाले थे। जिसके बाद नाराज नारायण यादव ने कपड़े से उसका गला घोंट दिया।

मामला मालखरौदा थाना क्षेत्र का है। गला घोंटने के बाद भी जब राहुल की सांस चल रही थी, तो इंद्रकुमार गबेल ने सिर पर ईंट मारकर उसे मौत के घाट उतारा। 28 मार्च की शाम घर के पास ही राहुल की लाश मिली। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

28 मार्च की शाम करीब 4 बजे बंदोरा गांव में राहुल कुर्मी (25) के घर के पास इंद्र कुमार गबेल (35) और नारायण यादव (20) पहुंचे। इंद्र कुमार ने राहुल से अपने 1800 रुपए वापस मांगे।

असम के चुनाव मैदान में नीतीश कुमार का रास्ता अपनाकर आगे बढ़ रहे हेमंत सोरेन

रांची, 30 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड फतह क्या की अब इससे एक कदम आगे संपूर्ण आदिवासी समाज नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ चला है। आदिवासी नेता आदिवासियों के बीच अपनी स्वीकार्यता को लेकर असम विधानसभा चुनाव की जंग में उतर चुके हैं। उनके निशाने पर असम की करीब 3.12 करोड़ आबादी में शामिल 25 प्रतिशत आदिवासी लोग शामिल हैं।

हेमंत सोरेन ने असम के आदिवासियों को आकृष्ट करने के लिए उन योजनाओं को प्रचार प्रसार करना शुरू कर दिया है जो सीधे आदिवादियों की जिंदगी को बेहतर बनाने वाली हैं। जानते हैं किन योजनाओं के सहारे झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पार्टी विस्तार का सपना देख रहे हैं।

बिहार की राजनीति में लाभकारी योजनाओं के सहारे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जिस तरह से महागठबंधन की उम्मीद तोड़कर बंपर जीत हासिल की थी, ठीक उसी अंदाज में हेमंत सोरेन असम में अपनी मजबूत स्थिति बनाने के लिए असम के आदिवासियों के जीवन में विकास का रंग घोलने का वादा करने लगे हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम)के रणनीतिकार झारखंड की ही तरह यह वादा कर रहे हैं कि उनके समर्थन से सरकार बनेगी तो वे आदिवासी महिलाओं के लिए मैया सम्मान योजना की शुरुआत करके 2500 रुपए प्रति माह देंगे। जेएमएम का दूसरा वादा रोजगार को लेकर है। पार्टी का कहना है कि वह असम के युवाओं को घर पर काम देने की पहल भी करेगी। वह अपने साथी दल पर दबाव बनाकर असम से पलायन को रोकेगी । स्वरोजगार के लिए रियायती दरों पर ऋण और 2 लाख रुपये तक की सहायता का भी वादा किया जा रहा है।

जेएमएम का वादा है कि वह झारखंड की तरह बेघरों को घर देने का निरंतर अभियान चलाएगी। बिरसा आवास योजना असम में भी चलाकर इस समस्या को हल किया जाएगा। पार्टी मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास सहायता योजना के तहत अधूरे घरों को पूरा करने के लिए 50,000 रुपये की सहायता देने का वादा भी कर रही है। झारखंड में छात्रवृत्ति योजना जिस तरह से चल रही हैं, उसी तरह यह योजनाएं असम में भी चलाई जाएंगी। शिक्षा, आवास, स्वरोजगार और स्वास्थ्य पर केंद्रित योजनाएं असम में भी लागू कराई जाएंगी।

ट्रक ने स्कूटी सवार डिस्कॉम कर्मचारी को कुचला, मौत

डीडवाना-कुचामन, 30 मार्च (एजेंसियां)। डीडवाना-कुचामन जिले में ट्रक ने स्कूटी सवार डिस्कॉम कर्मचारी (संविदाकर्मी) को कुचल दिया। हादसे में 30 वर्षीय कर्मचारी का सिर फटकर कई टुकड़ों में सड़क पर बिखर गया। कर्मचारी की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि स्कूटी पर उसके साथ जा रहा उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया।

मामला मौलासर थाने के निमोद का है। हादसा सोमवार दोपहर करीब 12:30 बजे रणवा पेट्रोल पंप के पास हुआ। हादसे में अंकित की मौके पर ही मौत हो गई, उसके साथी मनीष को इलाज के लिए मौलासार ले जाया गया, जहां से उसे कुचमान के सरकारी हॉस्पिटल ले जाया गया। हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार कुचामन निवासी अंकित कुचामन डिस्कॉम ऑफिस में संविदा पर लगा हुआ था। बिजली के मीटर लगाने का काम करता था। उसका साथी मनीष भी उसके साथ ही मीटर लगाने का काम करता है।

सोमवार को अंकित और मनीष सिंह मौलासर गांव में बिजली का मीटर लगाने जा रहे थे। इसी दौरान पेट्रोल पंप के पास पीछे से आ रहे ट्रक ने अंकित की स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद अंकित स्कूटी समेत ट्रक के नीचे आ गया। जबकि मनीष दूसरी तरफ गिर गया।

ट्रक अंकित के सिर को कुचलता हुआ पेट्रोल पंप की तरफ जाने लगा। हादसा देख पेट्रोल पंप पर मौजूद कर्मचारी दौड़कर आए और ट्रक को रुकवाया।

हादसा इतना दर्दनाक था कि अंकित की मौके पर ही मौत हो गई। एक्सीडेंट में उसका सिर बुरी तरह से कुचल गया और सिर के टुकड़े सड़क पर फैल गए। वहीं उसका दूसरी साथी गंभीर घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए मौलासार ले गया, जहां से उसे कुचमान के सरकारी हॉस्पिटल ले जाया गया। वहीं हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी के बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

15.40 करोड़ की मोबाइल टावर चोरी करने वाले गैंग का सरगना शाहरुख मलिक गिरफ्तार

80 करोड़ की लूट का खुलासा

मेरठ, 30 मार्च (एजेंसियां)। मेरठ पुलिस की स्वाट टीम ने मोबाइल टावरों को निशाना बनाकर करोड़ों की लूट करने वाले एक शातिर गैंग का पर्दाफाश करते हुए उसके सरगना शाहरुख मलिक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से विभिन्न राज्यों से चोरी किए गए मोबाइल टावर उपकरण, कीमती कार्ड और अन्य सामान बरामद हुआ है, जिसकी कुल कीमत करीब 15.40 करोड़ रुपये बताई जा रही है। यह गिरोह लंबे समय से कई राज्यों में सक्रिय था और अभी तक 80 करोड़ से ज्यादा के उपकरण चोरी कर चुका था, आरोपी के खिलाफ 13 जिलों में 72 मुकदमे दर्ज हैं।

एसएसपी अविनाश पांडेय ने बताया कि उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड समेत कई राज्यों में मोबाइल टावरों से लगातार चोरी और लूट की घटनाएं सामने आ रही थीं। बदमाश खासतौर पर टावरों से बेस बैंड यूनिट (बीबीयू) और अन्य महंगे उपकरण चोरी कर लेते थे, जिससे मोबाइल नेटवर्क बाधित हो जाता

था। कंपनियों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता था।

इस समस्या से निपटने के लिए एक टेलीकॉम कंपनी ने अपने बीबीयू यूनिट में ट्रैकिंग डिवाइस लगाना शुरू किया। हाल ही में पंजाब में एक टावर से बीबीयू चोरी होने के बाद उसकी लोकेशन ट्रैक की गई, जो मेरठ के जाकिर कॉलोनी में जाकर बंद हो गई। इसके बाद कंपनी के सुरक्षा अधिकारियों ने मेरठ पुलिस को सूचना दी।

एसएसपी के निर्देश पर स्वाट टीम और लोहियानगर पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाते हुए एक सप्ताह की कड़ी निगरानी और जांच के बाद गैंग के सरगना शाहरुख मलिक को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के घर की तलाशी लेने पर पुलिस को 237 बीबीयू यूनिट और 156 कॉपर कार्ड बरामद हुए। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इन उपकरणों की कीमत लगभग 15.40 करोड़ रुपये है।

पुलिस के अनुसार, शाहरुख पर केवल पंजाब के 13 जिलों में मोबाइल टावर लूट के 72 मुकदमे दर्ज हैं। इसके अलावा मुरादाबाद में भी उसके खिलाफ एक मामला दर्ज है।

नर्मदापुरम की पल्लवी ने धार्मिक ग्रंथों को रिवर्स राइटिंग में लिखा

25 साल की मेहनत के बाद इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज

नर्मदापुरम, 30 मार्च (एजेंसियां)। रिवर्स राइटिंग में नर्मदापुरम की बेटी ने नया रेकॉर्ड बनाया है। इस क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित कर पूरे क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। इसके लिए पल्लवी चौकसे ने 25 वर्षों तक साधना की है। इसके बाद उनका नाम इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्डस 2026 में दर्ज किया गया है। उन्होंने रिवर्स राइटिंग की प्रैक्टिस साल 2000 से शुरू की थी।

इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज हुआ नाम

दरअसल, पल्लवी चौकसे का नाम मिरर इमेज लेखन के लिए इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स 2026 में दर्ज हुआ है। पल्लवी ने वर्ष 2000 से पढ़ाई के दौरान सामान्य और उल्टे अक्षरों में लिखने का अभ्यास शुरू किया। उनकी इस विलक्षण प्रतिभा को उनके पिता अरुण पारे ने पहचाना और लगातार प्रोत्साहित किया। वहीं, उनकी माता अलका पारे से मिले संस्कारों ने उनकी कला को आध्यात्मिक दिशा दी।

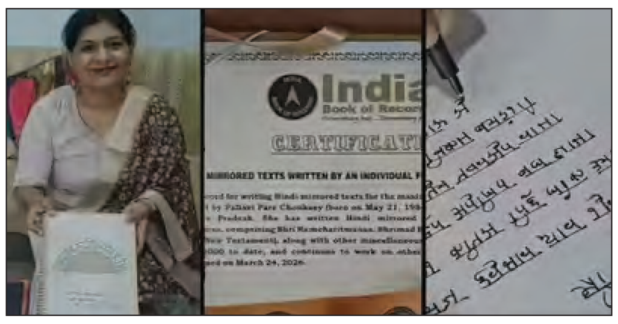

उन्होंने महान ग्रंथों को 'उल्टा' लिखने का अद्भुत कारनामा पिछले ढाई दशकों में किया है। पल्लवी ने कठिन साधना के साथ कई प्रमुख धार्मिक और साहित्यिक ग्रंथों को रिवर्स राइटिंग में लिखा है, जिनमें श्रीरामचरितमानस, श्रीमद्भगवद्गीता, मधुशाला और बाइबिल शामिल हैं। यह उपलब्धि अपने आप में दुर्लभ और प्रेरणादायक मानी जा रही है। पल्लवी अपनी उपलब्धि का श्रेय सत्य साईं बाबा की कृपा को देती हैं। उनके जीवन का सबसे भावुक क्षण तब आया, जब उनके द्वारा रिवर्स राइटिंग में लिखित श्रीरामचरितमानस को साईं बाबा ने आशीर्वाद स्वरूप स्पर्श किया। पल्लवी इसे अपनी साधना का सबसे बड़ा प्रतिफल मानती हैं।

मैं 2000 से रिवर्स राइटिंग कर रही हूं। पहले ऐसे ही लिखती थी। फिर मेरे पिता ने कहा कि इस विद्या को आगे बढ़ाओं और कुछ बड़ा लिखो। मैंने इसके बाद ग्रंथों को उल्टा लिखना शुरू कर दी। यह 25 वर्षों की मेरी साधना है।

उन्होंने कहा कि अभी भी मैं इसके लिए कुछ समय देती हूं। यह मेरी लिए बड़ी उपलब्धि है। पल्लवी चौकसे की उपलब्धि पर परिवार में खुशी की लहर है। साथ ही परिवार का कहना है कि उसकी मेहनत को यह सम्मान मिला है।

भोपाल में 'नशेड़ी' लड़कियों के बीच सड़क पर मारपीट

बाल पकड़-पकड़कर मारे, तमाशा देख ठहरे लोग

भोपाल, 30 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में नशेड़ी लड़कियों का वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो एमपी नगर का बताया जा रहा है, जहां लड़कियों ने रात में शराब के नशे में मारपीट की है।

लड़कियां एक-दूसरे का बाल खींच रही थीं और लात-घूसे बरसा रही थीं। हालांकि किसी पक्ष ने एफआईआर दर्ज नहीं करवाई है। ऐसे में पुलिस को घटना के बारे में जानकारी नहीं है।

सड़क पर लड़कियों में हुई मारपीट

घटना एमपी नगर जोन-2 की है। सड़क पर देर रात कुछ लड़कियां आपस में मारपीट कर रही थीं। इस दौरान वहां से गुजर रहे लोगों ने इसका वीडियो बना लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ये लड़कियां नशे की हालत में थीं। एक युवती को इस मारपीट में चोट भी आई है, जिसका इलाज चल रहा है।

वीडियो वायरल होने के बाद एमपी नगर थाने ने कहा है कि हमें इसकी कोई जानकारी नहीं है। घटना की सूचना भी नहीं मिली थी और न ही, किसी पक्ष ने एफआईआर दर्ज करवाई है।

नशे में थीं लड़कियां

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो भोपाल के एमपी नगर का

1. आपस में लड़कियों ने की है मारपीट
2. एक लड़की के चोटिल होने की खबर
3. पुलिस में किसी ने दर्ज नहीं करवाई है शिकायत
4. विवाद के कारणों का पता नहीं

वहीं, लड़कियों में विवाद क्यों हुआ, इसकी वजहों का खुलासा नहीं हुआ है। एमपी नगर जैसे एरिया में इस तरह की घटना के बाद पुलिस की चौकसी को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। इस इलाके में कई बड़े पब भी हैं। आशंका व्यक्त की जा रही हैं कि लड़कियां वहीं से निकली होंगी। गौरतलब है कि भोपाल में पूर्व में भी ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं। जब शराब पीकर लड़कियों ने गदर काटा है। कई बार लड़कियां पुलिस से भी भिड़ती रही हैं।

'बेटा' सुनते ही भड़का बदमाश चाकू घोंपकर कारोबारी की हत्या

भोपाल में अपने कर्मचारियों को छोड़ने गया था, रास्ते में विवाद के दौरान समझा रहा था

भोपाल, 30 मार्च (एजेंसियां)। भोपाल के अशोका गार्डन इलाके में मामूली विवाद ने रविवार देर रात खौफनाक रूप ले लिया। 'बेटा' कहकर समझाने की कोशिश करने पर आरोपियों ने 35 साल के चाय कारोबारी की चाकू घोंपकर हत्या कर दी।

सोमवार सुबह गुस्साए परिजन और स्थानीय लोगों ने सुभाष कॉलोनी में चक्काजाम कर दिया। पुलिस की समझाइश के बाद करीब आधे घंटे में जाम खुल सका।

इस दौरान परिजन का पुलिस से विवाद भी हुआ।

परिजन हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं के साथ थाना परिसर में प्रदर्शन किया।

इधर, हमीदिया अस्पताल की मॉर्चुरी के सामने भी मृतक के परिजन ने हंगामा किया था।

यहां पुलिस बल तैनात किया गया है। अशोका गार्डन थाना प्रभारी अनुराग लाल ने बताया कि मामूली विवाद में हत्या हुई है। तीन संदेहियों को हिरासत में लिया गया है, जबकि मुख्य आरोपी आसिफ उर्फ बम फरार है। उसकी तलाश की जा रही है।

सीतापुर में तड़के 3 बजे मस्जिद को ढहाया

5 बुलडोजर और 500 पुलिसवाले लेकर पहुंचे एडीएम, 12 साल पहले बनी थी

सीतापुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। यूपी के सीतापुर में मस्जिद को बुलडोजर से ढहा दिया गया। मस्जिद 12 साल पहले बनाई गई थी। एडीएम नीतीश कुमार अफसरों के साथ सोमवार तड़के 3 बजे मौके पर पहुंचे। बुलडोजर मंगाए गए। इसके बाद मस्जिद को ढहाने की कार्रवाई हुई। सुबह 8 बजे तक मस्जिद को जमींदोज कर दिया।

मस्जिद जिला मुख्यालय से 42 किलोमीटर दूर लहरपुर कोतवाली क्षेत्र के नयागांव बेहटी में बनी थी।

अफसरों ने बताया- मस्जिद अवैध तरीके से तालाब की जमीन पर बनाई गई थी।

ग्राम सभा की शिकायत पर तहसील कोर्ट ने मस्जिद को गिराने का आदेश दिया था। बुलडोजर कार्रवाई के दौरान ADM, ASP, SDO समेत 500 पुलिस वाले तैनात रहे।

मस्जिद के मौलाना अब्दुल रहमान ने कार्रवाई के खिलाफ कुछ भी बोलने से इनकार किया।

कहा- यह सियासी मसला है। इस पर कुछ कहना उचित नहीं है। नयागांव बेहटी में 12 साल पहले 0.2430 हेक्टेयर यानी करीब डेढ़ बीघा जमीन पर मस्जिद 'सैयद हजरत उमर फारूक' का निर्माण कराया गया था। जमीन की कीमत 6 करोड़ रुपए है।

मस्जिद के निर्माण में 1 करोड़ रुपए की लागत आई थी। मस्जिद में 120 फीट लंबा और 90 फीट चौड़ा एक हॉल था। इसके अलावा 4 छोटे-छोटे कमरे थे।

मस्जिद की देखरेख की जिम्मेदारी मुतवल्ली आलम के पास थी।

महिला ने बेटियों का सरनेम बदला, पिता ने की शिकायत

पत्नी और स्कूल प्रबंधन पर केस, डेयरी बोनस घोटाले में भी शामिल होने के आरोप

वडोदरा, 30 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात के वडोदरा में एक महिला ने अपनी दोनों बेटियों का सरनेम बदल दिया। बच्चियों के पिता की शिकायत और कोर्ट के आदेश पर पत्नी और वीबग्योर स्कूल के मालिक रुस्तम केरावाला के खिलाफ अटलादरा पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है।

44 साल के अभिषेक अशोक कुमार मिश्रा ने शिकायत में कहा कि उनकी पत्नी 2019 में दूधसागर डेयरी में नौकरी के लिए मेहसाणा गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि वह वहां पूर्व गृह मंत्री विपुल चौधरी के साथ रहने गई थी।

अभिषेक ने दावा किया कि पत्नी के अनैतिक संबंधों से दूधसागर डेयरी में बोनस घोटाला हुआ। यह साजिश तब रची गई जब उनकी पत्नी एचआर डिपार्टमेंट में थी।

उन्होंने कहा कि 2019 में इसकी जानकारी गुजरात सरकार को दी थी। मामला गुजरात हाईकोर्ट में चल रहा है।

अभिषेक मूल रूप से दिल्ली के रहने वाले हैं और अभी वडोदरा में रहते हैं। साल 2011 में उनकी शादी वडोदरा निवासी अंकिता चौहान से हुई थी। दोनों की दो बेटियां हैं।

अभिषेक का आरोप है कि उनकी पत्नी दोनों बेटियों को उनकी मर्जी के बिना अपने साथ मेहसाणा ले गई। वहां उनका स्कूल में दाखिला कराया गया।

उस समय दोनों बच्चियों के सभी दस्तावेजों, जन्म प्रमाण पत्र और पासपोर्ट में मिश्रा सरनेम था। स्कूल में दोनों बेटियों का सरनेम मिश्रा से बदलकर चौहान कर दिया गया।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि यह बदलाव बिना कोर्ट के आदेश और बिना गुजरात गजट में आवेदन के किया गया, जो पूरी तरह अवैध है।

पत्नी देश छोड़कर जा सकती है

अभिषेक ने आरोप लगाया है कि उनकी पत्नी नाम और पहचान बदलकर देश छोड़ने की तैयारी कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि पत्नी और उसकी बहन कई परिवारों को वैवाहिक विवादों में फंसाकर आर्थिक लाभ लेने का प्रयास कर चुकी हैं।

स्कूल प्रबंधन पर फर्जी दस्तावेज बनाने का आरोप

अभिषेक मिश्रा ने वीबग्योर स्कूल प्रबंधन पर भी फर्जी दस्तावेज तैयार करने और रिकॉर्ड में हेरफेर करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि स्कूल अधिकारियों ने उन्हें कई बार भरोसा दिलाया कि बच्चों के रिकॉर्ड में सुधार कर दिया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं किया गया।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि स्कूल प्रबंधन ने उन्हें कोर्ट न जाने के लिए लगातार गुमराह किया।

अटलादरा पुलिस ने कोर्ट के आदेश के आधार पर शिकायत दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

फिलहाल पुलिस दस्तावेजों की वैधता, स्कूल रिकॉर्ड में बदलाव और लगाए गए अन्य आरोपों की जांच कर रही है।

चंडीगढ़-हरियाणा नर्सिंग कॉलेज चेयरमैन पर एचसी में खुलासे

8 छात्राओं ने कहा- कमर से चादर हटाई बाथरूम में फंसा ब्रा स्ट्रैप खींची

चंडीगढ़, 30 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के हिसार स्थित एक प्राइवेट नर्सिंग कॉलेज के चेयरमैन को पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट से जमानत मिल गई। चेयरमैन जगदीश गोस्वामी पर छात्राओं के यौन उत्पीड़न और एस/एसटी एक्ट जैसी धाराओं के तहत एफआईआर हुई थी। गोस्वामी करीब 3 महीने जेल में रहा। गोस्वामी पर उस वक्त 8 लड़कियों ने आरोप लगाए थे।

इस मामले में अब कोर्ट का ऑर्डर आने के बाद छात्राओं के लगाए आरोप सामने आए हैं। जिसमें छात्राओं ने कहा- जबरन बाथरूम में फंसाकर उनकी ब्रा स्ट्रैप खींचने की कोशिश की। हॉस्टल में आकर पैर दबाने को कहा। सोते वक्त गुपचुप ढंग से चादर हटा दी। ऐसे ही कई गंभीर आरोप छात्राओं ने लगाए।

हालांकि इस मामले में गोस्वामी

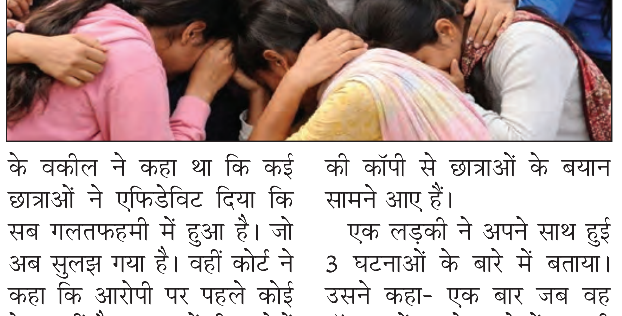

के वकील ने कहा था कि कई छात्राओं ने एफिडेविट दिया कि सब गलतफहमी में हुआ है। जो अब सुलझ गया है। वहीं कोर्ट ने कहा कि आरोपी पर पहले कोई केस नहीं है। ट्रायल में ही आरोपों की सच्चाई पता चलेगी। जिसमें समय लगेगा। इसलिए उसे जमानत दी जाती है। 27 मार्च को जमानत के बाद अब इसकी केस की कॉपी से छात्राओं के बयान सामने आए हैं।

एक लड़की ने अपने साथ हुई 3 घटनाओं के बारे में बताया। उसने कहा- एक बार जब वह हॉस्टल में अपने कमरे में जा रही थी, तो जगदीश गोस्वामी ने उसे टेबलेट दिखाने के लिए बुलाया और बाथरूम में फंसाकर उसका शारीरिक उत्पीड़न करने का प्रयास किया। उसने उसके कंधे, कमर और ब्रेस्ट को छूने की कोशिश की।

उसने उसकी टी-शर्ट उतारने के बाद ब्रा की स्ट्रैप भी खींचने की कोशिश की। इसके बाद उसने लगातार उसे परेशान किया, जिसमें थप्पड़ मारना, बाल खींचना, कान मरोड़ना और अनचाहा स्पर्श शामिल था। दूसरी घटना में लड़की ने बताया कि जगदीश गोस्वामी हॉस्टल आया और उसे दूसरी लड़की के कमरे में बुलाया और उससे अपने पैर दबाने को कहा।

जब उसने मना कर दिया, तो उसने कहा, क्या तुम इतनी बड़ी हो गई हो कि मुझे मना करोगी? और जबरदस्ती उससे पैर दबवाने की कोशिश की।

अडानी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची अनिल अग्रवाल की वेदांता, जेपी ग्रुप के टेकओवर का मामला गर्माया

नई दिल्ली,30 मार्च(एजेंसियां)। जेपी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स की बिक्री का मामला एक बार फिर फंस सकता है। दिवालिया प्रक्रिया से गुजर रही इस कंपनी के लिए एनसीएलटी ने अडानी एंटरप्राइजेज के 14,535 करोड़ के रिजॉल्यूशन प्लान मंजूर कर दिया था। लेकिन अनिल अग्रवाल की कंपनी वेदांता ने इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। उसने इस टेकओवर पर रोक लगाने की मांग की है। अग्रवाल ने रविवार को सार्वजनिक तौर पर कहा था कि वेदांता ने जयप्रकाश एसोसिएट्स के लिए सबसे ऊंची बोली लगाई थी और उसे इसके लिए लिखित पुष्टि भी मिली थी। लेकिन बाद में बिना किसी स्पष्टीकरण के इसे फैसले को बदल दिया गया। हालांकि उन्होंने इस बारे में ज्यादा खुलासा नहीं किया और कहा कि इसका फैसला उचित लीगल फोरम पर होगा।

किस बात की है लड़ाई?

जयप्रकाश एसोसिएट्स को जून 2024 में इनसॉल्वेंसी में एडमिट किया गया था। कंपनी 57,000 करोड़ रुपये से अधिक के लोन का डिफॉल्ट किया था। इसके लिए वेदांता और अडानी ग्रुप ने बोली लगाई थी। वेदांता ने 16,726 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी जबकि अडानी एंटरप्राइजेज की बोली 14,535 करोड़ रुपये की थी। लेकिन कमेटी ऑफ क्रेडिटर्स ने अडानी को बोली को मंजूरी दी और एनसीएलटी ने भी इसे अप्रूव कर दिया। वेदांता ने इसे एनसीएलएटी में चुनौती दी। उसका तर्क था कि चूंकि उसकी बोली ज्यादा बड़ी थी, इसलिए उसे प्राथमिकता दी जानी चाहिए थी। एनसीएलएटी ने पिछले हफ्ते अपनी सुनवाई में एनसीएलटी के फैसले पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया था और इसके लिए लेंडर्स से जवाब मांगा था। इस मामले की सुनवाई अब अप्रैल में होनी है।

बैंकों की दलील

वेदांता ने अडानी के रिजॉल्यूशन प्लान की वैधता और सीओसी की प्रोसेस पर सवाल उठाते हुए कई अपील दायर की थी। हालांकि बैंकों ने अपने फैसले को सही ठहराते हुए कहा कि इसमें इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड के सभी नियमों का पालन किया गया था। उनका तर्क था कि रिजॉल्यूशन प्लान का चुनाव केवल सबसे ऊंची बोली पर आधारित नहीं था बल्कि इसमें अपफ्रंट कैश और पेमेंट टाइमलाइन जैसे दूसरे फैक्टर्स को भी ध्यान में रखा गया। सीओसी के मुताबिक अडानी के प्रस्ताव को इसलिए वरीयता दी गई क्योंकि इसमें 6000 करोड़ रुपये के अपफ्रंट का प्रावधान था और तेजी से रिपेमेंट के लिए दो साल का शेड्यूल दिया गया था। दूसरी तरफ वेदांता का पेमेंट शेड्यूल पांच साल की थी।

क्रेडिटर्स ने साथ ही वेदांता के रिवाइज्ड ऑफर को भी रिजेक्ट कर दिया था। उनका कहना था कि डेडलाइन खत्म होने के बाद इसे सबमिट किया गया था और अगर इसे स्वीकार किया जाता तो पूरी प्रोसेस दोबारा शुरू करनी पड़ती।

जेपी का कारोबार

जयप्रकाश एसोसिएट्स का बिजनेस रियल एस्टेट, सीमेंट, हॉस्पिटैलिटी, पावर और इन्फ्रास्ट्रक्चर तक फैला है। इसमें नोएडा और ग्रेटर नोएडा में जेपी ग्रीन्स और जेवर एयरपोर्ट के करीब जेपी इंटरनेशनल स्पोर्ट्स सिटी जैसे प्रोजेक्ट शामिल हैं। वेदांता के शेयरों में आज करीब दो फीसदी तेजी आई जबकि अडानी एंटरप्राइजेज के शेयरों में 1.66 फीसदी गिरावट आई है।

सोना 3 हजार बढ़कर 1.46 लाख पर पहुंचा

चांदी 6 हजार बढ़कर 2 .28 लाख हुई

नई दिल्ली,30 मार्च (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमत में आज यानी 30 मार्च को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 3 हजार रुपए बढ़कर 1.46 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 6 हजार रुपए बढ़कर 2.28 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

सोना इस साल 13 हजार महंगा हुआ

इस साल सोने की कीमत में तेजी देखने को

मिली है। बीते साल के आखिर में सोना 1.33 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो अब 1.46 लाख रुपए पर है। यानी इसकी कीमत इस साल अब तक 22 हजार बढ़ चुकी है। हालांकि चांदी की कीमत में 2 हजार की कमी आई है।

अप्रैल में 14 दिन बंद रहेंगे बैंक

नई दिल्ली,30 मार्च (एजेंसियां)। अगर आप अगले महीने यानी अप्रैल में किसी काम से बैंक जाने का प्लान बना रहे हैं तो पहले छुट्टियों की लिस्ट चेक कर लें। अप्रैल 2026 में कुल 14 दिन बैंक बंद रहेंगे।

छुट्टियों की शुरुआत एक अप्रैल से ही होगी। हालांकि उस दिन बैंक बंद नहीं रहेंगे लेकिन आम ग्राहकों का कोई काम नहीं होगा। वह इसलिए क्योंकि 1 अप्रैल से नया वित्त वर्ष शुरू होता है। उस दिन बैंक अपने वित्तीय कामों को पूरा करता है। अप्रैल 2026 को 8 दिन बैंक फेस्टिवल और कुछ प्रमुख दिनों के कारण बंद रहेंगे। यह छुट्टी अलग-अलग राज्यों में रहेगी। वहीं अप्रैल में 4 संडे हैं। इस दिन देशभर में सभी बैंक बंद रहेंगे। साथ ही देशभर में बैंक दूसरे और चौथे शनिवार को भी बंद रहते हैं। ऐसे में अप्रैल में कुल 14 दिन बैंकों की छुट्टी रहेगी।

बैंकों की छुट्टी पर आप कई तरह की ऑनलाइन सुविधा का इस्तेमाल कर सकते हैं। छुट्टी वाले दिन इन सर्विस पर कोई असर नहीं पड़ता। इन छुट्टियों में एटीएम, मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई और इंटरनेट बैंकिंग जैसी ऑनलाइन बैंकिंग सर्विस हमेशा की तरह उपलब्ध रहेंगी। आप पैसे ट्रांसफर या कैश निकालने जैसे जरूरी ट्रांजैक्शन के लिए डिजिटल पेमेंट तरीकों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

क्रिप्टो ने किया कबाड़ा, एक साल से बिटकॉइन के निवेशक घाटे में, ग्लोबल मार्केट कैप 13% गिरा

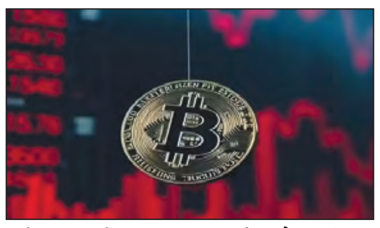

नई दिल्ली, 30 मार्च(एजेंसियां)। क्रिप्टोकरेंसी बाजार पिछले कुछ समय से निवेशकों के लिए घाटे का सौदा बना हुआ है। इसमें एक दिन कुछ तेजी दिखाई देती है तो अगले दिन मार्केट गिर जाता है। स्थिति यह है कि एक साल में क्रिप्टोकरेंसी का ग्लोबल मार्केट कैप करीब 13 फीसदी गिर गया है। वहीं दुनिया की सबसे लोकप्रिय क्रिप्टो बिटकॉइन में करीब 19 फीसदी की गिरावट आई है। 31 मार्च 2025 को ग्लोबल क्रिप्टो मार्केट कैप 2.67 ट्रिलियन डॉलर था। अक्टूबर 2026 तक इसमें कुछ उछाल आया और यह बढ़कर 4.28 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया। अक्टूबर के बाद इसमें जोरदार गिरावट आई। आज सोमवार सुबह 10 बजे क्रिप्टो का ग्लोबल मार्केट कैप 2.32 ट्रिलियन डॉलर था। ऐसे में यह एक साल में 13 फीसदी गिर गया है।

बिटकॉइन में कितनी गिरावट?

एक साल में बिटकॉइन में भी बड़ी गिरावट आई है। 31 मार्च 2025 को एक बिटकॉइन की कीमत 82,336 डॉलर थी। अक्टूबर तक इसमें भी जबरदस्त उछाल आया। ऐसे में यह बढ़कर अपने ऑल टाइम हाई 1.25 लाख डॉलर को पार कर गया था। अक्टूबर 2025 के बाद इसमें भी बड़ी गिरावट देखने को मिली। आज सोमवार को सुबह 10 एक बिटकॉइन की कीमत करीब 67,405 डॉलर थी। ऐसे में एक साल में बिटकॉइन करीब 19 फीसदी फिसल गया है।

आधी रह गई डॉगकॉइन की कीमत?

डॉगकॉइन भी दुनिया की लोकप्रिय क्रिप्टो में एक है। एक समय इसे दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क की क्रिप्टो भी कहा जाता था, क्योंकि उन्होंने ऐलान किया था कि वह टेस्ला कार की बिक्री के लिए डॉगकॉइन में पेमेंट स्वीकार करेंगे। साल 2024 के आखिरी में अमेरिकी चुनाव के दौरान इसमें जबरदस्त तेजी देखी गई थी। दो महीने में इसमें चार गुना तक की तेजी आ गई थी। बाद में यह भी धड़ाम हो गई। एक साल में यह 45 फीसदी से ज्यादा गिर गई है। यानी एक साल में इसकी कीमत करीब आधी रह गई है।इन सबसे अलग एक क्रिप्टोकरेंसी ऐसी भी रही जिसने निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया। इसका नाम हाइपरलिक्विड है।

महंगी दवाओं से मिलेगी राहत! सरकार लागू करेगी 'आवश्यक वस्तु अधिनियम'; कच्चे माल की कीमतों पर कसेगा शिकंजा

नई दिल्ली,30 मार्च (एजेंसियां)। सरकार इस बात का मूल्यांकन कर रही है कि क्या उसे पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति के बीच थोक दवाओं या एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स की कीमतों को कंट्रोल करने और जमाखोरी पर अंकुश लगाने के लिए इजेंशियल कमोडिटीज एक्ट लागू करने की जरुरत है। इस मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि फार्मास्युटिकल्स डिपार्टमेंट स्थिति का जायजा लेने के लिए उद्योग के अधिकारियों के साथ बैठकें कर रहा है।

फार्मेक्सिल (फार्मास्युटिकल्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया) के चेयरमैन नामित जोशी ने पुष्टि की, "सरकार हमारे उद्योग के लिए इजेंशियल कमोडिटीज एक्ट लागू करने की योजना बना रही है, ताकि कालाबाजारी और जमाखोरी से बचा जा सके। हम अंतिम निर्णय का इंतजार कर रहे हैं। उम्मीद है कि सप्लाई चेन जल्द ही बहाल हो जाएगी। उद्योग विशेषज्ञों ने कहा कि चल रहे वैश्विक संघर्षों ने महत्वपूर्ण फार्मास्युटिकल कच्चे माल की सप्लाई को बुरी तरह बाधित कर दिया है, जिससे कीमतों में 200-300 फीसदी की अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। एक अधिकारी ने कहा कि पीएनजी की कमी और कंटेनरों की कमी डिस्ट्रीब्यूशन पर और दबाव

डाल रही है। सरकार उद्योग के साथ विस्तृत चर्चा कर रही है और फार्मा उद्योग के लिए महत्वपूर्ण निर्णयों की घोषणा करने के लिए तैयार है। जोशी ने आगे कहा कि हम उद्योग और पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के साथ बैठकें कर रहे हैं। यह बैठक कैमिकल और फर्टीलाइजर मंत्रालय के फार्मास्युटिकल्स डिपार्टमेंट के तत्वावधान में आयोजित की गई थी। अंतर-मंत्रालयी चर्चाएं हुईं, जहां संबंधित हितधारकों ने एमओपीएनजी के समक्ष अपनी आवश्यकताएं प्रस्तुत कीं। हमने इन आवश्यकताओं को संकलित किया है और एमओपीएनजी के साथ शेयर किया है। उद्योग के अधिकारियों का कहना है कि चल रहे युद्ध के बीच पिछले कुछ दिनों में प्रमुख एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स और सॉल्वैंट्स की कीमतों में भारी उछाल आया है, जिससे उन्हें एक और झटका लगा है। पिछले कुछ हफ्तों में ही एपीआईएस की कीमतों में औसतन 30-35 फीसदी की वृद्धि हुई है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	मीन	मे
चंद्र	सिंह	मे
मंगल	कुंभ	मे
बुध	कुंभ	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	मेष	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारभ समय		
मीन....	05-24	बजे
मेष.....	07-00	बजे
वृष....	08-44	बजे
मिथुन..	10-45	बजे
कर्क...	12-57	बजे
सिंह---	15-09	बजे
कन्या--	17-16	बजे
तुला----	19-21	बजे
वृश्चिक..	21-31	बजे
धनु.....	23-44	बजे
मकर...	01-51	बजे
कुंभ....	03-41	बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873 सूर्योदय 06-15
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष, सूर्यास्त. 18 -25
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - चैत्र कृष्ण पक्ष मंगलवार 31 March 2026
तिथि - त्रयोदशी 06-56 तक उपरान्त चतुर्दशी
नक्षत्र - पूर्वाफाल्गुनी 15-20 तक उप उ.फाल्गुनी
योग - गण्ड 15-41 तक उप
करण - तैतिल 06-56 तक उप गर

नृसिंह दोलोत्सव,महावीर ज.
शिव दमनक चतुर्दशी

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 15-24 से 16-56 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
रोग	06-15 - 07-45	अशुभ
उत्पात	07-45 - 09-17	अशुभ
चंचल	09-17 - 10-49	शुभ
लाभ	10-49 - 12-20	शुभ
अमृत	12-20 - 13-52	शुभ
काल	13-52 - 15-24	अशुभ
शुभ	15-24 - 16-56	शुभ
रोग	16-56 - 18-25	अशुभ

रात का चौघड़िया		
काल	18-25 - 19-56	अशुभ
लाभ	19-56 - 21-24	शुभ
उत्पात	21-24 - 22-52	अशुभ
शुभ	22-52 - 00-20	शुभ
अमृत	00-20 - 01-48	शुभ
चंचल	01-48 - 03-16	शुभ
रोग	03-16 - 04-44	अशुभ
काल	04-44 - 06-15	अशुभ

इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट्स का तेजी से होगा निर्माण

7104 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव को मिली मंजूरी

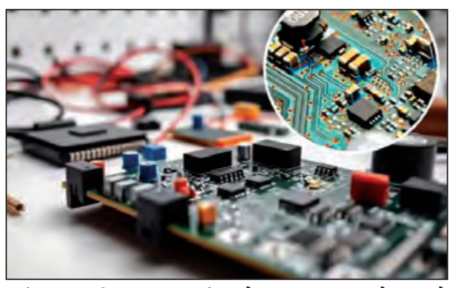

नई दिल्ली,30 मार्च(एजेंसियां)। देश में इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट्स का निर्माण और तेजी से हो सकेगा। केंद्र सरकार ने 7,104 करोड़ रुपये से भी अधिक के 29 नए प्रस्तावों को मंजूरी दी है। इससे देश में 10 हजार से भी अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

7,104 करोड़ रुपये का निवेश

केंद्र सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय में सचिव एस. कृष्ण ने सोमवार को इस आशय की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट्स मैन्युफैक्चरिंग स्कीम के तहत 29 नए प्रस्तावों को मंजूरी दी है। इन प्रस्तावों में कुल 7,104 करोड़ रुपये का निवेश अनुमानित है।

हजारों लोगों को मिलेगा रोजगार

कृष्णन ने बताया कि इन नए निवेश प्रस्तावों से इस क्षेत्र में 14,246 नए रोजगार के अवसर सृजित होने की उम्मीद है।

उन्होंने बताया कि इन नए प्रस्तावों से लगभग 84,515 करोड़ रुपये मूल्य के इलेक्ट्रॉनिक्स घटकों का उत्पादन होगा। इन नई स्वीकृतियों के साथ ही मंत्रालय ने कुल 75 आवेदनों को मंजूरी प्रदान कर दी है।

एशिया छोड़कर भाग रहे विदेशी निवेशक

इतिहास में एक महीने में कभी नहीं हुई इतनी बिकवाली

नई दिल्ली,30 मार्च(एजेंसियां)। ईरान युद्ध का सबसे ज्यादा असर एशियाई देशों पर पड़ रहा है। इसकी वजह यह है कि होर्मुज की खाड़ी से होने वाली तेल और गैस की सप्लाई का अधिकांश हिस्सा इन्हीं देशों को जाता है। तेल और गैस संकट के कारण अब एशियाई देशों की इकॉनमी भी डगमगाने लगी है। यही वजह है कि विदेशी निवेशक अब इन देशों के शेयर बाजारों से तेजी से अपना पैसा निकालने में लगे हैं। मार्च में वे एशिया के एमर्जिंग मार्केट्स से 52 अरब डॉलर निकाल चुके हैं जो एक महीने में अब तक की सबसे बड़ी निकासी है। इसमें चीन शामिल नहीं है।

इससे पहले 2020 की महामारी और रूस-यूक्रेन लड़ाई के दौरान जून, 2022 में विदेशी निवेशकों ने एशियाई बाजारों से जमकर निकासी की थी। लेकिन इस बार ये आंकड़े कहीं पीछे छूट गए हैं। सबसे ज्यादा निकासी ताइवान, साउथ कोरिया और भारत के इक्विटी मार्केट्स से की गई है। एनएसडीएल और बीएसई के आंकड़ों के मुताबिक इस महीने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय बाजार से रेकॉर्ड 1.14 लाख करोड़ रुपये (करीब 13 अरब डॉलर) की निकासी की है। यह विदेशी निवेशकों की भारतीय इक्विटी में एक महीने में की गई सबसे ज्यादा बिकवाली

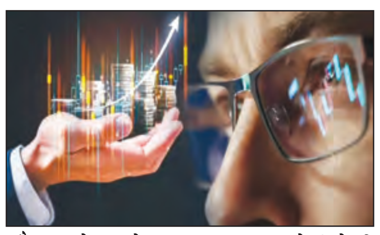

है। इससे पहले अक्तूबर 2024 में विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार में 94,017 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी। एनएसडीएल के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी निवेशक इस साल अब तक भारत से 1.27 लाख करोड़ रुपये की बिकवाली कर चुके हैं। ईरान युद्ध से कच्चे तेल की कीमत में भारी तेजी आई है और इससे देश की ग्रोथ प्रभावित होने की आशंका है। ईरान युद्ध की सबसे ज्यादा मार एशियाई देशों पर ही पड़ रही है क्योंकि होर्मुज की खाड़ी से आने वाला 80 फीसदी तेल इन्हीं देशों को जाता है।

इस वजह से एशियन मार्केट्स पर भारी दबाव दिख रहा है। साथ ही डॉलर में तेजी और चिप स्टॉक्स में मुनाफावसूली ने इस दबाव को और बढ़ा दिया है। मोर्गन स्टेनली के स्ट्रैटजिस्ट ने पिछले हफ्ते सलाह दी थी कि विदेशी निवेशकों को एशिया में बिकवाली करनी चाहिए। ईरान में संकट लगातार गहराता जा रहा है।

लड़ाई के बीच जमकर कमाई कर रहा ईरान

तेल बेचकर रोज कमा रहा 13 अरब, ट्रांजिट फीस अलग

नई दिल्ली,30 मार्च(एजेंसियां)। अमेरिका और इजरायल के साथ लड़ाई में फंसा ईरान चुपचाप तेल से तगड़ी कमाई कर रहा है। इस महीने ईरान की तेल से रोजाना कमाई 25 मिलियन डॉलर बढ़कर 139 मिलियन डॉलर यानी करीब 13 अरब रुपये पहुंच गई है।

ईरान युद्ध के कारण होर्मुज की खाड़ी से जहाजों की आवाजाही नहीं हो पा रही है। सऊदी अरब, कतर और यूएई जैसे खाड़ी देशों के तेल और गैस यहीं से सप्लाई होती है। ईरान के तेल टैंकर आसानी से होर्मुज की खाड़ी से जा रहे हैं जबकि बाकी देश अपना तेल नहीं भेज पा रहे हैं। युद्ध से पहले ईरान

का तेल 10 डॉलर के डिस्काउंट पर मिल रहा था लेकिन अब यह ब्रेंट से केवल 2.10 डॉलर सस्ता रह गया है। ईरान का ऑयल एक्सपोर्ट लड़ाई से पहले के औसत 2.2 मिलियन बैरल रोजाना से ऊपर चला गया है। इससे ईरान की जमकर कमाई हो रही है। साथ ही ईरान होर्मुज की खाड़ी से गुजरने वाले हर कमर्शियल जहाज से 2 मिलियन डॉलर की ट्रांजिट फीस भी वसूल रहा है। इससे देश की अतिरिक्त कमाई हो रही है।

कैसे हो रही है कमाई?

होर्मुज की खाड़ी से दुनिया का 20 फीसदी तेल और करीब एक तिहाई गैस गुजरती है। जहाजों की आवाजाही बंद होने के कारण कच्चे तेल की कीमत में भारी तेजी आई है। ब्रेंट 115 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर ट्रेड कर रहा है जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 100 डॉलर के पार पहुंच चुका है।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमत को रोकने के लिए अमेरिका ने ईरानी तेल पर लगे प्रतिबंध को फिलहाल हटा दिया है। इससे ईरान जमकर तेल बेच रहा है।

1 अप्रैल से बदल रहा है टैक्स भरने का नियम

अब ऐसे देना होगा अपनी कमाई का हिसाब

नई दिल्ली,30 मार्च (एजेंसियां)। 1 अप्रैल 2026 से भारत में आयकर (इनकम टैक्स) की दुनिया पूरी तरह से बदलने जा रही है। छह दशकों से भी ज्यादा समय तक हमारी वित्तीय व्यवस्था को दिशा देने वाले इनकम टैक्स एक्ट, 1961 की जगह अब नया 'इनकम टैक्स एक्ट, 2025' ले रहा है। पहली नजर में यह एक सामान्य व्यवस्थागत बदलाव लग सकता है, लेकिन आम टैक्सपेयर्स के लिए यह दौर काफी अहम होने वाला है। रातों-रात पुराना कानून खत्म नहीं होगा और नया कानून अपनी पूरी ताकत के साथ तुरंत लागू नहीं होगा। आने वाले कुछ वर्षों तक देश में दो टैक्स कानून एक साथ काम करेंगे। ऐसे में यह समझना बेहद जरूरी है कि इस दोहरे ढांचे (डुअल फ्रेमवर्क) का आपकी जेब, रिटर्न और टैक्स फाइलिंग पर क्या असर पड़ेगा।नए कानून में सबसे बड़ा और राहत देने वाला बदलाव 'असेसमेंट ईयर' के कॉन्सेप्ट को हटाना है। आम करदाता अक्सर इस बात को लेकर उलझन में रहते थे कि जिस साल में कमाई की, उसका टैक्स अगले साल के नाम से क्यों आंका जा रहा है। अब इस व्यवस्था को खत्म करके सीधे 'टैक्स ईयर' का नियम लाया गया है, जो वित्तीय वर्ष (फाइनेंशियल ईयर) के समान ही होगा।

ईरान युद्ध से अब सीमेंट इंडस्ट्री पर भी बड़ा संकट

नई दिल्ली,30 मार्च(एजेंसियां)। ईरान युद्ध का असर अब भारतीय उद्योगों पर भी दिखना शुरू हो गया है। सीमेंट उद्योग भी कच्चे माल की कीमतों में तेजी से परेशान है और कीमतें बढ़ाने पर विचार कर रहा है। ओवरकैपेसिटी के कारण इंडस्ट्री पहले से ही संकट से जूझ रही थी और अब रही सही कसर पश्चिम एशिया में चल रही जंग ने पूरी कर दी है। इस लड़ाई के कारण पेटकोक, कोल और पैकेजिंग मटीरियल्स की कीमत में भारी तेजी आई है। इस कारण इंडस्ट्री की मुश्किलें बढ़ गई हैं। चॉइस इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज में इक्विटी रिसर्च एनालिस्ट आशुतोष मुरारका का अनुमान है कि जियोपॉलिटकल कारणों से सीमेंट इंडस्ट्री की प्रोडक्शन कॉस्ट 150 रुपये से 200 रुपये प्रति टन बढ़ सकती है। इससे कंपनियों के एबिटा मार्जिन पर दबाव पड़ेगा। सीमेंट की मैन्युफैक्चरिंग कॉस्ट में पावर और फ्यूल की हिस्सेदारी करीब 30 फीसदी है। अधिकांश बड़े प्रोड्यूसर अपनी जरूरत का 50 से 60 फीसदी पेटकोक आयात करते हैं। लेकिन पेटकोक केवल इसका एक पहलू है। फ्रेट रेट भी बढ़ रहा है और इसके साथ ही पॉलीप्रोपाइलीन बैग की कीमत में बढ़ रही है। पॉलीप्रोपाइलीन बैग सीमेंट के लिए एक स्टैंडर्ड पैकेजिंग मटीरियल होता है। यह सीधे तौर पर कच्चे तेल की कीमत से जुड़ा है। इसलिए इसकी कीमत में काफी तेजी आई है। एलपीजी सप्लाई में दिक्कत से भी पैकेजिंग कॉस्ट पर दबाव पड़ रहा है। मुरारका का मानना है कि केवल इस सेगमेंट में 20 फीसदी तेजी आ सकती है। उन्होंने कहा कि पैकेजिंग कॉस्ट से एबिटा में प्रति टन 50 से 60 रुपये का बोझ पड़ेगा।उन्होंने कहा कि ईरान में लड़ाई से प्रति टन एबिटा में 150 रुपये से 200 रुपये का प्रभाव पड़ेगा। इस नुकसान की भरपाई के लिए कंपनियों को कीमत में 4 से 5 फीसदी बढ़ोतरी करनी पड़ सकती है।

बाजार इसे एबजॉर्ब करेगा या नहीं, यह पूरी तरह अलग सवाल है। कंपनियों ने चौथी तिमाही के दौरान प्रति बैग 15 से 20 रुपये की बढ़ोतरी करने की कोशिश की लेकिन ओवरसप्लाई के कारण अधिकांश कंपनियों को इसे वापस लेना पड़ा। मुरारका ने कहा कि अप्रैल में सीमेंट कंपनी प्रति बैग 7 से 8 रुपये बढ़ोतरी कर सकती हैं लेकिन यह पूरी तरह डिमांड-सप्लाई डायनैमिक्स पर निर्भर करेगा।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज आप कुछ उलझे हुए से रहेंगे । आप कोई महत्वपूर्ण काम शुरू करने के लिए भी उतावले हैं । परन्तु आज प्रतीक्षा करना और कोई महत्वपूर्ण काम शुरू न करना ही ठीक होगा । शाम तक उलझन खुद कम हो जायेगी । दिन बाधारहित गुजरेगा । यात्रा कर सकते हैं ,सार्वजनिक परिवहन से देर हो सकती है । दूसरे विकल्प खुले रखें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आज सावधान रहें । आपके प्रतिद्वंदी आपके खिलाफ योजनाये बनाकर आपको नुक्सान पहुंचाने की कोशिश करेंगे लेकिन आप आसानी से उनपर जीत हासिल कर पायेंगे,मजेदार तो यह है कि खुद उन्हें भी आपकी उपलब्धि के लिए आपकी तारीफ करनी होगी । इस गंभीर स्थिति को थोडा हल्का-फुल्का बनाने के लिए दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज का दिन आपके लिए बहुत शुभ है,आपको वित्तीय क्षेत्र में अपने प्रयासों के चलते लाभ होगा । आप अपने परिजनों के लिए सर्वोत्तम उपलब्ध चीज खरीदना चाहेंगे । बस इतना ध्यान रखें कि सारा पैसा खर्च न करके कुछ बचत भी कर लें । आप अपने पार्टनर के साथ कुछ बहुत ख़ास पल गुजारेंगे जिन्हें आप हमेशा याद रखेंगे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आपकी निजी और व्यवसायिक जिन्दगी के बीच एक असंतुलन है । इसे दूर करने का एक ही तरीका है कि आप अपने प्रतिदिन के काम की योजना बनाएं,जो हर दिन की जरुरत के हिसाब से अलग हो । चिंता ना करें,आपके परिजन हाल-फिलहाल आपके उनके प्रति कम ध्यान के बावजूद आपके समर्पण को पहचान पाएंगे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
यह आपके लिए अपने आप से किये हुए वादों और अपनी योजनाओं को अमल में लाने का बहुत अच्छा समय है । नयी योजनायें भी जल्दी ही कामयाब होंगीं । हालाँकि, दोस्तों के साथ मजे करने और थोड़े मनोरंजन के लिए भी अच्छा समय है । इसीलिए शाम को सामाजिक गतिविधियों में भी शामिल होने की योजना बना सकते हैं । अफवाहों से बचें और आनंद उठायें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज का दिन आपके लिए विशेष रूप से अच्छा है । आप अपना कुछ नया शुरू कर सकते हैं ,काफी समय लेने वाला अपना कोई अधूरा काम पूरा कर सकते हैं ,या कोई ऐसा काम जिसे आप लम्बे समय से टाल रहे हैं,को भी शुरू कर सकते हैं । आज शाम खेल और मौज मस्ती के नाम रहेगी ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
अपने प्रति ईमानदार रहें क्योकि इसी से आप हरेक स्थिति में खुश रह पायेंगे । केवल दूसरों की परवाह करने के लिए अपनी इच्छाओं का बलिदान न करें ,जो आपको भी अच्छा लगे,वही करें । आपको यह सोचने में कुछ समस्या हो सकती है कि कहां से शुरू करूं,इसलिए सारे पहलू देखकर अपनी प्राथमिकताएं तय कर लें ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आपकी मन की आवाज अब सक्रिय है और हर काम में आपका बहुत अच्छा मार्गदर्शन करेगी । आप मजे मजे में भी आसानी से जोखिम उठा पाने की स्थिति में हैं। भाग्य आपके साथ है फिर भी आपको कोई भी कदम उठाने से पहले दो बार सोच लेना चाहिए । आप भावनाओ की बाढ़ को अनुभव करेंगे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज का दिन समृद्धि के एक नए कार्यक्रम को शुरू करने के लिए बहुत अच्छा है । अगर आप किसी नयी परियोजना के बारे में काफी सोचकर भी किसी नतीजे तक नही पहुंच पाए हैं तो आज शुरूकर लें,आज आप जो भी करना शुरू करेंगे ,सफलता जरुर मिलेगी । आज होने वाली घटनाओं से आपके वित्त सम्बन्धी नजरिये में भी बदलाव आएगा और नकारात्मकता कम होगी ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आपकी वर्तमान जिंदगी में काफी उतार चढाव आ रहे हैं । लेकिन आपको उनसे जल्दी ही छुटकारा मिलने वाला है । अपना नजरिया हमेशा की तरह सकारात्मक बनाये रखें,स्थिति जल्दी ही बेहतर होगी । लोग आपसे सहायता मांगेंगे और आप उनकी सहायता में व्यस्त होकर अपनी चिंताएं भूल जायेंगें ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आपने किसी परियोजना में अपना काफी समय और प्रयास लगाये हैं और आपको अब इसका फल मिलना शुरू हो जाएगा । दूरदृष्टि के साथ साथ आपके दृढ संकल्प और प्रयास भी रंग लाये हैं । आप कुछ नए बदलाव करना चाह रहे हैं ,लेकिन वित्तीय बाधाएं हैं । आज आप सीमित साधनों से ही इन कामों को पूरा करने के सृजनात्मक तरीके खोज लेंगे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आप ऊर्जा से भरे हैं और बहुत अच्छे मूड में भी हैं । दोस्तों को पार्टी दे सकते हैं । अपनी ख़ुशी में खोकर आपका ध्यान भविष्य के खतरों से हट सकता है । घबराए नही,किसी आदमी से कोई नुक्सान होने की आशंका नही है ,केवल आपका पेट अपच वाला अधिक भोजन करने के कारण खराब हो सकता है,जिससे आपकी सेहत पर असर पड़ सकता है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

मेरा बेटा सीएम निवास पर नहीं रहता था : गहलोत

हमें कौन पूछ रहा कौन नहीं इसकी चिंता मुख्यमंत्री नहीं करें, बेटा-बेटी,साले-साली को राजनीति में लाएं नेता

जयपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के बयान पर पलटवार किया है। गहलोत ने कहा- हमारी बात करते हैं कि हमें कौन पूछ रहा है। नहीं पूछ रहा है। इसकी चिंता उनको नहीं करनी चाहिए। ये हमारी पार्टी के अंदरूनी मामले हैं। आप अपने मुद्दों को देखिए और उनके जवाब दीजिए।

उन्होंने कहा- पूर्व मुख्मंत्री के बेटे की बोल रहे हैं। हमने तो अपने बेटे को अलग मकान किराए पर दिलाया था। वो अलग रहे थे। वो मुख्यमंत्री निवास पर नहीं रहे थे। गहलोत जयपुर में मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

दरअसल, सीएम भजनलाल शर्मा ने जमवारामगढ़ में गहलोत पर तल्ख सियासी कमेंट करते हुए कहा था कि आजकल दिल्ली में उनको पूछ नहीं रहा है। जिन्हें वे नकारा निकम्मा कहते थे, आजकल उनकी चल रही है। जिन्हें तड़पाया है, अब उनको तड़पने की बारी है।

गहलोत ने कहा- मैं क्या पूछ रहा हूं और वो क्या जवाब दे रहे हैं। मैंने कहा यह बिल्डिंग खड़ी है, इसको जनहित में चालू क्यों नहीं कर रहे हो? और ये जवाब पता नहीं क्या दे रहे हैं। मेरे खुद के समझ में नहीं आ रहा। मुख्यमंत्री को चाहिए वे खुद एक बार पढ़ लें। उनके सलाहकार ऐसे भर्ती किए हैं, उनको निकाल बाहर करो। वे बर्बाद कर देंगे मुख्यमंत्री को। मैं पूछ क्या रहा हूं, जवाब कुछ दे रहे हैं। ऐसा मैंने कभी नहीं देखा। थोड़ी बहुत शर्म भी आनी चाहिए कि हमारे बारे में जनता क्या सोचेगी?

गहलोत ने कहा- मैंने कहा बेटों को सरकार से दूर रखना चाहिए, इसमें क्या गलत कहा? मैंने यह नहीं कहा कि राजनीति से दूर रखो। मैं मुख्यमंत्री और तमाम मंत्रियों और बीजेपी से कहना चाहूंगा कि अपने परिवार के लोगों को आगे लाओ।

बेटा हो, बेटी हो, साला हो साली हो कोई हो, आगे लाओ। वे राजनीति में आगे आएंगे तो नई पीढ़ी को आपके अनुभवों का लाभ मिलेगा। आज जो पीढ़ी राज कर रही है, उनका अगर बेटा राजनीति में आएगा, साला आएगा तो इनके अनुभव का फायदा मिलेगा। इन्हें राजनीति में आगे लाने में कोई हर्ज नहीं है।

परिवार के लोगों को राजनीति में लाने कोई हर्ज नहीं है

गहलोत ने कहा- परिवार के लोगों को राजनीति में लाने कोई हर्ज नहीं है, मैंने सरकार में दूर रखने के लिए कहा था, उस बात को गोल कर गए। इतना उनको हिट हुआ दिखता है या तो वे अपराध बोध से ग्रसित हो गए हैं। तीन दिन से जोधपुर-जयपुर में कहां-कहां जाकर मेरे बारे में क्या-क्या बोल रहे हैं?

मैंने क्या गलत कहा- सरकार से दूर रखो। बदनामी होगी मुख्यमंत्री की, मंत्रियों की सरकार के लिए अच्छा है क्या यह मैंने कहा था। वो जोड़ रहे हैं कि पूर्व मुख्मंत्री के बेटे की क्या कह रहे थे। हमने तो अपने बेटे को अलग मकान किराए पर दिलाया था, अलग रहे थे वो, मुख्यमंत्री निवास पर नहीं रहे थे वो।

'शास्त्रों' की जंग में उलझी राजस्थान की सियासत

गहलोत के हर चैप्टर पर सरकार का पलटवार

जयपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। प्रदेश की सियासत पिछले एक सप्ताह से 'इंतजार शास्त्र', 'झूठ शास्त्र', 'कर्म शास्त्र' और 'हकीकत शास्त्र' जैसे शब्दों के इर्द-गिर्द घूम रही है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत प्रदेश के लंबित प्रोजेक्ट्स को लेकर लगातार 'इंतजार शास्त्र' के चैप्टर जारी कर सरकार पर हमले कर रहे हैं। वहीं, सरकार भी इन आरोपों का तीखे पलटवार कर रही है।

गहलोत के 'इंतजार शास्त्र' पर रोजाना मंत्रियों, पूर्व मंत्रियों और भाजपा नेताओं की ओर से जवाब दिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी खुद इस सियासी जुबानी जंग में उतर चुके हैं।

ऐसी चर्चा है कि गहलोत की टीम ने प्रदेश के लंबित प्रोजेक्ट्स पर आधारित 'इंतजार शास्त्र' की एक विस्तृत श्रृंखला तैयार कर रखी है, जिसके तहत अब तक सात चैप्टर जारी किए जा चुके हैं।

पूर्व सीएम गहलोत के 7 चैप्टर

जेएलएन मार्ग पर 233 करोड़ की लागत से बना महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट 2024 में पूरा होने के बावजूद शुरू नहीं किया गया।

एसएमएस अस्पताल के 1200 बेड आइपीडी टावर में नई मंजिल नहीं बनी, लेकिन लागत 400 से बढ़कर 764 करोड़ हो गई।

सांगानेर गेट महिला चिकित्सालय में 117 करोड़ की लागत से 500 बेड आईपीडी टावर अधूरा है।

जयपुर के चारों कोनों पर प्रस्तावित 4 सेटेलाइट अस्पतालों का काम रोक दिया गया या बंद कर दिया गया।

राजधानी जयपुर में सिविल लाइंस लाइस आरओबी का काम 2026 तक भी पूरा नहीं हुआ। इससे लोगों को परेशानी हो रही है।

चौंप में बनने वाला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम अधूरा है और आरसीए चुनाव दो साल से नहीं हुए।

प्रतापनगर कोचिंग हब में शिफ्टिंग नहीं हो रही, एलिवेटेड रोड अनावश्यक है और आईआईटी जोधपुर को जयपुर में जगह दी जा रही है।

ये रहे 7 चैप्टर के जवाब

संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि हकीकत यह है कि पिछली कांग्रेस सरकार ने ही कई योजनाओं को अधूरा छोड़ा। वर्तमान सरकार परियोजनाओं को व्यवस्थित रूप से शुरू करने की प्रक्रिया में है।

सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि पिछली गहलोत सरकार में जनता को मिला इंतजार शास्त्र, जबकि भजनलाल सरकार की नीति और नीयत में कर्म शास्त्र है।

चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार में भ्रष्टाचार को केंद्र में रखकर बिना प्लानिंग प्रोजेक्ट बनाए गए। हमारी सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि खोखली जादूगरी का झूठ केवल भ्रम पैदा करता है। यह इंतजार शास्त्र नहीं, झूठ का शास्त्र है। पेपरलीक होते थे। कितने लोग जेल जा चुके हैं। जेजेएम में मंत्री और अधिकारी जेल गए।

नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा, आरओबी का कांग्रेस के समय 20 फीसदी काम हुआ था। अब हम 70 फीसदी कर चुके हैं। इस साल के अंत तक जनता को समर्पित हो जाएगा।

पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत हकीकत शास्त्र से कोसों दूर हैं। वे इंतजार शास्त्र से केवल जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि इंतजार शास्त्र वाले तड़प रहे। क्योंकि उनका दिल्ली आलाकमान बुला नहीं रहा। इनका तो जनता ने झूठ का शास्त्र, भ्रष्टाचार शास्त्र और जेजेएम घोटाला देखा है।

राजस्थान क्रिकेट संघ में बड़ा बदलाव

9वीं बार बदली एडहॉक कमेटी

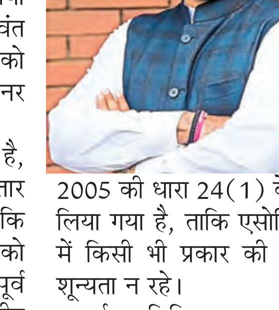

जयपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) की एडहॉक कमेटी में एक बार फिर बदलाव किया गया है। तीसरी बार कंवीनर बदला गया और अलवर के विधायक जसवंत यादव के पुत्र मोहित यादव को पांच सदस्यीय कमेटी का कंवीनर नियुक्त किया है।

बता दें कि यह नौवीं बार है, जब एडहॉक कमेटी का विस्तार किया गया है। गौरतलब है कि कमेटी का कार्यकाल 25 मार्च को पूरा हो चुका था। इससे पूर्व श्रीगंगानगर के विधायक जयदीप बिहाणी और भाजमुओ के पूर्व अध्यक्ष डीडी कुमावत एडहॉक कमेटी के कंवीनर रह चुके हैं।

राजस्थान के सहकारिता रजिस्ट्रार डॉ. समित शर्मा ने आदेश जारी कर आरसीए की तदर्थ कार्यकारी समिति का पुनर्गठन किया है। यह निर्णय राजस्थान क्रीड़ा अधिनियम, 2005 की धारा 24(1) के तहत लिया गया है, ताकि एसोसिएशन में किसी भी प्रकार की कानूनी शून्यता न रहे।

पूर्व समिति का कार्यकाल समाप्त होने और निर्धारित समय में चुनाव न हो पाने के कारण इस अवधि को आगामी तीन माह के लिए बढ़ाया गया है। आदेश के अनुसार, पुनर्गठित समिति को आगामी तीन महीने के भीतर राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के उपनियमों के अनुसार नई कार्यकारी समिति के चुनाव कराने होंगे।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने आरसीए की एडहॉक कमेटी में किए बदलावों पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि सीएम एक ओर परिवारवाद के खिलाफ बयान देते हैं। वहीं, दूसरी ओर भाजपा नेताओं के पुत्रों को पद देकर दोहरे मापदंड अपना रहे हैं। आरसीए को भाजपा नेताओं के बेटों के लिए लॉन्च पैड बना दिया है।

उन्होंने एडहॉक कमेटी के कन्वीनर पद पर भाजपा विधायक जसवंत यादव के बेटे मोहित यादव की नियुक्ति को राजनीतिक रसूख का उदाहरण बताया। कमेटी में पूर्व मंत्री चंद्रराज सिंघवी के पोते अरिष्ट सिंघवी और विधायक संजीव बेनीवाल के बेटे अर्जुन बेनीवाल को शामिल कर यह संदेश दिया गया है कि आम कार्यकर्ताओं के लिए जगह सीमित होती जा रही है।

रिटायर्ड फौजी की हत्या, तनाव को देखते हुए गांव में भारी पुलिस फोर्स तैनात

झुंझुनू, 30 मार्च (एजेंसियां)। झुंझुनूं जिले के बामनवास गांव में आपसी कहासुनी के बाद रिटायर्ड फौजी की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, गांव निवासी रिटायर्ड फौजी उदयवीर सिंह पर गांव के ही एक युवक ने चाकूनुमा धारदार हथियार से ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना रात करीब 9 बजे की बताई जा रही है। उदयवीर सिंह गांव की एक दुकान पर कुछ लोगों के साथ बैठे हुए थे। इसी दौरान गांव के अकरम नामक युवक से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते झगड़े में बदल गई।

हमला कर आरोपी फरार

अकरम ने गुस्से में आकर उदयवीर सिंह पर चाकूनुमा हथियार से कई वार किए और मौके से फरार हो गया। घायल अवस्था में उदयवीर सिंह को मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत चिड़ावा के एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जयपुर रेफर कर दिया गया। हालांकि, जयपुर ले जाते समय रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया।

मृतक के शव को चिड़ावा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। घटना की सूचना मिलते ही सूरजगढ़, पिलानी और चिड़ावा थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। साथ ही एएसपी देवेंद्र सिंह राजावत ने भी घटनास्थल का दौरा कर जानकारी ली। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। एहतियात के तौर पर गांव में पुलिस बल तैनात किया गया है और फ्लैग मार्च निकाला गया। ग्रामीणों ने आरोपी की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

विपक्ष को राजनीति छोड़ देश का सहयोग करना चाहिए : मदन राठौड़

जयपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष ने इजरायल- ईरान युद्ध के मुद्दे पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि 'प्रधानमंत्री ने यह भी स्पष्ट रूप से कहा कि कुछ लोग इस समय राजनीति कर रहे हैं, जो नहीं करनी चाहिए। आपदा की स्थिति में सभी को मिलकर समाधान निकालने का प्रयास करना चाहिए। लेकिन वर्तमान में विपक्ष जिस प्रकार की राजनीति कर रहा है, वह उचित नहीं है। उन्हें भी राष्ट्रभक्ति का परिचय देना चाहिए।

राठौड़ ने कहा कि 'किस प्रकार होर्मुज से निकलने वाले जहाज, जिनमें हमारी रसोई गैस भी शामिल होती है, अत्यंत जोखिम भरे माहौल में भी भारत तक पहुंच रहे हैं। आप कल्पना कीजिए कि उन जहाजों को चलाने वाले लोग कितने बड़े देशभक्त हैं, क्योंकि यदि उन पर कोई हमला हो जाए तो वह आग का गोला बन सकता है और बचने की संभावना बहुत कम होती है। इसके बावजूद उनका राष्ट्रभक्ति का जज्बा सराहनीय है।

उन्होंने आगे कहा कि भारत सरकार कठिन परिस्थितियों में भी जहाजों को सुरक्षित लेकर आते हैं। हमारे देश के नेतृत्व ने ऐसी व्यवस्था की है कि उन जहाजों की सुरक्षा के लिए पूरा तंत्र सक्रिय रहता है। आपने देखा होगा कि जहाजों के साथ सुरक्षा बल तैनात रहते हैं, जो किसी भी विपरीत परिस्थिति में उनका सामना कर सकें और आवश्यक सामग्री को सुरक्षित भारत तक पहुंचाया जा सके। इस प्रकार, पूरी व्यवस्था सुनियोजित ढंग से संचालित होती है, जहां सुरक्षा बल आगे-आगे पेट्रोलिंग और एस्कॉर्टिंग करते हुए चलते हैं। इसलिए, इस समय विपक्ष को राजनीति करने के बजाय राष्ट्रहित में सहयोग करना चाहिए।

मंदिर के बाहर बैठकर बीड़ी पी फिर गेट तोड़ चांदी के छत्र ले उड़ा चोर

सीकर, 30 मार्च (एजेंसियां)। सीकर के काल भैरव मंदिर में चोरी की एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, जहां चोर ने वारदात से पहले बाहर बैठकर बीड़ी पी और फिर आराम से मंदिर का गेट तोड़कर चांदी के छत्र चोरी कर ले गया। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है।

घटना रामलीला मैदान के पास व्हाइट हाउस गली स्थित मंदिर की है। सीसीटीवी फुटेज के मुताबिक, रात करीब 3:15 बजे एक युवक मुंह पर काला कपड़ा बांधकर और हाथ में सरिया लेकर मंदिर पहुंचता है।

वह पहले बाहर बैठकर बीड़ी पीता है, फिर सरिए से गेट तोड़कर अंदर घुसता है और चांदी के छत्र लेकर फरार हो जाता है।

मंदिर के पुजारी गोविंद सुबह करीब 4:15 बजे जब पूजा के लिए पहुंचे, तो गेट खुला मिला और अंदर से चांदी के छत्र गायब थे। इसके बाद उन्होंने आसपास के लोगों को सूचना दी और सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, जिसमें पूरी घटना सामने आई। सूचना मिलने पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश कर रही है।

हैरानी की बात यह है कि घटनास्थल से महज 300–400 मीटर दूरी पर पुलिस चौकी मौजूद है और इलाके में रात के समय गश्त भी होती है।

इसके बावजूद चोर बिना किसी डर के वारदात को अंजाम देकर फरार हो गया, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

विदेशी फोटोग्राफर ने हाथी को गुलाबी रंग दिया

सोशल मीडिया पर भड़का विवाद; वन विभाग करेगा जांच

जयपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के जयपुर में विदेशी फोटोग्राफर जूलिया बुरुलेवा ने हाथी को चमकीले गुलाबी रंग से रंगकर शूट किया. सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही विवाद भड़क गया. लोगों ने वन्यजीव सुरक्षा पर सवाल उठाए. वन विभाग ने मामले की जांच के आदेश दे दिए.

राजस्थान की राजधानी जयपुर में एक विदेशी फोटोग्राफर के क्रिएटिव शूट ने बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है. ट्रैवलिंग आर्ट फोटोग्राफर जूलिया बुरुलेवा ने यहां एक हाथी को चमकीले गुलाबी रंग से रंगकर फोटोशूट किया. तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट करते ही लोगों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई. जहां कुछ ने फोटो की खूबसूरती की तारीफ की वहीं ज्यादातर लोगों ने हाथी के साथ इस तरह के व्यवहार पर कड़ी आपत्ति जताई.

सोशल मीडिया यूजर्स ने हाथी को इस तरह रंगने को जानवरों के शोषण से जोड़ा. कई लोगों ने कहा कि वन्यजीवों को सजावट के लिए इस्तेमाल करना गलत है और उनकी सुरक्षा का ध्यान रखना चाहिए. कुछ ने फोटो की कलात्मकता सराही लेकिन अधिकांश ने चिंता जताते हुए लिखा कि ऐसे शूट से जानवरों को परेशानी हो सकती है.

जूलिया बुरुलेवा ने अपने पोस्ट में लिखा कि भारत आना उनके लिए बहुत सार्थक रहा. उन्होंने जयपुर में छह हफ्ते बिताए. पहले हफ्ते में शहर का गुलाबी रंग उनके दिमाग में बस गया. फिर हेरिटेज गेट के सामने गुलाबी हाथी और मॉडल यशस्वी के साथ शूट का आइडिया आया. उन्होंने कहा कि राजस्थान में हाथी हर जगह दिखते हैं. सड़कों पर सजावट में और वास्तुकला में यह राज्य का मुख्य प्रतीक है. इसे प्रोजेक्ट में शामिल न करना असंभव था.

चोरी के आरोपियों को शर्त पर मिली जमानत

30 दिन तक रोज लगाना होंगे पांच पेड़

जोधपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। कानून सिर्फ सजा ही नहीं देता, बल्कि सुधार का रास्ता भी दिखाता है- ऐसा ही एक अनोखा फैसला राजस्थान हाईकोर्ट ने सुनाया है। एटीएम चोरी के आरोप में जेल में बंद दो आरोपियों को कोर्ट से जमानत तो मिली लेकिन एक खास शर्त के साथ कि उन्हें 30 दिनों तक रोजाना 5 पेड़ लगाने होंगे और उनकी देखभाल भी करनी होगी।

न्यायमूर्ति चंद्रप्रकाश श्रीमाली ने 27 मार्च को यह आदेश सुनाया। आरोपी वारिस उर्फ लहकी और उस्मान उर्फ अंधा जनवरी से जेल में बंद थे और उन पर गैस कटर से एसबीआई एटीएम काटकर चोरी करने का आरोप है।

सुनवाई के दौरान अदालत ने स्पष्ट किया कि नए आपराधिक कानूनों के तहत केवल दंड देना ही उद्देश्य नहीं है, बल्कि अपराधियों को सुधारकर समाज की मुख्यधारा में वापस लाना भी जरूरी है। इसी सोच के तहत अदालत ने कम्युनिटी सर्विस को जमानत की शर्त बनाया।

अदालत के आदेश के मुताबिक दोनों आरोपी एक सप्ताह के भीतर पौधारोपण शुरू करेंगे और रोज कम से कम 5 पौधे लगाएंगे। इसके लिए वन विभाग उन्हें मुफ्त में पौधे उपलब्ध कराएगा और फोटो-वीडियो के जरिए इसकी निगरानी भी करेगा।

इतना ही नहीं अदालत ने राज्य सरकार को भी निर्देश दिया है कि अपराध के कारणों की पहचान कर एक ठोस पुनर्वास योजना तैयार की जाए और पूरे प्रदेश में कम्युनिटी सर्विस लागू करने के लिए स्पष्ट गाइड लाइन बनाई जाए। अदालत के इस फैसले ने यह संदेश दिया है कि कानून का उद्देश्य सिर्फ सजा देना नहीं, बल्कि सुधार के जरिए समाज को बेहतर बनाना भी है।

नियमों का पालन कराया तो भड़के युवक

एएसआई के साथ की हाथापाई, वर्दी तक फाड़ी

सीकर, 30 मार्च (एजेंसियां)। सीकर जिले के रींगस कस्बे में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के दौरान एक पुलिसकर्मी पर हमला होने का मामला सामने आया है। लाखनी मोड़ पर ड्यूटी कर रहे एएसआई सांवताराम पर कार सवार युवकों ने कथित रूप से हमला कर दिया, जिसमें उनकी वर्दी फट गई और चेहरे पर चोट आई। ड्यूटी के दौरान कुछ युवक प्रतिबंधित मार्ग से वाहन निकालने का प्रयास कर रहे थे। एएसआई ने उन्हें रोककर नियमों का पालन करने के लिए कहा, लेकिन इसी बात पर विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते बहस मारपीट में बदल गई और आरोपियों ने पुलिसकर्मी के साथ हाथापाई कर दी। घटना के बाद कार चालक महेंद्र मौके से फरार हो गया, जबकि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों अतुल और धर्मवीर को हिरासत में ले लिया।

महिला एजेंट ने 1.20 लाख लेकर शादीशुदा महिला से करा दी शादी, 5 दिन बाद दुल्हन भी लूटकर फरार

हनुमानगढ़, 30 मार्च (एजेंसियां)। हनुमानगढ़ जिले के सदर थाना पुलिस विवाहिता से ब्याह कराने और दुल्हन के फरार होने के मामले की जांच में जुटी हुई है। हालांकि अब तक इस प्रकरण में किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। पुलिस ने आरोपी दुल्हन के अलावा दो महिलाओं के खिलाफ केस दर्ज किया है। पूछताछ में आरोपी महिलाओं ने कहा कि यह उनका धंधा है और वे इसी तरह लोगों से ठगी करते हैं।

जिले में सदर थाना पुलिस के अनुसार डबलीबास पेमा निवासी श्योकुमार पुत्र हनुमानदास स्वामी ने रिपोर्ट दी थी कि उसका हरिद्वार में मोनिका माही नामक महिला से परिचय हुआ। उसने हरियाणा में रिश्ता कराने का भरोसा दिलाकर गत 15 मार्च को कैथल (हरियाणा) बुलाया। वह 16 मार्च को अपने भाई और मामा के साथ कैथल पहुंचा।

वहां मोनिका माही व एक अन्य महिला मोनिका रानी निवासी करनाल मिली। दोनों ने रतिया क्षेत्र की युवती से शादी कराने की बात कही और 1.20 लाख रुपए खर्च बताया। रतिया में ज्योति नाम की युवती से शादी करवा दी।

जंक्शन में जाट भवन के सामने टी स्टॉल पर मिट्टी का तैयार चूल्हा। अब चूल्हे में कोयला डालकर चलाएंगे काम। कार्मिशियल सिलेंडर की किल्लत के बीच विकल्प तलाश रहे दुकानदार। फोटो-पुरुषोत्तम झा।

डबलीबास पेमा पहुंच पीड़ित श्योकुमार ने दोनों महिलाओं को 1.20 लाख रुपए दे दिए। अगले दिन हनुमानगढ़ कोर्ट परिसर में शपथ पत्र तैयार कर शादी की कानूनी औपचारिकता भी पूरी करवाई गई।

युवक को घर बुलाकर नंगा किया

फिर बेरहमी से पीट-पीटकर ले ली जान

जालोर, 30 मार्च (एजेंसियां)। भीनमाल क्षेत्र के भागलसेफ्टा गांव में शनिवार देर रात को एक युवक से बेरहमी से मारपीट की गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को चंगुल से छुड़ाकर शहर के राजकीय चिकित्सालय पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान वाग सिंह (22) की मौत हो गई।

मौत की सूचना मिलते ही गांव में दहशत फैल गई। पुलिस ने एक ही परिवार के पांच लोगों सहित अन्य के खिलाफ अपहरण, मारपीट और हत्या का मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सुपुर्द किया।

पुलिस निरीक्षक राजेंद्र सिंह राजपुरोहित ने बताया कि मृतक के पिता भंवर सिंह ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि आरोपी जैसाराम लौहार, उसकी पत्नी डाई देवी, पुत्र सुरेश कुमार, प्रवीण कुमार, पुत्री मैकी और पुत्रवधु सहित अन्य लोगों ने उसके पुत्र को घर से बुलाकर बंधक बनाया एवं उसके साथ बेरहमी से मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया।

पत्नी ने नहाते हुए खुद का अश्लील वीडियो किया वायरल

पति पर आरोप लगाकर मांगे 10 लाख रुपए

भीलवाड़ा, 30 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले से रिश्तों को तार-तार कर देने वाला एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक पत्नी ने अपने ही पति को हनीट्रैप के जाल में फंसाने और उससे 10 लाख रुपए ऐंठने की खतरनाक साजिश रची।

महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर खुद का एक अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया और सारा दोष पति पर मढ़ते हुए उसे जेल भिजवाने की धमकी दी। पुलिस की साइबर जांच और सोशल मीडिया चैटिंग ने इस पूरी साजिश का पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, पीड़ित पति की शादी वर्ष 2022 में हुई थी। शादी के शुरुआती दिनों से ही घर में कलह का माहौल था। पति ने पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी कभी भी ससुराल में रहने को तैयार नहीं थी और छोटी-छोटी बातों पर झगड़ा कर अपने पीहर (मायके) चली जाती थी।

पति ने उसे खुश रखने के लिए अपनी क्षमता से बाहर जाकर नया मकान बनवाया और लाखों के जेवर भी दिलवाए, लेकिन पत्नी का व्यवहार नहीं बदला। जांच में सामने आया कि शादी के बाद भी महिला का एक अन्य युवक (प्रेमी) के साथ प्रेम प्रसंग जारी था। घटनाक्रम 20 मार्च 2026 को तब बदला, जब एक अज्ञात सोशल मीडिया अकाउंट से महिला का बाथरूम में नहाते हुए अश्लील वीडियो सार्वजनिक हो गया। वीडियो वायरल होते ही महिला और उसके साथियों ने यह प्रचारित करना शुरू कर दिया कि यह वीडियो उसके पति ने बनाया है और उसी ने इसे वायरल कर महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाई है।

मुख्यमंत्री ने केसीआर की भूमिका को माना अपने राजनीतिक मान्यता का कारण

आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी हत्या से भी अधिक घिनौना अपराध

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि उन्हें अपनी राजनीतिक मान्यता बीआरएस प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के कारण मिली। रेवंत रेड्डी ने कहा, महाभारत में शकुनी के बिना कृष्ण नहीं हैं, ठीक उसी प्रकार, केसीआर के बिना 'मैं' नहीं हूं। केवल केसीआर की वजह से मुझे मान्यता मिली। सोमवार को विधानसभा हॉल में मीडिया से अनौपचारिक बातचीत के दौरान उन्होंने आगे कहा कि पूर्व मंत्री और केसीआर विधायक टी. हरीश राव सांप से भी अधिक खतरनाक हैं।

उन्होंने किसानों की स्थिति पर टिप्पणी करते हुए कहा, किसी भी उद्योग में उत्पादक तय करता है कि किसी वस्तु का मूल्य क्या होगा। लेकिन खेती करने वाले किसान को यह अवसर नहीं मिलता। किसानों की जरूरतों का लाभ उठाकर दलाल शोषण करते हैं। किसानों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए कांग्रेस नेतृत्व वाली सरकार ने देश में न्यूनतम समर्थन मूल्य अधिनियम लागू किया था। आवश्यक वस्तुओं की अवैध जमाखोरी हत्या से भी अधिक घिनौना अपराध है। जो लोग लोगों की भूख से लाभ कमाना चाहते हैं, उनके खिलाफ कड़े कानून बनाए गए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने महसूस किया कि जमीनी चावल देने से केवल सरकारी खर्च बढ़ता है और गरीबों को कोई वास्तविक लाभ नहीं मिलता। इसलिए, सरकार ने गरीबों को साफ-सुथरे बासमती या महीन अनाज वाले चावल उपलब्ध कराने का निर्णय लिया और इसके तहत फाइन राइस योजना शुरू की।

उन्होंने कहा, इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए हमने किसानों को महीन अनाज की धान की खेती करने के लिए प्रति क्विंटल 500 का बोनस दिया। वर्तमान में 33.9 करोड़ लोग, जो तेलंगाना की 86 प्रतिशत जनसंख्या के बराबर हैं, फाइन राइस योजना का लाभ उठा रहे हैं। भविष्य में यह आंकड़ा 90 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। हमने हर व्यक्ति को राशन कार्ड जारी किया जिन्होंने इसकी मांग की। हम केवल किसानों की लाभप्रदता सुनिश्चित नहीं कर रहे हैं, बल्कि गरीबों की भूख भी मिटा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि फाइन राइस का वितरण काले बाज़ार माफिया को प्रभावी ढंग से रोकने में सफल रहा है और यह सफलता केवल नागरिक आपूर्ति मंत्री और विभागीय कर्मचारियों की सतत निगरानी के कारण संभव हुई है। उन्होंने कहा, आज फाइन राइस वितरण कार्यक्रम के एक साल पूरे होने का दिन है। हमारा अगला लक्ष्य छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ पोषक आहार भी उपलब्ध कराना है।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार न केवल धान की खेती को बढ़ावा दे रही है बल्कि अन्य फसलों को भी प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने कहा, हम किसानों को व्यावसायिक फसलों की ओर अग्रसर करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

हम उन्हें फसल चक्रण के महत्व के बारे में जागरूक करेंगे। हम किसानों पर कोई दबाव नहीं डालेंगे, बल्कि केवल जागरूकता फैलाएंगे। 'ईगल' और 'हाइड्रा' की तरह, हम खाद्य मिलावट को रोकने के लिए एक मजबूत प्रणाली लागू करेंगे। हम पूरे देश के संबंधित कानूनों का अध्ययन करेंगे और एक प्रभावी तंत्र बनाएंगे।

अदलुरी के नेतृत्व में पारित हुआ माता-पिता मेंटेनेंस बिल

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण को मजबूत करने के महत्वपूर्ण कदम के रूप में तेलंगाना सरकार ने एक विधेयक पेश किया और पारित कराया, जो नौकरीपेशा बच्चों पर वित्तीय जिम्मेदारी को अनिवार्य बनाता है और लापरवाही की स्थिति में सीधे वेतन से कटौती की व्यवस्था करता है। सोमवार को तेलंगाना विधान परिषद में तेलंगाना एम्प्लॉइज पेरेंट्स मेंटेनेंस, अकाउंटेबिलिटी एंड मॉनिटरिंग बिल, 2026 पेश किया गया और पारित किया गया, जिसका उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों के लिए वित्तीय सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना है। कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने विधेयक पेश करते हुए कहा कि यह कानून बच्चों की ओर से माता-पिता के प्रति नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी को मजबूत करता है, जो भारतीय परंपरा "मातृ देवो भव, पितृ देवो भव" के अनुरूप है। उन्होंने यह भी जोर दिया कि माता-पिता, जो अपने जीवन को बच्चों के पालन-पोषण और भविष्य को समर्पित करते हैं, उन्हें वृद्धावस्था में देखभाल, सम्मान और सुरक्षा का अधिकार है। बदलती सामाजिक परिस्थितियों को उजागर करते हुए मंत्री ने कहा कि संयुक्त परिवार प्रणाली में गिरावट और बदलती जीवनशैली ने कई वरिष्ठ नागरिकों को उपेक्षा और अकेलेपन के लिए संवेदनशील बना दिया है। उन्होंने सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि राज्य में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या, जो 2011 की जनगणना के अनुसार 32.69 लाख (9.27%) थी, अब लगभग 45 लाख तक बढ़ी है, उन्होंने यह भी बताया कि जबकि माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण और देखभाल के लिए 2007 का कानून लागू है, कार्यान्वयन में खामियां बनी हुई हैं, औसतन लगभग 1,800 मामले वार्षिक रूप से राजस्व मंडलायुक्त (आरडीओ) कार्यालयों में दर्ज किए जा रहे हैं, जो इस समस्या के पैमाने को दर्शाते हैं, हालांकि शिकायत निवारण को सुगम बनाने के लिए एक समर्पित ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया गया है, फिर भी वरिष्ठ माता-पिता आदेश जारी होने के बावजूद नियमित मेंटेनेंस सुनिश्चित करने में कठिनाइयों का सामना करते हैं, प्रस्तावित विधेयक इन कमियों को कड़े प्रवर्तन तंत्र के माध्यम से दूर करने का प्रयास करता है, प्रमुख प्रावधानों के अनुसार यदि माता-पिता जिला कलेक्टर के समक्ष शिकायत दर्ज कराते हैं और जांच में उपेक्षा पाई जाती है, तो कर्मचारी के मासिक वेतन का 15% या 10,000 में से जो भी कम हो, सीधे कटौती करके माता-पिता के बैंक खाते में जमा किया जाएगा, विधेयक राज्य सरकार के कर्मचारियों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के कर्मियों, सरकारी अनुदान प्राप्त करने वाले संस्थानों के कर्मचारियों, साथ ही लाइसेंस प्राप्त निजी प्रतिष्ठानों में काम करने वालों पर लागू होगा, यह विधेयक वेतन या भत्ता पाने वाले निर्वाचित और नामित सार्वजनिक प्रतिनिधियों पर भी लागू होगा, मंत्री ने कहा कि यह पहल मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की वरिष्ठ नागरिकों की गरिमा और कल्याण की सुरक्षा के दृष्टिकोण और प्रतिबद्धता को दर्शाती है, उन्होंने कहा कि यह कानून न केवल मौजूदा कानूनी ढांचे को मजबूत करता है बल्कि पारिवारिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारी के महत्व को भी दोहराता है, सदन के सदस्यों के समर्थन के लिए आभार व्यक्त करते हुए मंत्री ने कहा कि विधेयक परिषद में सर्वसम्मति से पारित किया गया, अद्लुरी लक्ष्मण कुमार ने विश्वास व्यक्त किया कि यह उपाय राज्य भर में वरिष्ठ माता-पिता के लिए अधिक सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करेगा।

राजस्थान समुदाय का राष्ट्रीय विकास में योगदान अमूल्य : राज्यपाल

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि राजस्थान समुदाय का राष्ट्रीय विकास में योगदान अमूल्य है। सोमवार को लोक भवन में आयोजित राजस्थान राज्य गठन दिवस समारोह में, जो एक भारत-श्रेष्ठ भारत पहल के अंतर्गत आयोजित किया गया था, राज्यपाल ने उल्लेख किया कि राजस्थान का भारत की सांस्कृतिक और पारंपरिक विरासत में विशेष स्थान है। समारोह में हैदराबाद में रहने वाले राजस्थान समुदाय के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, राज्यपाल अपनी पत्नी जानकी शुक्ला के साथ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। अपने संबोधन में उन्होंने राजस्थान समुदाय की राष्ट्रीय प्रगति और सांस्कृतिक समृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की और कहा कि उनके योगदान से देश के विकास और परंपराओं को मजबूती मिलती है। राज्यपाल के संबोधन के बाद राजस्थान की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह में राज्यपाल के संयुक्त सचिव के. शशि किरणाचारी, राजस्थान के प्रतिनिधि और लोक भवन के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

परिवहन संचालकों ने जीओ 60 का विरोध किया

आरोप लगाया अत्यधिक रेडियम लागत

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के यात्रा और पर्यटन संचालकों की संयुक्त कार्य समिति (जेएसी) ने सोमवार को राज्य परिवहन प्राधिकरण, अंबेडकर भवन में जीओ नंबर 60 के क्रियान्वयन का विरोध करते हुए प्रदर्शन किया।

जेएसी के नेताओं सैयद निज़ामुद्दीन, के. गोपाल रेड्डी और के.एम. गोविंद राजू के नेतृत्व में जेएसी ने बाद में संयुक्त परिवहन आयुक्त से मुलाकात कर सरकार के आदेश को तत्काल निलंबित करने की मांग करते हुए प्रतिनिधित्व सौंपा और वाणिज्यिक वाहनों पर परावर्तक टेप (रेडियम) चिपकाने के पुराने सिस्टम को जारी रखने की अनुमति मांगी। उन्होंने कहा कि संचालक पहले ही देश में चल रही युद्ध जैसी स्थिति के कारण गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं और नए नियम के तहत केवल पैनल किए गए विक्रेताओं के माध्यम से परावर्तक रेडियम की खरीद अनिवार्य होने से लागत लगभग 1,200 रुपये से बढ़कर लगभग 7,000 रुपये प्रति बस हो गई है, जिसे उन्होंने 'शोषणपूर्ण' बताया और खुले बाजार में खरीदारी की अनुमति वाले पुराने सिस्टम को जारी रखने की मांग की, उन्होंने बताया कि पहले एआरआई-मान्यता प्राप्त रेडियम चिपकाने की लागत लगभग 1,000 से 1,200 रुपये प्रति बस थी, जेएसी ने डीज़ल की कमी, ईंधन स्टेशनों पर लंबी कतारों और जारी आर्थिक मंदी का हवाला देते हुए कहा कि अतिरिक्त बोझ उनके जीविकोपार्जन पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है, समिति ने परिवहन मंत्री पोंनम प्रभाकर से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया और चेतावनी दी कि यदि कोई कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

मंत्री ने विधानसभा तक इलेक्ट्रिक वाहन में की सवारी, ग्रीन मोबिलिटी को बढ़ावा

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यावरण के अनुकूल परिवहन को बढ़ावा देने के लिए, तेलंगाना परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर और विधायक दानम नागेंद्र ने सोमवार को विधानसभा तक इलेक्ट्रिक वाहन में यात्रा की, ताकि राज्य की ईवी नीति को लोकप्रिय बनाया जा सके।

इस अवसर पर मंत्री ने टाटा मोटर्स की सराहना की, जिन्होंने सरकारी कर्मचारियों के लिए ईवी पर 10 प्रतिशत से 20 प्रतिशत तक की छूट प्रदान की। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने अपनी ईवी नीति के तहत इलेक्ट्रिक वाहनों पर 100 प्रतिशत रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन शुल्क माफ कर दिया है, जिससे अब तक लगभग 1,000 करोड़ रुपये के लाभ प्रदान किए गए हैं। मंत्री ने कहा, ईवी वाहनों को बढ़ावा देने के लिए सरकार चार्जिंग स्टेशन और आवश्यक बुनियादी ढांचा स्थापित कर रही है।

"मुझे मरने का मन हुआ": अभिनेत्री हेमा ने ड्रग केस के अनुभव पर तोड़ी चुप्पी

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगु अभिनेत्री हेमा सोमवार को तेलुगु फिल्म चेम्बर में फिल्म क्रिटिक्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित प्रेस मीट में भावुक हो गईं और कहा कि ड्रग केस के आरोपों ने उन्हें ''मानसिक रूप से बुरी तरह प्रभावित'' किया।

उन्होंने कहा, ''उस समय मुझे मरने जैसा महसूस हुआ'' और विवाद के चरम क्षणों को याद किया। हेमा ने कहा कि उन्होंने कोई गलत काम नहीं किया है और उन्हें अब दोषमुक्त कर दिया गया है, लेकिन उन्होंने आरोप लगाया कि मीडिया के कुछ वर्गों ने आधारहीन खबरें फैलाईं, जिससे उनके परिवार को गहरा नुकसान पहुँचा। असत्यापित रिपोर्टिंग की आलोचना करते हुए, अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें अभी भी निष्पक्ष पत्रकारिता में विश्वास है और आशा है कि मीडिया आगे उनके सच को सही रूप में पेश करेगा। एसोसिएशन के प्रतिनिधियों, जिनमें अध्यक्ष बत्तुला प्रसाद राव भी शामिल थे, ने कहा कि यह मंच हेमा को अपनी बात रखने के लिए दिया गया था, और उन्होंने नोट किया कि खासकर सोशल मीडिया पर गलत जानकारी ने कलाकारों और पत्रकारों दोनों पर बढ़ता प्रभाव डाला है। एसोसिएशन के महासचिव सुरेश कोंडेटी ने कहा कि हेमा ने मूवी आर्टिस्ट्स एसोसिएशन (एमएए) में विभिन्न पदों पर काम किया है और हमेशा उद्योग में महिलाओं का समर्थन किया है। उन्होंने कहा, ''मैं अक्सर उनके साहस से हैरान रहा हूं। यह दिल दहला देने वाला है कि इतनी बहादुर महिला को झूठी खबरों के कारण इतना सहना पड़ा। हमें खुशी है कि वह निर्दोष साबित हुई हैं और आज यहाँ अपनी खुशी और दर्द दोनों साझा करने आई हैं।''

सेब व्यापार में मुनाफे का झांसा

व्यवसायी से 5.7 करोड़ की ठगी

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के एक व्यवसायी से सेब के व्यापार में अधिक मुनाफे का लालच देकर 5.7 करोड़ रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार निजामपेट निवासी सिम्हाद्री शिवानंद से वर्ष 2021 में यादाद्री भुवनगिरी ज़िले के हुसैनबाद निवासी मंत्री बालकृष्ण ने संपर्क किया था। बताया गया कि बालकृष्ण ने शुरुआत में छोटी-छोटी रकम उधार लेकर समय पर लौटाकर शिवानंद का विश्वास जीत लिया। बाद में उसने एप्पल डीलरशिप में निवेश का प्रस्ताव दिया और 3 प्रतिशत मासिक रिटर्न व मुनाफे में हिस्सेदारी का लालच दिया। इन दावों पर भरोसा कर शिवानंद ने 5.7 करोड़ रुपये निवेश कर दिए। इसके बाद आरोपी ने पैसे लौटाने में टालमटोल शुरू कर दी, फोन उठाना बंद कर दिया और फरार हो गया।

पीड़ित ने आरोप लगाया है कि इस धोखाधड़ी में बालकृष्ण की पत्नी और उसके रिश्तेदार ई रमेश भी शामिल हैं। शिकायत मिलने पर साइबराबाद की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अच्छी सड़कों से आर्थिक विकास संभव: कोमटिरेड्डी

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क और भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने सोमवार को कहा कि गुणवत्ता वाली सड़क अवसंरचना आर्थिक प्रगति के लिए केंद्रीय महत्व रखती है। उन्होंने कहा कि बेहतर कनेक्टिविटी से तेलंगाना में निवेश बढ़ेगा और रोजगार के अवसर पैदा होंगे। विधानसभा में चर्चा के दौरान, मंत्री ने जोर देकर कहा कि सड़कें केवल आवागमन के साधन नहीं हैं, बल्कि विकास के महत्वपूर्ण साधन हैं।

उन्होंने बताया कि बेहतर सड़क नेटवर्क से बाजार तक पहुंच आसान होती है, औद्योगिक विस्तार में मदद मिलती है और कुल मिलाकर आर्थिक विकास में योगदान होता है। ग्रामीण क्षेत्रों पर पड़ने वाले प्रभाव को उजागर करते हुए, मंत्री ने कहा कि बेहतर सड़कें किसानों को बाजार तक तेज़ी से पहुँचने में मदद करती हैं, छात्रों को शैक्षणिक संस्थानों तक आसानी से पहुंचाती हैं, और मरीजों को 'गोल्डन ऑवर' में अस्पताल पहुंचाने में सक्षम बनाती हैं। उन्होंने कहा कि यह अवसंरचना विशेष रूप से युवाओं के लिए नए रोजगार अवसर भी खोलती है। सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए, मंत्री ने आधिकारिक आंकड़ों का हवाला दिया कि 2025 में पूरे देश में लगभग 4.5 लाख दुर्घटनाएँ और 1.6 लाख मौतें हुईं।

तेलंगाना में 22,441 दुर्घटनाओं में 6,221 लोगों की मौत हुई। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन औसतन 18 से 20 मौतें होती हैं, जिनमें कई युवा शामिल हैं, और इसे चिंताजनक बताया। चवेल्ला—मिर्जागुड़ा के पास हाल ही में हुई दुर्घटना का उल्लेख करते हुए जिसमें एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हुई, मंत्री ने मजबूत सुरक्षा उपायों की आवश्यकता पर बल दिया। सरकार 'अराइव अलाइव' कार्यक्रम जैसी पहलों के माध्यम से सड़क सुरक्षा और मृत्युदर घटाने के प्रयास कर रही है। सड़क निर्माण में प्रगति बताते हुए, उन्होंने कहा कि तेलंगाना में वर्तमान में 34,062 किमी सड़क नेटवर्क है। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में 1,835 किमी सड़क कार्य 7,590 करोड़ रुपए की लागत से शुरू किए गए हैं, जबकि 76 बड़े पुल निर्माणाधीन हैं। विभिन्न चरणों में 13,051 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट चल रहे हैं। पिछले 27 महीनों में, 595 किमी सड़क और 51 पुल 1,035 करोड़ रुपए की लागत से पूरे किए गए, इसके अलावा 323 किमी सड़क और 16 पुल 485 करोड़ रुपए की लागत से पूरे किए गए। मंत्री ने कहा कि सरकार अवसंरचना विकास को तेज करने के लिए हाइब्रिड एन्नुइटी मॉडल अपना रही है, जिसका लक्ष्य 12,000 किमी सड़कें विकसित करना है। मुख्य परियोजनाओं में मंत्री ने हैदराबाद रीजनल रिंग रोड, हैदराबाद—विजयवाड़ा छः लेन विस्तार, अमरावती—बंदर पोर्ट ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे, और श्रीशैलम एलिवेटेड कॉरिडोर का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएँ राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए 'गेम चेंजर' साबित होंगी। कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने प्रमुख शहरों जैसे चेन्नई, पुणे और बेंगलुरु को जोड़ने वाली हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन कॉरिडोर की योजना की भी घोषणा की, जिसमें भविष्य के पहल के तहत शमशाबाद के पास एक प्रस्तावित हब शामिल है। उन्होंने सदन को यह भी बताया कि नई उस्मानिया अस्पताल और हाई कोर्ट की इमारतों का निर्माण प्रगति पर है, जबकि हैदराबाद में चार बड़े अस्पताल 8,000 करोड़ रुए की अनुमानित लागत से विकसित किए जा रहे हैं। टीआईएमएस अस्पताल, सनात नगर जून तक महत्वपूर्ण स्तर तक पूरा होने की उम्मीद है। मंत्री ने कहा, ''अच्छी सड़कें केवल कनेक्टिविटी के लिए नहीं हैं, ये आर्थिक विकास, सुरक्षित जीवन और बेहतर भविष्य सुनिश्चित करती हैं।''

युवाओं के कौशल विकास पर विशेष जोर

अमरावती, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यसभा सदस्य साना सतीश बाबू ने राज्य के युवाओं के कौशल विकास और रोजगार सृजन को प्राथमिकता देते हुए केंद्र सरकार से महत्वपूर्ण मांगें रखी हैं। उन्होंने विशेष रूप से एमएसई-सीडीपी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया, जिसके माध्यम से राज्य में लगभग 60,000 युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

बाबू ने संबंधित मंत्रालय से आग्रह किया है कि कौशल विकास केंद्रों की स्थापना तथा प्रशिक्षण के लिए आवश्यक अवसंरचना को तत्काल विकसित किया जाए, ताकि युवाओं को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित किया जा सके।

उन्होंने काकीनाडा, पेद्दापुरम, भीमवरम और सामर्लकोट जैसे प्रमुख क्षेत्रों में क्लस्टर आधारित विकास कार्यों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया। इन क्षेत्रों में परियोजनाओं के माध्यम से स्थानीय युवाओं के कौशल में वृद्धि और रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, तणुकु में अवसंरचना विकास कार्यों की प्रगति पर भी मंत्रालय ने संतोष व्यक्त किया है, जहां परियोजनाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

साना सतीश बाबू ने कहा कि काकीनाडा निर्वाचन क्षेत्र के युवाओं के लिए स्थायी रोजगार के अवसर सुनिश्चित करना उनका मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन पहलों के माध्यम से राज्य के युवाओं को सशक्त बनाते हुए औद्योगिक विकास को भी गति मिलेगी।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

आटोमेटिक टिकट वेन्डिंग मशीन (एटीवीएम) कार्य हेतु आवेदनों का आमंत्रण

PUB/2221

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे द्वारा दो वर्ष की अवधि हेतु 23 (तेईस) स्थानों पर आटोमेटिक टिकट वेन्डिंग मशीन (एटीवीएम) कार्य (एन्गेजमेन्ट) हेतु मुहरबन्द आवेदन आमंत्रित हैं। अनुलग्नक-1 में, एटीवीएम्स की संख्या सहित स्थानों तथा फैसिलिटेटर्स की भर्ती हेतु रिक्त पद का विवरण संलग्न है।

अनुलग्नक -2 एवम् अनुलग्नक -3 में, क्रमशः एटीवीएम फैसिलिटेटर्स, सेवा निवृत्त रेलवे कर्मचारियों तथा सामान्य जन की भर्ती हेतु आवेदन पत्र संलग्न है। जिसमें सेवा निवृत्त रेलवे कर्मचारियों को प्राधान्यता दी जायेगी।

तत्संबंधित आवेदन पत्र, योग्यता मानदंड तथा विवरण **वेबसाइटः** www.scr.indian-railways.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं।

इच्छुक सेवनिवृत्त कर्मचारिगण/सामान्य जन, निम्न विवरित श्रेणीनुसार निर्धारित प्रारूप में यथावत रुप से अपने मुहरबन्द आवेदनों को प्रस्तुत कर सकते हैं।

श्रेणीयां	स्थान (23)	प्रस्तुति/खोलने की तिथि
एनएसजी-1, 2 & 3	एससी, एचवायबी, एलपीआय, सीएचजेड, बीएमटी, केएमटी, डबल्यूएल, केजेडजे & एमसीआय (9)	21-04-2026 (मंगलवार)
अन्य श्रेणियां	एमएबीडी, आरडीएम, एसकेजेडआर, पीडीपीएल, केडीएम, एनकेडी, एएलइआर, सीटी, बीपीए, एचटीसीवाय, सीडीएनआर, बीटीएनआर, एचएफजेड & बीआरबीडी (14)	22-04-2026 (बुधवार)

टिप्पणीः तत्संबंधित आवेदनों को, केवल निर्धारित तिथियों पर नामांकित स्टेशनों के लिए ही प्रस्तुत किया जाना चाहिए। नामांकित स्थानों के लिए /नामांकित तिथिय़ों के पहले या बाद में प्रस्तुत आवेदनों को सरसरी तौर पर अस्वीकार किया जायेगा।

यदि तत्संबंधित अंतिम तिथि को सरकारी छुट्टी घोषित होती है तो, निविदाओं को उसके अगले कार्य दिवस में खोला जायेगा। निविदा विवरण तथा निविदा प्रपत्र को **वेबसाइटः** www.scr.indianrailways.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

आवेदनों को, अनुसूचित तिथियों के 15.00 बजे के पहले, टेन्डर हाल, हैदराबाद डिवीजन कम्पाउण्ड, सिकंदराबाद (अनुराग क्रेचे के बाजू), सिकंदराबाद पर, रखे हुए मुहरबन्द निविदा पेटी में डालना चाहिए। अनुसूचित तिथियों के 15.00 बजे, अर्थात् तत्संबंधित तिथि व समय के बंद होने के पश्चात् प्राप्त आवेदनों को, न स्वीकार किया जायेगा न उसपर विचार ही किया जायेगा। आवेदनों को, प्रस्तुति की संबंधित अनुसूचित तिथि व समय 15.30 बजे खोला जायेगा।

A2808 वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद

छात्रा की आत्महत्या के बाद दो शिक्षक निलंबित

मंचेरियल, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सोशल वेलफेयर रेजिडेंशियल कॉलेज (गर्ल्स), चेन्नूर की एक छात्रा की आत्महत्या के बाद दो शिक्षकों को निलंबित कर दिया गया है। निलंबन आदेश जोनल अधिकारी गिरिजा ने रविवार शाम को जारी किया। आदेश के अनुसार गंगाराम गांव की सातवीं कक्षा की छात्रा श्री हिंदु (13) की मौत में कथित भूमिका को लेकर यह कार्रवाई की गई है। घटना की जांच के लिए गठित समिति ने रिपोर्ट जिला कलेक्टर और संबंधित विभाग को सौंप दी है। अधिकारियों के अनुसार छात्रा पिछले छह महीनों से मानसिक तनाव में थी। हाल ही में उसके चाचा की मौत, स्वास्थ्य समस्याएं और पढ़ाई से जुड़े दबाव के कारण वह अवसाद में थी। बताया गया कि शिक्षकों की डांट के बाद उसकी स्थिति और खराब हो गई थी। जांच रिपोर्ट के साथ एक कथित सुसाइड नोट भी सौंपा गया है।

इससे पहले छात्रा के परिजनों ने निजी अस्पताल के बाहर धरना देकर शिक्षकों पर उत्पीड़न और लापरवाही का आरोप लगाया था। बाद में प्रशासन के आश्वासन पर धरना समाप्त हुआ। बताया गया कि छात्रा ने 25 मार्च को जहरीला पदार्थ पीकर आत्महत्या का प्रयास किया था। पहले उसे सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया और बाद में हालत गंभीर होने पर निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इधर, बीआरएस नेता बल्का सुमन ने इस घटना को लेकर सरकार पर सवाल उठाते हुए संबंधित मंत्री के इस्तीफे की मांग की है।

राज्यपाल ने मेदक में मोबाइल कैंसर स्क्रीनिंग वैन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने सोमवार को लोक भवन में प्रारंभिक कैंसर स्क्रीनिंग मोबाइल यूनिट को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने मेदक के लोगों से इस सुविधा का उपयोग कर बीमारी का जल्द पता लगाने का आग्रह किया। यह मोबाइल वैन भारत डायनामिक्स लिमिटेड की कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी पहल के तहत मेदक संसदीय क्षेत्र के लोगों के लिए उपलब्ध कराई गई है। यह पहल सांसद एम. रघुनंदन राव की मांग के बाद शुरू की गई, जिसका उद्देश्य कैंसर की प्रारंभिक पहचान के लिए आसान स्क्रीनिंग सेवाएँ प्रदान करना है। अधिकारियों ने बताया कि वाहन में प्राथमिक कैंसर स्क्रीनिंग के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं, जो अस्पतालों में मिलने वाली सुविधाओं के समान हैं। कार्यक्रम के अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि कैंसर का जल्दी पता लगाना इसके प्रभावी इलाज और जान बचाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि यह मोबाइल यूनिट बीमारी की शुरूआती पहचान करने और समय पर हस्तक्षेप सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने मेदक के लोगों से इस सेवा का लाभ लेने का आग्रह किया। राज्यपाल ने मेदक सांसद के प्रयासों की सराहना की और बीडीएल को उनकी सीएसआर पहल के लिए धन्यवाद दिया। सांसद एम. रघुनंदन राव ने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसमें जिला स्तर पर कैंसर देखभाल सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

कोकीन के साथ केंद्रीय कर्मचारी समेत तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। फ्यूचर सिटी पुलिस ने रविवार को मोकिला क्षेत्र में 40 ग्राम कोकीन बरामद कर केंद्र सरकार के एक कर्मचारी सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों के अनुसार मुख्य आरोपी भारतीय रेलवे में अधीक्षक के पद पर तैनात है और वह बड़े पैमाने पर मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल था। पुलिस ने उसे प्रतिबंधित सामान बेचने की कोशिश करते समय रंगे हाथों पकड़ लिया। जांच में सामने आया कि आरोपी बेंगलुरु और गोवा से कार के जरिए हैदराबाद में ड्रग्स लाता था और फिर उन्हें स्थानीय स्तर पर बेचता था। इस मामले में पुलिस ने एक प्रतिष्ठित आईटी कंपनी के सॉफ्टवेयर इंजीनियर और एक स्थानीय व्यापारी को भी गिरफ्तार किया है।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

रिकॉर्ड बुक में शामिल हुए रोहित शर्मा

कोहली और धोनी भी नहीं हासिल कर सके ये खास मुकाम

मुंबई, 30 मार्च (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग के सीनियर क्रिकेटर रोहित शर्मा ने रविवार 29 मार्च को रिकॉर्ड बुक्स में अपना नाम दर्ज कर लिया, और आईपीएल के इतिहास में पहले खिलाड़ी बन गए, जो टूर्नामेंट की सभी 19 एडिशंस में कैप्ड प्लेयर के तौर पर खेले. ये माइलस्टोन तब हासिल हुआ जब मुंबई इंडियंस के ओपनर को 29 मार्च को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ उनके आईपीएल 2026 के पहले मैच में एमआई की प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया.

रोहित शर्मा

रोहित के क्लब में क्यों शामिल नहीं हो पाए विराट?

कुल मिलाकर रोहित और विराट कोहली ऐसे क्रिकेटर हैं जिन्होंने भारतीय प्रीमियर लीग के सभी 19 सीजन खेले हैं. हालांकि, जो बात रोहित को अलग बनाती है वो ये है कि उन्होंने अपने आईपीएल सफर के दौरान हमेशा इंटरनेशनल कैप्ड प्लेयर के तौर पर खेला. इस दाएं हाथ के बल्लेबाज ने पहले ही जून 2007 में बेलफास्ट शहर में आयरलैंड के खिलाफ भारत के लिए डेब्यू कर लिया था, इसके बाद उसी साल में टी20आई डेब्यू किया, और ये आईपीएल के पहले सीजन 2008 से पहले का वक्त था.

कोहली का इंटरनेशनल डेब्यू कब?

इसके उलट कोहली ने 2008 में आईपीएव खेला था, इसके बाद उसी साल भारत के लिए इंटरनेशनल डेब्यू श्रीलंका के खिलाफ दाम्बुला में किया.

कोहली ने पहले सीजन से लेकर अब तक सिर्फ आरसीबी टीम के लिए ही आईपीएल खेला है. धोनी जब इस सीजन का अपना पहला मैच खेलेंगे तो वो बतौर कैप्ड प्लेयर सभी 19 सीजन खेलने वाले दूसरे क्रिकेटर बन जाएंगे.

आईपीएल में रोहित का सफर

रोहित ने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत डेक्कन चार्जर्स से की थी, और आईपीएल के पहले तीन सीजन में उनको रिप्रेजेंट किया. उस दौरान उन्होंने 45 मैचों में 1170 रन बनाए और 2009 में उनके टाइटल विनिंग कैंपेन में अहम रोल अदा किया. उन्होंने उस साल इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन का अवॉर्ड भी जीता और अपनी मौजूदा फ्रेंचाइजी, मुंबई इंडियंस के खिलाफ यादगार हैट्रिक दर्ज की.

मुंबई टीम में कब शामिल हुए रोहित?

स्टाइलिश बल्लेबाज 'हिटमैन' 2011 के मेगा ऑक्शन के दौरान मुंबई इंडियंस में शामिल हुए और तब से इस फ्रेंचाइजी के फेस बन गए, अपनी कप्तानी में उन्हें 5 आईपीएल चैंपियनशिप दिलाई. इतने सालों में रोहित ने एमआई के लिए 228 मैच खेले, 5876 रन बनाए और खुद को लीग के सबसे कंसिस्टेंट प्लेयर के तौर पर शोहरत हासिल की.

पाकिस्तान लीग में बॉल टैंपरिंग विवाद

फखर जमान पर 1-2 मैच का बैन लग सकता है, लाहौर पर 5 रन की पेनल्टी

लाहौर, 30 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान सुपर लीग में बॉल टैंपरिंग के मामले में फखर जमान पर एक या दो मैच का बैन लग सकता है। पीएसएल में रविवार को लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स के बीच खेले गए मुकाबले में बॉल टैंपरिंग को लेकर विवाद सामने आया।

लाहौर कलंदर्स पर बॉल टैंपरिंग (गेंद से छेड़छाड़) करने का आरोप लगा और टीम पर 5 रन की पेनल्टी लगाई गई। अब फखर जमान को मैच रेफरी रोशन महानामा के सामने सुनवाई का सामना करना होगा, जहां उनके खिलाफ आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

रन-अप पर तीन खिलाड़ी गेंद से छेड़छाड़ कर रहे थे

घटना कराची किंग्स की पारी के 19वें ओवर के बाद हुई। उस वक्त कराची को जीत के लिए आखिरी ओवर में 14 रन चाहिए थे और लाहौर की ओर से हारिस रऊफ गेंदबाजी करने आने वाले थे। तभी शाहीन शाह अफरीदी (कप्तान), हारिस रऊफ और फखर जमान बॉलर के रन-अप पर एक साथ इकट्ठा हो गए। तीनों खिलाड़ियों ने गेंद को अपने हाथों में लिया। अंपायर फैसल अफरीदी ने यह सब देखा और उनसे गेंद वापस ले ली। उन्होंने गेंद को अच्छी तरह जांचा और स्क्वेयर लेग अंपायर शर्फुद्दौला से लंबी चर्चा की। अंपायरों का फैसला था कि लाहौर कलंदर्स ने गेंद से छेड़छाड़ की है। इसलिए कराची किंग्स को 5 पेनल्टी रन दे दिए गए। साथ ही गेंद भी तुरंत बदल दी गई। इस फैसले के बाद कराची किंग्स को जीत के लिए सिर्फ 9 रन चाहिए थे।

कप्तान अफरीदी और अंपायर्स के बीच बहस

अंपायर के इस फैसले पर लाहौर के कप्तान शाहीन अफरीदी मैदान पर भड़क गए। उनकी अंपायरों के साथ बहस भी हुई। मैच के बाद प्रेजेंटेशन सेरेमनी में शाहीन ने कहा कि उन्हें अब तक समझ नहीं आया है कि पेनल्टी रन क्यों दिए गए। उन्होंने कहा, हम देखेंगे कि अंपायर अपनी रिपोर्ट में क्या कहते हैं, फिलहाल स्थिति स्पष्ट नहीं है।

पेनल्टी रन मिलने के बाद कराची आसानी से जीता

5 रन की पेनल्टी ने कराची किंग्स को आखिरी ओवर में 9 रन बनाने थे। हारिस रऊफ ने पहली गेंद पर खुशदिल शाह को आउट कर दिया, लेकिन अगली ही गेंद उन्होंने वाइड फेंक दी। इसके बाद क्रीज पर आए अब्बास अफरीदी ने एक चौका और फिर एक छक्का जड़कर अपनी टीम को 3 बॉल बाकी रहते 4 विकेट से जीत दिला दी।

यानिक सिनर ने जीता मियामी ओपन का खिताब

फाइनल में जिरी लेहेका को हराया

मियामी, 30 मार्च (एजेंसियां)। इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर ने मियामी ओपन का खिताब जीत लिया है। उन्होंने फाइनल मुकाबले में चेक गणराज्य के जिरी लेहेका को 6-4, 6-4 से हराया। इस जीत के साथ ही सिनर ने 'सनशाइन डबल' भी पूरा किया। सिनर फाइनल में जिरी लेहेका को 6-4, 6-4 से हराकर 2017 में रोजर फेडरर के बाद एक ही सीजन में इंडियन वेल्स और मियामी जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए। इसके अलावा, सिनर दोनों इवेंट्स में एक भी सेट गंवाए बिना यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी हैं। 24 साल के सिनर ने अपने करियर में पहली बार इंडियन वेल्स जीता और 'सनशाइन डबल' जीतने वाले आठवें पुरुष खिलाड़ी बने। नोवाक जोकोविच और फेडरर ने कई मौकों पर यह उपलब्धि हासिल की है।

जिम कूरियर (1991), माइकल चांग (1992), पीट सम्प्रास (1994), मार्सेलो रियोस (1998), आंद्रे अगासी (2001), रोजर फेडरर (2005-06) और नोवाक जोकोविच (2011, 2014-16) वो खिलाड़ी रहे हैं, जिन्होंने सिनर से पहले सनशाइन डबल पूरा किया है। इस खास उपलब्धि को हासिल करने के बाद सिनर ने कहा, 'यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में मैंने कभी (जीतने) नहीं सोचा होगा, क्योंकि इसे हासिल करना मुश्किल है। मैं अपनी इस उपलब्धि से बेहद खुश हूं।' सिनर ने एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर पर लगातार 34 सेट जीतकर अपना शानदार रिकॉर्ड भी बढ़ाया, जो पिछले साल के पेरिस मास्टर्स की शुरुआत से जारी है। एटीपी विन/लॉस इंडेक्स के मुताबिक, इस सीजन में उनका रिकॉर्ड 19-2 हो गया है।

सबालेंका महिलाओं में बनीं चैंपियन

शनिवार को महिला मियामी ओपन का खिताब आर्यना सबालेंका ने जीता। उन्होंने भी सिनर की तरह अपना 'सनशाइन डबल' पूरा किया। यह महज चौथी बार है जब एटीपी खिलाड़ी और डब्ल्यूटीए खिलाड़ी ने एक ही साल में सनशाइन डबल पूरा किया है। सबसे पहली बार यह कारनामा साल 1994 में हुआ था। सैम्प्रास और स्टेफी ग्राफ ने इंडियन वेल्स और मियामी ओपन में जीत हासिल की थी।

वहीं, 2005 में फेडरर और किम क्लिस्टर्स ने यह खास उपलब्धि हासिल की थी, जबकि 2016 में जोकोविच और विक्टोरिया अजारेंका ने 'सनशाइन डबल' पूरा किया था। एटीपी रैंकिंग में सिनर अब कार्लोस अल्काराज से 1,190 प्वाइंट पीछे हैं। दूसरी ओर, 24 वर्षीय लेहेका अपने करियर के पहले एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल में पहुंचे थे।

आईपीएल से हटने पर कड़ी सजा जरूरी : गावस्कर

2 साल का बैन असरदार नहीं; इंग्लिश बैटर डकेट ने नाम वापस लिया

मुंबई, 30 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने आईपीएल से हटने वाले प्लेयर्स पर कड़ी सजा लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा, अभी आईपीएल में 2 साल का बैन लगता है। लेकिन यह ज्यादा प्रभावी नहीं है।

यह बयान इंग्लैंड के बल्लेबाज बेन डकेट के हटने के बाद आया है। डकेट को दिल्ली कैपिटल्स ने 2 करोड़ रुपए में खरीदा था। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय करियर पर ध्यान देने की बात कहकर टूर्नामेंट से दूरी बना ली।

इस तरह के मामले लगातार सामने आ रहे

गावस्कर ने कहा कि डकेट का फैसला समझा जा सकता है। वे इंग्लैंड टेस्ट क्रिकेट पर फोकस करना चाहते हैं। आईपीएल में बार-बार इस तरह के मामले सामने आ रहे हैं, जिससे लीग की योजना प्रभावित होती है।

आईपीएल में पेनल्टी लगनी चाहिए

गावस्कर ने उदाहरण देते हुए बताया कि स्लो ओवर रेट पर मिलने वाली सजा मैच के दौरान असर डालती है, इसलिए खिलाड़ी तुरंत सुधार करते हैं। इसी तरह आईपीएल में भी ऐसी पेनल्टी होनी चाहिए जो सीधे खिलाड़ी को प्रभावित करे।

हालांकि, किस तरह की सजा लागू होनी चाहिए, इस पर गावस्कर ने कोई ठोस सुझाव नहीं दिया। उन्होंने कहा कि इस पर फैसला भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को करना होगा।

ऑस्ट्रेलियाई प्लेयर्स पर भी सवाल उठाए

इससे पहले गावस्कर ने जोश हेजलवुड, मिचेल स्टार्क और पैट कमिंस के शुरुआती मैच मिस करने पर भी सवाल उठाए थे। हालांकि कमिंस और हेजलवुड टीम से जुड़ चुके हैं, जबकि स्टार्क चोट के कारण बाद में जुड़ेंगे।

पेशेवर मुक्केबाजी में उतर सकती हैं छह बार की विश्व चैंपियन एमसी मैरी कॉम

इंफाल, 30 मार्च (एजेंसियां)। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता और छह बार की विश्व चैंपियन भारतीय मुक्केबाज एमसी मैरी कॉम ने कहा कि वह पेशेवर मुक्केबाजी में उतर सकती हैं। लंदन ओलंपिक 2012 में कांस्य पदक जीतकर ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला मुक्केबाज बनी 43 वर्ष की मैरी कॉम ने कहा कि अमैच्योर सर्किट पर खेलने के लिए अब उनकी उम्र निकल चुकी है।

मैरी कॉम ने कहा, छह विश्व चैंपियनशिप जीतना खास रहा। अब मैं उस उम्र में हूं कि देश के लिए अमैच्योर सर्किट पर नहीं खेल सकती। पेशेवर मुक्केबाजी एक नया मौका हो सकता है। अभी इस बारे में सोच रही हूं। मैं कड़ी मेहनत करके वापसी की कोशिश में हूं ताकि लोगों को बता सकूं कि मैं क्या कर सकती हूं। मैं निजी तौर पर अपनी अकादमी से भी जुड़ी हूं। मैं मणिपुर आती जाती रहती हूं। कई बार मणिपुर के मौजूदा हालात के कारण मुश्किल हो जाती है लेकिन मैं जब नहीं जा पाती हूं तो भी फोन कॉल से अकादमी का कामकाज देखती हूं।

25.20 करोड़ के प्लेयर से बॉलिंग न कराने पर सवाल

बचाव में कूदा क्रिकेट बोर्ड

मुंबई, 30 मार्च (एजेंसियां)। वानखेड़े में मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइटराइडर्स के बीच हुए मैच में कैमरून ग्रीन ने गेंदबाजी क्यों नहीं की? आईपीएल 2026 के केकेआर के पहले मैच में इस ऑस्ट्रेलियन ऑलराउंडर के एक भी ओवर बॉलिंग न करने के बाद, फैंस और एक्सपर्ट्स, दोनों के मन में यही सवाल था.

रहाणे ने सवाल को किया बाईपास

मैच के बाद हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने ग्रीन की तेज गेंदबाजी का इस्तेमाल न करने के बारे में कहा, 'क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से पूछिए.' असल में, रहाणे के इस बयान ने केकेआर की थिंक-टैंक और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के बीच बातचीत के तरीकों को लेकर और भी ज्यादा सवाल खड़े कर दिए.

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की सफाई

अपनी तरफ से सीए ने इस बात को कंफर्म किया है की है कि ग्रीन को पीठ में हल्की चोट लगी है. और केकेआर फ्रेंचाइजी को ये जानकारी दी गई थी कि प्रैक्टिस सेशन में उनका वर्कलोड धीरे-धीरे बढ़ाया जाएगा, ताकि ग्रीन सही समय आने पर अपनी गेंदबाजी फिर से शुरू कर सकें. ग्रीन ने हाल ही में वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया और न्यू साउथ वेल्स के बीच हुए शेफ़ील्ड शील्ड मैच में सिर्फ एक बल्लेबाज के तौर पर खेला था. इस ऑलराउंडर की 2024 में पीठ की सर्जरी भी हुई थी.

कब होगी बॉलिंग में वापसी?

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के एक प्रवक्ता ने कहा, 'कैमरून ग्रीन को पीठ के निचले हिस्से में चोट लगी है, जिसका इलाज चल रहा है, लेकिन इस वजह से उन्हें कुछ टाइम के लिए गेंदबाजी से दूर रहना होगा. कैमरून फिलहाल भारत में अपनी गेंदबाजी की प्रैक्टिस फिर से शुरू कर रहे हैं, ताकि वो तकरीबन 10-12 दिनों में वापसी कर सकें. केकेआर को इस बारे में बता दिया गया है और उन्हें इस जानकारी की पूरी जानकारी है.'

पिछले साल दिसंबर में हुए आईपीएल ऑक्शन में केकेआर ने इस ऑलराउंडर को 25.20 करोड़ रुपये की रक़म में खरीदा था. बदकिस्मती से इस साल ग्रीन का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है; उन्होंने टी20आई में सिर्फ़ 117 रन बनाए हैं और 2 विकेट लिए हैं. 2025-26 की एशेज सीरीज में इस ऑलराउंडर ने 4 विकेट लिए थे और उनका औसत 24 से थोड़ा ज्यादा रहा था.

वेटरन विमंस क्लब- फुटबॉल की 'खोई हुई' पीढ़ी की वापसी

46 की उम्र में पहली बार पहनी किट तो छलके आंसू; खेलने से महरूम रहीं महिलाएं मैदान पर

लंदन, 30 मार्च (एजेंसियां)। मौजूदा दौर में जब लड़कियां टीवी पर महिला वर्ल्ड कप और यूरोपियन चैम्पियनशिप जैसे बड़े फुटबॉल टूर्नामेंट देख रही हैं, तब एक पीढ़ी ऐसी भी है जिसके दिल में एक गहरी टीस है। यह उन महिलाओं की 'खोई हुई' पीढ़ी है जो 70, 80 और 90 के दशक में फुटबॉल के जुनून के साथ बड़ी तो हुईं, लेकिन उन्हें खेलने का कोई मंच नहीं मिला।

अब जब यही महिलाएं 40 या 50 की उम्र पार कर चुकी हैं, तो वे अपने उस छूटे हुए ख्वाब को फिर से जी रही हैं।

भावनाएं इस कदर जुड़ी हैं कि जब एक 46 साल की महिला ने जिंदगी में पहली बार पूरी किट (बूट्स, शिन पैड्स और जर्सी) पहनकर मैदान पर कदम रखा, तो आंखों से आंसू छलक पड़े।

फीफा की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, 2019 के बाद से संगठित रूप से फुटबॉल खेलने वाली महिलाओं और लड़कियों की संख्या 24% बढ़कर 1.66 करोड़ के पार पहुंच गई है। 2027 तक इसे 6 करोड़ तक ले जाने का लक्ष्य है। लेकिन, ग्रासरूट लेवल पर उन महिलाओं की एक बड़ी तादाद है, जिन्हें उनके दौर में सुविधाओं और सामाजिक नजरिए के अभाव में पीछे छोड़ दिया गया था।

करीब 40-50 साल पहले, लड़कियों के लिए शौक के तौर पर भी फुटबॉल खेलना एक बड़ा संघर्ष था। जो लड़कों के साथ फुटबॉल खेलती थीं, उन्हें अक्सर 'टॉमबॉय' कहकर चिढ़ाया जाता था। स्कूलों में भी खेल बंटे हुए थे। लड़कियों को नेटबॉल और हॉकी की तरफ भेज दिया जाता था, जबकि फुटबॉल और रग्बी लड़कों के लिए आरक्षित माने जाते थे।

महिलाओं की कोई स्थानीय टीम या क्लब नहीं होते थे। ऐसे में लड़कियों को ऊबड़-खाबड़ मैदानों पर लड़कों की टीमों के बीच अपना खेल साबित करना पड़ता था।

वर्षों बाद अब यह पीढ़ी अपने उस छूटे हुए खेल को दोबारा गले लगा रही है। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में 'वेटरन विमंस क्लब' बन रहे हैं, जहां उम्रदराज महिलाएं प्रतिस्पर्धी फुटबॉल खेल रही हैं।

2015 में कैरल बेट्स ने 25 से 80 साल की महिलाओं के लिए 'क्रॉली ओल्ड गर्ल्स' नाम से एक क्लब बनाया।

बेट्स खुद उसी पीढ़ी से आती हैं, जिनसे उनका खेल छिन गया था। इसी तर्ज पर जो ट्रेहर्न ने उन महिलाओं के लिए 'कैंटरबरी ओल्ड बैग्स' की शुरुआत की, जो जिंदगी के इस पड़ाव पर खेल का हिस्सा बनना चाहती हैं।

35 से 50 साल की उम्र में मैदान पर लौट रहीं इन महिलाओं की कहानियां भावुक करने वाली हैं। इनमें से कई ने बचपन में बिना गोलपोस्ट या बुनियादी सुविधाओं के खेला था। अब जब ये महिलाएं पूरी किट पहनकर मैदान पर उतरती हैं, तो यह उनके लिए सिर्फ एक खेल नहीं रह जाता, बल्कि एक तरह का सशक्तिकरण बन जाता है। जो महिलाएं खेल नहीं पा रही हैं, वे अब लड़कियों की टीमों को कोचिंग देकर अपना सपना पूरा कर रही हैं। यह केवल फुटबॉल की वापसी नहीं है, बल्कि उस पीढ़ी की जीत है जिसने अपने खेल से कभी हार नहीं मानी।

हार्दिक ने मिहिका को 1.7 करोड़ की कार गिफ्ट की

दोनों शोरूम पर साथ दिखे, अक्टूबर में अपने रिश्ते का खुलासा किया था

मुंबई, 30 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने अपनी गर्लफ्रेंड मिहिका शर्मा को करीब 1.7 करोड़ रुपए की मर्सिडीज बेंज वी क्लास कार गिफ्ट की है। रिपोर्ट के मुताबिक, हार्दिक और मिहिका दोनों शोरूम पर साथ दिखे, जहां उन्होंने इस कार को डिलीवर करवाया। हार्दिक लग्जरी कारों के शौकीन हैं और हाल ही में उन्होंने खुद के लिए भी एक महंगी फरारी खरीदी थी।

वहीं, क्रिकेट के मैदान पर भी हार्दिक की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने इतिहास रच दिया है। टीम ने 13 सालों के सूखे को खत्म करते हुए सीजन का अपना पहला मैच जीत लिया है। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में मुंबई ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 6 विकेट से हराया। हार्दिक और मिहिका शर्मा ने अक्टूबर 2025 में अपने रिलेशनशिप को पब्लिक किया था। इसके बाद से ही मिहिका को अक्सर सार्वजनिक कार्यक्रमों और क्रिकेट स्टेडियम में हार्दिक के साथ देखा जाता रहा है। हाल ही में नरेंद्र मोदी स्टेडियम में जब टीम इंडिया ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीती, तब भी मिहिका जीत के जश्न के दौरान हार्दिक के साथ मौजूद थीं।

हार्दिक ने साल 2024 में सर्बियाई मॉडल नताशा स्टेनकोविच से तलाक लिया था। दोनों की मुलाकात 2020 में कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान हुई थी, जिसके बाद उन्होंने उसी साल शादी कर ली थी। 30 जुलाई 2020 को उनके बेटे अगस्त्य का जन्म हुआ। जुलाई 2024 में हार्दिक और नताशा ने आपसी सहमति से अलग होने का निर्णय लिया। अब हार्दिक और नताशा मिलकर अपने बेटे अगस्त्य की परवरिश कर रहे हैं।

नताशा से अलग होने के बाद हार्दिक का नाम मॉडल-सिंगर जैस्मीन वालिया के साथ जुड़ा। दोनों को कई मौकों पर एक ही लोकेशन पर स्पॉट किया गया था। दोनों एक-दूसरे को सोशल मीडिया पर फॉलो भी करते थे लेकिन कुछ समय बाद दोनों की राहें अलग हो गई। पिछले साल अक्टूबर में हार्दिक और मिहिका ने अपने रिश्ते को पब्लिक किया। हार्दिक ने अपने जन्मदिन के मौके पर मिहिका के साथ इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर कीं।

अवैध गैस सिलेंडरों की ब्रिकी का भंडाफोड़, 10 आरोपी गिरफ्तार

21 लाख रुपए के 414 सिलेंडर जब्त

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के बंजारा हिल्स में नगर निगम क्षेत्र के निगरानी टीम और बंजारा हिल्स पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 10 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जो अवैध रूप से एचपी गैस सिलेंडरों की बिक्री कर रहे थे। डीसीपी कमिश्नर टास्क फोर्स, हैदराबाद, गायकवाड़ वैभव रघुनाथ ने बताया कि इस कार्रवाई में कुल 414 गैस सिलेंडर जब्त किए गए, जिनकी कीमत लगभग 21,88,000 रुपए बताई गई है। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में मोहम्मद आमिर, मोहम्मद यूसुफ, मोहम्मद इस्माइल, ए. रामाराव, लोक कुमार, मोहम्मद सकरुद्दीन, मोहम्मद मुन्ताज अंसारी, मोहम्मद मिनाज अंसारी, राजेश पाल और राम राज सिंह शामिल हैं। डीसीपी ने कहा कि आरोपी सिलेंडरों को अत्यधिक मूल्य पर ग्राहकों को बेच रहे थे और नियमों का उल्लंघन करते हुए इन्हें नार्गजुना क्रॉस रोड के पास एक कब्रिस्तान में जमा कर रहे थे।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों के पास विभिन्न प्रकार के गैस सिलेंडर जब्त किए गए, जिनमें 47 किलो, 19 किलो और 5 किलो के फुल एवं खाली सिलेंडर शामिल हैं। इसके अलावा कार्रवाई में 16 वाहनों को भी जब्त किया गया। आरोपी मोहम्मद आमिर 'मेट्रो गैस एजेंसी' नामक एचपी गैस एजेंसी चला रहा था।

जांच में सामने आया कि आरोपी नियमों का उल्लंघन कर सिलेंडरों को कब्रिस्तान में जमा कर रहा था और जनता से अधिक मूल्य वसूल रहा था। इस छापेमारी में कमिश्नर टास्क फोर्स, ज्वाइबली हिल्स जोन इंस्पेक्टर च. यादवेंद्र, एस. आई. डी. रवि राज और उनकी टीम ने बंजारा हिल्स पुलिस के साथ मिलकर कार्रवाई को अंजाम दिया।

घृणास्पद भाषण विधेयक पर केटीआर का विरोध

बताया अभिव्यक्ति की आजादी पर खतरा

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामाराव ने सोमवार को तेलंगाना घृणास्पद भाषण और घृणा अपराध (रोकथाम) विधेयक का कड़ा विरोध करते हुए इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने वाला बताया। उन्होंने कहा कि यह कानून असहमति को दबाने का माध्यम बन सकता है। रामाराव ने कहा कि घृणास्पद भाषण को रोकना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन प्रस्तावित विधेयक बहुत व्यापक और अस्पष्ट है, जिससे इसके दुरुपयोग की आशंका बढ़ जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कानून विपक्षी नेताओं, पत्रकारों और सरकार की आलोचना करने वालों के खिलाफ इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि विधेयक में "सद्भाव बिगाड़ना" और "गलत सूचना फैलाना" जैसे शब्दों का उपयोग किया गया है, जिनकी स्पष्ट परिभाषा नहीं है। इससे कार्रवाई साक्ष्य के बजाय व्याख्या पर निर्भर हो सकती है।

सुप्रीम कोर्ट के 'श्रेया सिंघल बनाम भारत संघ' मामले का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि केवल वही भाषण प्रतिबंधित होना चाहिए जो हिंसा या अव्यवस्था को बढ़ावा दे। उन्होंने चेतावनी दी कि इससे अधिक सख्त प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 19(1)(क) का उल्लंघन कर सकते हैं। रामाराव ने विधेयक में प्रस्तावित सख्त सजा प्रावधानों पर भी चिंता जताई, जिनमें पहली बार अपराध पर सात साल और बार-बार अपराध पर दस साल तक की सजा शामिल है। उन्होंने कहा कि इससे लोग अपनी राय रखने से डर सकते हैं। उन्होंने सरकार से इस विधेयक पर पुनर्विचार करने की मांग की और कहा कि मौजूदा कानून पहले से ही ऐसे मामलों से निपटने के लिए पर्याप्त हैं।

केबीआर पार्क फ्लाईओवर कार्यों का निरीक्षण, तेजी लाने के निर्देश

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में केबीआर पार्क के पास निर्माणाधीन फ्लाईओवर कार्यों का सोमवार को जीएचएमसी आयुक्त आर. वी. कर्णन ने स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ मुख्य अभियंता सहदेव रत्नाकर भी मौजूद रहे। बंजारा हिल्स के रोड नंबर दो के पास चल रहे इस प्रोजेक्ट की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों ने बताया कि सभी छह पियर फाउंडेशन के लिए खुदाई पूरी हो चुकी है। इनमें से तीन पियर के लिए पीसीसी (प्लेन सीमेंट कंक्रीट) बेड का कार्य भी पूरा कर लिया गया है, जबकि राफ्ट फाउंडेशन के लिए स्टील फैब्रिकेशन का कार्य मंगलवार से शुरू होगा। आयुक्त ने ट्रैफिक को प्रभावित किए बिना कार्यों के सुचारु संचालन पर संतोष व्यक्त किया, लेकिन निर्माण कार्यों की गति और बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण एजेंसी मेगा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को अतिरिक्त मशीनरी और श्रमिकों की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा, ताकि परियोजना समय पर पूरी की जा सके। निरीक्षण के दौरान कार्यकारी अभियंता (प्रोजेक्ट्स), उप कार्यकारी अभियंता, सहायक अभियंता और निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

विधानसभा में एडवोकेट प्रोटेक्शन बिल 2026 पर चर्चा

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा में पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्गों के न्यायिक प्रतिनिधित्व को लेकर एडवोकेट प्रोटेक्शन बिल 2026 पर चर्चा हुई। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि एससी, एससी, बीसी और अल्पसंख्यक वर्गों से न्यायधीशों की संख्या को बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार को तत्काल कदम उठाने चाहिए। मंत्री ने इस दौरान कहा कि एससी, एससी, बीसी औऔर अल्पसंख्यक वर्गों से न्यायधीशों की नियुक्ति अनिवार्य हो। पिछले 12 वर्षों में केंद्र सरकार ने इन वर्गों के प्रतिनिधियों की नियुक्ति में नाकाफी प्रयास किए हैं। न्यायिक प्रणाली में समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए केंद्र को मार्गदर्शन देना चाहिए। उन्होंने कहा कि बीजेपी नेता मुफ्त कानूनी सलाह देने में अग्रणी हैं, लेकिन जब सत्ता में आते हैं तो समान अवसर नहीं देते कांग्रेस पार्टी और विशेष रूप से राहुल गांधी भविष्य में न्यायिक व्यवस्था में एससी, एससी, बीसी और अल्पसंख्यक वर्गों को समान अवसर देने का वचन देती है। 10% आरक्षण लागू करने पर किसी ने विरोध नहीं किया, इसलिए न्यायपालिका में भी समान अवसर दिए जाने चाहिए। मंत्री ने कहा कि न्यायिक व्यवस्था में पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्गों को अवसर देने से समानता और न्याय सुनिश्चित होगा, और यह भविष्य की पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक साबित होगा।

शादी से इनकार पर युवती ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बालापुर क्षेत्र में एक दुखद घटना में 28 वर्षीय युवती ने अपने प्रेमी द्वारा कथित रूप से शादी से इनकार किए जाने पर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार रोशन दौला इलाके की निवासी सुवर्णा पिछले चार वर्षों से हयातनगर निवासी राकेश (28) के साथ संबंध में थी। दोनों निजी क्षेत्र में कार्यरत थे। बताया गया कि हाल ही में युवती ने शादी की बात उठाई, लेकिन युवक ने कथित तौर पर कहा कि उसका परिवार इस रिश्ते को स्वीकार नहीं करेगा और वह किसी अन्य से विवाह करना चाहता है। इससे आहत होकर सुवर्णा ने रविवार को अपने घर पर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.